THE LARGEST CIRCULATED AND READ HINDI DAILY IN TELANGANA & ANDHRA PRADESH

स्वतंत्र वार्ता

epaper.vaartha.com

बेल के लिए दिल्ली हाईकोर्ट पहुंचे मनीष सिसोदिया

नई दिल्ली, 2 मई (एजेंसियां)। दिल्ली शराब नीति घोटाले से जुड़े ईडी और सीबीआई मामले में जमानत के लिए दिल्ली के आप नेता मनीष सिसोदिया ने गुरुवार को दिल्ली हाईकोर्ट का रुख किया।

इससे पहले ट्रायल कोर्ट ने सिसोदिया को जमानत देने से इनकार कर दिया था। दिल्ली की राउज एवेन्यू कोर्ट की जज कावेरी बावेजा ने 30 अप्रैल को सिसोदिया को जमानत देने से इनकार कर दिया था, जो दूसरी बार नियमित जमानत की मांग कर रहे हैं। गुरुवार को मामले को तत्काल रूप से कार्यवाहक मुख्य न्यायाधीश मनमोहन और न्यायमूर्ति मनमीत पीएस अरोड़ा की खंडपीठ के समक्ष पेश किया गया, जिसमें सिसोदिया का प्रतिनिधित्व उनके वकील रजत भारद्वाज ने किया। >14

वर्ष-29 अंक : 41 (हैदराबाद, निजामाबाद, विशाखापट्टणम, तिरुपति से प्रकाशित) वैशाख कृ.10 2081 शुक्रवार, 3 मई-2024

प्रधान संपादक - डॉ. गिरीश कुमार संघी हैदराबाद नगर पृष्ठ : 16 मूल्य : 8 रुपये

पाकिस्तान चाहता है कांग्रेस का शहजादा प्रधानमंत्री बने : मोदी

भारत में कांग्रेस दम तोड़ रही, वहां पाकिस्तान रो रहा

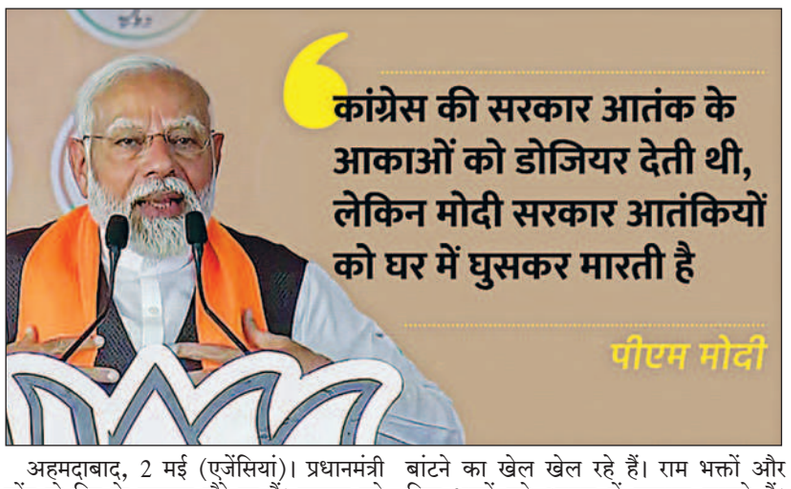

> पाकिस्तान के हाथों में आज भीख का कटोरा

उन्होंने कहा, पाकिस्तान में आतंकवाद का टायर पंक्चर हो गया है। जो देश कभी आतंक एक्सपोर्ट करता था, आज वह आटे के इम्पोर्ट के लिए दर-दर भटक रहा है। कभी जिसके हाथ में बम-गोला होता था, उसके हाथ में आज भीख का कटोरा है। कांग्रेस की कमजोर सरकार आतंक के आकाओं को डोजियर देती थी, लेकिन मोदी की मजबूत सरकार देखिए, डोजियर देने में टाइम खराब नहीं करती, आतंकियों को घर में घुसकर मारती है।

अहमदाबाद, 2 मई (एजेंसियां)। प्रधानमंत्री नरेंद्र दो दिन के गुजरात दौरे पर हैं। गुरुवार को पीएम ने आणंद की जनसभा में कहा, भारत में कांग्रेस कमजोर हो रही है। यहां कांग्रेस मर रही है तो वहां पाकिस्तान रो रहा है। कांग्रेस के लिए पाकिस्तान के आका दुआ कर रहे हैं। शहजादे को प्रधानमंत्री बनाने के लिए पाकिस्तान उतावला है। पाकिस्तान और कांग्रेस की यह पार्टनरशिप पूरी तरह एक्सपोज हो गई है।

मोदी ने सुरेंद्रनगर में अपनी दूसरी जनसभा में कहा, कांग्रेस हमेशा रॉन्ग डिलीवरी करने वाली पार्टी रही है। देश को आजादी दिलवाने की जगह उन्होंने देश को ही विभाजित कर दिया। देश का विकास करने के बजाय उन्होंने जो कुछ था, उसे ही लूट लिया। गरीबों का पैसा कांग्रेस के खजाने में पहुंच गया। आज ये पार्टी राम और शिव भक्तों को आपस में लड़ाना चाहती है। कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे ने भगवान राम और भगवान शिव को लेकर खतरनाक बयान दिया था। ये हिंदू समाज को बांटने का खेल खेल रहे हैं। राम भक्तों और शिव भक्तों को आपस में लड़ाना चाहते हैं। लेकिन, हमारी हजारों साल की महान परंपरा को कोई नहीं तोड़ सकता। मुगल नहीं तोड़ पाए तो अब कांग्रेस हमें तोड़ना चाहती है।

कश्मीर से 370 हटाकर सरदार साहब को दी श्रद्धांजलि :

कांग्रेस के शहजादे माथे पर संविधान रखकर नाच रहे हैं। लेकिन, जरा कांग्रेस मुझे जवाब दे, जिस संविधान को माथे पर रखकर नाच रहे हो। तो वहीं संविधान 75 साल तक पूरे देश लागू क्यों नहीं होता था। मोदी के आने से पहले देश में दो संविधान, दो झंडे और दो प्रधानमंत्री हुआ करते थे।

कश्मीर में संविधान लागू नहीं होता था। क्योंकि, धारा 370 दीवार बनकर बैठी थी। लेकिन, गुजरात से दिल्ली पहुंचे आपके इस बेटे ने धारा 370 को खत्म किया और सरदार साहब को सबसे बड़ी श्रद्धांजिल दी। मैंने गुजरात में सिर्फ सरदार साहब की सबसे बड़ी स्टेच्यू बनाकर ही नहीं, बल्कि कश्मीर में तिरंगा फहराकर, सरदार साहब के सपने को पूरा किया है।

गरीबों ने कांग्रेस ही छोड़ दी :

'आधी रोटी खाएंगे, इंदिरा लाएंगे' कहने वाले आज कांग्रेस छोड़ चुके हैं। नेहरू के समय से कांग्रेस की रिमोट सरकार चल रही थी। आपने सारे चुनावी रिकॉर्ड निकाल दिए। हर मीटिंग में एक ही जुमला बोला जाता था, बेचारा, गरीब.. गरीब... गरीब। दरअसल ये उनका खेल था, लेकिन जब से मोदी ने गरीबों की सुध लेनी शुरू की, गरीबों ने कांग्रेस ही छोड़ दी।

मुस्लिमों को आरक्षण देना चाहती है कांग्रेस

पीएम ने कहा, आज कांग्रेस कहती है कि भाजपा 400 सीटें इसलिए मांग रही है, जिससे कि आरक्षण खत्म कर सके। जबकि खुद ही धर्म के आधार पर एसटी, एससी, ओबीसी और पिछड़े वर्ग को मिले आरक्षण में कटौती कर मुस्लिमों को आरक्षण देना चाहती है। >14

राहुल गांधी का अमेठी से चुनाव लड़ना तय

लखनऊ, 2 मई (एजेंसियां)। अमेठी से राहुल गांधी का चुनाव लड़ना लगभग तय हो गया है। गुरुवार को अमेठी पहुंचे सोनिया गांधी के प्रतिनिधि किशोरी लाल शर्मा ने कहा, गांधी परिवार का सदस्य ही चुनाव लड़ेगा। जब उनसे पूछा गया कि क्या राहुल लड़ेंगे? उन्होंने कहा कि सारी तैयारियां उनके ही लिए है।

किसी दूसरे व्यक्ति के लिए नहीं। पार्टी के कार्यकर्ता यही चाहते हैं कि गांधी परिवार से ही कोई सदस्य अमेठी से चुनाव लड़े। गुरुवार को गांधी परिवार के नामांकन का काम देखने वाले वकील केसी कौशिक पहले रायबरेली और फिर अमेठी पहुंचे। ऐसे में कयास यह भी है कि प्रियंका रायबरेली से चुनाव लड़ सकती हैं।

कविता की जमानत याचिका पर फैसला टला

नई दिल्ली, 2 मई (एजेंसियां)। दिल्ली की एक अदालत ने गुरुवार को कथित उत्पाद शुल्क नीति घोटाले से संबंधित मनी लॉन्ड्रिंग मामले में भारत राष्ट्र समिति (बीआरएस) की एमएलसी के. कविता की जमानत याचिका पर अपना आदेश 6 मई तक के लिए टाल दिया।

फिलहाल, के. कविता 7 मई तक न्यायिक हिरासत में हैं। उन्हें पहले प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) और बाद में केंद्रीय जांच ब्यूरो (सीबीआई) ने 11 अप्रैल को गिरफ्तार किया था, जब वह तिहाड़ जेल में थीं। राउज एवेन्यू कोर्ट की जज कावेरी बावेजा ने तब उन्हें यह कहते हुए सीबीआई की हिरासत में भेज दिया था कि आरोपी से पूछताछ जरूरी है। अब वह इस मामले में न्यायिक हिरासत में हैं। मामले की जांच दोनों एजेंसियां कर रही हैं। कविता ने अपने आवेदन में आरोप लगाया है कि उनकी गिरफ्तारी राजनीति से प्रेरित है, जिसका मकसद उन्हें और उनकी पार्टी को आम चुनाव में प्रचार करने से रोकना है। उन्होंने कहा है कि दिल्ली उत्पाद शुल्क नीति से उनका कोई संबंध नहीं है। सत्तारूढ़ दल उनकी और उनके पिता की छवि खराब करने के लिए जांच एजेंसियों का इस्तेमाल कर रहा है।

अपने आवेदन में उन्होंने यह भी कहा कि केंद्र सरकार उन्हें सार्वजनिक रूप से दिल्ली उत्पाद शुल्क नीति से जोड़ने के लिए जांच एजेंसियों का उपयोग कर रही है, ताकि उनके खिलाफ कार्रवाई की जा सके। इसके अलावा, कविता ने ईडी द्वारा गिरफ्तारी के बाद चिकित्सा देखभाल की जरूरत पर जोर देते हुए जमानत के लिए अपनी चिकित्सा स्थिति और हाई ब्लड प्रेशर का हवाला दिया। उन्होंने दलील दी है कि सीबीआई उनके खिलाफ एक बड़ी साजिश के तहत केवल कुछ बयानों पर भरोसा कर रही है।

'अंधाधुंध निजीकरण से आरक्षण छीन रही मोदी सरकार'

तीसरे चरण के मतदान से पहले राहुल ने केंद्र को घेरा

नई दिल्ली, 2 मई (एजेंसियां)। लोकसभा चुनाव के तीसरे चरण के मतदान से पहले कांग्रेस सांसद राहुल गांधी ने आरक्षण को लेकर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी पर जनकर निशाना साधा है। उन्होंने पीएम मोदी पर दलितों, आदिवासियों और पिछड़े वर्गों से गुपचुप तरीकों से आरक्षण छीनने का आरोप लगाया है। कांग्रेस नेता ने कहा कि पीएम मोदी आंख बंद करके निजीकरण को लागू कर पिछड़े वर्गों से आरक्षण छीन रहे हैं। राहुल गांधी ने कहा कि उनकी पार्टी सार्वजनिक क्षेत्र में उद्यमों को मजबूत करने और कर्मचारियों के लिए नौकरी के दरवाजे खोलने की गारंटी देती है।

राहुल गांधी का पीएम मोदी पर आरोप

सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर पोस्ट करते हुए कांग्रेस नेता राहुल गांधी ने कहा, पीएम मोदी के चुनाव प्रचार का मंत्र आरक्षण हटाना है। न रहेगा बांस, न बजेगी बांसुरी। इसका मतलब है कि न रहेगी सरकारी नौकरी, न मिलेगा आरक्षण। उन्होंने आगे कहा, मोदी सरकार आंख बंद करके निजीकरण को लागू कर गुपचुप तरीके से पिछड़े वर्गों से आरक्षण छीन रही है। राहुल ने आगे कहा, 2013 में सार्वजनिक क्षेत्र में 14 लाख स्थायी पद थे, जो 2023 तक आते आते सिर्फ 8.4 लाख ही बचे। बीएसएनएल, सेल, बीएचईएल जैसे टॉप पीएसयू को बर्बाद कर लगभग छह लाख पक्की नौकरियां सिर्फ सर्वजनिक क्षेत्र से ही खत्म कर दी गई। ये वही पद हैं जहां आरक्षण का लाभ मिलता। सरकारी कार्यों को ठेके पर देकर रेलवे जैसे संस्थानों में जो नौकरियां बैक डोर से खत्म की जा रही हैं उनकी तो कोई गिनती ही नहीं है।

कांग्रेस सांसद ने कहा, मोदी मॉडल का 'निजीकरण' देश के संसाधनों की लूट है, जिसके जरिए वंचितों का आरक्षण छीना जा रहा है। उन्होंने बताया कि कांग्रेस की गारंटी है कि हम पब्लिक सेक्टर्स को मजबूत करेंगे और 30 लाख रिक्त सरकारी पदों को भर कर हर वर्ग के लिए रोजगार का द्वार खोल देंगे।

सुप्रीम कोर्ट से झटके के बाद कर्नाटक लिंगायत मठ सेक्स स्कैंडल के आरोपी शिवमूर्ति का सरेंडर

फिर जेल भेजे गए

बेंगलुरू, 2 मई (एजेंसियां)। प्रमुख लिंगायत संत शिवमूर्ति मुरुगा शरणारू ने कर्नाटक के चित्रदुर्ग में एक सत्र अदालत के सामने आत्मसमर्पण कर दिया। उन्हें फिर जेल भेज दिया गया है। उन पर नाबालिग लड़कियों के यौन शोषण का आरोप है। सुप्रीम कोर्ट ने हाल ही में उनकी जमानत रद्द कर दी थी और उन्हें न्यायिक हिरासत में ले जाने के लिए अदालत के समक्ष आत्मसमर्पण करने का निर्देश दिया था। आत्मसमर्पण के बाद अधिकारियों ने साधु को हिरासत में ले लिया और मेडिकल परीक्षण कराने के बाद जिला जेल भेज दिया। संत के वकील प्रताप जोगी ने कहा कि सुप्रीम कोर्ट ने मामले की सुनवाई कर रही अदालत को चार महीने के भीतर जांच पूरी करने का निर्देश दिया। संत को कुछ महीनों के लिए जेल में रहना होगा। सुप्रीम कोर्ट ने 23 अप्रैल को संत को जमानत देने के कर्नाटक हाईकोर्ट के आदेश पर रोक लगा दी थी और तर्क दिया था कि जब आरोपी संत न्यायिक हिरासत में हैं, तब गवाहों से पूछताछ करना उचित होगा। इसमें यह भी कहा गया है कि जब तक पीड़िताओं और उनके माता-पिता से पूछताछ पूरी नहीं हो जाती, तब तक संत को जेल में रहना होगा। अदालत का आदेश तब आया, जब पीड़िताओं के वकील ने तर्क दिया कि संत अत्यधिक प्रभावशाली हैं और आरोपपत्र दखिल होने के बावजूद वह मुकदमे के दौरान गवाहों को प्रभावित कर सकते हैं। मारुगा मठ-संचालित संस्था में पढ़ने वाली दो नाबालिग लड़कियों ने 26 अगस्त, 2022 को नजराबाद पुलिस में संत द्वारा यौन शोषण की शिकायत की थी और उन्हें 1 सितंबर, 2022 को गिरफ्तार कर लिया गया था।

संदेशखाली मामले में हाईकोर्ट ने सीबीआई जांच से जताई संतुष्टि

राज्य सरकार को सहयोग देने का निर्देश

कोलकाता, 2 मई (एजेंसियां)। पश्चिम बंगाल के संदेशखाली की घटना को लेकर खूब हंगामा हुआ था। कलकत्ता हाईकोर्ट ने संदेशखाली में महिलाओं पर हुए अत्याचार और जमीन कब्जाने के आरोपों की जांच सीबीआई को सौंप दी थी। अब सीबीआई ने जांच की प्रारंभिक रिपोर्ट हाईकोर्ट को सौंप दी, जिस पर अदालत ने संतोष व्यक्त किया है।

एनएचआरसी को पक्षकार बनाने की अनुमति :

प्रधान न्यायाधीश टी एस शिवागन्नम ने न्यायमूर्ति हिरणमय भट्टाचार्य के साथ सीबीआई की रिपोर्ट की समीक्षा की। इस दौरान अदालत ने राष्ट्रीय मानवाधिकार आयोग (एनएचआरसी) को इस मामले में एक पक्ष के रूप में शामिल करने की अनुमति दे दी। वहीं, जानकारी को गोपनीय रखने की एजेंसी के अनुरोध को भी स्वीकार कर लिया।

10 अप्रैल को दिए थे निर्देश :

कलकत्ता हाईकोर्ट ने 10 अप्रैल को कोर्ट की निगरानी में संदेशखाली में महिलाओं के खिलाफ हुए अपराध, जमीन कब्जाने जैसे आरोपों की सीबीआई जांच का आदेश दिया था। साथ ही दो मई को प्रगति रिपोर्ट दाखिल करने का निर्देश दिया था। इससे पहले, हाईकोर्ट ने संदेशखाली की घटनाओं को लेकर राज्य सरकार को फटकार लगाई थी। कहा था कि यह मामला बेहद शर्मनाक है। यह राज्य सरकार की जिम्मेदारी है कि वह हर नागरिक को सुरक्षा प्रदान करे। कोर्ट ने कहा था कि संदेशखाली मामले में जिला प्रशासन और पश्चिम बंगाल सरकार दोनों को नैतिक जिम्मेदारी लेनी चाहिए।

कैसरगंज से बृजभूषण के बेटे को टिकट

> भाजपा ने रायबरेली से दिनेश प्रताप सिंह को उतारा

नई दिल्ली, 2 मई (एजेंसियां)। लोकसभा चुनाव के मद्देनजर भारतीय जनता पार्टी ने गुरुवार को उम्मीदवारों की 17वीं लिस्ट जारी की है। इस लिस्ट में बहु प्रतीक्षित रायबरेली सीट और कैसरगंज के उम्मीदवारों के नाम से पत्ते खुल गए हैं। जैसी कि चर्चा थी, उसी के अनुसार कैसरगंज सीट से पार्टी ने बृजभूषण के बेटे करण भूषण को टिकट दी गई है। वहीं पार्टी ने रायबरेली के उम्मीदवार के नाम का भी खुलासा कर दिया है। पार्टी ने यहां दिनेश प्रताप सिंह को उतारा है।

कौन हैं करण भूषण सिंह :

बीजेपी ने अपने मौजूदा सांसद बृजभूषण शरण सिंह का टिकट काटकर उनके बेटे करण भूषण सिंह को कैसरगंज सीट से मैदान में उतारा है। दरअसल, करण भूषण सिंह बीजेपी सांसद बृजभूषण शरण सिंह के छोटे बेटे हैं। 13 दिसंबर 1990 को जन्मे करण भूषण एक बेटी और एक बेटे के पिता हैं। वह डबल ट्रैप शूटिंग के नेशनल खिलाड़ी रह चुके हैं।

प्राप्त जानकारी के मुताबिक, करण भूषण ने डॉ. राम मनोहर लोहिया अवध विश्वविद्यालय से बीबीए व एलएलबी की डिग्री हासिल की है। साथ ही ऑस्ट्रेलिया से बिजनेस मैनेजमेंट का डिप्लोमा भी किया है। वर्तमान में वह उत्तर प्रदेश कुश्ती संघ के अध्यक्ष हैं। साथ ही सहकारी ग्राम विकास बैंक (नवाबगंज, गोण्डा) के अध्यक्ष भी हैं। यह उनका पहला चुनाव है।

बड़े भाई बीजेपी विधायक :

मालूम हो कि फरवरी, 2024 में भारतीय कुश्ती संघ के पूर्व राष्ट्रीय अध्यक्ष बृजभूषण शरण सिंह के बेटे करण भूषण को उत्तर प्रदेश कुश्ती संघ का अध्यक्ष चुना गया था। अब वह लोकसभा चुनाव लड़ने जा रहे हैं। वहीं, करण भूषण के बड़े भाई प्रतीक भूषण सिंह बीजेपी के विधायक हैं।

'केंद्र के नियंत्रण में नहीं सीबीआई'

पश्चिम बंगाल मामले में सुप्रीम कोर्ट में बोली सरकार

नई दिल्ली, 2 मई (एजेंसियां)। केंद्र सरकार ने गुरुवार को सुप्रीम कोर्ट में कहा कि सीबीआई पर केंद्र का नियंत्रण नहीं है। दरअसल पश्चिम बंगाल सरकार ने सुप्रीम कोर्ट में याचिका दायर कर दावा किया है कि सीबीआई ने कई मामलों में जांच के लिए राज्य सरकार की मंजूरी नहीं ली है। पश्चिम बंगाल सरकार ने संविधान के अनुच्छेद 131 के तहत केंद्र के खिलाफ सुप्रीम कोर्ट में मुकदमा दायर किया है। जिसमें आरोप लगाया गया है कि राज्य द्वारा सीबीआई को दी गई सामान्य सहमति वापस लेने के बावजूद भी संघीय एजेंसी एफआईआर दर्ज कर राज्य के मामलों की जांच कर रही है।

संविधान का अनुच्छेद 131 केंद्र और राज्यों के अधिकारक्षेत्र से संबंधित है। केंद्र सरकार की तरफ से सुप्रीम कोर्ट में पेश हुए सॉलिसिटर जनरल तुषार मेहता ने जस्टिस बीआर गवई और जस्टिस संदीप मेहता की पीठ को बताया कि संविधान का अनुच्छेद 131 संविधान के सबसे पवित्र क्षेत्राधिकार में से एक है और इसके प्रावधानों का गलत इस्तेमाल नहीं किया जा सकता। मेहता ने कहा कि राज्य सरकार के मुकदमे में जिस मामले के बारे में बताया गया है, वह भारत सरकार ने दायर नहीं किया है। मेहता ने कहा कि केंद्र सरकार ने मामला दर्ज नहीं किया था बल्कि सीबीआई ने किया था और सीबीआई, भारत सरकार के नियंत्रण में नहीं है। उल्लेखनीय है कि 16 नवंबर 2018 को बंगाल सरकार ने सीबीआई को राज्य में जांच करने की मंजूरी वापस ले ली थी, जिसके तहत सीबीआई बंगाल में छापेमारी या जांच नहीं कर सकती। बंगाल में सीबीआई, ईडी टीम पर हुए हमले की जांच कर रही है। साथ ही संदेशखाली में यौन शोषण, जमीन अवैध रूप से कब्जाने जैसे आरोपों की जांच भी सीबीआई द्वारा की जा रही है।

दो चरण के चुनाव के बाद दूरबीन से भी नजर नहीं आ रही कांग्रेस : अमित शाह

बरेली, 2 मई (एजेंसियां)। गृह मंत्री अमित शाह ने बरेली से भाजपा प्रत्याशी छत्रपाल गंगवार के समर्थन में जनसभा को संबोधित किया। इस दौरान उन्होंने निशाना साधते हुए कहा कि दो चरण के चुनाव के बाद कांग्रेस पार्टी दूरबीन से भी नजर नहीं आ रही है।

उन्होंने कहा कि हमारे सामने इंडी गठबंधन चुनाव लड़ रहा है। इनके शहजादे राहुल गांधी ने चुनाव की शुरूआत 'भारत जोड़ो यात्रा' से की थी, मगर 4 जून के बाद 'कांग्रेस ढूंढ़ो यात्रा' से इनका समापन होने वाला है। उन्होंने आगे कहा कि दस साल तक केंद्र में सोनिया गांधी और मनमोहन सिंह की सरकार थी, जिन्होंने दस साल में यूपी को मात्र चार लाख करोड़ रुपये दिए थे। मोदी सरकार ने 10 साल में यूपी को 18 लाख करोड़ रुपये दिए हैं। सपा के शासन में पूरे उत्तर प्रदेश में देशी कट्टे बनाने के कारखाने थे। आज कट्टों की जगह, उत्तर प्रदेश में तोप और मिसाइल बनाने का कारखाना लगा, जो पाकिस्तान पर गोले बरसाएगा। >14

2जी स्पेक्ट्रम मामले में केंद्र की याचिका स्वीकार करने से इनकार

सुप्रीम कोर्ट रजिस्ट्री का फैसला

नई दिल्ली, 2 मई (एजेंसियां)। 2जी स्पेक्ट्रम मामले में सुप्रीम कोर्ट के फैसले में संशोधन की केंद्र सरकार की मांग को झटका लगा है। दरअसल सुप्रीम कोर्ट रजिस्ट्री ने केंद्र की याचिका को खारिज कर दिया है।

सुप्रीम कोर्ट रजिस्ट्री ने केंद्र की याचिका को गलत धारणा पर आधारित और स्पष्टीकरण की आड़ में सुप्रीम कोर्ट के फैसले की समीक्षा कराने की कोशिश करार दिया। सुप्रीम कोर्ट ने साल 2012 में दिए अपने एक आदेश में कहा था कि देश के प्राकृतिक संसाधन नीलामी के जरिए ही आवंटित किए जा सकते हैं। इसी फैसले में केंद्र ने संशोधन की मांग की थी।

रजिस्ट्रार के फैसले के खिलाफ अपील कर सकती है केंद्र सरकार

सुप्रीम कोर्ट के नियम XV के नियम पांच के मुताबिक सुप्रीम कोर्ट का रजिस्ट्री विभाग याचिका लेने से इनकार कर सकता है। इस नियम के मुताबिक रजिस्ट्रार कोई उचित कारण न होने, या निंदनीय मामला होने के आधार पर याचिका लेने से इनकार कर सकता है। हालांकि याचिकाकर्ता इस तरह के आदेश के खिलाफ 15 दिनों के भीतर अपील कर सकता है।

क्या है पूरा मामला :

सुप्रीम कोर्ट ने 2 फरवरी 2012 को दिए अपने एक आदेश में 2जी स्पेक्ट्रम के विभिन्न कंपनियों को दिए लाइसेंस निरस्त कर दिए थे, जो ए राजा के बतौर टेलीकॉम मंत्री रहते दिए गए थे। साथ ही कोर्ट ने कहा था कि देश के प्राकृतिक संसाधनों का आवंटन नीलामी के जरिए हो सकता है। अब बीती 22 अप्रैल को अटॉर्नी जनरल आर वेंकटरमानी ने मुख्य न्यायाधीश डीवाई चंद्रचूड़ और जस्टिस जेबी पारदीवाला की पीठ के समक्ष एक अपील की।

जिसमें 2जी स्पेक्ट्रम मामले में सुप्रीम कोर्ट के 2012 के फैसले में संशोधन की मांग की गई। अटॉर्नी जनरल ने मामले को जल्द सूचीबद्ध करने की भी मांग की। केंद्र सरकार ने गैर व्यवसायिक उद्देश्यों के लिए 2जी स्पेक्ट्रम की नीलामी में छूट देने की मांग की। एनजीओ पब्लिक इंटरेस्ट लिटिगेशन ने केंद्र की याचिका का विरोध किया। इसी एनजीओ की याचिका पर सुप्रीम कोर्ट ने 2012 का फैसला दिया था।

सुप्रीम कोर्ट बार एसोसिएशन में अब एक तिहाई महिलाओं की हिस्सेदारी... चुनाव में रिजर्वेशन लागू करने के निर्देश

नई दिल्ली, 2 मई (एजेंसियां)। सुप्रीम कोर्ट ने न्यायिक क्षेत्र में महिला सशक्तिकरण की दिशा में एक और कदम आगे बढ़ाया है। सुप्रीम कोर्ट ने सुप्रीम कोर्ट बार एसोसिएशन (एससीबीए) में एक तिहाई महिला आरक्षण लागू करने का आदेश दिया है। सुप्रीम कोर्ट में जस्टिस सूर्यकांत और जस्टिस केवी विश्वनाथन की बेंच ने बीडी कौशिक के मामले में कोर्ट के पुराने फैसले को स्पष्ट करते हुए ये निर्देश दिए हैं।

बेंच के निर्देश के मुताबिक, सुप्रीम कोर्ट बार एसोसिएशन के ट्रेजरी यानी कोषाध्यक्ष का पद महिला के लिए आरक्षित रहेगा। इसके अलावा एसोसिएशन की कार्यसमिति के 9 में से 3 सदस्यों के पद महिलाओं के लिए आरक्षित रहेंगे। इस आदेश का परिपालन पहली बार 16 मई को होने वाले सुप्रीम कोर्ट बार एसोसिएशन के चुनाव में होगा। इन चुनाव के नतीजे 18 मई (रविवार) को आएंगे। >14

कर्नाटक सेक्स स्कैंडल प्रज्वल को लुकआउट नोटिस जारी

बेंगलुरू, 2 मई (एजेंसियां)। कर्नाटक के हासन से सांसद प्रज्वल रेवन्ना के खिलाफ विशेष जांच दल (एसआईटी) ने लुकआउट नोटिस जारी किया है। यह नोटिस प्रज्वल की उस अपील के बाद आया है, जिसमें उन्होंने एसआईटी के सामने हाजिर होने के लिए समय मांगा था।

गुरुवार (2 मई) को कर्नाटक के गृह मंत्री जी परमेश्वर ने कहा कि 7 दिन का समय देने का प्रावधान ही नहीं है, यदि वे 24 घंटे में पूछताछ के लिए हाजिर नहीं होते हैं तो उनकी गिरफ्तारी भी संभव है। प्रज्वल ने बुधवार को एक्स पर एक पोस्ट में लिखा था- मैं जांच में शामिल होने के लिए बेंगलुरू में नहीं हूं, इसलिए मैंने अपने वकील के जरिए सीआईडी बेंगलुरू को बता दिया है। सच्चाई जल्द ही सामने आएगी। रेवन्ना पर 28 अप्रैल को उनकी पुरानी हाउसमेड की शिकायत के बाद यौन उत्पीड़न का मामला दर्ज किया गया है।

क्या तृणमूल में बुआ-भतीजे की अलग-अलग लाबी

कुणाल घोष पर कार्रवाई से उठे सवाल

कोलकाता, 2 मई (एजेंसियां)। लोकसभा चुनाव 2024 के बीच ममता बनर्जी ने कुणाल घोष को तृणमूल कांग्रेस के राज्य संगठन के महासचिव पद से हटा दिया है। डेरेक ओ ब्रायन के हस्ताक्षर वाली चिट्ठी में कहा गया है कि पार्टी के विचारों से मेल नहीं खाने वाले विचार व्यक्त करने के चलते कुणाल घोष को राज्य संगठन के महासचिव पद से हटा दिया गया है। हालांकि, विपक्षी दल के नेताओं की मानें तृणमूल कांग्रेस में ममता अभिषेक बनर्जी का माहौल चल रहा है। कुणाल घोष को पद से हटाने के बाद इस बात को और भी हवा मिलने लगी है। आइए जानते हैं कि क्या है ये पूरा मामला।

तृणमूल कांग्रेस में दो लॉबी

कुणाल घोष को पार्टी के प्रवक्ता पद से पहले ही पार्टी विरोधी बातें बोलने के लिए हटा दिया गया था। इस बार उत्तर कोलकाता के एक रक्तदान शिविर के कार्यक्रम में उत्तर कोलकाता के भाजपा प्रत्याशी तापस राय की प्रशंसा करने के कारण कुणाल को जेनरल सेक्रेटरी पद से हटाया गया। विपक्षी दल के नेताओं के बयान से स्पष्ट है कि कुणाल घोष को हटाने के पीछे तृणमूल कांग्रेस की एक लॉबी काम कर रही है। विरोधियों की माने तो वर्तमान में तृणमूल कांग्रेस में दो लॉबी हैं: एक ममता बनर्जी तो और दूसरा अभिषेक बनर्जी। कुणाल घोष पूर्व में ममता बैनर्जी की लॉबी से जुड़े थे, लेकिन वर्तमान में उन्हें अभिषेक बनर्जी के समर्थक के रूप में जाना जाता है।

बुआ और भतीजा की लड़ाई

विरोधी यानी की भाजपा के कुछ नेताओं का कहना है कि यह असल में बुआ और भतीजा की लड़ाई है। विरोधियों का कहना है कि बुआ और भतीजा की लड़ाई में टीएमसी में अभी भी ममता की ही बात चलती है यह प्रमाणित करने के लिए ही कुणाल घोष को हटाया गया। विरोधी सूत्रों ये भी कहना है की उत्तर कोलकाता से सुदीप बंदोपाध्याय ममता बनर्जी के उम्मीदवार हैं। हालांकि, अभिषेक बनर्जी नहीं चाहते सुदीप बनर्जी उत्तर कोलकाता से जीते!

कुणाल घोष ने की तापस रॉय की तारीफ

लोकसभा चुनाव के बीच एक दुर्लभ लमहा भी देखने को मिला। तापस रॉय तृणमूल छोड़कर बीजेपी में शामिल हो गए और कोलकाता उत्तर से उम्मीदवार बन गए। तृणमूल के पूर्व राज्यसभा सांसद और तृणमूल प्रवक्ता कुणाल घोष ने तापस रॉय की तारीफ की। एक ही मंच पर बैठकर उन्होंने कहा कि हम तापस रॉय को पार्टी (टीएमसी) में रखना चाहते थे लेकिन नहीं रख सके। वह बहुत अच्छे उम्मीदवार हैं, लोग समझेंगे और वोट देंगे।

आईबी अधिकारी अंकित शर्मा की हत्या के मामले में 3 आरोपियों को मिली जमानत

नई दिल्ली, 2 मई (एजेंसियां)। दिल्ली उच्च न्यायालय ने 2020 के दिल्ली दंगों के दौरान आईबी कर्मचारी अंकित शर्मा की हत्या के मामले में तीन लोगों (शोएब आलम, गुलफाम और जावेद) को जमानत दे दी। हालांकि जस्टिस नवीन चावला ने अन्य आरोपी नाजिम को जमानत देने से इनकार कर दिया। मृतक अंकित के पिता ने शिकायत दर्ज कराया था। शिकायत के आधार पर दयालपुर पुलिस स्टेशन में 2020 की एफआईआर 65 दर्ज की गई थी। दरअसल, जब अंकित दंगों के दौरान बेटा लापता हो गए थे तो पिता ने गुमशुदगी की रिपोर्ट दर्ज कराई थी। बाद में अंकित का शव एक नाले से बरामद किया गया था। उन्हें अस्पताल ले जाया गया था जहां उन्हें मृत घोषित कर दिया गया था। 24 फरवरी 2020 को फैले दंगे में 53 लोगों की मौत हो गई थी और 200 लोग घायल हो गए थे। आईबी अधिकारी अंकित शर्मा का शव घर के पास चांदबाग के एक नाले में मिला था। 2020 के दंगा मामले में दिल्ली पुलिस ने 410 लोगों के खिलाफ आरोप पत्र दाखिल किया था।

दिल्ली हाईकोर्ट ने डीओई के आदेश पर लगाई रोक, कहा- 'प्राइवेट स्कूलों को फीस बढ़ोतरी

नई दिल्ली, 2 मई (एजेंसियां)। दिल्ली हाईकोर्ट ने सरकार द्वारा भूमि आवंटित एवं गैर-सहायता प्राप्त निजी स्कूलों को फीस बढ़ाने के लिए उसकी पूर्व अनुमति लेने के शिक्षा निदेशालय (डीओई) के आदेश पर रोक लगा दी है। न्यायमूर्ति सी। हरि शंकर ने 'एक्शन कमेटी अनएडेड रिकॉग्नाइज्ड प्राइवेट स्कूल' की याचिका पर डीईओ को नोटिस जारी किया है। याचिका में कहा गया है कि डीओई का फैसला 'आपत्तिजनक' है तथा इसकी अनुमति नहीं दी जा सकती। प्राइवेट स्कूल की ओर से दायर याचिका में 27 मार्च के आदेश को भी चुनौती दी गई है। दिल्ली हाईकोर्ट ने इस मामले में सुनवाई के बाद अदालत ने कहा, 'जवाबी हलफनामा, यदि कोई हो, चार सप्ताह के भीतर दाखिल किया जाए। हाईकोर्ट ने अपने आदेश में कहा है कि सुनवाई की अगली तारीख तक डीओई के 27 मार्च 2024 के विवादित परिपत्र के क्रियान्वयन पर रोक रहेगी।'

डीओई का आदेश सही नहीं

डीओई के आदेश में कहा गया है कि यदि स्कूल द्वारा कोई प्रस्ताव पेश नहीं किया जाता है, तो शुल्क में वृद्धि नहीं की जाएगी और इस संबंध में किसी भी शिकायत को गंभीरता से लिया जाएगा। स्कूल वैधानिक प्रावधानों के अनुसार कार्रवाई के लिए उत्तरदायी होगा। अदालत ने कहा कि विवादित आदेश 'एक्शन कमेटी अनएडेड रिकॉग्नाइज्ड प्राइवेट स्कूल' की एक अन्य याचिका पर विचार करते समय उसके द्वारा निर्धारित कानून के 'विपरीत' है।

31 जुलाई को होगी अगली सुनवाई

अदालत ने कहा, 'मैं इस स्तर पर, कुछ हद तक अप्रिय टिप्पणी करने के लिए बाध्य हूं। सिद्धांत यह है कि निजी गैर-सहायता प्राप्त स्कूलों को अपनी फीस बढ़ाने से पहले पूर्व मंजूरी लेने की आवश्यकता नहीं है, जब तक कि वे कैपिटेशन फीस लेकर मुनाफाखोरी या शिक्षा के व्यावसायीकरण में शामिल नहीं होते हैं।'' इस मामले में अगली सुनवाई 31 जुलाई को होगी।

सलमान खान के घर फायरिंग के आरोपी की आत्महत्या पर उद्धव गुट ने जताया संदेह, बोले- 'इसमें कोई राजनेता शामिल हो सकता है'

मुंबई, 2 मई (एजेंसियां)। सलमान खान के घर फायरिंग मामले में दो अज्ञात लोगों ने अभिनेता के घर के बाहर फायरिंग की थी। इस मामले में आरोपी अनुज थापन को गिरफ्तार किया गया था। उस पर फायरिंग में इस्तेमाल किए गए हथियारों की आपूर्ति करने का आरोप था। हालांकि, अनुज थापन पुलिस हिरासत में मृत पाए गए हैं। बताया गया कि उन्होंने लॉक-अप के शौचालय के अंदर एक चादर का इस्तेमाल करके खुद को फांसी लगा ली। उन्हें सरकारी जीटी अस्पताल ले जाया गया, जहां इलाज के दौरान उन्हें मृत घोषित कर दिया गया। इस मामले पर अब उद्धव गुट ने भी संदेह जताया है। शिवसेना (यूबीटी) नेता आनंद दुबे कहते हैं, सलमान खान के घर के बाहर फायरिंग करने वाले दो आरोपियों में से एक की मुंबई पुलिस की क्राइम ब्रांच के लॉकअप में मौत हो गई। ऐसा कहा जा रहा है कि उसने आत्महत्या की है। क्या यह भी संभव है कि इसमें कोई राजनेता शामिल हो, कोई बड़ा पुलिस अधिकारी शामिल हो, ऐसा कैसे हो सकता है जबकि मुंबई पुलिस का लॉकअप इतना सुरक्षित है? वहां सीसीटीवी कैमरे हैं, इतने सारे अधिकारी हैं। यह एक बड़ी साजिश है। उद्धव गुट के प्रवक्ता ने आगे कहा, हम डिप्टी सीएम देवेंद्र फडणवीस से अपील करते हैं कि वे इस मामले को गंभीरता से लें। इसकी तुरंत जांच होनी चाहिए।

11 दिन बाद वोटिंग का डेटा क्यों आया ? कपिल सिब्बल का चुनाव आयोग से सवाल

नई दिल्ली, 2 मई (एजेंसियां)। राज्यसभा सांसद कपिल सिब्बल ने चुनाव आयोग पर सवाल उठाए हैं। उन्होंने कहा कि 11 दिन के बाद आयोग की वेबसाइट पर वोट का डेटा आ रहा है। ऐसे में मेरा सवाल है कि 11 दिन बाद डेटा क्यों आया? आज के दिन किसी भी संस्था पर जनता को भरोसा नहीं है। कपिल सिब्बल ने कहा, "सुप्रीम कोर्ट का ईवीएम पर निर्णय आया है। कोर्ट ने कहा कि लोगों को चुनाव आयोग पर भरोसा रखना चाहिए। पहले चरण की वोटिंग के बाद इसका डेटा 11 दिन बाद आया। इसमें बताया

गया कि कितने प्रतिशन वोट पड़े, लेकिन कितने वोट डाले गए ये नहीं बताया गया। इसका कारण मैं नहीं जानता।" उन्होंने आगे कहा कि हम चुनाव आयोग पर विश्वास रखेंगे, लेकिन आयोग को प्रेस कॉन्फ्रेंस करके बताना चाहिए है कि 11 दिन डेटा जारी करने में क्यों लगे? संदेह पैदा होने पर लोगों का विश्वास भी कम होता है। ऐसे में जानना जरूरी है। दरअसल, लोकसभा चुनाव को लेकर होने वाले सात चरण में से दो चरण हो चुके हैं। पहले चरण की वोटिंग 19 अप्रैल को तो दूसरी चरण के लिए मतदान 26 अप्रैल को हुआ था। वहीं तीसरे चरण के लिए 7 मई, चौथे चरण के लिए 13 मई, पांचवे चरण के लिए 20 मई, छठे चरण के लिए 25 मई और सातवें चरण के लिए 1 जून को वोटिंग होनी है। रिजल्ट चार जून को आएगा।

टैंकर की आड़ में की जा रही थी शराब तस्करी, पुलिस ने दिखाई तत्परता 702 पेटियां की जब्त

ग्वालियर, 2 मई (एजेंसियां)। पुलिस को मुखबिर से सूचना प्राप्त हुई थी कि अवैध शराब से भरा हुआ आइसर कंपनी का टैंकर क्र आरजे-14-जीपी-0490 मुरैना तरफ से आने वाला है। उक्त सूचना पर महाराजपुर थाना पुलिस को बाईपास रोड हाइवे पर कार्रवाई हेतु भेजा गया। इसी दौरान पुलिस टीम को मुखबिर के बताये अनुसार आइसर कंपनी का टैंकर मुरैना की तरफ से आता हुआ दिखा। टैंकर चालक ने पुलिस टीम को देखकर टैंकर वापस लौटाने का प्रयास किया,

कर्नाटक के कारोबारी की 30 साल की पत्नी और 11 साल के बेटे जैन भिक्षु बने, मिला नया नाम

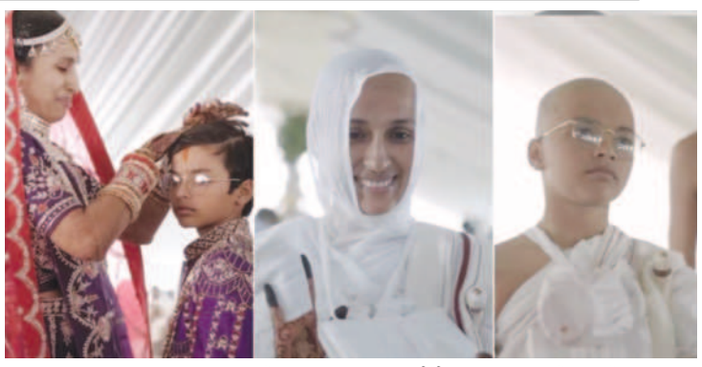

बेंगलूरू, 2 मई (एजेंसियां)। कर्नाटक के मनीष नाम के एक व्यापारी की 30 वर्षीय पत्नी स्वीटी और 11 वर्ष के बेटे ऋधान दीक्षा ग्रहण कर जैन भिक्षु बन गए हैं। वे अब दोनों सूरत में रहते हैं। जैन समुदाय में जब कोई व्यक्ति भिक्षु बनने का फैसला लेता है तो उन्हें बड़ा सम्मान दिया जाता है। जैन भिक्षु बनकर लोग दुनिया की सबसे बुनियादी आवश्यकताओं, जैसे एयर कंडीशनर, पंखे, बिस्तर, इलेक्ट्रॉनिक्स और अन्य गैजेट्स का इस्तेमाल भी छोड़ देते हैं। हाल ही में कर्नाटक के एक बिजनेसमैन मुकेश की 30 साल की पत्नी स्वीटी और उनका 11 साल का बेटा ऋधान जैन संन्यासी बन गए।

जैन भिक्षु बनने के बाद अब उन्हें नया नाम दिया गया है। जहां मां को भावशुधि रेखा श्री जी नाम मिला है वहीं बेटे को हिताशय रतनविजय जी का नाम मिला है। मीडिया रिपोर्ट्स के अनुसार कारोबारी मनीष के एक रिश्तेदार विवेका ने बताया कि भावबुद्धि रेखा श्री जी ने गर्भवती होने के दौरान ही अपने बेटे के साथ एक भिक्षु बनने का निर्णय लिया। साथ ही उन्होंने यह भी तय किया कि उनका बच्चा उनके नक्शेकदम पर चलकर जैन संन्यासी बनेगा। नतीजतन, उसके बेटे को इसी भावना के साथ बड़ा किया गया कि वह अंततः भिक्षु जीवन में प्रवेश करेगा। मां-बेटे की जोड़ी का दीक्षा समारोह जनवरी 2024 में गुजरात के सूरत में बहुत उत्साह के साथ हुआ। दोनों अब सूरत में ही रहते हैं। उनके दीक्षा ग्रहण करने से जुड़े वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल हैं और इसे एक मिलियन से अधिक बार देखा गया है। इससे पहले, गुजरात के एक धनी जैन दंपति ने भिक्षु बनने के लिए लगभग 200 करोड़ दिए थे। भावेश भंडारी और उनकी पत्नी ने फरवरी में अपनी सभी चीजें देने के लिए एक औपचारिक समारोह आयोजित किया था।

॥ श्री हरिः ॥ उठावना ॥ श्री हरिः ॥

श्रीमती सुशीला देवी अग्रवाल

(धर्मपत्नी : राधेश्याम अग्रवाल)

स्वर्गवास : बुधवार दि. 1-5-2024

उठावना (महिलाओं एवं पुरुषों के लिए)

आज शुक्रवार दि.3-5-2024 को मध्याह्न 12:00 से 1:00 बजे तक

कच्छी भवन, रामकोट, हैदराबाद पर होगा ।

– शोकाकुल –

राधेश्याम (पति), राजेश कुमार (पुत्र),

नरेन्द्रकुमार, सुरेन्द्रकुमार, विजेन्द्रकुमार, धर्मेन्द्रकुमार, जितेन्द्रकुमार (भतीजे),

तरुण, अरुण, पुनीत, राहुल, प्रणय, पवित्र, रुद्राक्ष, अक्षत (पौत्र),

मृदुल, रचित, अर्चित, कियान, भाविक (पड़पौत्र) एवं समस्त गोयल परिवार

राधेश्याम राजेश कुमार गोयल

हैदरगुडा, हैदराबाद ✆ 9849035111, 9848023972

बैठक (महिलाओं एवं पुरुषों के लिए)

रविवार दि.5-5-2024 को दोपहर 3:00 से 5:00 बजे तक निवास स्थान पर रहेगी ।

केवल बयानबाजी आत्महत्या के लिए उकसाना नहीं मानी जाएगी: कर्नाटक उच्च न्यायालय

बेंगलुरु, 2 मई (एजेंसियां)। हाई कोर्ट ने कहा है कि महज बयानबाजी आत्महत्या के लिए उकसाने की श्रेणी में नहीं आएगी। न्यायमूर्ति एम नागप्रसन्ना ने यह बात याचिकाकर्ता के खिलाफ कार्यवाही को रद्द करते हुए कही, जिस पर उडुपी जिले में एक कनिष्ठ पुजारी और एक स्कूल के प्रिंसिपल को आत्महत्या के लिए उकसाने का आरोप था। कनिष्ठ पुजारी की 11 अक्टूबर, 2019 को आत्महत्या से मृत्यु हो गई थी। अभियोजन पक्ष का मामला यह था कि याचिकाकर्ता के धमकी भरे शब्दों के कारण ही उसने यह चरम कदम उठाया था। पुलिस ने आरोप पत्र दायर करते हुए कहा था कि याचिकाकर्ता ने पिता को याचिकाकर्ता की पत्नी और पिता के बीच अवैध संबंधों को उजागर करने की धमकी दी थी। 11 अक्टूबर 2019 को रात करीब 8.30 बजे याचिकाकर्ता ने पिता के मोबाइल फोन पर कॉल की और पांच मिनट तक बात की। बातचीत उन व्हाट्सएप संदेशों के संबंध में थी जो पिता ने याचिकाकर्ता की पत्नी को भेजे थे। इनमें से एक संदेश में, पिता ने याचिकाकर्ता की पत्नी से कहा था कि वह उसकी बहन की शादी की तारीख तक जीवित नहीं रहेगा। पिता द्वारा की गई अगली कॉल में याचिकाकर्ता ने बयान दिया था- तुम्हें फांसी लगानी होगी, क्योंकि वह भी फांसी लगाने जा रही है।

इसके बाद रात करीब 12 बजे पिता अपने प्रिंसिपल चैंबर में फंदे से लटके मिले।

याचिकाकर्ता की ओर से तर्क दिया गया कि उसने केवल यह कहते हुए अपनी पीड़ा व्यक्त की, जाओ और फांसी लगा लो। आगे यह भी कहा गया कि मृतक को यह पता चलने पर कि उसके अवैध संबंध के बारे में किसी और को भी पता चल गया है, आत्महत्या करके अपनी जीवन लीला समाप्त कर ली। अदालत ने बताया कि आईपीसी की धारा 107 (उकसाने) में स्पष्ट रूप से कहा गया है कि यदि आरोपी जानबूझकर पीड़ित के खिलाफ किसी भी कार्य में सहायता करता है जो धारा 306 (आत्महत्या के लिए उकसाना) की ओर ले जाता है, तो यह लागू होगा। न्यायमूर्ति नागप्रसन्ना ने कहा, यदि मामले में प्राप्त तथ्य, शिकायत, आरोप पत्र का सारांश सभी को शीर्ष अदालत द्वारा निर्धारित सिद्धांतों की कसौटी पर माना जाए तो जो स्पष्ट रूप से सामने आएगा वह यह है कि याचिकाकर्ता, एकमात्र आरोपी है। उस महिला का पति जिसके साथ मृतक पिता के कुछ संबंध थे और उसने अपना गुस्सा जाहिर किया था और ऐसे शब्द कहे थे कि जाओ और फांसी लगा लो, इसका मतलब यह नहीं हो सकता कि यह आईपीसी की धारा 107 की सामग्री बन जाएगी, जिससे यह आत्महत्या के लिए आईपीसी की धारा 306 के तहत अपराध बन जाएगा। अदालत ने आगे कहा, इस मामले में मृतक द्वारा आत्महत्या करने के असंख्य कारण हो सकते हैं, जिनमें से एक यह भी हो सकता है कि चर्च का पिता और पुजारी होने के बावजूद उसका याचिकाकर्ता की पत्नी के साथ अवैध संबंध था। यह घिसी-पिटी बात है कि मानव मन एक पहेली है और मानव मन के रहस्य को जानने का काम कभी पूरा नहीं हो सकता।

जब अभिषेक मनु सिंघवी ने एसजी तुषार मेहता को इंटर्न रखने से किया इंकार, कोर्टरूम में लगे ठहाके

नई दिल्ली, 2 मई (एजेंसियां)। सुप्रीम कोर्ट में गुरुवार को उस समय लोग ठहाका लगाने को मजबूर हो गए जब वरिष्ठ अधिवक्ता अभिषेक मनु सिंघवी ने सॉलिसीटर जनरल तुषार मेहता को अपने दल में इंटर्न के तौर पर शामिल करने से इंकार कर दिया। हुआ यूं कि जस्टिस बीआर गवई की अध्यक्षता वाली बेंच पश्चिम बंगाल सरकार की उस याचिका (सिविल सूट) पर सुनवाई कर रही थी, जो केंद्र सरकार को प्रतिवादी बनाते हुए दायर की गई है और राज्य सरकार की अनुशंसा के बगैर सीबीआई जांच को चुनौती दी गई है। इस दौरान वकील सिंघवी बेंच के सामने मौजूद थे और जस्टिस बीआर गवई ने उनकी तय समय पर कोर्ट पहुंचने को लेकर तारीफ की। इस पर एसजी मेहता ने सिंघवी का इंटर्न बनने की बात कही और सिंघवी ने साफ इंकार कर दिया। जस्टिस गवई ने कहा कि हर किसी को डॉ। सिंघवी से सीखना चाहिए कि सभी अदालतों में बिल्कुल सही समय पर कैसे उपस्थित रहना है। इस पर एसजी मेहता ने कहा कि मैं उनसे 3 महीने के लिए इंटर्न के रूप में लेने का अनुरोध कर रहा हूं ताकि मैं भी सीख सकूं। तब मुस्कुराते हुए सिंघवी ने कहा कि मैं एक अति योग्य प्रशिक्षु को शामिल नहीं कर सकता। इसके बाद कोर्टरूम में सभी ठहाका लगाने को मजबूर हो गए।

THE LARGEST CIRCULATED AND READ HINDI DAILY IN TELANGANA & ANDHRA PRADESH

स्वतंत्र वार्ता

मेरा हैदराबाद

सुविचार

यदि आप हिम्मत का पहला कदम आगे बढायेंगे तो परमात्मा की सम्पूर्ण मदद मिल जायेगी

'यूटीएस' मोबाइल ऐप के माध्यम से टिकट खरीदने के लिए दूरी प्रतिबंध में छूट

अनारक्षित टिकट रेल परिसर से पांच मीटर से दूरी पर कहीं भी खरीदे

हैदराबाद, 2 मई (स्वतंत्र वार्ता)। अनारक्षित टिकट खरीदने वाले यात्रियों को परेशानी मुक्त और सुविधाजनक टिकटिंग प्रणाली प्रदान करने के लिए रेलवे द्वारा शुरू किया गया 'यूटीएस' मोबाइल एप्लिकेशन दिन-ब-दिन लोकप्रियता प्राप्त कर रहा है।

रेल उपयोक्ताओं से बहुत अच्छी प्रतिक्रिया मिल रही है तथा इसकी शुरूआत के बाद से, ऐप का उपयोग करने वाले लोगों की संख्या में निरंतर वृद्धि हो रही है। रेल यात्रियों को ऐप का उपयोग करने के लिए और अधिक प्रोत्साहित करने के लिए, भारतीय रेल ने पहले ही दूरी प्रतिबंध में ढील दी रखी है, जिससे अनारक्षित यात्रियों को डिजिटल खरीद विकल्प का उपयोग करने में और अधिक सुविधा मिल रही है। इससे पहले अनारक्षित पेपरलेस टिकट खरीदने के लिए ऐप का उपयोग करने की बाहरी दूरी प्रतिबंध सीमा, जो उपनगरीय स्टेशनों के लिए 20 किलोमीटर और गैर-उपनगरीय स्टेशनों के लिए 50 किलोमीटर थी, को हटा दिया गया है। अब रेल उपयोक्ता बिना किसी दूरी प्रतिबंध के किसी भी स्थान से टिकट खरीद सकते हैं। तदनुसार, अब, उपनगरीय और गैर-उपनगरीय दोनों स्टेशनों के लिए रेलवे परिसर से 05 मीटर से अधिक की दूरी से किसी भी स्थान से पेपरलेस अनारक्षित यात्रा/प्लेटफॉर्म/सीजन टिकट

खरीदे जा सकते हैं। आम तौर पर, भारतीय रेल पर यात्रियों का एक बड़ा वर्ग अनारक्षित टिकट खरीदकर यात्रा करता है, जिनके लिए परेशानी मुक्त ट्रेन टिकट प्राप्त करने के लिए यूटीएस मोबाइल ऐप एक सुविधाजनक विकल्प है। ऐप एंड्रॉइड, आईओएस और विंडोज ऑपरेटिंग सिस्टम वाले स्मार्टफोन पर काम करता है और इसे मुफ्त में डाउनलोड किया जा सकता है। इस ऐप का प्रमुख लाभ यह है कि यात्री बुकिंग काउंटरों पर कतार में खड़े हुए बिना अपनी सुविधानुसार अपने मोबाइल के माध्यम से पेपरलेस अनारक्षित यात्रा, प्लेटफॉर्म और सीजन टिकट खरीद सकते हैं। पेपरलेस होने के कारण यह पर्यावरण हितैषी भी है। भुगतान वॉलेट जैसे आर-वॉलेट, पारंपरिक वॉलेट या इंटरनेट बैंकिंग के माध्यम से किया जा सकता है। यह सुविधा अनारक्षित टिकटिंग के लिए एक बड़ी कामयाबी है और रेल उपयोक्ताओं के लिए वरदान है। अरुण कुमार जैन, महाप्रबंधक, दक्षिण मध्य रेलवे ने कहा कि जनरल और विशेष रूप से पैसेंजरों में अनारक्षित डिब्बों में यात्रा करने वाले रेल उपयोक्ता, अब दूरी सीमा में छूट दिए जाने के साथ यूटीएस मोबाइल ऐप का उपयोग करके बड़े पैमाने पर लाभ प्राप्त कर सकते हैं। वे किसी भी स्थान से टिकट खरीद सकते हैं और स्टेशनों पर टिकट खरीदने के लिए कतार में खड़े या इंतजार किए बिना आरामदायक यात्रा कर सकते हैं।

शी टीम द्वारा महिलाओं की सुरक्षा का अभियान जारी

कई आरोपियों को न्यायालय से दिलाई सजा

हैदराबाद, 2 मई (स्वतंत्र वार्ता)। शी टीम्स हैदराबाद महिलाओं की सुरक्षा सुनिश्चित करने और उत्पीड़न तथा अन्य प्रकार के अपराधों से निपटने के लिए अपनी प्रतिबद्धता जारी रखे हुए है। पहले मामले में XI विशेष महानगर मजिस्ट्रेट की अदालत में याचिका संख्या 289/2024 के मामले में एक व्यक्ति को प्रस्तुत किया गया तथा उचित कानूनी प्रावधान के तहत उस पर आरोप लगाया गया। न्यायालय ने उस व्यक्ति को 6 दिन के साधारण कारावास की सजा सुनाई तथा दो सौ का जुर्माना लगाया। इसी तरह प्रथम विशेष महानगर मजिस्ट्रेट के न्यायालय में रंग-हाथ पकड़े जाने के मामले में 5 व्यक्तियों को प्रस्तुत किया गया। प्रत्येक को दो दिन के साधारण कारावास की सजा सुनाई गई तथा दो सौ का जुर्माना लगाया गया। एक अतिरिक्त मामले में, एक व्यक्ति को न्यायालय के समक्ष प्रस्तुत किया गया। उन्हें 5 दिन के साधारण कारावास की सजा सुनाई गई तथा दो सौ का जुर्माना लगाया गया। इसी क्रम में शी टीम हैदराबाद को एक अधिवक्ता और पूर्व सरकारी के खिलाफ शिकायत मिली। शिकायत में आरोप लगाया गया है कि अधिवक्ता अदालत परिसर में शिकायतकर्ता के साथ दुर्व्यवहार कर रहे हैं। उसे यौन संबंध बनाने के लिए मजबूर कर रहे हैं, उसका रोजाना पीछा कर रहे हैं और अपने प्रभाव का इस्तेमाल करके उसे ब्लैकमेल कर रहे हैं। शिकायत मिलने पर, शी टीम ने तुरंत आरोपों की जांच शुरू कर दी। अधिवक्ता के खिलाफ चारमीनार में एक प्राथमिकी दर्ज कर आरोपों की जांच कर रही है।

दक्षिण मध्य रेलवे

हमें @SCRailwayindia पर फॉलो करें

द.म. रेलवे की निविदा सूचनाओं के विवरणों को हमारी वेबसाइट : www.scr.indianrailways.gov.in पर देखा जा सकता है

ई-निविदा आमंत्रण सूचना (http://ireps.gov.in के माध्यम से) पीपुब्लि/0399

भारत के राष्ट्रपति की ओर से डिप्टी सीईई/जीएस/एससी, सिकन्दराबाद द्वारा नीचे उल्लेखित कार्यों के लिए निविदाकरण की एकल पैकेट प्रणाली में ई-निविदा आमंत्रित है।

क्र.सं. 1. एनआईटी सं. : सीई-29-जीएसयू-टीआरडी-01-2024-25, **निविदा सं.** सीई-29-जीएसयू-टीआरडी-01-2024-25, दि. 30-04-2024, **कार्य का नाम** : (1) सनतनगर स्टेशन यार्ड एओचेस सिकन्दराबाद अंतिम छोर की ओर किमी. 175/39-176-1 पर आरयूबी (4-लेन) के प्रस्तावित निर्माण के संबंध में विद्यमान ओएचई व्यवस्थाओं में संशोधन का प्रावधान (2) एससी- वाड़ी सेक्शन - जेम्स स्ट्रीट एवं सिकन्दराबाद स्टेशनों के बीच रानीगंज के समीप किमी. 192/31-33 पर स्पैन 1x11.99 एम (एसके) के विद्य. आरयूबी सं. 244 के स्थान पर 1x11.0 एम x 5.50 एम (मिन. वी.सी.) क्लियर हाइट आरसीसी बाक्स पुशिंग बाक्स 33.495एम (एसके) एवं कास्ट-इन-सीटु (7.605 एम (एसके)) स्कीव 15° एमजी रोड की ओर 2 नग अनुसार ब्रिज सं. 244 का रोड अंडर ब्रिज का प्रस्तावित दुबारा निर्माण (बकाया कार्य) - टीआरडी संशोधन। **निविदा मूल्य** : रु. 1,01,87,649.22/-, **पूरा करने का अवधि** : 06 महीने, **बंद होने की तिथि** : 23-05-2024 को 15.00 बजे।

1) बोली दस्तावेज और अन्य विवरणों के लिए कृपया वेबसाइट **http://ireps.gov.in** को लॉगइन करें।

2) निविदादाता को केवल ई-निविदाकरण के माध्यम से भाग लेना होगा और कोई भी व्यक्तिक प्रस्ताव पर विचार नहीं किया जाएगा।

3) सभी संभावित निविदादाताओं से आग्रह है कि पूर्व धरोहर राशि केवल ऑनलाइन पेमेंट्स के माध्यम से प्रेषित करें।

4) सभी संभावित निविदादाताओं से आग्रह है कि जीएसटीआईएन पहचान नंबर प्राप्त करें और अपने प्रस्तावों के साथ प्रस्तुत करें।

5) निविदादाता को किसी शुद्धिपत्र के लिए (केवल ऑनलाइन जारी) निविदा प्रस्तुत करने की अवधि के प्रारंभ होने की तिथि तक देखना होगा।

डिप्टी चीफ इलेक्ट्रिकल इंजीनियर, गति शक्ति, सिकन्दराबाद

ई-निविदा आमंत्रण सूचना (https://ireps.gov.in के माध्यम से) पीपुब्लि/0400

भारत के राष्ट्रपति की ओर से क्रमशः सीई/सी-II/एससी, सीई/सी-III/एससी एवं सीई/सी-V/एससी निर्माण संगठन, द.म. रेलवे, सिकन्दराबाद द्वारा निम्नलिखित कार्यों के लिए ई-निविदा आमंत्रित है।

क्र.सं. 1, एनआईटी सं. : 13-सीएओ-सी-एससी-2024, दिनांक : 06-04-2024, **कार्य का नाम** : दक्षिण मध्य रेलवे निर्माण संगठन - केजेडजे - बीपीक्यू सेक्शन - काजीपेट-बल्हारशाह स्टेशनों के बीच विद्युतीकरण के साथ प्रस्तावित तीसरी लाइन का निर्माण (ए) महाराष्ट्र राज्य में बल्हारशाह (बीपीक्यू)-माणिकगढ़ (एमएजीएच) सेक्शन एवं (बी) तेलंगाना राज्य में रेचनी रोड (आरईसीएच) - बेल्लमपल्ली (बीपीए) सेक्शन के बीच सेक्शनों के प्रारंभ हेतु लास्ट माइल कनेक्टिविटी कार्य - मशीन से तोड़े गए साफ, सख्त, एंगुलर एवं टिकाऊ पत्थर की गिट्टी की अतिरिक्त मात्रा में आपूर्ति एवं संग्रह - के संबंध में। **अनुमानित मूल्य** : रु. 2,79,42,174.00, **पूधरा** : रु. 2,89,700.00, **पूरा करने की अवधि** : 05 (पाँच) महीने, **खोलने की तिथि** : 14-05-2024 को 15-00 बजे।

क्र.सं. 2, एनआईटी सं. : 14-सीएओ-सी-एससी-2024, दिनांक : 06-04-2024, **कार्य का नाम** : दमरे निर्माण संगठन : कोटीपल्ली-नरसापुर नई बीजी लाइन - (1) पहले से अधिग्रहित रेलवे भूमि की रेलवे भूमि सीमाओं की प्रस्तावित पहचान एवं मार्किंग करना, (2) कोटीपल्ली से अमलापुरम यानि किमी. 45/0 से किमी. 58/0 तक (गौतमी ब्रिज को छोड़कर) एवं वशिष्टा ब्रिज ए2 से नरसापुरी यानि किमी. 92/0 से किमी. 101/0 तक. रेलवे एलाइनमेंट के दोनों तरफ पहचान किए गए रेलवे सीमाओं के साथ आरसीसी पोस्ट्स वं बार्ब्ड वायर के साथ भूमि सीमा फेंसिंग को फिक्सस करना। **अनुमानित मूल्य** : रु. 3,82,49,456.80.00, **पूधरा** : रु. 3,41,300.00, **पूरा करने की अवधि** : 06 (छह) महीने, **खोलने की तिथि** : 14-05-2024 को 15-00 बजे।

क्र.सं. 3, एनआईटी सं. : पीएमएस-04-सीएओ-सी-एससी-2024, दिनांक : 23-04-2024, **कार्य का नाम** : दमरे निर्माण संगठन : नांदेड़ डिवीजन - दक्षिण मध्य रेलवे के नांदेड़ डिवीजन में औरंगाबाद-अनकई डबलिंग परियोजना के संबंध में विद्युतीकरण एवं सिग्नलिंग कार्यों सहित किमी. 16.00 (सीएच : 16000) पर अनकई स्टेशन (छोड़कर) एवं किमी. 69.01 (सीएच 69010) पर करंज गाँव स्टेशन (छोड़कर) के बीच यानि (53.01 किमी.) एवं किमी. 69.01 (सीएच 69010) पर करंज गाँव स्टेशन (मिलाकर) एवं किमी. 113.15 (सीएच : 113150) पर औरंगाबाद स्टेशन (मिलाकर) के बीच यानि (44.14 किमी.) के बीच ट्रैक के प्रस्तावित दोहरीकरण के निर्माण के लिए परियोजना प्रबंधन सेवाएँ (पीएमएस) उपलब्ध कराने के लिए अथारिटी इंजीनियर की नियुक्ति। **अनुमानित मूल्य** : रु. 13,10,79,000.00, **पूधरा** : रु. 8,05,400.00, **पूरा करने की अवधि** : 27 (सत्ताइस) महीने, **खोलने की तिथि** : 30-05-2024 को 15-00 बजे।

सार्वजनिक ई-निविदा सूचना सं. एनईडी/ई.29/टीआरडी/निविदा/4 से 7/2024-25 दि. 29-04-2024 पीपुब्लि/0401

नीचे उल्लेखित कार्यों के लिए अधोहस्ताक्षरी द्वारा मुहरबंद निविदाएँ आमंत्रित हैं।

क्र.सं. 01. निविदा सं. : एन/ई.29/टीआरडी/निविदा/4/2024-25. **कार्य का विवरण** : नांदेड़ डिवीजन : एक वर्ष की अवधि हेतु ए डब्ल्यूबी (मिलाकर)- एमयूई (मिलाकर) के सेक्शनों में ओएचई (5 ओएचई डिपो) एवं पीएसआई (16 एसपी/एसएसपीस एवं 5 टीएसएस) एसेट्स का आवधिक रखरखाव एवं बेकडाउन पर ध्यान देने की आउटसोर्सिंग। **अनुमानित मूल्य** : रु. 3,78,50,164.93, **बोली सुरक्षा** : रु. 3,39,300, **पूरा करने की अवधि** : 12 महीने.

क्र.सं. 02. निविदा सं. : एन/ई.29/टीआरडी/निविदा/5/2024-25. **कार्य का विवरण** : नांदेड़ डिवीजन : एक वर्ष की अवधि हेतु एके (छोड़कर) - पीएयू (छोड़कर) के सेक्शनों में ओएचई (2 ओएचई डिपो) एवं पीएसआई (17 एसपी/एसएसपीस एवं 2 टीएसएस), पीएमकेटी (छोड़कर) - एमयूई (छोड़कर) सेक्शनों में ओएचई (2 ओएचई डिपो) एवं पीएसआई (12 एसपी/एसएसपीस एवं 2 टीएसएस) असेट्स का आवधिक रखरखाव एवं बेकडाउन पर ध्यान देने की आउटसोर्सिंग। **अनुमानित मूल्य** : रु. 3,52,67,562.00, **बोली सुरक्षा** : रु. 3,26,300, **पूरा करने की अवधि** : 12 महीने.

क्र.सं. 03. निविदा सं. : एन/ई.29/टीआरडी/निविदा/6/2024-25. **कार्य का विवरण** : नांदेड़ डिवीजन में आरई, टीएम साइडिंग्स, बैलेस्ट साइडंग्स एवं लूप लाइनों द्वारा शेष साइडिंग्स के लिए 25 केवी कन्वेंशनल टाइप. रेगुलेटेड ओएचई के साथ विद्युतीकरण। **अनुमानित मूल्य** : रु. 6,47,01,460/-, **बोली सुरक्षा** : रु. 4,73,500/-, **पूरा करने की अवधि** : 15 महीने.

क्र.सं. 04. निविदा सं. : एन/ई.29/टीआरडी/निविदा/7/2024-25. **कार्य का विवरण** : एनईडी डिवीजन के अन्य ओएचई सुधार कार्यों को मिलाकर एमटीडीआई, एमएलएसयू, टीआर, एडीबी एवं एडब्ल्यूबी स्टेशन यार्डों पर स्टेबलिंग लाइंस, बैलेस्ट साइडिंग्स, टीएम साइडिंग लूप लाइंस, पिट लाइंस के लिए 25 केवी कन्वेंशनल टाइप-रेग्युलेटेड ओएचई का प्रावधान। **अनुमानित मूल्य** : रु. 5,14,27,612/-, **बोली सुरक्षा** : रु. 4,07,100/-, **पूरा करने की अवधि** : 12 महीने.

बन्द होने की तिथि : 25.05.2024 को 16.00 बजे।

'हमारी वेबसाइट **www.ireps.gov.in** देखें'

सीनि. डिवीजनल इलेक्ट्रिकल इंजीनियर, टीआर/नांदेड़

भारतीय रेल

रेलवे विद्युतीकरण

www.ireps.gov.in

निविदा सूचना सं. आरईएससी/ईएल/टीएन/24-25/02, दिनांक : 01-05-2024 पीपुब्लि/0407

कृते एवं भारत संघ के **राष्ट्रपति** की ओर से, मुख्य परियोजना निदेशक, रेलवे विद्युतीकरण, सिकन्दराबाद द्वारा नीचे उल्लेखित कार्यों के लिए (ऑनलाइन) ई-निविदा आमंत्रित है।

क्र.सं. 1. निविदा सं. : आरईएससी-ईएल- पीएलसी-पीआरएलआई.02. **कार्य का विवरण** : रेलवे विद्युतीकरण परियोजना/सिकन्दराबाद के अंतर्गत दक्षिण मध्य रेलवे में ग्रेड 269 के परली (मिलाकर)-विकाराबाद (छोड़कर) सेक्शन में चल रहे आरई कार्यों के परली रेलवे स्टशन यार्ड पर न्यू महा जेनको साइडिंग में विद्यमान 11 केवी समानान्तर लाइन के खम्भों की शिफ्टिंग और एचटीयूजी केबल्स को बदलकर विद्यमान 11केवी ओएच पावर लाइन ट्रैक क्रासिंग्स (कुल 3 नग) में सुधार। **अनुमानित मूल्य** : रु. 4,20,55,890.73/- **पूर्व धरोहर राशि ऑनलाइन के माध्यम से भुगतान करना होगा** : (रु.) 41,100/-, **निविदा प्रपत्र का मूल्य** : नगण्य, **पूरा करने की अवधि** : 4 महीने (चार महीने), **निविदा खोलने का स्थान** : सिकन्दराबाद

क्र.सं. 2. निविदा सं. : आरईएससी-ईएल- एसक्यूजी-207-23-24-03. **कार्य का विवरण** : दक्षिण मध्य रेलवे के नांदेड़ डिवीजन के रेलवे विद्युतीकरण परियोजना/सिकन्दराबाद के मनमाड़-मुदखेड़ सेक्शन (ग्रुप 207) में विभिन्न स्टशनों पर टाइप-II के 27 यूनिट्स, टाइप-III के 14 यूनिट्स, टाइप-IV के 8 यूनिट स्टाफ क्वार्टर्स का विद्युतीकरण और परभणी एवं सेलू पर एसएसई (सिग्नल) ऑफिस, जालना एवं नांदेड़ पर एसएसई (टेली.) ऑफिस, औरंगाबाद वं नांदेड़ पर एडीएसटीई ऑफिस, औरंगाबाद, परभणी एवं नांदेड़ पर एडीईई/टीआरडी आफिस का विद्युतीकरण। **अनुमानित मूल्य** : रु. 54,67,786/- **पूर्व धरोहर राशि ऑनलाइन के माध्यम से भुगतान करना होगा** : (रु.) 1,09,400/-, **निविदा प्रपत्र का मूल्य** : नगण्य, **पूरा करने की अवधि** : 4 महीने (चार महीने), **निविदा खोलने का स्थान** : सिकन्दराबाद

ई-निविदा (ऑनलाइन) के माध्यम से निविदा बंद होना : दिनांक : 16-05-2024 को 15-00 बजे।

ई-निविदा (ऑनलाइन) के माध्यम से निविदा खोलना : दिनांक : 16-05-2024 को 15-30 बजे।

अतिरिक्त निविदा शर्तों/विवरणों के लिए एवं निविदाओं की प्रस्तुति के लिए, कृपया हमारी वेबसाइट www.ireps.gov.in देखें।

निविदा दस्तावेजों में किसी भी प्रकार का संशोधन/शुद्धिपत्र/परिशिष्ट अगर आवश्यक हुआ तो उसे उपरोक्त वेबसाइट पर पोस्ट किया जाएगा।

A0506 **चीफ प्रोजेक्ट डायरेक्टर, रेलवे विद्युतीकरण, सिकन्दराबाद**

अतिरिक्त निविदा शर्तों/विवरणों के लिए और निविदा दस्तावेजों को डाउनलोड करने के लिए कृपया वेबसाइट: http://www.ireps.gov.in' या www.scr.indianrailways.gov.in देखें

मानू लॉ स्कूल ने कानूनी जागरूकता अभियान चलाया

हैदराबाद, 2 मई (स्वतंत्र वार्ता)। मौलाना आजाद नेशनल उर्दू यूनिवर्सिटी (मानू) के लॉ स्कूल ने आज तीन नए आपराधिक कानूनों, भारतीय न्याय संहिता 2023, भारतीय नागरिक सुरक्षा संहिता 2023 और भारतीय साक्ष्य अधिनियम 2023 पर कानूनी जागरूकता अभियान सफलतापूर्वक चलाया। यह जागरूकता अभियान और सूचना के प्रसार के संबंध में शिक्षा मंत्रालय के सचिव (उच्च शिक्षा) से प्राप्त निर्देशों के अनुसार चलाया गया। कुलपति, प्रो. सैयद ऐनुल हसन और अन्य वरिष्ठ संकायों, अधिकारियों ने विश्वविद्यालय परिसर के अंदर आयोजित अभियान में भाग लिया। डॉ. तबरेज अहमद, डीन, मानू लॉ स्कूल ने कानून के छात्रों और कार्यक्रम समन्वयक डॉ. सुधांशु चंद्रा के साथ हैदराबाद के गच्चीबोवली के टेलीकॉम नगर क्षेत्र में घर-घर जाकर कानूनी जागरूकता फैलाई।

अमित शाह फेक वीडियो केस : कांग्रेस के चार सदस्यों को दूसरा समन

नई इल्ली/हैदराबाद, 2 मई (स्वतंत्र वार्ता)। गृह मंत्री अमित शाह के फर्जी वीडियो मामले में दिल्ली पुलिस ने तेलंगाना कांग्रेस के सदस्यों को दूसरा नोटिस जारी किया है। तेलंगाना कांग्रेस के चार सदस्यों को बीते बुधवार को बुलाया गया था। जो पेश नहीं हुए थे। जांच अधिकारी ने बताया कि हम फिर से कोर्ट से सामने पेश होंगे क्योंकि वह पहले समन पर पेश नहीं हुए।

तेलंगाना के मुख्यमंत्री रेवंत रेड्डी और तेलंगाना प्रदेश कांग्रेस के चार सदस्यों शिव कुमार अंबाला, अस्मा तसलीम, सतीश मन्ने और नवीन पेटम को समन जारी किया था। इनको सीआरपीसी की धारा 91 और 160 के तहत समन जारी किया था। पुलिस सूत्रों ने बताया कि यदि किसी व्यक्ति को सीआरपीसी की धारा 91 और 160 के तहत नोटिस जारी किया जाता है तो उस व्यक्ति को न केवल कोर्ट के सामने पेश होना होता है बल्कि कानूनी कार्रवाई भी हो सकती है। रेड्डी के वकील जांच अधिकारी के सामने पेश हुए और उन्होंने कहा कि कांग्रेस नेता ने न तो वीडियो बनाया है और न ही उसे साझा किया है।

फर्जी वीडियो पर क्या बोले रेड्डी

कर्नाटक के सेडम में एक रैली को संबोधित करते हुए रेड्डी ने कहा कि सोशल मीडिया पर कुछ पोस्ट किया गया था। इस वजह से दिल्ली पुलिस के जवान नोटिस लेकर तेलंगाना कांग्रेस दफ्तर पहुंच गए। वे तेलंगाना कांग्रेस अध्यक्ष और तेलंगाना के मुख्यमंत्री को गिरफ्तार करने आए थे। इसका क्या मतलब है, अब पीएम मोदी चुनाव जीतने के लिए दिल्ली पुलिस का इस्तेमाल करेंगे। ईडी, इनकम टैक्स, सीबीआई खत्म हो गए हैं क्या। यहां कोई डरने वाला नहीं है। हम ऐसे लोग हैं, जो जवाब देते हैं। तेलंगाना और कर्नाटक चुनाव में भाजपा को निश्चित रूप से हार मिलेगी।

केंद्रीय गृहमंत्री अमित शाह से जुड़े डीपफेक मामले से जुड़े तेलंगाना सीएम रेवंत रेड्डी और चार अन्य नेताओं के कानूनी सलाहकार को दिल्ली पुलिस ने तलब किया था। उन्होंने दिल्ली पुलिस के सामने पेश होने के लिए कुछ समय मांगा है। वहीं आईएफएसओ झारखंड कांग्रेस अध्यक्ष को नोटिस जारी किया गया है, जिसमें उन्हें 2 मई को हर हाल में उपस्थित होने को कहा गया था। वहीं दिल्ली पुलिस ने इस फर्जी वीडियो मामले में कहा है कि पहले देखा जाएगा कौन व्यक्तिगत रूप से उपस्थित होता है और कौन ई-मेल के माध्यम से अपनी प्रतिक्रिया देता है। उनकी प्रतिक्रिया और उपस्थिति के अनुसार ही जांच को आगे बढ़ाया जाएगा।

पुलिस के अनुसार तेलंगाना सीएम के साथ छह सदस्यों को तलब किया गया था। दिल्ली के आइएफएसओ इकाई में पूछताछ की जानी है। सीआरपीसी की धारा 160 के उनको जांच की पूछताछ के लिए बुलाया गया है, वहीं धारा 91 के तहत पुलिस ने उनके दस्तावेज और गैजेट की जांच करने के लिए मंगवाए हैं। जो कि सबूत के तौर पर पेश किए जाएंगे।

चुनाव आयोग ने तेलंगाना की स्थिति का जायजा लिया

हैदराबाद, 2 मई (स्वतंत्र वार्ता)। भारत के चुनाव आयोग ने गुरुवार को 13 मई को होने वाले लोक सभा चुनाव के अगले चरण से पहले तेलंगाना की स्थिति का जायजा लिया।

आयोग के वरिष्ठ उप चुनाव आयुक्त नितेश व्यास ने दिल्ली स्थित आयोग के मुख्यालय से वीडियो कॉन्फ्रेंस के जरिए राज्य के 17 लोकसभा क्षेत्रों के पर्यवेक्षकों, जिला कलेक्टरों, पुलिस अधीक्षकों (एसपी), रिटर्निंग अधिकारियों (आरओ) से बातचीत की। उन्होंने प्रत्येक पर्यवेक्षक से फीडबैक लिया और डीईओ/आरओ को आवश्यकतानुसार निर्देश जारी किए। उन सभी ने आश्वासन दिया कि सभी व्यवस्थाएं पूरी हैं और मतदान के लिए प्रणाली तैयार है। हैदराबाद से, सम्मेलन में राज्य के मुख्य चुनाव अधिकारी विकास राज, महेश भागवत, व्यय नोडल अधिकारी, संजय जैन, अतिरिक्त

महानिदेशक और एसपीएनओ, अतिरिक्त सीईओ डी.एस. लोकेश कुमार, संयुक्त सीईओ सरफराज अहमद शामिल हुए।

श्री व्यास ने वीआईएस और ईपीआईसी कार्ड वितरण, मतपत्र, ईवीएम, मतदान केंद्रों पर उपलब्ध कराई जा रही सुविधाएं जैसे पेयजल, समर्पित चिकित्सा दल, स्ट्रांग रूम में सुरक्षा आदि व्यवस्थाओं के हर पहलू की जांच करके स्थिति का पता लगाया। उन्होंने अधिकारियों को निष्पक्ष और पारदर्शी रहने तथा आलोचना की गुंजाइश न देते हुए हर उम्मीदवार और राजनीतिक दल के साथ समान व्यवहार करने की सलाह दी। उन्होंने कहा, उम्मीदवार/राजनीतिक दल द्वारा आपके संज्ञान में लाई गई किसी भी वास्तविक शिकायत पर ध्यान दें। किसी भी मामले में विशेष रूप से वैधानिक प्रक्रिया में कोई त्रुटि नहीं होनी चाहिए। उन्हें कई बूथों के प्रभारी के रूप में कुशल कर्मियों को सेक्टर अधिकारी के रूप में तैनात करने और पूर्ण सुरक्षा व्यवस्था करने के लिए कहा गया। उन्होंने अधिकारियों से मतदान से पहले अंतिम 72 घंटों के दौरान सतर्क और सावधान रहने तथा अतिरिक्त सावधानी बरतने को कहा। उन्होंने कहा कि कोई भी त्रुटि "क्षम्य नहीं" होगी।

जिला कलेक्टरों, सीपी/एसपी और आरओ ने अपने-अपने क्षेत्रों की स्थिति के बारे में जानकारी दी, जबकि श्री व्यास ने स्थानीय स्थिति के आधार पर उन्हें क्या करें और क्या न करें, इसकी जानकारी दी। हैदराबाद और सिकंदराबाद लोकसभा क्षेत्रों के अधिकारियों ने शहर के कुछ विधानसभा क्षेत्रों में अतिरिक्त बल तैनात करने की मांग की।

बीजेपी बिना आरक्षण के देश पर राज करना चाहती है : कांग्रेस

हैदराबाद, 2 मई (स्वतंत्र वार्ता)। कांग्रेस नेता गजेला कंतम ने आरोप लगाया है कि राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ (आरएसएस) के इशारे पर भारतीय जनता पार्टी (बीजेपी) बिना आरक्षण के देश पर राज करना चाहती है। गुरुवार को यहां गांधी भवन में एक प्रेस कॉन्फ्रेंस में बोलते हुए गजेला कंतम ने पार्टी नेता सतीश मादिगा के साथ कहा कि बीजेपी ने देश में आरक्षण की सुविधा खत्म करने के लिए लोकसभा चुनाव में 400 सीटें हासिल करने का लक्ष्य रखा है। गजेला कंतम ने कहा, देश की बहुसंख्यक आबादी पिछड़ी जातियों, अनुसूचित जातियों, जनजातियों और अल्पसंख्यकों की है, लेकिन बीजेपी ने बहुसंख्यक आबादी के खिलाफ द्वेष पाल रखा है और आरक्षण खत्म करने की साजिश रच रही है। उन्होंने आरोप लगाया कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी जानबूझकर जनगणना से बच रहे हैं, क्योंकि वह देश में आरक्षण को खत्म करना चाहते हैं। उन्होंने कहा, हमने 4 मई को संविधान की रक्षा के लिए दीक्षा आयोजित करने का फैसला किया है। हम भाजपा की साजिशों का पर्दाफाश करेंगे और लोगों को विकास के बारे में जागरूक करेंगे।

ओयू फर्जी सर्कुलर मामले में बीआरएस के कृषांक को 14 दिन की रिमांड

हैदराबाद, 2 मई (स्वतंत्र वार्ता)। बीआरएस के सोशल मीडिया संयोजक कृष्णक को हैदराबाद कोर्ट ने 14 दिनों के लिए चंचलगुडा जेल भेज दिया है। यह निर्णय ओयू फर्जी सर्कुलर पोस्ट मामले में कृष्णक को कल पुलिस द्वारा गिरफ्तार किए जाने के बाद आया है। कृष्णांक के खिलाफ कानून की छह धाराओं के तहत मामला दर्ज किया गया है। अधिकारी फिलहाल मामले की आगे की जांच कर रहे हैं। कृष्णक की गिरफ्तारी और उसके बाद रिमांड ने बीआरएस समुदाय को सदमे में डाल दिया है। सोशल मीडिया नेता के समर्थक मामले में उनकी बेगुनाही का दावा करते हुए उनका समर्थन कर रहे हैं।

'आयजीबीसी ग्रीन प्रापर्टी शो का भव्य आयोजन 17 मई से 19 मई तक'

हैदराबाद, 2 मई (स्वतंत्र वार्ता)। आयजीबीसी हैदराबाद चैप्टर को-चेयरमैन श्रीनिवास मूर्ति ने कहा कि, आयजीबीसी ग्रीन प्रापर्टी शो के दूसरे संस्करण का भव्य आयोजन इस मई माह के 17 से 19 मई तक हो रहा है।

इस संदर्भ में, आयजीबीसी ग्रीन प्रापर्टी शो के को-चेयरमैन श्रीनिवास मूर्ति ने मीडिया को बताया कि, हायटेक्स एग्जीबिशन ग्राउण्ड हैदराबाद में तीन दिनोंतक आयोजित हो रहे इस भव्य प्रापर्टी शो में सभी डेवलपर्स को आमंत्रित किया गया है। ताकि वे इस प्रापर्टी शो में आकर आयजीबीसी ग्रीन रेटेड प्राजेक्ट्स को प्रदर्शित कर सकें। इस शो मे सभी सुबह 10 से रात्रि 8 बजे तक पहुंचकर अपनी मनपसंद रेसिडेन्शियल प्रापर्टीज खरीद सकते हैं।

मूर्ति ने आगे कहा कि, इस शो के लिए बिल्डर कम्युनिटी का अमूल्य सहयोग प्राप्त है। यही नही यह प्रापर्टी शो जो वैश्विक पर्यावरणीय आवश्यकताओं को पूरा करने में सक्षम है. क्योंकि इसके द्वारा जोभी प्रापर्टी क्रय करेंगे वे पर्यावरण प्रदूषण से परे होंगे एवं निःसंदेह बेहतर जिंदगी बितायेंगे। इस आयजीबीसी ग्रीन प्रापर्टी शो का पहला संस्करण भारी सफलता पायी है तथा जिसमें बिल्डर्स कम्युनिटी प्रापर्टी खरीदारों से भारी उत्साह देखा गया है।

इस बारे में को-चेयरमैन ने आगे कहा कि, तीन दिनों तक आयोजित हो रहे यह प्रापर्टी शो जो ग्रीन रेसिडेन्शियल प्राजेक्ट्स से युक्त होगा। वर्तमान में विश्व में ग्रीन बिल्डिन्ग के लक्ष्यों, आशयों एवं मुद्दों का अनुसरण करने वाले देशों में भारत को दूसरा स्थान प्राप्त है। हमे गर्व है कि, हमारे इस आयजीबीसी द्वारा लगभग 825 से अधिक प्राजेक्ट्स को संचालित किया जा रहा है। साथ ही हमें विश्वास है कि सीएम रेवंत रेड्डी के सहयोग से हम हमारे इन प्राजेक्ट्स को और भी तेज गति से आगे ले जाने मे कामयाब होंगे।

इस बारे मे हाल ही में आयजीबीसी ग्रीन प्रापर्टी शो के राष्ट्रीय उपाध्यक्ष के रूप में नियुक्त सी. शेखर रेड्डी ने इस बात पर खुशी जतायी कि आयजीबीसी ग्रीन प्रापर्टी शो का दूसरा संस्करण 17 से 19 मई तक हो रहा है। इस शो से खासकर रेसिडेंशियल प्रापर्टी खरीदार लाभान्वित होंगे क्योंकि इस प्रापर्टी शो में कई बिल्डरों द्वारा अपने अपने प्राजेक्ट्स को आम जनता व खरीदारों के लिए प्रदर्शित किया जायेगा। उन्होने आगे कहा कि, ग्रेटर हैदराबाद में लगभग 850 से अधिक परियोजनाएं ग्रीन जोन में परिवर्तित हो रही है। जो सचमुच ही हर्ष का विषय है। साथ ही उन्होने यह भी जोडा कि आयजीबीसी ग्रीन होम्स के माध्यम से बिजली एवं जल उपयोग में क्रमशः 30 से 20 प्रतिशत घटाव होगा। फलस्वरूप रहिवासियों के लिए आयजीबीसी के ग्रीन होम्स द्वारा खासकर ग्रीन होम के मालिकों रहिवासियों के लिए रुपयों की बहुत बचत होगी। इसमे कोई संदेह नही है।

'भगवान राम' का लिया नाम और कांग्रेस पर फूट पड़े नड्डा

अफजल गुरु का भी कर दिया जिक्र

अररिया, 2 मई (एजेंसियां)। बीजेपी के राष्ट्रीय अध्यक्ष जेपी नड्डा ने गुरुवार को अररिया के पलासी में चुनावी जनसभा को संबोधित किया। इस दौरान उन्होंने इंडी गठबंधन पर जमकर निशाना साधा। जेपी नड्डा ने कहा कि इंडी गठबंधन और कांग्रेस के नेता सनातन विरोधी लोगों के साथ खड़े हैं। ये वो लोग हैं जो भगवान राम को नहीं मानते हैं। देश के टुकड़े-टुकड़े करने की सोच रखने वाले को चुनाव लड़ने के लिए टिकट देते हैं।

'कांग्रेस अफजल समर्थकों के साथ खड़ी है'

जेपी नड्डा ने कहा कि संसद पर हमला करने के दोषी अफजल के समर्थकों के साथ खड़े रहते हैं। नड्डा ने कहा कि अफजल को सुप्रीम कोर्ट ने सजा दी और उस समय के राष्ट्रपति प्रणब मुखर्जी ने उसे माफी नहीं दी। फिर भी कांग्रेस अफजल हम शर्मिंदा हैं, तेरे कातिल जिंदा है का नारा लगाने वालों के साथ खड़ी है।

'पीएम मोदी के नेतृत्व में विकास हो रहा है'

बीजेपी के राष्ट्रीय अध्यक्ष ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में देश का तेजी से विकास हो रहा है। भारत की अर्थव्यवस्था 11वें स्थान से आज पांचवें स्थान पर आ चुकी है। अगर मोदी जी को जिताएंगे तो दो साल बाद भारत अर्थव्यवस्था के मामले में दूसरे स्थान पर आ जाएगा। उन्होंने कहा, आज 97 प्रतिशत मोबाइल भारत में बन रहे हैं। कोरोना जैसी महामारी में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की कुशलता ने 140 करोड़ देशवासियों को बचाया। आज भारत में बनी दवाई दुनिया में सबसे सस्ती और विश्वसनीय है। पूरे विश्व में भारत का डंका बज रहा है। उन्होंने कहा कि यह हमारी सरकार की उपलब्धि है कि सुप्रीम कोर्ट के निर्णय के बाद अयोध्या में भगवान राम का भव्य मंदिर बनाया जा सका। उन्होंने भाजपा प्रत्याशी प्रदीप सिंह को जिताने की अपील की।

योगी आदित्यनाथ का फर्जी वीडियो हुआ वायरल नोएडा पुलिस ने आरोपी को किया गिरफ्तार

लखनऊ, 2 मई (एजेंसियां)। सोशल मीडिया के दौर पर डीपफेक और फर्जी वीडियो भी खूब शेयर हो रहे हैं। इस बीच उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के एआई जनरेटेड डीप फेक वीडियो को बीते दिनों वायरल किया गया था। साथ ही वीडियो को शेयर करते हुए भ्रामक तथ्य फैलाया गया और राष्ट्रविरोधी तत्वों को बल दिया जा रहा था। इस मामले की जांच जब पुलिस ने की तो पता चला कि सीएम योगी आदित्यनाथ के डीपफेक वीडियो को श्याम गुप्ता नाम के शख्स ने शेयर किया था। पुलिस ने इस मामले की छानबीन शुरू की और अब आरोपी को पुलिस ने गिरफ्तार कर लिया है। दरअसल मामला उत्तर प्रदेश के नोएडा का है। यहां सेक्टर 49 स्थिति बरोला से नोएडा पुलिस ने आरोपी को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने जांच की तो पता चला कि 1 मई 2024 को सोशल मीडिया साइट एक्स पर सीएम योगी आदित्यनाथ के डीपफेक एआई जनरेटेड वीडियो को शेयर किया गया था। इस वीडियो को सोशल मीडिया साइट एक्स पर @श्यामगुप्तारपस्व नाम के प्रोफाइल से शेयर किया गया था। साथ ही इस वीडियो को शेयर करते हुए आरोपी ने भ्रामक तथ्य साझा किए और राष्ट्रविरोधी चीजों को भी शेयर किया। इसके बाद यूपी एसटीएफ की नोएडा यूनिट द्वारा अभिसूचना संकलित करते हुए 1 मई 2024 को साइबर क्राइम थाना नोएडा में मुकदमा दर्ज कराया गया। एफआईआर दर्ज होने के बाद पुलिस ने आनन-फानन में एक्शन लेते हुए 2 मई को श्याम गुप्ता नाम के शख्स को गिरफ्तार कर लिया, जिसने अपने सोशल मीडिया प्रोफाइल से योगी आदित्यनाथ की डीपफेक वीडियो को शेयर किया था। जानकारी के मुताबिक नोएडा साइबर क्राइम पुलिस द्वारा आगे की कानूनी कार्रवाई की जा रही है। बता दें कि इससे पहले केंद्रीय गृहमंत्री अमित शाह के फर्जी वीडियो को शेयर किया गया था, जिसमें आगे की कानूनी कार्रवाई जारी है।

रायबरेली एसपी पर छात्र की फर्जी गिरफ्तारी का आरोप, हाई कोर्ट ने दिए एसआईटी जांच के आदेश

लखनऊ, 2 मई (एजेंसियां)। इलाहाबाद हाई कोर्ट की लखनऊ पीठ ने उत्तर प्रदेश के पुलिस महानिदेशक (डीजीपी) प्रशांत कुमार को एक छात्र की फर्जी गिरफ्तारी के मामले में जांच कराने का निर्देश दिया है। रायबरेली के एसपी पर छात्र की फर्जी गिरफ्तारी का आरोप है। यह गिरफ्तारी कथित तौर पर चोरी के एक मामले की आड़ में एसपी ने अपने अधीनस्थों से कराई थी। कोर्ट ने डीजीपी को घटना की जांच के लिए एक एसआईटी गठित करने का भी निर्देश दिया। अदालत ने एसआईटी से दो महीने के भीतर रिपोर्ट मांगी और मामले की सुनवाई 3 जुलाई, 2024 को तय की है। डीजीपी कुमार ने कहा कि उन्होंने अतिरिक्त महानिदेशक (एडीजी), कानून एवं व्यवस्था, अमिताभ यश को हाई कोर्ट के निर्देशानुसार एसपी रैंक से ऊपर के एक वरिष्ठ आईपीएस अधिकारी के नेतृत्व में एक एसआईटी बनाने का निर्देश दिया है। उन्होंने कहा कि संबंधित अधिकारियों को दो महीने के भीतर रिपोर्ट देने को कहा गया है।

बुजुर्ग महिला की याचिका पर सुनवाई

यह आदेश जस्टिस विवेक चौधरी और जस्टिस नरेंद्र कुमार जौहरी की खंडपीठ ने एक बुजुर्ग महिला गोमती मिश्रा की याचिका पर दिया है। याचिकाकर्ता ने दावा किया कि उसके बेटे को पुलिस ने 30 मार्च और 31 मार्च की दरम्यानी रात को गिरफ्तार किया। रिकॉर्ड में एक दिन बाद चोरी के मामले में उसकी गिरफ्तारी दिखाई गई है। उन्होंने यह भी आरोप लगाया कि उनके बेटे का कोई आपराधिक रिकॉर्ड नहीं है, उसे चोरी के मामले में झूठा फंसाया गया, क्योंकि उसने रायबरेली के एसपी अभिषेक अग्रवाल को अपनी टैक्सी देने से इनकार कर दिया था। अदालत ने कहा, हम इस मामले को उत्तर प्रदेश के डीजीपी को भेजना उचित समझते हैं, जो पूरी घटना की जांच के लिए एक एसआईटी का गठन करेंगे।

लालू-तेजस्वी प्रचार में व्यस्त, उधर इन कद्दावर नेताओं ने बढ़ा दी टेंशन

3 दिन में 3 नुकसान को कैसे भरेगी आरजेडी

पटना, 2 मई (एजेंसियां)। बिहार में तीसरे चरण के चुनाव से पहले लालू यादव और तेजस्वी यादव को बीते 3 दिन में तीन बड़े झटके लगे हैं। राजद के लिए प्रचार में जुटे लालू-तेजस्वी के तीन नेताओं ने अपना पाला बदलकर टेंशन बढ़ाने का काम किया है। लोकसभा चुनाव में इस बार पाला बदलने की प्रवृत्ति बड़े स्तर पर देखी गई है। कई नेता और पूर्व अधिकारी टिकट की आस में किसी पार्टी में शामिल हुए। नेतृत्व ने उन्हें खास संसदीय क्षेत्र से उम्मीदवार बनाने का भरोसा दिया। इसके बाद इनका क्षेत्र भ्रमण शुरू हो गया। धूमधाम से प्रचार शुरू किया। भ्रमण के समय ही इन्हें खबर मिली कि उनके क्षेत्र की उम्मीदवारी किसी और को मिल गई है। बस, उसी समय दल छोड़ने का इरादा कर लिया। कुछ दिन बाद दल से अलग होने की घोषणा भी कर दी। ऐसे लोगों में दो पूर्व आईपीएस अधिकारियों के अलावा स्वयं को किसी पार्टी के प्रति

समर्पित बताने वाले नेता भी हैं।

किन नेताओं ने राजद को कहा अलविदा

ताजा झटका राजद को लगा है। उसके तमिलनाडु कैडर के आईपीएस अधिकारी और वहां के पूर्व डीजीपी करुणा सागर तामझाम के साथ राजद में शामिल हुए थे। उन्हें जहानाबाद से उम्मीदवार बनाने का संकेत मिला था। वह क्षेत्र में सक्रिय हुए। व्यापक जनसंपर्क किया। गुरुवार को करुणा सागर ने कहा कि अब कांग्रेस की राजनीति करेंगे। संभव है कि शुक्रवार को नई दिल्ली में कांग्रेस की सदस्यता ग्रहण करें। इससे पहले राजद के प्रदेश उपाध्यक्ष गणेश भारती ने पार्टी से इस्तीफा दे दिया था। बताया गया कि वह नामांकन सभा में नजरअंदाज किए जाने की वजह से काफी नाराज थे। सोशल मीडिया पर भी उन्होंने अपने इस्तीफे की जानकारी दी। बता दें कि इससे पहले गणेश भारती को राजद ने स्टार प्रचारक बनाया था। यहां पढ़ें पूरी खबर बीते तीन दिन के भीतर राजद छोड़ने वाले तीसरे नेता पूर्व सांसद रामा सिंह हैं। उन्होंने भी बीते रोज ही पार्टी का अलविदा कहा है। इसके साथ ही वह अपने समर्थकों के साथ लोक जनशक्ति पार्टी में शामिल हो गए हैं। खुद चिराग पासवान ने उन्हें अपनी पार्टी की सदस्यता दिलाई है। यहां पढ़ें पूरी खबर

कांग्रेस-भाजपा से ये नेता नाराज

तमिलनाडु कैडर के एक अन्य पूर्व आईपीएस कुमार रवि समस्तीपुर से चुनाव लड़ने के लक्ष्य के साथ कांग्रेस में शामिल हुए थे। हालांकि, उनका टिकट कट गया। फिलहाल उन्होंने पार्टी छोड़ने की घोषणा नहीं की है, लेकिन उनकी राजनीतिक सक्रियता कम हो गई है। एक अन्य पूर्व आईपीएस आनंद मिश्र बक्सर से भाजपा के गंभीर उम्मीदवार थे। वहां से भाजपा ने मिथिलेश तिवारी को टिकट दे दिया। अभी बक्सर के लिए नामांकन होना बाकी है। आनंद के पास निर्दलीय चुनाव लड़ने का विकल्प खुला हुआ है।

चिराग पासवान की पार्टी को भी लगा झटका

पूर्व अधिकारी ही नहीं, वर्षों से किसी दल में सक्रिय नेताओं का भी बेटिकट होने के बाद पलायन हो रहा है। लोजपा रा के संस्थापक सदस्य रवींद्र सिंह ने पार्टी की प्राथमिक सदस्यता से त्यागपत्र दे दिया। रवींद्र के अनुसार, उन्हें वैशाली से टिकट मिलने आश्वासन मिला था। क्षेत्र में उनका प्रचार भी शुरू हो गया था। टिकट नहीं मिलने से नाराज पूर्व सांसद अरुण कुमार लोजपा रा छोड़ बसपा में शामिल हो गए थे।

पाला बदलने पर इन्हें मिला टिकट

हालांकि, सबके साथ बुरा ही नहीं हुआ। भाजपा के पूर्व सांसद अजय निषाद को कांग्रेस ने उम्मीदवार बना दिया है। जदयू की विधायक बीमा भारती पूर्णिया से राजद उम्मीदवार हैं। जदयू के अभय कुशवाहा को राजद ने औरंगाबाद से उम्मीदवार बनाया। पूर्व सांसद लवली आनंद राजद से जदयू में गईं। वह शिवहर से जदयू उम्मीदवार हैं।

'क्या मैं आपको गुंडा या माफिया लगती हूं'

बीजेपी के आरोपों पर डिंपल यादव का करारा पलटवार

मैनपुरी, 2 मई (एजेंसियां)। उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री रहे मुलायम सिंह यादव के परिवार के गढ़ मैनपुरी लोकसभा क्षेत्र से उनकी बहू डिंपल यादव चुनाव मैदान में हैं। भाजपा के विपक्ष पर गुंडा माफिया को टिकट देने के आरोप पर उन्होंने सीधे कहा कि क्या मैं आपको गुंडा माफिया लगती हूं। डिम्पल यादव का कहना है कि सपा पर लोगों का भरोसा है। हमारी जीत पक्की है। भाजपा के परिवारवाद और गुंडे माफियाओं पक्षदार होने के आरोप पर डिंपल यादव ने कहा कि, क्या मैं आपको गुंडा या माफिया लगती हूं। भाजपा केवल भटकाने की बात करती है। भाजपा ने इस बार सारे देश में भ्रष्टाचारियों और गुंडों का स्वागत किया है। उन्हें चुनाव भी लड़ा रही है। यह लोग अपने कार्यकाल की उपलब्धि नहीं बता पाएंगे। यह डबल इंजन की सरकार देश और प्रदेश में फेल हो गई है।

रोजगार के मुद्दे पर सरकार को घेरा

डिंपल यादव ने बीजेपी के यूपी में 80 सीट जीतने के दावे पर कहा कि, यूपी की 80 सीटों को जीतने का दावा झूठा है। ये लोग मंचों से भी झूठ बोलते हैं। इस बल पर ही लोगों के वोट पाते आए हैं, लेकिन इस बार महिलाएं, किसान और जवान इन्हें हटाने को तैयार हैं। वहीं उन्होंने योगी सरकार के कानून व्यवस्था पर बोलते हुए कहा कि, जब रोजगार नहीं होगा, किसानों को सही आमदनी नहीं मिलेगी, तब इन सबका असर कानून व्यवस्था पर पड़ेगा ही। बहुत जरूरी है कि इस प्रदेश में लोगों को रोजगार दिया जाए जिससे लोगों में खुशहाली आए। डिंपल यादव ने पीएम मोदी के मंगलसूत्र वाले बयान पर कहा कि, जब 75 सालों में ऐसी कोई अप्रिय घटना नहीं हुई तो यह आरोप इस बात को दर्शाता है कि आपके मन में सही भावना नहीं है। इसी कारण वे ऐसी बातें कर रहे हैं। उन्होंने कहा कि, ध्रुवीकरण के मुद्दे आने से वोटिंग पर इफेक्ट होता है। जनता परेशान होती है। रोजगार, विकास और महंगाई पर कुछ हो नहीं पाया है। तो आसान और भ्रामक रास्ता चुनना उनका शगल बन गया है।

इससे जनता भी त्रस्त है। मैनपुरी में जीत को लेकर डिंपल यादव ने कहा कि कोई चुनौती नहीं है। इस बार हम पिछली बार से ज्यादा वोटों से जीत दर्ज करेंगे। इसकी तैयारी पूरी है। महिलाओं की भागीदारी को लेकर उन्होंने कहा कि नारी वंदन विधेयक जब आया था, तब हमारी पार्टी ने संसद में समर्थन किया था। अब हमारी मांग है कि इसमें पिछड़े, अति पिछड़े और अल्पसंख्यक महिलाओं की भागीदारी सुनिश्चित की जाय।

पिछली बार से भी ज्यादा अच्छा प्रदर्शन करेगी सपा

सपा द्वारा इस बार के चुनाव में काफी नौजवान महिलाओं को टिकट दिये जाने के सवाल पर उन्होंने कहा कि, यह अच्छी बात है कि नई पीढ़ी को राजनीति में आना चाहिए। जो लेटेस्ट चीजें हो रही हैं, उस बारें में लोगों को जागरूक कर रहे हैं। युवा महिला ऊर्जा से ओतप्रोत होती है। वह अपना पूरा समय दे सकती है।मैनपुरी की विरासत को आगे बढ़ाने के सवाल पर उन्होंने कहा कि इस क्षेत्र में सपा ने बहुत काम किए हैं।

जब जब सपा सरकार आती है, तब तब आसपास के क्षेत्रों में विकास और रोजगार-नौकरी देने का काम हुआ है। उन्होंने कहा कि इस क्षेत्र के लोगों के लिए यह प्रयास अनवरत चलता रहेगा। दो चरणों के चुनाव पर बोलते हुए उन्होंने कहा कि पहले और दूसरे चरण के चुनाव में पिछली बार से हमारा ज्यादा अच्छा परफॉर्मेंस रहेगा। जैसे-जैसे चरण बढ़ेगा, वैसे-वैसे हमारी सीट बढ़ेगी। वहीं उन्होंने अपनी बेटी की राजनीति में एंट्री को लेकर उन्होंने कहा कि, मां बेटी का रिश्ता एक दूसरे का सहयोग का होता है। इसी कारण मेरी बेटी यहां हमारा सहयोग करने आई है।

इंडिया को वोट देने का मतलब भारत की आस्था के साथ खिलवाड़' मैनपुरी में बोले सीएम योगी

मैनपुरी, 2 मई (एजेंसियां)। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने गुरुवार को मैनपुरी से बीजेपी प्रत्याशी जयवीर सहि के समर्थन में रोड शो किया। इस दौरान कहा कि मैनपुरी भी इस बार परिवर्तन की राह पर चल रहा है। सपा और कांग्रेस का ये गठबंधन भारत को एक बार फिर से गुलामी की ओर धकेलने की साजिश का हिस्सा है। योगी ने कहा कि सपा और कांग्रेस द्वारा कैसे भी हो देश के अंदर एससी, एसटी और ओबीसी के आरक्षण के अधिकार पर सेंध लगाकर अल्पसंख्यकों को बांटने की साजिश हो रही है। इंडी गठबंधन को वोट देने का मतलब भारत की आस्था के साथ खिलवाड़ और कोई भी सच्चा भारतीय जो अपनी आस्था को सम्मान करते हैं वे कांग्रेस गठबंधन की इस साजिश को कतई सफल नहीं होने देगा। बता दें, मैनपुरी लोकसभा सीट पर इस बार चुनाव बेहद दिलचस्प नजर आ रहा है। इस सीट पर यादव परिवार की ओर से समाजवादी पार्टी ने डिंपल यादव को मैदान में उतारा है तो वहीं भाजपा ने मंत्री व स्थानीय विधायक जयवीर सिंह पर दांव लगाया है। बसपा सुप्रीमो मायावती ने पूर्व विधायक शिव प्रताप यादव को प्रत्याशी बनाकर चुनावी मुकाबला और रोचक कर दिया है।

ठाकुर, ब्राह्मण, यादव, मुस्लिम नहीं गुजराती हैं भगोड़े

सब पीएम के चट्टे-बट्टे सपा नेता सनातन पांडे के बिगड़े बोल

बलिया, 2 मई (एजेंसियां)। उत्तर प्रदेश की बलिया लोकसभा सीट से समाजवादी पार्टी (सपा) के उम्मीदवार सनातन पांडे अपने विवादित बयानों को लेकर चर्चा में हैं। इस बार उन्होंने विवाद खड़ा करने वाला नया बयान दिया है। उनका कहना है कि इस देश से पैसा लेकर भागने वाले लोग सिर्फ गुजराती हैं। पांडे ने आरोप लगाया कि सभी भगोड़े प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के करीबी लोगों में से एक हैं। हाल ही में सपा नेता पर हेट स्पीच को लेकर केस दर्ज हो चुका है, जिसके चलते उनकी मुश्किलें बढ़ सकती हैं। सनातन पांडे ने कहा, 'किसानों का कर्जा माफ करेंगे। ये पैसा कहां से आएगा, इस देश के कुछ पूंजीपति 15 लाख करोड़ रुपए लेकर देश से बाहर हो गए। उस 15 लाख करोड़ रुपए से न सिर्फ कर्ज माफ करेंगे बल्कि बेरोजगारी भत्ता भी देंगे। सभी भगोड़ों को खींचकर ले आया जाएगा। जितने भी भगोड़े हैं वो इस देश के कोई ठाकुर, ब्राह्मण, यादव, मुसलमान नहीं हैं, जो भी भगोड़े हैं सब गुजरात के रहने वाले हैं। सब प्रधानमंत्री के चट्टे-बट्टे हैं।'

सनातन पांडे के खिलाफ हेट स्पीच और जिला निर्वाचन अधिकारी को धमकी देने के आरोप में एफआईआर दर्ज हो चुकी है। पुलिस का कहना है कि पांडे ने बलिया में मीडिया को संबोधित करते हुए कथित तौर पर ये टिप्पणी की। बाद में पार्टी प्रमुख अखिलेश यादव ने चुनाव आयोग (ईसी) पर सवाल उठाते हुए पांडे का बचाव किया। सोशल मीडिया पर प्रसारित वीडियो में पांडे को यह कहते हुए सुना गया कि 2019 में जिला प्रशासन ने उसके साथ गलत व्यवहार किया था। उन्होंने चुनाव आयोग पर भरोसा करते हुए हार स्वीकार कर ली थी और बाद में मतगणना केंद्र से चले गए। पांडे ने आरोप लगाया कि मतगणना केंद्र के बाहर उन पर हमला किया गया और उनके वाहन को "सरकार के पक्ष के लोगों" ने क्षतिग्रस्त कर दिया। उन्होंने कथित तौर पर यह भी कहा कि वह इस बार ऐसी घटनाओं की पुनरावृत्ति बर्दाश्त नहीं करेंगे।

बसपा ने जारी की छह उम्मीदवारों की एक और लिस्ट, कैसरगंज सीट से ये होंगे प्रत्याशी

लखनऊ, 2 मई (एजेंसियां)। बहुजन समाज पार्टी ने लोकसभा चुनाव को लेकर उम्मीदवारों की एक और लिस्ट जारी की है। इसमें छह प्रत्याशियों के नाम है। कैसरगंज सीट पर बसपा ने ब्राह्मण कार्ड खेला है। साथ ही आजमगढ़ सीट पर बसपा ने अपना उम्मीदवार बदल दिया है। गुरुवार को जारी लिस्ट में बसपा की इस लिस्ट में कैसरगंज, डुमरियागंज, गोंडा, संत कबीरनगर, बाराबंकी और आजमगढ़ सीट से प्रत्याशियों के नाम शामिल हैं। लखनऊ पूर्वी विधानसभा सीट पर हो रहे उपचुनाव के लिए भी उम्मीदवार के नाम का एलान किया है। बहुजन समाज पार्टी लोकसभा चुनाव में अकेले मैदान में है। बसपा ने कैसरगंज सीट पर ब्राह्मण कार्ड खेलते हुए नरेंद्र पाण्डेय को उतारा है। आजमगढ़ में प्रत्याशी बदलकर मशहूद अहमद को उम्मीदवार घोषित किया है। गोंडा से सौरभ कुमार मिश्रा, डुमरियागंज से मोहम्मद नदीम मिर्जा, संतकबीर नगर से नदीम अशरफ और बाराबंकी से शिव कुमार दोहरे को मैदान में उतारा है। गौरतलब है कि बसपा ने आजमगढ़ सीट से तीसरी बार प्रत्याशी बदला है, सबसे पहले इस से सीट पार्टी के पूर्व प्रदेश अध्यक्ष भीम राजभर को मैदान में उतारा गया था, लेकिन बाद में उन्हें सलेमपुर सीट से टिकट दिया गया। इसके बाद बसपा ने आजमगढ़ सीट से शबीहा अंसारी को टिकट दिया था। अब उनकी जगह उनके पति मशहूद अहमद को बसपा ने टिकट दिया है। बसपा ने इस लिस्ट में तीन मुस्लिम चेहरों पर दांव लगाया है। दो ब्राह्मणों को टिकट दिया है। एक आरक्षित सीट पर अनुसूचित जाति के प्रत्याशी को टिकट दिया है। बसपा की ओर से उम्मीदवारों की यह 11वीं सूची है। इससे पहले 10 सूची जारी की गई हैं, अब तक बसपा 75 से ज्यादा सीटों पर अपने प्रत्याशी उतार चुकी है।

साध्वी के सामने सपा के नरेश की चुनौती, फतेहपुर में जातीय समीकरण ही दिलाएगी फतह

फतेहपुर, 2 मई (एजेंसियां)। देश के सबसे पिछड़े जिलों में एक फतेहपुर की राजनीतिक हैसियत का अंदाजा इस बात से लगाइए कि मंडल आयोग की राजनीति के दौर में 1989 में विश्वनाथ प्रताप सिंह फतेहपुर लोकसभा सीट से जीतकर प्रधानमंत्री बने थे। इसके बाद बदलाव हुआ और कई दलों ने फतेहपुर का प्रतिनिधित्व किया। 2014 और 2019 में लगातार दो बार चुनाव जीतकर साध्वी निरंजन ज्योति सांसद बनीं। कानपुर के झकरकटी डिपो से मंगलवार सुबह एनबीटी की चुनावी बस यात्रा फतेहपुर पहुंचीं तो मोटे तौर पर एक बात सामने आई। बीजेपी ने साध्वी निरंजन ज्योति को तीसरी बार मैदान में उतारा है। वहीं समाजवादी पार्टी ने अंतिम समय में नरेश उत्तम पटेल को टिकट दिया है। कानपुर के झकरकटी बस अड्डे से विकास नगर डिपो की बस यूपी78एचटी4601 वाराणसी के लिए चली। बस में सिर्फ 7 यात्री थे। रामादेवी पर सवारियों के इंतजार में ड्राइवर ने 15 मिनट बस रोकी, लेकिन सिर्फ दो यात्री चढ़े। आगे की सीट पर बैठे बनारस के राजीव से चुनावी चर्चा शुरू की तो बोले, अभी कुछ समझ नहीं आ रहा है, लेकिन इतनी बात जरूर है कि कांग्रेस के अजय राय से कोई फर्क नहीं आना है। चुनावी चर्चा सुन बस में मौजूद महिला यात्रियों ने बात करने में कोई दिलचस्पी नहीं दिखाई। फतेहपुर के पहले मलवां के मोहन पेड़े दूर तक फेमस है। बड़े साइज का लाल पेड़ा किसी के मुंह में पानी ला सकता है, लेकिन ये बस मलवां में नहीं रुकी। नई बनी जीटी रोड पर बस फरीटे से भागी और डेढ़ घंटे में फतेहपुर पहुंच गई। फतेहपुर बस अड्डे पर मिले रमेश बोले, साध्वी का ठीक ही चल रहा है, बाकी के प्रत्याशी ही नहीं पता, तो कोई क्या करेगा। गंगा और यमुना के बीच बस फतेहपुर की भौगोलिक स्थिति अलग सी है। एकतरफ गंगा का उपजाऊ इलाका है, तो दूसरी तरफ बुंदेलखंड से सटे यमुना के बीहड़। जिला मुख्यालय से करीब 15 किमी दूर हुसैनगंज कस्बे में लोग अपने काम-काज में लगे हैं। समोसे और चाय के ढाबे पर कुछ लोग चाय पी रहे हैं तो कुछ पूरे ध्यान से अखबार पढ़ रहे हैं। अखबार पढ़ते बुजुर्ग रामबाबू द्विवेदी से चुनावी चर्चा छेड़ी तो अखबार समेटकर बोले, खेतों में जानवरों की समस्या तो है,

पहले मैरिज ब्यूरो ने लूटा, फिर दुल्हन ने

कानपुर, 2 मई (एजेंसियां)। झांसी के गांव नकेरा का रहने वाला खलक सिंह पेशे से ट्रक ड्राइवर है। खलक सिंह ने बताया कि दिसंबर 2023 को कानपुर के पलक मैरिज ब्यूरो ने शादी कराने के नाम पर रजिस्ट्रेशन के 2500 रुपये ऑनलाइन जमा कराए और इसके बाद कई लड़कियों की प्रोफाइल उन्हें भेजी गई। इसी बीच उनसे बार-बार पैसों की डिमांड की जाने लगी। समय के साथ-साथ खलक सिंह मैरिज ब्यूरो को 1 लाख 10 हजार रु जमा किए हैं। 3 महीने बीतने के बाद 10 अप्रैल को मैरिज ब्यूरो की संचालिका नेहा उर्फ ज्योति ने मेरी शादी के लिए प्रिया वर्मा नाम की लड़की से कराने की बात कही। जिसके बाद बारादेवी मंदिर में प्रिया वर्मा ने उनसे शादी भी कर ली। शादी के दौरान खलक सिंह के परिवार ने प्रिया को सोने का मंगलसूत्र, सोने की झुमकी, पायल और 500 रु नगद दिया था। शादी के दौरान ही प्रिया वाशरूम जाने के बहाने जेवर लेकर भाग निकली। जिसके बाद काफी समय तक उसकी तलाश की गई लेकिन उसके बाद न तो कोई मैरिज ब्यूरो संचालक और न ही लड़की का कोई पता चला है। आखिर में थक हार कर उन्होंने मैरिज ब्यूरों और लुटेरी दुल्हन की शिकायत पुलिस से की है।

जल्द करेंगे गिरफ्तार

मामले में कानपुर पुलिस कमिश्नरेट के डीसीपी साउथ रविन्द्र कुमार ने जानकरी दी कि खलक सिंह के साथ शादी कराने के नाम पर ठगी की घटना सामने आई है। खलक सिंह का आरोप है जिस लड़की से उनकी शादी हुई है वह भी वॉशरूम का बहाना करके शादी के दौरान दिए गए जेवर लेकर भाग निकली। उन्होंने बताया कि पीड़ित की तरफ से तहरीर दे दी गई है। पीड़ित से तहरीर लेकर मामले की जांच की जा रही है। आरोपियों की जल्द ही गिरफ्तारी की जाएगी।

महाराष्ट्र में पांच चरण में मतदान कराने में चुनाव आयोग की भूमिका संदेहास्पद: शरद पवार

मुंबई, 2 मई (एजेंसियां)। राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी (शरद गुट) के अध्यक्ष शरद पवार ने कहा कि देश में सात चरणों और महाराष्ट्र में पांच चरणों में चुनाव करवाने में चुनाव आयोग की भूमिका संदेहास्पद है। इसके साथ ही चुनाव में मतदान का प्रतिशत घटना और भी चिंताजनक है। एनसीपी नेता शरद पवार ने कहा कि देश की जनता मोदी सरकार से नाराज है, इसी वजह से उनकी भीड़ हमारी सभाओं में दिखती है। मोदी को महाराष्ट्र में पिछले साल की तुलना में कम सीटें मिलेंगी। गर्म मौसम का असर मतदान पर पड़ रहा है। चुनाव आयोग को इस दिशा में उपाय योजना करने की जरुरत है। शरद पवार ने सवाल उठाया कि चुनाव आयोग ने देश में सात चरणों में लोकसभा चुनाव क्यों कराये? इसका समाधानकारक उत्तर चुनाव आयोग नहीं दे सका है। महाराष्ट्र में भी इससे पहले कभी पांच चरण का मतदान नहीं हुआ था। पवार ने कहा कि महाराष्ट्र में अलग-अलग चरणों में चुनाव क्यों? एक चरण में भी चुनाव कराए जा सकते थे। मोदी बार-बार महाराष्ट्र आ रहे हैं ताकि उन्हें ज्यादा जगहों पर जाने का मौका मिल सके, जानबूझ कर पांच चरणों में चुनाव कराए गए।

शरद पवार ने दावा किया कि मतदान प्रतिशत कम होना भी चिंताजनक है। गर्म मौसम का असर है। शहरी मतदान में महाराष्ट्र के बेहतर प्रदर्शन की उम्मीद है। लोग मोदी सरकार से नाराज हैं। लोग हमारे दौरे में हिस्सा ले रहे हैं। शरद पवार ने कहा कि प्रधानमंत्री मोदी केवल शरद पवार, उद्धव ठाकरे की आलोचना करते हैं। मोदी के पास लोगों को संतुष्ट करने के लिए कोई मुद्दा नहीं है, इसलिए वह गुमराह कर रहे हैं।

मोदी के भाषण में 3-4 वाक्य हैं जो किसी के द्वारा लिखे गए हैं। स्थानीय मुद्दों के साथ अपना भाषण शुरू करना मोदी की शैली है लेकिन भाषण सिर्फ मुख्य मुद्दों से मतदाताओं को भटकाने वाला रहता है। भाषण में महंगाई, बेरोजगारी को छुआ तक नहीं किया जा रहा है। शरद पवार ने कहा कि हमें मतदान प्रतिशत बढ़ाने की जरूरत है कि क्यों लोग उदासीन हैं। हमें यह देखना होगा कि क्या यह मौसम का प्रभाव है। शरद पवार ने कहा कि देश की जनता सुजान है और वह इन सब बारीकियों को समझ रही है। चार जून को परिणाम अनपेक्षित रहने वाले हैं।

स्कूल के बाहर एक छात्रा ने दूसरी को मारा ब्लेड, कराया गया अस्पताल में भर्ती; लंच को लेकर हुई थी बहस

नई दिल्ली, 2 मई (एजेंसियां)। उत्तरी दिल्ली के गुलाबी बाग इलाके में स्कूल में लंच को लेकर दो छात्राओं के बीच बहस हो गई। स्कूल की छुट्टी होते ही दोनों छात्राएं एक दूसरे से भिड़ गईं। मारपीट के दौरान एक छात्रा ने अचानक ब्लेड निकालकर दूसरी छात्रा के चेहरे पर मार दिया। इसकी वजह से वह लहूलुहान हो गई। बाद में किसी तरह दोनों को अलग किया गया। जख्मी हालत में छात्रा को नजदीकी अस्पताल में भर्ती कराया, जहां उसका उपचार जारी है। छात्रा के परिजनों ने पुलिस से शिकायत की है। इस पूरे बवाल का वीडियो बनाकर किसी ने सोशल मीडिया पर वायरल कर दिया। एक्स के अलावा व्हाट्सएप पर वीडियो तेजी से वायरल होने लगा।

डीसीडब्ल्यू के 223 कर्मचारी हटाए, स्वाति मालीवाल बोलीं- नौ साल से काम कर रहे थे, उस समय क्यों नहीं किया

नई दिल्ली, 2 मई (एजेंसियां)। दिल्ली के उपराज्यपाल वीके सक्सेना ने गुरुवार को बड़ी कार्रवाई की। उन्होंने दिल्ली महिला आयोग से 223 कर्मचारियों को तत्काल प्रभाव से हटाने का आदेश दे दिया। आरोप है कि डीसीडब्ल्यू की तत्कालीन अध्यक्ष स्वाति मालीवाल ने नियमों के खिलाफ जाकर बिना अनुमति के इन कर्मचारियों की नियुक्ति की। स्वाति मालीवाल ने प्रेस कॉन्फ्रेंस कर एलजी पर हमला बोला। स्वाति मालीवाल ने प्रेस कॉन्फ्रेंस कर कहा कि दिल्ली महिला आयोग ने कई काम किये हैं। एलजी कह रहे हैं कि सभी संविदा कर्मियों को बर्खास्त करें क्योंकि नियुक्तियां अवैध हैं। अगर ऐसा हुआ तो डीसीडब्ल्यू बंद हो जायेगा। 90 कर्मचारियों में से केवल आठ लोग नियमित कर्मचारी हैं, जबकि बाकी संविदा कर्मचारी हैं, जो तीन महीने के अनुबंध पर काम कर रहे हैं। रोज 500 महिला आती हैं तो काम कैसे होगा। दिल्ली में रोज महिलाओं के खिलाफ अपराध होते हैं। दिल्ली महिला आयोग में एसिड अटैक पीड़िता भी काम करती हैं। जिन महिलाओं पर जुल्म हुआ है, वे काम करती हैं। उन्होंने आगे कहा कि लड़ाई मुझ से है। दिल्ली महिला आयोग को बंद न करें। दिल्ली में ऐसा काम करना है कि महिला की तरफ कोई भी बुरी नजर से नहीं देख पाएगा। छह माह से वेतन नहीं मिलता है। नौ माह से स्टाफ की मांग कर रहे हैं। दिल्ली महिला आयोग कानूनी सलाह लेगा। दिल्ली महिला आयोग मंजूरी कैसे लेगा। टीम की जरूरत है। स्टाफ तो देना चाहिए। ये एसिड अटैक वाले ही स्टाफ हैं। उन्हें पता है कि दर्द क्या होता है। पिछले नौ साल से काम कर रहे थे। उस समय क्यों नहीं किया था। स्वाति मालीवाल ने एक्स पर लिखा, 'एलजी साहब ने डीसीडब्ल्यू के सारे कॉन्ट्रैक्ट स्टाफ को हटाने का एक तुगलकी फरमान जारी किया है। आज महिला आयोग में कुल 90 स्टाफ है जिसमें सिर्फ आठ लोग सरकार द्वारा दिये गये हैं, बाकी सब तीन-तीन महीने के कॉन्ट्रैक्ट पर हैं। अगर सब कॉन्ट्रैक्ट स्टाफ हटा दिया जाएगा, तो महिला आयोग पर ताला लग जाएगा। ऐसा क्यों कर रहे हैं ये लोग? खून पसीने से बनी है ये संस्था। उसको स्टाफ और सरंक्षण देने की जगह आप जड़ से खत्म कर रहे हो? मेरे जीते जी मैं महिला आयोग बंद नहीं होने दूंगी। मुझे जेल में डाल दो, महिलाओं पर मत जुल्म करो!' एलजी साहब ने डीसीडब्ल्यू के सारे कॉन्ट्रैक्ट स्टाफ को हटाने का एक तुग़लकी फ़रमान जारी किया है। आज महिला आयोग में कुल 90 स्टाफ है जिसमें सिर्फ़ 8 लोग सरकार द्वारा दिये गये हैं,

मेरे साथ 'गंदा काम' करो नहीं तो पति मर जाएगा महिला को धमकाकर तांत्रिक ने किया रेप

सूरत, 2 मई (एजेंसियां)। गुजरात के सूरत में एक तांत्रिक ने विधि पूरी करने के नाम पर एक महिला के साथ बलात्कार की घटना को अंजाम दिया है। जब महिला ने तांत्रिक को रोकने की कोशिश की तो तांत्रिक ने उसे धमकाया कि अगर विधि पूरी नहीं हुई तो उसके पति की मौत हो जाएगी। विवाहित महिला ने इस पूरे मामले की जानकारी अपने पति को दी। इसके बाद पुलिस में शिकायत की गई है। फिलहाल मामले की जांच की जा रही है। जानकारी के मुताबिक यह पूरा मामला सूरत के उन्नाण का है। जहां एक विवाहित महिला के घर में आरोपी राहुल दिनेश पांड्या पहुंच गया। राहुल तंत्र-मंत्र जानता है और उसने महिला से कहा कि उसके घर में वास्तु दोष है जिसकी वजह से उसके घर में समस्याएं बनीं हुई हैं। इस दौरान उसने विवाहित महिला को अपनी बातों में ले लिया। आरोपी ने महिला से कहा कि वह आर्थिक तंगी से जूझ रही है और विधि पूरी होगी तो सभी तरह की समस्याएं दूर हो जाएंगी। माहिला तांत्रिक राहुल की बातों में आ गई और उसने विधि कराने के लिए हामी भर दी। विधि कराने के लिए तांत्रिक जब महिला के घर पर पहुंचा तो उस वक्त वहां कोई मौजूद नहीं था। इस दौरान राहुल ने कुछ मंत्र बड़बड़ाते हुए अपने हाथ में कुछ उड़द और मूंग के दाने रखे। इसके बाद उनसे महिला से बेडरूम के दरवाजे पर खड़े होकर विधि करने को कहा। विवाहित जब दरवाजे पर खड़ी हुई तो तांत्रिक राहुल उसके साथ अश्लील हरकते करने लगा। जब महिला ने विधि के नाम पर उसके साथ हो रही अश्लील हरकतों का विरोध किया तो तांत्रिक राहुल ने उससे कहा कि अगर वह विधि पूरी नहीं करेगी तो उसके पति की मौत हो जाएगी।

दिल्ली पुलिस के तीन स्पेशल कमिश्नर का हुआ ट्रांसफर, सतीश गोलचा बने तिहाड़ के डीजी

नई दिल्ली, 2 मई (एजेंसियां)। दिल्ली पुलिस के तीन स्पेशल कमिश्नर का ट्रांसफर कर दिया गया है और तीनों कमिश्नर की नई पोस्टिंग के ऑर्डर जारी कर दिए गए हैं। सबसे पहले स्पेशल सीपी सतीश गोलचा जो स्पेशल सीपी इंटेलिजेंस थे इनको स्पेशल सीपी इंटेलिजेंस से तिहाड़ का डीजी बनाया गया है। दूसरे स्पेशल सीपी पीसीआर सागर प्रीत हुड्डा को स्पेशल सीपी इंटेलिजेंस और मीडिया मैनेजमेंट डिवीजन का कार्यभार दिया गया है। तो वहीं, तेजेन्द्र लूथरा स्पेशल सीपी टैक्नोलॉजी में थे इनको स्पेशल सीपी पीसीआर का कार्यभार भी दिया गया है।

कौन हैं सतीश गोलचा

सतीश गोलचा तिहाड़ जेल के नए डीजी बनाए गए हैं। सतीश गोलचा जब स्पेशल सीपी लॉ एंड ऑर्डर थे, तब पूर्वी दिल्ली में दंगे हुए थे। सतीश गोलचा अरुणाचल प्रदेश के डीजीपी भी रह चुके हैं। वे 1992 बैच के आईपीएस ऑफिसर हैं और दिल्ली पुलिस में डीसीपी, ज्वाइंट सीपी और स्पेशल सीपी के पद पर अपनी भूमिका निभा चुके हैं। तिहाड़ जेल के पूर्व डीजी संजय बेनीवाल मंगलवार को रिटायर हो गए हैं जिसके सतीश गोलचा को तिहाड़ की जिम्मेदारी सौंपी गई है। बेनीवाल की रिटायरमेंट को लेकर चुनाव आयोग को पहले ही एक प्रस्ताव भेजा जा चुका था और इसके साथ ही नए डीजी की नियुक्ति के लिए मंजूरी मांगी गई थी। चुनाव आयोग से इसकी मंजूरी मिलने के बाद दिल्ली के एलजी वीके सक्सेना ने सतीश गोलचा को नए डीजी जेल बनाए जाने के संबंध में आदेश जारी किया था। तीनों स्पेशल कमिश्नर तेज तर्रार माने जाते हैं और अपने कार्यक्षेत्र में महत्वपूर्ण उपलब्धियां हासिल कर चुके हैं। अपने बेहतर प्रदर्शन के लिए मशहूर सतीश गोलचा, सागर प्रीत हुड्डा और तेजेन्द्र लूथरा को वेटेरन माना जाता है। दिल्ली के उपराज्यपाल ने तीनों के तबादले के ऑर्डर जारी कर दिए हैं और अब ये तीनों ऑफिसर्स अपनी नई जिम्मेदारियों का निर्वहन करेंगे। तिहाड़ जेल को लेकर गोलचा की काफी चर्चा हो रही है।

मुंबई पुलिस के कांस्टेबल की इलाज के दौरान मौत नशेड़ियों ने मारपीट कर पीठ में लगाया था जहरीला इंजेक्शन

मुंबई, 2 मई (एजेंसियां)। मुंबई में नशेड़ियों द्वारा मारपीट किए जाने के बाद घायल एक 30 वर्षीय कांस्टेबल की बुधवार को इलाज के दौरान मौत हो गई। वह ठाणे के एक अस्पताल में भर्ती था। लोकल ट्रेन में सफर करते समय एक नशेड़ी ने कांस्टेबल का फोन छीन लिया था, जिसे वापस पाने के लिए कांस्टेबल की नशेड़ियों के एक ग्रुप से हाथापाई हुई थी। नशेड़ियों द्वारा मारपीट किए जाने और पीठ में जहरीला इंजेक्शन लगाने से कांस्टेबल की तबीयत बिगड़ गई थी। एक अधिकारी ने गुरुवार को बताया कि कांस्टेबल विशाल पवार ठाणे का रहने वाला था। वह मुंबई पुलिस की स्थानीय शस्त्र इकाई में तैनात था। घटना 28 अप्रैल की रात करीब 9:30 बजे की है। कांस्टेबल विशाल सादा कपड़ों में लोकल ट्रेन से ड्यूटी के लिए जा रहा था। इस बीच वह खिड़की के पास खड़े होकर फोन पर बात करने लगा। मुंबई में सायन और माटुंगा रेलवे स्टेशन के बीच जैसे ही ट्रेन धीमी हुई, वहां खड़े एक अज्ञात व्यक्ति ने पवार के हाथ पर वार किया, जिससे मोबाइल नीचे गिर गया और आरोपी उसे लेकर ट्रेक के बीच भागने लगा। अधिकारी ने बताया कि विशाल भी ट्रेन से नीचे उतर गया और व्यक्ति का पीछा करने लगा। कुछ दूरी पर नशेड़ियों के एक ग्रुप ने विशाल को घेर लिया और मारपीट शुरू कर दी। उन्होंने कांस्टेबल की पीठ में जहरीला इजेक्शन लगा दिया, जिसके बाद विशाल बेहोश हो गया।

कंगना रनौत हसीन परी हैं इसलिए आ रही भीड़ बोलीं हिमाचल कांग्रेस की अध्यक्ष प्रतिभा सिंह

शिमला, 2 मई (एजेंसियां)। लोकसभा चुनाव के लिए हिमाचल प्रदेश में सभी पार्टियां जोरो-सोरो से लगी हुई हैं। इस बीच हिमाचल प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष प्रतिभा सिंह ने अपने बेटे लोकसभा सीट के कांग्रेस प्रत्याशी विक्रमादित्य सिंह की चुनावी प्रचार-प्रसार रैली में पूरी तरह भाग ले रही हैं। उन्होंने हाल ही में एक रैली की जिसमें उन्होंने बीजेपी उम्मीदवार कंगना रनौत पर तंज कसते हुए हमला किया। हिमाचल प्रदेश के रामपुर में 1 मई को हिमाचल प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष प्रतिभा सिंह ने अपने निवास स्थान पदम पैलेस पर अपने बेटे और लोकसभा सीट के कांग्रेस प्रत्याशी विक्रमादित्य सिंह के लिए चुनाव प्रचार की बैठक की। इस दौरान बैठक में अलग-अलग कांग्रेस के लीडिंग ऑर्गनाइजेशन के कार्यकर्ता शामिल हुए थे। प्रतिभा सिंह ने कार्यकर्ताओं को संबोधित करते हुए कंगना रनौत पर तंज कसते हुए कहा उन्हें हसीन परी कहा।

इकट्ठा भीड़, वोट में नहीं बदलेगी: प्रतिभा सिंह

उन्होंने कहा कि कंगना सिर्फ एक हसीन परी है इसलिए लोग उनको देखने के लिए ज्यादा की संख्या में इकट्ठा हो रहे हैं, लेकिन लोगों की भीड़ से चुनाव में मिलने वाले वोट पर कोई फर्क नहीं पड़ेगा। प्रतिभा सिंह ने कहा कि केंद्र की जितनी भी मीडिया है, सोशल मीडिया है और अखबार हैं वे सभी कंगना को खूब हाईलाइट कर रहे हैं। ऐसे में सब कंगना को दिखा रहे हैं।

लोग सिर्फ कंगना को देखने के लिए आ रहे हैं

उन्होंने कहा कि जब कभी लोग कंगना को ऑनलाइन फेसबुक या व्हाट्सएप पर देखते हैं तो सभी लोग चाहते हैं कि वह उसे सामने से देखना चाहेंगे कि वो कैसी है। वो हसीन हरी है इसलिए सभी उसको देखना चाहते हैं। इसलिए लोग उसकी सभाओं में इकट्ठा हो रहे हैं। प्रतिभा ने कहा कि लेकिन इस तरह से भीड़ के इकट्ठा होने पर कार्यकर्ता ये सोच रहे हैं कि उनकी सभाओं में ज्यादा मात्रा में भीड़ हो रही है। लेकिन इस बात को साफ करते हुए उन्होंने कहा कि यह भीड़ सिर्फ कंगना रनौत को देखने के लिए है, ऐसी भीड़ कभी भी वोट में नहीं बदल सकती है।

वोट नहीं दिया तो कटेगी बिजली, कर्नाटक में कांग्रेस विधायक ने दी वोटर्स को धमकी

बेंगलुरु, 2 मई (एजेंसियां)। लोकसभा चुनाव के प्रचार मैदान में तरह-तरह के विवादित बोल सामने आ रहे हैं। कहीं संविधान और आरक्षण हटाने पर विवाद तो कहीं सांप्रदायिक मसले पर बहस... इस बीच कर्नाटक में कांग्रेस के एक विधायक ने ऐसा बयान दे दिया जिसके बाद वो निशाने पर आ गए हैं। कांग्रेस विधायक राजू कागे का बयान सोशल मीडिया पर भी तेजी से वायरल हो रहा है। राजू कागे ने चुनावी रैली को संबोधित करते हुए वोटरों को सीधे-सीधे चेतावनी दे दी कि पार्टी को भारी अंतर से नहीं जिताया तो लोगों की बिजली काट दी जाएगी। बीजेपी पर इस पर हमलावर है। कांग्रेस नेता राजू कागे के इस विवादित बयान के बाद चुनाव आयोग ने नोटिस भेजकर जवाब मांगा है। राजू कागे ने ये बयान 30 अप्रैल को मदाबावी ग्राम पंचायत में एक चुनाव प्रचार के दौरान दिया था। उन्होंने खुले शब्दों में चेतावनी दे दी थी कि अगर 2024 के लोकसभा चुनावों में कांग्रेस का प्रदर्शन खराब रहा तो लोगों की बिजली काट दी जाएगी।

कैमरे में कैद विवादित बयान

राजू कागे का यह विवादित बयान कैमरे में भी कैद हो चुका है जो कि अब सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म पर वायरल हो रहा है। उन्होंने कन्नड़ में लोगों से कहा कि- मुझे 400 वोट कम मिले। मुझे मंगावती, शूलू में कम वोट मिले, शाहपुरा के बारे में भूल जाओ। मैं इसके बारे में ज्यादा बात नहीं करूंगा। बस अब इस चुनाव में मुझे ज्यादा वोट नहीं मिले तो हम आपकी बिजली काट देंगे। इसलिए, ऐसा नहीं होना चाहिए। मैं अपनी बात पर कायम रहूंगा।

बीजेपी ने बयान पर साधा निशाना

राजू कागे के विवादित बयान पर बीजेपी ने कांग्रेस पर हमला बोला है। बीजेपी ने इस बयान को राहुल गांधी के मोहब्बत की दुकान से जोड़कर कांग्रेस पर हमला बोला। बीजेपी नेता शहजाद पूनावाला ने कहा कि वो कहते हैं 'मोहब्बत की दुकान' लेकिन ये तो 'धमकी के भाईजान' हैं।

बेलागाबी से विधायक हैं राजू कागे

ये पहला मौका नहीं है जब कांग्रेस विधायक राजू कागे ने विवादित बयान दिया है। इससे पहले भी वो कई बार ऐसे बयान दे चुके हैं, जो सोशल मीडिया में वायरल हो चुके हैं। राजू कागे कर्नाटक में बेलागाबी के कागवाड़ विधानसभा क्षेत्र से विधायक हैं।

चंद्रमा की सतह के नीचे है बर्फ का भंडार इसरो ने कहा यह मानव उपस्थिति बनाए रखने के लिए उपयोगी

बेंगलुरु, 2 मई (एजेंसियां)। चंद्रमा पर पानी की खोज से जुड़े नए तथ्य सामने आए हैं। हाल के अध्ययनों से पता चलता है कि चंद्रमा के ध्रुवीय गड्ढों में पहले के मुकाबले अधिक बर्फ होने की संभावना के सुबूत मिले है। यह अध्ययन स्पेस एप्लीकेशन सेंटर (एसएसी) व इसरो के वैज्ञानिकों ने आइआइटी कानपुर, दक्षिणी कैलिफोर्निया विश्वविद्यालय, जेट प्रोपल्शन प्रयोगशाला और आइआइटी (आइएसएम) धनबाद के शोधकर्ताओं के सहयोग से किया। भारतीय अंतरिक्ष अनुसंधान संगठन (इसरो) ने कहा कि हाल के अध्ययन से पता चलता है कि चंद्रमा की सतह के कुछ मीटर नीचे सतह की तुलना में पांच से आठ गुना अधिक बर्फ मौजूद है।

एजेंसी ने कहा कि यह चंद्रमा पर लंबे समय तक मानव उपस्थिति बनाए रखने के लिए उपयोगी साबित होगी। अध्ययन से यह भी पता चला है कि चंद्रमा के उत्तरी ध्रुवीय क्षेत्र में बर्फ की मात्रा दक्षिणी ध्रुवीय क्षेत्र की तुलना में दोगुनी है। अध्ययन में यह अनुमान लगाया गया है कि इस बर्फ की उत्पत्ति का प्राथमिक स्त्रोत ज्वालामुखी से निकलने वाली गैस होगी। एजेंसी ने बताया कि शोध करने वाले दल ने चंद्रमा पर बर्फ की उत्पत्ति और वितरण को समझने के लिए नासा के यान 'लूनर रिकानिसेंस आर्बिटर' पर रडार, लेजर, आप्टिकल, न्यूट्रान स्पेक्ट्रोमीटर, अल्ट्रा-वायलेट स्पेक्ट्रोमीटर और थर्मल रेडियोमीटर सहित सात उपकरणों का उपयोग किया।

शिवराज सिंह चौहान को पैसे और गेहूं दे रही हैं महिलाएं, वजह जानकर रह जाएंगे हैरान

सीहोर, 2 मई (एजेंसियां)। मध्य प्रदेश के विदिशा संसदीय क्षेत्र में महिलाएं पूर्व मुख्यमंत्री और भाजपा उम्मीदवार शिवराज सिंह चौहान को चुनाव लड़ने के लिए मदद देने आगे आ रही हैं। महिलाओं में कोई उन्हें गेहूं की बोरी तो कोई कैश दे रहा है। पूर्व मुख्यमंत्री चौहान बुधवार को सीहोर जिले के ग्रामीण इलाकों में थे, जहां महिलाओं ने उन्हें गेहूं की बोरी के साथ कैश भी दिया और कहा कि वे यह सब चुनाव में प्रचार के लिए दे रही हैं। इस मौके पर पूर्व सीएम भावुक भी हो गए। शिवराज ने कहा, 'बहनों ने आज गेहूं की बोरी दी है, जब बहन से पूछा कि ये क्यों दे रही हो तो बहन ने कहा कि भैया ये गेहूं आपके चुनाव खर्च के लिए है।

ये गेहूं की बोरी यहीं रखेंगे और चुनाव जीतने के बाद यहीं कन्या भोज होगा, जिसमें मैं भी आऊंगा। मेरी बहनें अपने पल्लू से मुझे पैसे निकाल-निकाल कर दे रही हैं और कह रही हैं कि, भैया ये 10 रुपए तुम्हारे चुनाव प्रचार के लिए, आमतौर पर नेता चुनाव लड़ता है तो उससे पैसे मांगते हैं, लेकिन मैं कितना भाग्यशाली भाई हूं, जिसके लिए बहनें अपनी मेहनत की कमाई से पैसा इकट्ठा करके चुनाव लड़ने के लिए दे रही हैं।' बता दें कि हाल ही में पूर्व सीएम चौहान ने कांग्रेस की वर्तमान स्थिति का जिक्र करते हुए तंज कसा था और कहा था कि कांग्रेस की दुर्गति का कारण बचकाना नेतृत्व है। उन्होंने कहा था, 'कांग्रेस की इतनी दुर्गति होगी,

कभी सोचा भी नहीं था। अपनी गलत नीतियों के कारण, गलत फैसलों के कारण और ऐसा नेतृत्व जो बचकाना है, जिनमें न दिशा है, न दृष्टि है, उसके कारण जनता पूरी तरह से निराश हो गई। अब तो उम्मीदवार भी पार्टी छोड़ने लगे हैं। ये तो जनता का भाजपा के लिए प्रेम है, उन्हें कांग्रेस से कोई उम्मीद नहीं है।'

राज ठाकरे से मिले बीजेपी उम्मीदवार उज्जवल निकम, एक घंटे चली बैठक, क्या हुई बात?

मुंबई, 2 मई (एजेंसियां)। महाराष्ट्र में लोकसभा चुनाव 2024 को लेकर सियासी हलचल तेज है। आज बीजेपी के उम्मीदवार उज्जवल निकम ने मनसे अध्यक्ष राज ठाकरे से उनके आवास पर मुलाकात की है। उज्जवल निकम के साथ आशीष शेलार समेत कई बड़े नेता नजर आये। कहते हैं राजनीति में आने के बाद सब कुछ जायज होता है और जब कोई शख्स चुनाव लड़ रहा हो तो उसे उन तमाम लोगों से मिलना पड़ता है जो उसके वोट का आधार बने। मुंबई उत्तर मध्य लोकसभा सीट से बीजेपी के उम्मीदवार बन जाने-माने वकील उज्ज्वल निगम ने भी चुनाव की तैयारी पूरी तरह से शुरू कर दी है और राजनीति के रंग में रंग रहे हैं।

वह हर शख्स से मिल रहे हैं जो उनके चुनाव के लिए फायदेमंद हो और जहां से उन्हें वोट मिल सके। उज्जवल निकम आज बीजेपी के मुंबई अध्यक्ष आशीष सेलार के साथ राज ठाकरे के घर शिवतीर्थ पहुंचे। सुबह-सुबह राज ठाकरे से मुलाकात की। उनके साथ बैठे और उनसे समर्थन की अपील की।

गोरी-गजनवी के वक्त की समस्याओं के समाधान के लिए बीजेपी को 30 वर्ष तक सत्ता में रखें- उमा भारती

भोपाल, 2 मई (एजेंसियां)। लोकसभा चुनाव 2024 के लिए पहले चरण का मतदान 19 अप्रैल और दूसरे चरण का मतदान 26 अप्रैल को संपन्न हो चुका है। आपको बता दें कि लोकसभा चुनाव 2024 के लिए मतदान कुल 7 चरणों में होने वाला है। इसलिए अब सभी राजनीतिक दल तीसरे चरण के चुनावी तैयारियों में लग गए हैं। इस चुनाव में कई नेताओं द्वारा लगातार विपक्षी दलों पर बयानों की बौछार की जा रही है। इसी क्रम में मध्य प्रदेश की पूर्व सीएम उमा भारती ने कुछ ऐसा कहा है जिससे नया विवाद हो सकता है।

क्या बोलीं उमा भारती?

मध्य प्रदेश की पूर्व मुख्यमंत्री और भाजपा नेता उमा भारती ने मध्य प्रदेश के शिवपुरी जिले के पिछोर में सभा की। यहां उन्होंने भाजपा उम्मीदवार एवं केंद्रीय मंत्री ज्योतिरादित्य सिंधिया के समर्थन में एक रैली की। इस रैली में उमा भारती ने लोगों से कहा कि ये देश इतनी जल्दी उबरने वाला नहीं है। आपको प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी को बहुत समय देना होगा, क्योंकि देश की समस्याओं की जड़ें बहुत गहरी हैं।

गोरी और महमूद गजनवी के समय की समस्याएं

उमा भारती ने रैली में कहा कि देश की समस्याएं मुहम्मद गोरी और महमूद गजनवी के समय की हैं। उमा ने आरोप लगाया कि शुरुआती दौर में जब राजमाता विजया राजे सिंधिया ने कांग्रेस छोड़ी थी उस समय जो कांग्रेस नेता आए उनमें मुगलों और अंग्रेजों के गुण थे। इन्हीं सब का दुष्परिणाम देश को भुगतना पड़ रहा है। इन्हीं समस्याओं के समाधान के लिए भाजपा को केंद्र में कम से कम 25-30 साल चाहिए।

मध्य प्रदेश में कब-कब हैं चुनाव?

चुनाव आयोग ने बताया है कि मध्य प्रदेश की कुल 29 लोकसभा सीटों पर कुल 4 फेज में चुनाव होंगे। पहले चरण 19 अप्रैल को 6 सीटों पर चुनाव होगा। 26 अप्रैल यानी दूसरे चरण में 7 सीटों पर चुनाव होगा। 8 सीटों पर तीसरे चरण में 7 मई को वोटिंग होगी और बाकी 8 सीटों के लिए चौथे चरण यानी 13 मई को चुनाव होंगे।

'जिस बूथ पर कांग्रेस को नहीं मिलेगा एक भी वोट

देंगे 25 लाख', कैलाश विजयवर्गीय के इस वादे पर भड़के जीतू पटवारी

भोपाल, 2 मई (एजेंसियां)। लोकसभा चुनाव 2024 को लेकर सभी राजनीतिक दल चुनाव प्रचार में जुटे हुए हैं। मध्य प्रदेश में तीसरे चरण में 7 मई को आठ लोकसभा सीटों पर मतदान होना है। इस बीच राजनीतिक दलों के बीच सियासी तकरार भी अपने चरम पर है। ऐसे में अब कांग्रेस प्रदेश अध्यक्ष जीतू पटवारी ने बीजेपी नेता कैलाश विजयवर्गीय के बयान पर पलटवार किया है। बता दें बीजेपी नेता ने कहा कि जहां कांग्रेस को एक वोट भी नहीं मिलेंगे, वहां 25 लाख रुपये का विकास कार्य होगा। मध्य प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष जीतू पटवारी ने बीजेपी नेता कैलाश विजयवर्गीय के बयान 'जहां एक भी वोट कांग्रेस को नहीं जाएगा, वहां 25 लाख रुपये का विकास कार्य सुनिश्चित करेंगे' वाली टिप्पणी पर जोरदार हमला बोला है। उन्होंने कहा कि 'बीजेपी लोकतंत्र, संविधान और चुनाव आयोग को कुछ नहीं मानती है। चुनाव आयोग को इस पर संज्ञान लेना चाहिए। पहले हम बूथ कैप्चरिंग के बारे में सुनते थे और चुनाव आयोग कार्रवाई करता था। अब बीजेपी उम्मीदवार का अपहरण कर रही है और चुनाव आयोग चुप है। 25 लाख रुपये का जिक्र करना अपने आप में एक बड़ा अपराध है, कैलाश विजयवर्गीय पर तुरंत प्रतिबंध लगाया जाना चाहिए।' इससे पहले इंदौर सीट से कांग्रेस प्रत्याशी अक्षय कांति बम के नामांकन वापस लेने और बीजेपी में शामिल होने पर जीतू पटवारी ने कहा था कि 'पहले बूथ कैप्चर होते थे, अब प्रत्याशी ही कैप्चर हो रहा है।

स्वतंत्र वार्ता

शुक्रवार, 3 मई- 2024

स्कूलों में बम की अफ़वाह

प्रमुख स्थानों, हवाई अड्डे, रेलवे स्टेशनों व स्कूलों में आए दिन बम रखे होने की सूचनाएं पिछले कुछ वर्षों में तेजी से बढ़ने लगी हैं। हवाई जहाजों में बम रखने की अफवाहें तो जैसे आम बात हो चली है। ऐसी गलत सूचनाएं देने वाले पकड़े भी जाते हैं, इसके बाद भी इनकी बदमाशी कम होने की बजाय बढ़ती ही जा रही है। अक्सर अफवाह फैलाने वालों का मूल मकसद लोगों में दहशत फैलाना और प्रशासन को परेशान करना ही होता है। उन्हें भी अच्छी तरह मालूम होता है कि यदि वे पकडे गए तो इसकी उन्हें कड़ी सजा हो सकती है। फिर भी वे अफवाहों का सिलसिला लगातार बढ़ाते जा रहे हैं। बुधवार को देश की राजधानी दिल्ली और राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र के करीब सौ स्कूलों में बम रखे जाने की सूचना मेल के जरिए देना इसकी ताजा कड़ी है। खबरों के अनुसार यह मेल बुधवार को तड़के भेजा गया था। जाहिरा तौर पर इसके बाद अफरातफरी का माहौल बन गया। सभी स्कूल खाली करा लिए गए।

पुलिस और बम निरोधक दस्ते स्कूलों की छानबीन करने में जुट गए। दोपहर तक पूरे प्रशासन का ध्यान इसी तरफ लगा रहा। आखिरकार प्रशासन की जान में तब जान आई जब पता चला कि सूचना झूठी थी। पडताल करने पर पुलिस ने पता कर लिया है कि मेल कहां से भेजा गया था। इससे पहले भी कुछ स्कूलों में इसी तरह बम रखे जाने की झूठी सूचनाएं दी गई थीं, जिससे प्रशासन को जबर्दस्त रूप से परेशान होना पड़ा था। इस समय देश भर में चुनाव की सरगर्मी है, इसलिए भी ऐसी सूचना से प्रशासन के माथे पर बल पड़ गए थे। इस तरह की अफवाहें फैलाने वालों में कइयों को लंबे समय तक की सजाएं भी सुनाई जा चुकी हैं। फिर भी अफवाह फैलाने वाले कोई सबक लेने को तैयार नहीं हैं।

इसकी एक वजह तो पुलिस को परेशान कर क्षणिक सुख पाने की प्रवृत्ति भी कही जा सकती है। दूसरे, बहुत सारे लोग किसी झुंझलाहट में या किसी को सबक सिखाने के इरादे से भी ऐसा कदम उठाते रहते हैं। संचार संसाधनों के प्रसार और उन्हें उपयोग करने की चोर विधियों ने गलत सूचना देकर सुख पाने की नई प्रवृत्ति को काफी बढ़ावा दिया है। ऐसे लोग अपने विवेक का इस्तेमाल नहीं कर पाते कि ऐसी सूचनाओं से कितने लोगों को परेशानी का सामना करना पडता है। इस वजह से कई बार अफरा-तफरी में बड़े हादसे भी हो जाते हैं। अच्छी बात है कि पुलिस ने ऐसी सूचनाओं पर त्वरित कार्रवाई का व्यवस्थित तंत्र विकसित कर लिया है। इससे उम्मीद बढ़ी है कि इस तरह का कोई भी आरोपी अब सजा से मुक्त नहीं हो सकेगा।

रोजाना करोड़ों लोग भूखे सोते हैं

मनोज कुमार अग्रवाल

इक्कीसवीं सदी में जहां दुनिया विज्ञान और विकास के बड़े प्रतिमान गढ़ रही है इस के बावजूद दुनिया के देश लाख तरक्की का दावा करें लेकिन आज भी दुनिया की एक बड़ी आबादी की पहली समस्या दो जून का भरपेट भोजन है जो लाख कोशिश करने के बाद भी सबको मयस्सर नही होता है। हाल ही में संयुक्त राष्ट्र ने अपनी 'ग्लोबल रिपोर्ट ऑन फूड क्राइसिस' रिपोर्ट 2023 जारी की है। इस रिपोर्ट में जानकारी देते हुए कहा है कि विश्व के 59 देशों के करीब 28.2 करोड़ लोग भूख से तड़पने को मजबूर हैं। रिपोर्ट के मुताबिक, 2022 में 2.4 करोड़ से अधिक लोगों को खाद्य सामग्री की भारी कमी से जूझना पड़ा। इसके चलते गाजा पट्टी और सूडान में खाद्य सुरक्षा के बिगड़े हालात थे। रिपोर्ट के अनुसार संयुक्त राष्ट्र के खाद्य एवं कृषि संगठन के मुख्य अर्थशास्त्री मैक्सिमो टोरेरो अनुसार अंतरराष्ट्रीय विशेषज्ञों ने भूख का एक पैमाना तय किया है, जिसमें पांच देशों के 7,05,000 लोग पांचवें चरण में हैं, जिसे उच्च स्तर माना जाता है। संयुक्त राष्ट्र की रिपोर्ट के मुताबिक दक्षिणी सूडान, बुर्किना फासो, सोमालिया और माली में हजारों लोग भूख से तड़प रहे हैं। रिपोर्ट में भावी परिदृश्य का अनुमान है कि गाजा में 11 लाख व दक्षिण सूडान में 79 हजार लोग जुलाई तक 5वें चरण में पहुंच सकते हैं। इसी के साथ उनके अकाल का सामना करने के लिए मजबूर होने का दौर भी शुरू हो सकता है। साथ ही 2016 में दर्ज संख्या के मुकाबले इसमें चार गुना वृद्धि हो चुकी है। अर्थशास्त्री ने बताया कि गंभीर अकाल का सामना कर रहे लोगों में से 80 फीसदी लोग यानि 5,77,000 अकेले गाजा में हैं। संयुक्त राष्ट्र में खाद्य-कृषि संगठन के मुख्य अर्थशास्त्री मैक्सिमो टोरेरो ने कहा, 2016 में वैश्विक रिपोर्ट जारी करने की शुरुआत के मुकाबले भूख से तड़पने वालों की यह संख्या अब तक सर्वाधिक है। 2023 ग्लोबल हंगर इंडेक्स में, 2023 के आंकड़े जारी किए गए है इनका विश्लेषण करने के बाद जो तथ्य सामने आए हैं वह भारत के लिए भी चिंता जनक है सरकार बेशक लाख दावा करते नहीं थक रही है कि उसने पच्चीस करोड़ लोगों को गरीबी रेखा से बाहर निकाल दिया है लेकिन यह अंतरराष्ट्रीय रिपोर्ट कुछ और बयान कर रही है इसके मुताबिक भारत 125 देशों में से 111 वें स्थान पर है । 2023 ग्लोबल हंगर इंडेक्स में 28.7 अंक के साथ भारत में भूख का स्तर गंभीर है। सरकारी आंकड़ों की बदौलत सरकार खुद अपनी पीठ थपथपाकर खुश है लेकिन यह स्थिति बेहतर नहीं है। संयुक्त राष्ट्र की उपरोक्त रिपोर्ट को मद्देनजर रखते हुए दुनिया के सभी सम्पन्न देशों समेत हम भारतीयों को खाद्य पदार्थों के प्रति अधिक सतर्क होने की आवश्यकता है। विश्व में भारत सबसे अधिक जनसंख्या वाला देश है, यहां पर आज खाद्यान्न पदार्थों की कोई कमी नहीं है। लेकिन विश्व स्तर पर जहां करोड़ों लोग भूख के कारण परेशानी भुगत रहे हैं उनको मद्देनजर रखते हुए हमें अन्न व खाद्य पदार्थों की बर्बादी को गंभीरता से रोकने की आवश्यकता है। विश्व में भारत सबसे अधिक जनसंख्या वाला देश है, यहां पर आज खाद्यान्न पदार्थों की कोई कमी नहीं है। लेकिन विश्व स्तर पर जहां करोड़ों लोग भूख के कारण तड़पने को मजबूर हैं, वहीं करोड़ों भारतीयों को भी बड़ी मुश्किल से एक वक्त का खाना मिलता है। स्थिति और विकट हो सकती थी अगर भारत सरकार 80 करोड़ भारतीयों को मुफ्त राशन न देती।शर्मनाक बात यह है कि कुछ जरूरतमंद आज भी वंचित रह जाते हैं जबकि भ्रष्टाचार के चलते कुछ संपन्न व समर्थ लोग भी जरूरत नहीं होने के बावजूद राशन का अन्न लेने में सफल हो जाते है जिन्हें जरूरत नहीं है इस मुफ्त मिले अनाज को ले लेते हैं और फिर उस का दुरुपयोग करते हैं।

भारत में खाद्यान्न उत्पाद को सुरक्षित रखने के लिए पूरे गोदाम भी उपलब्ध नहीं, इस कारण भारी मात्रा में अनाज खुले में रखने पड़ते हैं, जिस कारण काफी बर्बादी होती है इस के अलावा सरकारी अनाज के भंडारण में बड़े पैमाने पर गड़बड़ी व लापरवाही हैं सैकड़ों हजारों टन अनाज खेतों और सरकारी गोदामों में चूहे चटट कर जाते हैं वहीं हजारों टन सही रखरखाव के अभाव में नष्ट हो जाता है । वहीं अन्न की बर्बादी का एक बड़ी दूसरी वजह शादी-विवाह तथा अन्य आयोजन अवसरों पर आवश्यकता से कहीं अधिक मात्रा में भोजन तैयार करने विभिन्न वैरायटी बनाने के कारण कई बार बहुत अधिक भोजन बेकार बच जाता है।

पोहे-कचोरी भूल जाइए ! 'स्वच्छ' इंदौर को अब इस 'शर्म' के लिए याद रखिए

श्रवण गर्ग

लता मंगेशकर, कर्नल सी के नायडु ,उस्ताद अमीर खाँ और एम एफ़ हुसैन जैसी हस्तियों के शहर इंदौर के कोई 25 लाख मतदाता हैरान-परेशान हैं कि अब 13 मई को उन्हें क्या करना चाहिए जिस दिन चौथे चरण का मतदान होने वाला है ? मतदान के पहले ही उन्हें ठगते हुए शहर का संसदीय प्रतिनिधि लगभग तय कर दिया गया और अब सिर्फ़ औपचारिकता का निर्वाह होना बाक़ी है !

हैरान सिर्फ़ वे मतदाता ही नहीं हैं जो यह जानते हुए भी कि 'जीतेगी तो भाजपा ही' इस बार और ज़्यादा ताक़त से मोदीजी को हराने की कोशिश करना चाहते थे, वे लोग भी हैं जो प्रधानमंत्री के कट्टर समर्थक हैं। उनकी परेशानी यह है कि जब पार्टी-उम्मीदवार बिना लड़े ही विजयी बन रहा है तो कड़कती धूप में बाहर निकलकर क्यों तो ख़ुद की चमड़ी जलाई जाए और क्यों दूसरों की ज़िंदगी हराम की जाए ?

सबसे ज़्यादा मानसिक कष्ट में भाजपा के उम्मीदवार को माना जा सकता है कि वह दिल्ली पहुँचकर मुँह कैसे दिखाएँगा कि किसे और कितने मतों हराकर संसद में पहुँचा है ! पिछली बार तो साढ़े पाँच लाख मतों से कांग्रेस को परास्त कर देश में रिकॉर्ड बनाया था फिर संसद में यह माँग भी कर दी थी कि सिंधियों के लिए अलग राज्य की स्थापना की जाए। अगर विरोधियों ने 'नोटा' कर दिया और भाजपा के लोग घरों से बाहर ही नहीं निकले तो इस बार रिकॉर्ड किस बात का बनेगा ?

वर्तमान भाजपा सांसद को यह पीड़ा भी हो सकती है कि शहर को चलाने वाले पार्टी के ही सर्वशक्ति-संपन्न नेताओं ने उससे पूछा तक नहीं कि कांग्रेस

द्वारा खड़े किए गए अब तक के सबसे कमज़ोर उम्मीदवार को भी मैदान से हटवा दिया जाए कि नहीं ? अब उसे इसी शर्मिंदगी के साथ शहर में पाँच साल पास करना होंगे कि पार्टी के ही 'सक्षम हितेषियों' ने उसे औपचारिक रूप से जीत का श्रेय प्राप्त करने से वंचित कर दिया। वह यह भी कभी नहीं पता कर पाएगा कि इस तरह के ऑपरेशन के लिए सुपारी कहाँ से मिली होगी !

कांग्रेस के उम्मीदवार को मैदान से न सिर्फ़ 'उसकी ही मर्ज़ी से' हटवा दिया गया ,उसके गले में नई पार्टी की साख का प्रतीक भगवा दुपट्टा भी तुरंत लपेट दिया गया। अब शहर में एक ही पार्टी के 'दो सांसद' हो जाएँगे ! एक बिना लड़े जीता हुआ और दूसरा बिना हारे विजयी बनाया गया। इंदौर में जो ड्रामा हुआ वह चंडीगढ़, खजुराहो और सूरत से भिन्न है। जो कुछ हुआ उस पर कोई 'बेस्ट सेलर' किताब लिखी या 'द इंदौर फ़ाइल्स' नाम से बॉक्स ऑफिस फ़िल्म बनाई जा सकती है।

सचाई यह भी है कि कांग्रेस ने जिस व्यक्ति को उम्मीदवार बनाया था बस वही एकमात्र 'सक्षम' नाम पार्टी के पास बचने दिया गया था। अर्जुन सिंह के ज़माने से राहुल भैया तक पार्टी के लिए जान खपा देने वाला 2019 में पार्टी का गुजराती

उम्मीदवार 2024 के चुनावों के ठीक पहले भाजपा को प्राप्त हो चुका था। इसी तरह अन्य तीन-चार भी जो हर तरह से सक्षम थे भाजपा के हार्ट ट्रांसप्लांट की गिरफ़्त में जा चुके थे।

सत्तारूढ़ दल अब गर्व के साथ दावा कर सकता है कि इंदौर को 'स्मार्ट सिटी' में बदलने का वायदा चाहे जुमले में बदल गया हो, भारत के सबसे 'स्वच्छ शहर' को और इतना साफ़ कर दिया गया है कि वह लोकसभा चुनाव के लिए 'कांग्रेस-मुक्त' हो गया है।

स्वतंत्रता संग्राम के कई योद्धाओं/ क्रांतिकारियों को जन्म देने के साथ-साथ संविधान सभा में भी प्रतिनिधित्व निभाने वाले इंदौर शहर में आज़ादी के बाद पहले बार सिर झुकाने वाली घटना हुई है। चालीस लाख के क़रीब की आबादी वाले मध्यप्रदेश के (अब कथित) सांस्कृतिक शहर में अब ऐसे संयोग भी बन सकते हैं जब बहुचर्चित ड्रामे के सभी किरदार एक जैसे दुपट्टों की मालाएँ गलों में लटकाए एक ही मंच पर सम्मान करवाते नज़र आएँ। इंदौर के नागरिक जब दूसरे शहरों की यात्रा पर जाएँगे उनके माथों पर इस उपलब्धि के तिलक मंडे हुए होंगे।

जनता के मन में इस सवाल का उत्तर जानने की जिज्ञासा है कि एक ऐसे विपक्षी उम्मीदवार को चुनावी मैदान से क्यों हटवाया गया होगा जो : युवा है ! पढ़ा-लिखा है ! एक विशाल शैक्षणिक संस्था चला रहा है ! सक्षम है ! महत्वाकांक्षी है ! राजनीति में प्रवेश के लिए हाथ-पैर पटक रहा था ! जो यह भी जानता था कि हारने के लिए चुनाव लड़ रहा है ! मध्यप्रदेश के उन सब स्थानों जहां कांग्रेस के ताकतवर उम्मीदवारों से भाजपा का मुक़ाबला था वहाँ इस प्रयोग को आज़माने की जोखिम नहीं मोल ली गई ! क्या इंदौर की प्रयोगशाला में नैतिकता-मुक्त राजनीति का कोई टीका विकसित किया जा रहा है ?

इंदौर ही नहीं, उससे जुड़े मालवा-निमाड़ के बाक़ी सात संसदीय क्षेत्रों के मतदाता भी जानना चाहते हैं कि मोदीजी की सरकार में क्या एंटी-इंकम्बेंसी का इतना ज़बर्दस्त भय व्याप गया है कि कांग्रेस का सबसे कमज़ोर उम्मीदवार भी भाजपा के सबसे मज़बूत गढ़ में उसके मौजूदा उम्मीदवार को हरा सकता है ? अगर यह सही है तो मानकर चलना चाहिए कि देश इस समय एक बड़ी मोदी-विरोधी लहर की चपेट में है !

इंदौर में जो हुआ उसका संदेश पूरी दुनिया में उसी तरह गया है जिस तरह यहाँ के पोहे, कचोरी और जलेबी प्रसिद्ध हैं। चर्चाएँ बेमतलब नहीं समझी जानी चाहए कि भाजपा के मज़बूत गढ़ माने जाने वाले राज्यों- मध्यप्रदेश, राजस्थान ,छत्तीसगढ़—में भी पहले दो चरणों के कम मतदान ने पार्टी के आत्म-विश्वास को बुरी तरह से बौखला दिया है ! आशंकाएँ व्यक्त की जा सकतीं हैं कि एक जून को सातवाँ चरण पूरा होने तक पार्टी के बाहुबली जादूगर कुछ बड़े चमत्कार भी कर सकते हैं।

जनता की भावनाएँ जब कोड़ियों के दाम तौली जाने लगतीं हैं तो राजनीति का भी कोठाकारण होने लगता है। ऐसे में बस किसी शानदार शहर की शर्मनाक मौत की प्रतीक्षा ही की जा सकती है।

http://shravangarg1717.blogspot.com

प्रेस की स्वतंत्रता , लोकतंत्र का आधार

अमिताभ पाण्डेय

हमारा देश भारत दुनिया के सबसे बड़े लोकतांत्रिक गणराज्य देशों में से एक है। भारत में लोकतंत्र के माध्यम से शासन प्रशासन की व्यवस्थाओं का संचालन किया जाता है । लोकतंत्र जिन चार प्रमुख स्तंभों पर टिका है उनमें न्यायपालिका, कार्यपालिका, विधायिका के साथ ही प्रेस भी है । प्रेस अथवा मीडिया लोकतंत्र का अति महत्वपूर्ण हिस्सा है । बेहतर लोकतंत्र के लिए प्रेस की स्वतंत्रता को भारतीय संविधान में बहुत महत्व दिया गया है । इसे ध्यान में रखते हुए भारतीय संविधान के अनुच्छेद 19 एक ए में प्रत्येक नागरिक को भाषण और अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता दी गई है। भारतीय संविधान के अनुच्छेद 19 एक एक के अनुसार प्रेस को अनेक महत्वपूर्ण अधिकार दिए गए हैं। इनमें तथ्य पूर्ण समाचारों का प्रकाशन , सूचनाओं को प्राप्त करने और प्रसारित करने का अधिकार, विज्ञापन लेने का अधिकार ,शासन की नीतियों, नियमों और उनके क्रियान्वयन को लेकर जनता के विचारों को जानने प्रकट करने , प्रचारित करने का अधिकार शामिल हैं। इसके साथ ही सहमति और असहमति के प्रकटीकरण का अधिकार भी भारतीय संविधान ने प्रेस मीडिया को दिया है।

प्रेस वह संस्था है जो जनरुचि की सूचनाओं को एकत्र करती है । उसका विश्लेषण करती है ।उनका जनहित में प्रसार करती है । शासन की योजनाओं पर आम जनता के बीच चर्चा और चिंतन को प्रोत्साहित करती है। मजबूत लोकतंत्र के लिए प्रेस की स्वतंत्रता ऐसा अधिकार है जिसकी सरकार और समाज को हमेशा परवाह करना चाहिए। इसके लिए शासन स्तर से समय समय पर जो प्रयास किए जाते हैं वे सराहनीय है। प्रेस की स्वतंत्रता के लिए सरकार और समाज दोनों का वचनबद्ध होना जरूरी है। यह हर्ष का विषय है कि इसके लिए नागरिक संगठनों, सामाजिक संस्थाओं द्वारा भी अनेक गतिविधियां लगातार संचालित की जाती है। प्रेस की स्वतंत्रता का हमारे देश के विकास भी महत्वपूर्ण योगदान है। भारतीय लोकतंत्र की व्यवस्था में स्वतंत्र प्रेस के बिना लोकतंत्र को पूर्ण नहीं माना जा सकता। स्वस्थ लोकतंत्र के लिए नागरिकों को अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता, निष्पक्ष चुनाव की स्वतंत्रता, व्यक्तिगत अधिकारों की स्वतंत्रता जरूरी है। यह सब हमारे लोकतंत्र को मजबूत बनाते हैं । लोकतंत्र में स्वतंत्र प्रेस सरकार को जिम्मेदार और जवाब देह बनाती है ।

उल्लेखनीय है कि भारत में प्रेस का महत्व प्राचीन काल से ही रहा है। ब्रिटिश शासन काल के दौरान प्रेस ने अंग्रेजी दासता के विरुद्ध अपने विचारों को प्रखरता के साथ अभिव्यक्त किया । आजादी की लड़ाई में प्रेस का योगदान भी सब जानते हैं।

अमृत बाजार पत्रिका , बंगाल गजट , हिंदुस्तान टाइम्स ,प्रताप पयामे आजादी, जैसे समाचार पत्रों ने अंग्रेजी शासन के विरुद्ध अपनी आवाज जोरदार तरीके से उठाई । ब्रिटिश वायसराय लॉर्ड लिटन ने 1878 में वर्नाकुलर प्रेस एक्ट के माध्यम से भारतीय प्रेस पर प्रतिबंध लगाने की कोशिश की जिसका बहुत विरोध हुआ। आजादी की लड़ाई में प्रेस ने भारतीय नागरिकों को एकजुट करने का बहुत महत्वपूर्ण कार्य किया । इस एकजुटता ने देश को आजाद कराने में अपना योगदान दिया।प्रेस की स्वतंत्रता लोकतांत्रिक व्यवस्था को मजबूत बनाती है। पत्रकार सरकारी कार्यों , योजनाओं की समीक्षा, जांच , रिपोर्टिंग , विश्लेषण करते हैं। शासन की योजनाओं की सफलता, विफलता को उजागर करते हैं। प्रेस मीडिया नागरिकों को वर्तमान घटनाक्रमों , सम सामयिक गतिविधियों, जनकल्याणकारी योजनाओं के प्रचार प्रसार , सामाजिक मुद्दों के बारे में सूचित करने का कार्य प्रमुखता से करता है। स्वतंत्र प्रेस सरकार और अन्य शक्तिशाली संस्थाओं के द्वारा सत्ता के संचालन की निगरानी करती है और इसके सदुपयोग, दुरुपयोग के बारे में समाचारों का प्रकाशन , प्रसारण करती है । इसके कारण नियम कानून के विरोध में होने वाली गतिविधियों पर अंकुश लगता है। श्री नवरत्न मानते हैं कि प्रेस के माध्यम से भ्रष्टाचार , मानव अधिकारों के हनन और अन्य जन विरोधी कार्यों को रोकने में मदद मिलती है । प्रेस की स्वतंत्रता सरकारी निर्णय प्रक्रिया में पारदर्शिता को बढ़ावा देती है । यदि शासन स्तर पर नियमों का उल्लंघन हो तो इस तरह की कमियों को भी उजागर करने में अपनी भूमिका निभाती है ।

आल इंडिया स्माल एंड मीडियम न्यूज़ पेपर्स फेडरेशन के राष्ट्रीय महासचिव अशोक नवरत्न ने कहा कि प्रेस की स्वतंत्रता के लिए भारत सरकार को प्रथम व द्वितीय प्रेस आयोग की संस्तुतियां लागू करनी चाहिए । यह संस्तुतियां विगत कई वर्षों से क्रियान्वयन का इंतजार कर रही हैं । वर्तमान में समाचार पत्रों एवं पत्रकारों की समस्याओं के निराकरण के लिए तृतीय प्रेस आयोग का गठन होना बहुत ही आवश्यक प्रतीत होता है । उल्लेखनीय है कि भारत अनेक भाषाओं विविध संस्कृतियों का देश है । यहां पर सबको अपने विचारों को ,अपनी बात को रखने का अवसर मिले यह प्रेस द्वारा ही सुनिश्चित होता है । एक स्वतंत्र प्रेस भारतीय नागरिक के स्वतंत्रता के अधिकार और जानने के अधिकार सहित मूल अधिकारों का संरक्षण करती है। यह व्यक्तियों और समूह के अधिकारों का पक्ष समर्थन कर लोकतांत्रिक व्यवस्था को बेहतर बनाती है।

श्री नवरत्न के अनुसार भारत में प्रेस की स्वतंत्रता मजबूत हो इसके लिए हमारी लोकतांत्रिक व्यवस्था में ऐसी अनेक शासकीय निकाय बनाए गए हैं जो की प्रेस की स्वतंत्रता सुनिश्चित करते हैं । इनमें भारतीय प्रेस परिषद का उल्लेख करना जरूरी होगा जिसकी स्थापना वर्ष 1978 में की गई। यह एक स्वतंत्र शासकीय निकाय है जो की प्रेस की स्वतंत्रता और पत्रकारिता के नैतिक मापदडों की रक्षा करने और उसे बढ़ावा देने के लिए कार्यरत है । सूचना और प्रसारण मंत्रालय भी भारत में प्रेस की स्वतंत्रता और पारदर्शिता को बेहतर बनाने के लिए कार्य कर रहा है । इसके साथ ही न्यूज ब्रॉडकास्टर्स एंड डिजिटल संगठन, एडिटर्स गिल्ड ऑफ इंडिया जैसी संस्थाएं भी प्रेस और पत्रकारों के अधिकारों और उनकी जिम्मेदारियां से संबंधित मुद्दों को संबोधित करने में अपनी भूमिकाएं निभा रही है ।

भारत की न्यायपालिका भी प्रेस की स्वतंत्रता को बनाए रखने में अपनी महत्वपूर्ण भूमिका निभाती है । इसके लिए न्यायालय की ओर से समय-समय पर अनेक ऐसे निर्णय दिए गए हैं जिनके माध्यम से प्रेस की स्वतंत्रता को सुनिश्चित किया गया है

इस संबंध में सकाल पेपर्स बनाम यूनियन ऑफ इंडिया वर्ष 1962 के मामले का उल्लेख करना जरूरी होगा जिसमें सुप्रीम कोर्ट ने निर्णय दिया था कि राज्य ऐसे कानून नहीं बना सकते जो सीधे तौर पर संविधान के तहत गारंटी कृत भाषण और अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता का उल्लंघन करते हैं । यही कारण है कि भारतीय लोकतांत्रिक व्यवस्था में प्रेस पर आम जनता का भरोसा सदैव बढ़ता रहा है और प्रेस ने आम जनता के विचारों की अभिव्यक्ति अपने समाचारों में की है।

चिंतन और वैचारिक क्षमता को जिंदा रखिए

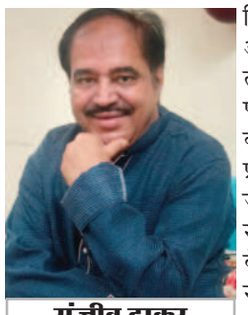

संजीव ठाकुर

विचार और सिद्धांत व्यक्ति के अंदर की अतः प्रज्ञा होती है। और यह सिद्धांत तथा अंतः विचारधारा जनमानस तक पहुंचने से बाधित किया जाए अंतरात्मा को प्रभावित करती है और इसके गहरे प्रभाव से व्यक्ति वह सब कर सकता है जो बिना मार्गदर्शन के व्यक्ति नहीं कर सकता। प्राचीन काल से अब तक वैचारिक सिद्धांत और विचारधारा सदैव समाज के दिग्दर्शक मार्गदर्शक रहे हैं। इनकी भूमिका सदैव महत्वपूर्ण रही है।यदि यही सिद्धांत और अंतःप्रज्ञा जनमानस आत्मसात कर लेता है, तो इसका प्रभाव एक जन आंदोलन का रूप ले लेता है और यहीं से युग परिवर्तन की लहर प्रस्फुटित होती है। प्राचीन यूनान में एक बहुत ही कुरूप किंतु विद्वान व्यक्ति सुकरात हुआ करते थे,उनके विचारों में मौलिकता,नयापन जनजागृति की अद्भुत क्षमता थी।

उनकी विद्वता के कारण आम जनमानस होने राजा से ज्यादा महत्व और बुद्धिमान मानते थे। राजकीय तानाशाही के चलते उनके विचारों के कारण उनको मृत्युदंड दे दिया गया। जहर का प्याला पीने के बाद भी विद्वान, चिंतक, सुकरात अमर हो गए, उनकी विचारधारा आज भी जीवित है, एवं लोग उसे अपनाकर अपना जीवन सुधारने में इसका उपयोग करते हैं। अब्राहम लिंकन ने अमेरिकी स्वतंत्रता के बाद दास प्रथा के बारे में कहा था कि दास भी मनुष्य हैं, उन्हें भी उतना ही जीने का अधिकार है जितना स्वामी को है। अब्राहम लिंकन के आंदोलनकारी विचार से तत्कालीन समय में अमेरिका के लोग घबरा गए थे,और उनकी हत्या कर दी गई थी। पर अब्राहम लिंकन के विचारों ने दास प्रथा के उन्मूलन की अंतर आत्मा को जागृत कर दिया था, और जनमानस ने अपने अधिकारों के लिए लड़ते हुए दास प्रथा से मुक्ति पाई थी।

स्वामी विवेकानंद जी ने कहा था कि हम जो सोचते हैं वही बन जाते हैं। विचार एवं सिद्धांत ही व्यक्ति का निर्माण करता है। वही दुष्ट होने या महान होने का निर्णायक है। और बिना विचारों सिद्धांतों के व्यक्त व्यक्ति का अस्तित्व ही नहीं । विवेकानंद जी के विचार सर्व कालीन प्रासंगिक है। उनके विचार आज भी उतने ही प्रासंगिक हैं, जितने उनके जीवित रहते हुए थे। आज हमारे बीच विवेकानंद जी स शरीर मौजूद नहीं है, पर उनके विचारों की महत्ता कायम है।भौतिक शरीर के नष्ट हो जाने से और भौतिक विचार तथा सिद्धांत उतनी ही तीव्रता रखते हैं, वेग रखते हैं, जो एक समाज में परिवर्तन ला सकती है ।विचारों की यह अमरता तथा तीव्रता किसी भी तानाशाह के लिए इतनी खतरनाक है, जितनी की सुप्त शेर की गुफा में रहना। जनता के मध्य शुद्ध विचारधारा के जागृत होने पर क्रांति लाई जा सकती है। फिर चाहे वह फ्रांस के वर्साय के महल का विध्वंस हो अथवा भारत की स्वतंत्रता हेतु वृहद आंदोलन हो। व्यक्ति या व्यक्तियों के दबाव को दबाने के बाद विचारों की पीड़िता ने जनसामान्य को एक गरजते हुए सिंह में तब्दील कर दिया था। यह शाश्वत सत्य है कि व्यक्ति को जरूर आप दबा सकते हैं,पर विचारधारा सिद्धांत अजर अमर होते हैं,और वही युग निर्माण में अपनी महती भूमिका निभाते हैं।

विचारों के संदर्भ में कहा जाता है कि एक व्यक्ति का विचार तब तक उस व्यक्ति के पास है, जब तक वह अकेला है किंतु जैसे ही विचारधारा एवं सिद्धांत का प्रचार प्रसार होता है, तो वह व्यक्ति अकेला ना रह कर उस जैसे हजारों लाखों लोग उसके साथ हो जाते हैं। तब वह अकेला नहीं रह जाता। वह अपने विचारों के माध्यम से जन सामान्य को प्रभावित कर लोगों को उस लड़ाई में शामिल कर लेता है, जिस लड़ाई के वह कभी अकेले नहीं लड़ सकता था। विचारों सिद्धांतों की तीव्रता आवेश तथा सघनता किसी भी क्रांतिकारी लक्ष्य की प्राप्ति में एक बड़ा साधक हो सकता है। विचार व सिद्धांत एक से दूसरे व्यक्ति तक स्थानांतरित होते रहते हैं। जिसमें विचारों को सघनता प्राप्त होती है। ताकि सत्ता के दमन के समय वैचारिक अमरता स्थाई बनी रहे। चीन उत्तर कोरिया जैसे राष्ट्रों में विचारों के इस स्वतंत्र का प्रवाह को बाधित नियंत्रित कर दिया गया। अभिव्यक्ति के तमाम माध्यमों को प्रतिबंधित कर दमन चक्र चलाया गया। वहां विचार और सिद्धांत विद्वान व्यक्ति तक ही सीमित रहे उसका फैलाव या विस्तार नहीं हो पाया। जो मानव समाज तथा मानव अधिकारों की संवेदना तथा धाराओं का उल्लंघन भी है।

किसी स्वस्थ,स्वतंत्र राष्ट्र के लिए व्यक्ति समाज और राष्ट्र के विचारों की स्वतंत्रता नवीनता तथा उत्कृष्टता अत्यंत आवश्यक है। क्योंकि विचारधारा और सिद्धांतों को रोक पाना किसी भी सत्ता या निरंकुश राजा के नियंत्रण में नहीं होता। विचारों और सिद्धांत अनादि काल से गतिशील है तथा अनंत तक जगत तक गतिशील रहेंगे,और उसका प्रतिपादक एवं अनुशीलन कर्ता विचारों के साथ अमर हो जाते हैं।

एक कुर्सीधारी की कहानी

डॉ. सुरेश कुमार मिश्रा

हे भगवान, ये कुर्सी और सिंहासन के चक्कर में हम कितने चूर-चूर हो गए हैं, न? पहले जब कोई सिंहासन पर बैठता था, तो वह सिंह बन जाता था, और अब कुर्सी पर बैठते ही व्यक्ति को लगता है कि वह तानाशाह बन गया है! पर बात तो यह है कि सिंहासन और कुर्सी में कुछ ज्यादा बड़ा अंतर नहीं है। जैसे ही कोई कुर्सी पर बैठता है, उसकी अहमियत का सिंह बनकर उसके दिल में दहाड़ने लगता है! और इस तंत्र की उत्पत्ति पर क्या कहें! यह अंग्रेजों की देन है, पर कुर्सी का सिंहासनी अस्तित्व हमारे देश में बहुत पहले से है। जब किसी हिन्दुस्तानी को पहली बार किसी सिंहासन जैसी कुर्सी पर बैठने का मौका मिलता है, तो उसके दोस्त और चमचे उसे 'चीयर' कहते हैं। 'चीयर' का अपभ्रंश 'चेयर' हो गया, और अब यह शब्द हिन्दुस्तान की हर गली-मोहल्ले में मिल जाता है! कभी-कभी मुझे लगता है कि हम सभी भगवान के एक ही चुटकुले हैं, और वह है - "कुर्सी पर बैठने के बाद सबका सिर घुम जाता है!" अरे भगवान, यही है हमारी हालत। पहले जब कोई सिंहासन पर बैठता था, तो वह सिंह बन जाता था, और अब कुर्सी पर बैठते ही व्यक्ति को लगता है कि वह तानाशाह बन गया है! पर यह सब कुछ भी नहीं है। जैसे ही कोई कुर्सी पर बैठता है, उसकी अहमियत का सिंह बनकर उसके दिल में दहाड़ने लगता है!

पहले बात तो यह है कि अंग्रेजों ने हमें तो कुर्सी का सिंहासनी अस्तित्व दिया, पर क्या हम उनका स्वागत करें? और जब हिन्दुस्तानी को पहली बार किसी सिंहासन जैसी कुर्सी पर बैठने का मौका मिलता है, तो उसे उसके दोस्त 'चीयर' कहते हैं! 'चीयर' का अपभ्रंश 'चेयर' हो गया, और अब यह शब्द हिन्दुस्तान की हर गली-मोहल्ले में मिल जाता है!

मेरा एक मित्र था, उसने एक बड़ी सी कुर्सी पर अपना हक जमाया। पर क्या था! जैसे ही उसने उस पर बैठने का दावा किया, उसके मुँह से टेढ़े शब्द निकलने लगे! उसका टेढ़ा मुँह सीधे होने के बाद उसके शब्द भी सीधे हो गए, पर जब मैंने उसकी कुर्सी की जाँच की, तो मुझे उसके अंदर खटमलों की भीषण सेना का पता चला! और उन खटमलों ने मुझे बहुत कुछ सिखाया, जैसे कि कुर्सीधारी के रक्त में से कितने भयंकर 'जर्म्स' निकलते हैं!

हमारे शहर में एक जनसेवक हैं, जो सोते जागते शहर की सेवा करने का शौक रखते हैं। पर क्या यह सही है कि जब उन्हें विधानसभा में बैठाया गया, तो उनके मुँह सीधे हो गए? नहीं नहीं, वह भी तो उसी खटमलों के कट्टर प्रभाव में आ गए, जिससे उनका मुँह टेढ़ा हो गया! हमारे देश के सेठ भी कम नहीं हैं। उन्होंने समझ लिया है कि कुर्सी की जोड़ी में किसी धर्म का कोई फर्क नहीं होता। इसलिए उन्होंने अपनी दुकानों में तकिए की बजाय कुर्सी रखी है! कुर्सीधारी और सेठ में बहुत अंतर है, पर उस अंतर को समझना कितना मुश्किल है! जितनी बार भी कुर्सी पर बैठते हैं, व्यक्ति की आदतें बदल जाती हैं, और उसे सेठ बनने का शौक हो जाता है! उन्होंने समझ लिया है कि कुर्सी की जोड़ी में किसी धर्म का कोई फर्क नहीं होता। इसलिए उन्होंने अपनी दुकानों में तकिए की बजाय कुर्सी रखी है! कुर्सीधारी और सेठ में बहुत अंतर है, पर उस अंतर को समझना कितना मुश्किल है! जितनी बार भी कुर्सी पर बैठते हैं, व्यक्ति की आदतें बदल जाती हैं, और उसे सेठ बनने का शौक हो जाता है!

ऐसा मंत्र जिसका न कोई नियम हो और न कोई परहेज हो

लेकिन इसके अनगिनत फायदे आपको कर देंगे हैरान

जप एक ऐसी प्रथा है जो सीमाओं को पार करती है और इसे अपनाने वालों को असीमित लाभ प्रदान करती है। हालाँकि यह सरल लग सकता है, लेकिन इसका प्रभाव गहरा और दूरगामी होता है, जो हमारे अस्तित्व के हर पहलू को प्रभावित करता है। आइए जप के असंख्य लाभों पर गौर करें और पता लगाएं कि यह कल्याण और आध्यात्मिक संवर्धन का खजाना क्यों है।

जप के रहस्य का अनावरण

जप एक प्राचीन परंपरा है जो संस्कृतियों और सभ्यताओं तक फैली हुई है, जो व्यक्तियों को परमात्मा से जोड़ने और आंतरिक क्षमता को अनलॉक करने की क्षमता के लिए प्रतिष्ठित है। सचेतनता और इरादे में निहित, जप में पवित्र ध्वनियों, शब्दों या वाक्यांशों की लयबद्ध पुनरावृत्ति शामिल होती है। चाहे वह मठ में भिक्षुओं के गूंजते मंत्र हों या गायक मंडल के मधुर भजन, जप का कार्य एक सार्वभौमिक आकर्षण रखता है।

मन, शरीर और आत्मा का सामंजस्य

जप मन, शरीर और आत्मा की त्रिमूर्ति में सामंजस्य स्थापित करते हुए, समग्र कल्याण के लिए एक शक्तिशाली उत्प्रेरक के रूप में कार्य करता है। अपनी लयबद्ध ताल के माध्यम से, जप गहरी विश्राम की स्थिति उत्पन्न करता है, मन को शांत करता है और आत्मा को सुखदायक बनाता है। यह ध्यान गुण आंतरिक शांति और स्पष्टता को बढ़ावा देता है, इस प्रक्रिया में तनाव और चिंता को कम करता है।

चेतना और जागरूकता को बढ़ाना

इसके मूल में, जप ध्वनि चिकित्सा का एक रूप है, जो चेतना को ऊपर उठाने और जागरूकता का विस्तार करने के लिए ध्वनि की कंपन ऊर्जा का उपयोग करता है। जैसे ही हम खुद को पवित्र मंत्रों की गूंज में डुबोते हैं, हम अपने कंपन को उच्च आवृत्तियों पर समायोजित करते हैं, अपने अस्तित्व के सुप्त पहलुओं को जागृत करते हैं और अहंकार की सीमाओं को पार करते हैं।

शरीर के लिए उपचार गुण

इसके आध्यात्मिक लाभों के अलावा, जप का शारीरिक स्वास्थ्य पर ठोस प्रभाव पड़ता है, उपचार और जीवन शक्ति को बढ़ावा मिलता है। शोध से पता चला है कि जप से रक्तचाप कम हो सकता है, सूजन कम हो सकती है और प्रतिरक्षा कार्य में वृद्धि हो सकती है। शरीर के भीतर एक सामंजस्यपूर्ण संतुलन को बढ़ावा देकर, जप इष्टतम स्वास्थ्य और कल्याण की नींव रखता है।

भावनात्मक लचीलापन विकसित करना

भावनाओं के क्षेत्र में, जप लचीलापन और आंतरिक शक्ति विकसित करने के लिए एक शक्तिशाली उपकरण के रूप में कार्य करता है।

सशक्त मंत्रों या प्रतिज्ञानों की पुनरावृत्ति के माध्यम से, हम अपने अवचेतन मन को पुनः प्रोग्राम करते हैं, और नकारात्मक विचार पैटर्न को सकारात्मक विचारों से बदल देते हैं।

धारणा में यह बदलाव हमें जीवन की चुनौतियों को

शालीनता और लचीलेपन के साथ पार करने में सक्षम बनाता है।

समुदाय और संबंध को बढ़ावा देना

जप में समुदाय को बढ़ावा देने और व्यक्तियों के बीच गहरे संबंध बनाने की उल्लेखनीय क्षमता है। चाहे वह समूह में जप करना हो या किसी वैश्विक ध्यान कार्यक्रम में भाग लेना हो, जप के माध्यम से उत्पन्न सामूहिक ऊर्जा स्पष्ट होती है, जो एकता और अपनेपन की भावना को बढ़ावा देती है।

पारगमन का प्रवेश द्वार

अपने उच्चतम स्तर पर, जप दिव्यता और अनंत की झलक पेश करते हुए, उत्कृष्टता का प्रवेश द्वार बन जाता है। मंत्रों के पवित्र अक्षरों या भक्ति गीतों की मधुर धुनों के माध्यम से, हम भौतिक संसार की सीमाओं को पार करते हैं और सृष्टि की लौकिक लय में विलीन हो जाते हैं।

जप को दैनिक जीवन में एकीकृत करना

जप को दैनिक जीवन में एकीकृत करना जटिल नहीं होना चाहिए। ध्यान के दौरान मंत्र का जाप करना, दैनिक पुष्टि के दौरान प्रतिज्ञान का पाठ करना, या हमारी दैनिक गतिविधियों के दौरान भक्ति गीत गाना जैसे सरल अभ्यास हमारे जीवन को जप की परिवर्तनकारी शक्ति से भर सकते हैं।

जप के असीम लाभों को अपनाते हुए

निष्कर्षतः, जप मन, शरीर और आत्मा के लिए असीमित लाभों वाला एक शाश्वत अभ्यास है। चाहे हम आंतरिक शांति, शारीरिक उपचार, या आध्यात्मिक विकास चाहते हों, जप गहन परिवर्तन का मार्ग प्रदान करता है। तो आइए हम जप की पवित्र कला को अपनाएं और अपने भीतर मौजूद असीमित क्षमता को उजागर करें।

शुक्रवार के दिन महिलाओं को नहीं करने चाहिए ये काम

रूठ जाती हैं लक्ष्मी जी

धन की देवी लक्ष्मी जी को प्रसन्न करना बहुत जरूरी है। अगर धन की लक्ष्मी देवी जी रुठ जाएं तो मुश्किलों का पहाड़ टूट पड़ता है। खासतौर पर महिलाओं का इस बात का ख्याल रखना चाहिए की मां लक्ष्मी की कृपा प्राप्त करने के लिए हर वो काम करें जो मां लक्ष्मी को पसंद हो।

लक्ष्मी जी को प्रसन्न करने के लिए महिलाएं जरुर करें यह काम

सबसे पहले अपने घर की सफाई रखें। मां लक्ष्मी का वास हमेशा उस घर में होता है जो साफ और स्वच्छ होता है। माता लक्ष्मी को प्रसन्न करने के लिए घर की साफ-सफाई जरूरी है।

मां लक्ष्मी की कृपा प्राप्त करने के लिए घर के महिलाओं को सुबह सूर्योदय के पहले जाग जाना चाहिए। जिस घर में लोग सूर्योदय के बाद जागते हैं, मां लक्ष्मी ऐसे लोगों पर कभी कृपा नहीं बरसाती हैं।

साथ ही महिलाओं को दोपहर के समय सोना नहीं चाहिए। यह काम लक्ष्मी जी को पसंद नहीं हैं। इसीलिए महिलाएं दोपहर में सोने की आदत को त्याग दें।

महिलाओं को इस बात का ख्याल रखना चाहिए की घर में अन्न या खाने की बर्बादी ना हो। जिस घर में अन्न की बर्बादी होती है उस घर में मां लक्ष्मी का वास नहीं होता साथ ही जल्द ही दरिद्रता आने लगती है।

महिलाओं को इस बात का खास ख्याल रखना चाहिए की घर में शाम के समय पूजा स्थान या मंदिर में दीपक जरुर जलाएं। शाम को लक्ष्मी जी आरती करने से लक्ष्मी जी प्रसन्न होती हैं और अपना अशीर्वाद बनाएं रखती हैं।

महिलाएं इस बात का खास ख्याल रखें की शाम के समय घर के किचन में झूठे बर्तन ना छोड़े। रसोई में पूरी रात गंदे झूठे बर्तन रखने से भी लक्ष्मी जी रूठ जाती हैं।

झाड़ू को लक्ष्मी जी का स्वरूप माना गया है। कभी भी किसो को महिलाएं या पुरुष दोनों में से किसी को भी झाड़ू को पैर नहीं मारना चाहिए। तो यह काम करते हैं उनके घर में दरिद्रता का वास होता हैं।

शिव पर चढ़े हुए जल से करें ये काम, तरक्की चूमेगी कदम; महादेव करेंगे बेड़ा पार

उज्जैन। हिंदू धर्म में भगवान शिव को कल्याण का देवता माना गया है, जिनकी पूजा करने पर साधक के सभी दुख पलक झपकते दूर हो जाते हैं। सनातन परंपरा में हर दिन शिव पूजा के लिए बेहद शुभ माना गया है। यदि कोई साधक किसी शिवालय में जाकर भगवान शिव के निराकार स्वरूप यानी शिवलिंग की विधि-विधान से पूजा करता है तो उस पर देवों के देव महादेव की पूरी कृपा बरसती है। मान्यता है कि शिवलिंग की पूजा करने पर साधक की सभी मनोकामनाएं पलक झपकते पूरी होती हैं, लेकिन ध्यान रहे कि शिवलिंग की पूजा का भी अपना एक नियम होता है। शिव पुराण में बताया गया है कि शिवलिंग पर जल चढ़ाने से व्यक्ति को पुण्य फलों की प्राप्ति होती है। कई लोगों में इस बात को लेकर संशय बना रहता है कि शिवलिंग पर चढ़े हुए जल का क्या करना चाहिए। चलिए जानते हैं उज्जैन के ज्योतिष रवि शुक्ला से कि इस विषय में शिव पुराण क्या कहता है।

जल पीना शुभ या अशुभ

शिवलिंग पर चढ़े हुए जल को चरणामृत के समान माना जाता है। ऐसे में आप इस जल को प्रसाद के रूप में ग्रहण कर सकते हैं। इसका वर्णन शिव पुराण के 22 अध्याय के 18 श्लोक में भी मिलता है, जिसके अनुसार, शिवलिंग का जल पीने से व्यक्ति को कई प्रकार के रोगों से मुक्ति मिलती है।

दिशा का जरुर रखें ध्यान

हिंदू मान्यता के अनुसार शिवलिंग पर कभी भी पूर्व दिशा की ओर मुख करके जल नहीं चढ़ाना चाहिए, क्योंकि सनातन परंपरा के अनुसार यह भगवान शिव का मुख्य प्रवेश द्वार माना गया है। हिंदू मान्यता के अनुसार शिवलिंग पर हमेशा उत्तर दिशा की ओर मुख करके जल चढ़ाना चाहिए।

शिव पूजन में जरुर रखें परिक्रमा का ध्यान

धार्मिक मान्यता है कि शिवलिंग पर जल चढ़ाने के बाद परिक्रमा न करें। ऐसा करने से पूजा का फल प्राप्त नहीं होता है। परिक्रमा करने के लिए शिवलिंग पर अर्पित जल को लांघना पड़ता है। शास्त्र में ऐसा करने की मनाही है। इसके लिए जल चढ़ाने के बाद परिक्रमा बिल्कुल न करें।

चार धाम यात्रा में सबसे पहले किस धाम के करने चाहिए दर्शन?

उत्तराखंड को देवभूमि के नाम से जाना जाता है और इसी देवभूमि में स्थित हैं चार धाम। हर साल लाखों की संख्या में श्रद्धालु देश-विदेश से चार धामों के दर्शन के लिए आते हैं। भक्तों की संख्या इसलिए भी ज्यादा होती है क्योंकि चार धाम यात्रा साल में 6 महीनों के लिए ही चलती है। इस यात्रा में जाने से पहले भक्तों को ये बात जरूर पता होनी चाहिए कि चार धाम यात्रा में सबसे पहले किस धाम की यात्रा की जानी चाहिए और यात्रा का सही क्रम क्या होता है। आज हम आपको इसी बारे में अपने लेख में विस्तार से जानकारी देंगे।

चार धाम यात्रा का सही क्रम

हिंदू धर्म के अनुयायियों के लिए चार धाम यात्रा का बड़ा महत्व है। उत्तराखंड में स्थित चार धाम हैं गंगोत्री, यमुनोत्री, केदारनाथ और बद्रीनाथ। धार्मिक मान्यताओं के अनुसार चार धाम यात्रा की शुरुआत यमुनोत्री से होती है। ऐसा माना जाता है कि यमुनोत्री से यात्रा की शुरुआत करने पर बिना किसी बाधा के आपकी चारधाम यात्रा पूर्ण हो जाती है। इसके साथ ही शास्त्रों में वर्णित है कि, यात्रा की शुरुआत पश्चिम से की जाती है और पूर्व में समाप्त होती है इसलिए भी सबसे पहले यमुनोत्री धाम के दर्शन किये जाते हैं।

यात्रा का दूसरा पड़ाव

यमुनोत्री के दर्शन के बाद चार धाम यात्रा का दूसरा पड़ाव होता है गंगोत्री धाम। यमुनोत्री से गंगोत्री धाम की दूरी लगभग 220 किलोमीटर है लेकिन वहां तक जाने के लिए आपको पैदल चलने की जरूरत नहीं होती आप सड़क मार्ग से आसानी से गंगोत्री धाम पहुंच सकते हैं। गंगोत्री धाम को लेकर मान्यता है कि यहां पहुंचकर श्रद्धालुओं के सभी पाप धुल जाते हैं।

यात्रा का तीसरा पड़ाव

भगवान शिव के 12 ज्योतिर्लिंगों में से एक केदारनाथ, चार धाम यात्रा का तीसरा पड़ाव है। मान्यताओं के अनुसार भगवान शिव आज भी केदारनाथ धाम में निवास करते हैं। बाबा केदारनाथ के दर्शन करके मनोवांछित फलों की प्राप्ति श्रद्धालुओं को होती है।

चार धाम यात्रा का अंतिम पड़ाव

बद्रीनाथ धाम, चारधाम यात्रा का अंतिम पड़ाव है। अलकनंदा नदी के तट पर स्थित भगवान विष्णु का ये धाम उत्तराखंड के चमोली जिले में स्थित है। धार्मिक मान्यताओं के अनुसार बद्रीनाथ धाम के दर्शन मात्र से भक्तों के सभी पाप नष्ट होते हैं और ईश्वर के आशीर्वाद से जीवन में स्थिरता आती है। अब आप जान गए होंगे कि चारधाम यात्रा के दौरान आपको किस धाम से यात्रा की शुरुआत करनी है और किस धाम में जाकर यात्रा समाप्त होगी। हालांकि यह यात्रा दुर्गम रास्तों से होकर गुजरती है इसलिए यात्रा से पहले अपने स्वास्थ्य को दुरुस्त आपको कर लेना चाहिए। शास्त्रों के अनुसार जो भक्त श्रद्धापूर्वक चार धाम यात्रा करते हैं उन्हें मोक्ष की प्राप्ति होती है। व्यक्ति जन्म-मरण के चक्र से मुक्ति पाता है और उसकी आध्यात्मिक उन्नति होती है।

गरुड़ पुराण की ये बातें जान कभी नहीं करेगें गलत काम

गरुड़ पुराण के अनुसार अगर आप लंबी उम्र पाना चाहते हैं तो सुबह देर से उठने की आदत छोड़ दें। देर तक सोना सेहत के लिए हानिकारक है। इससे बीमारियां घेर लेती हैं। साथ ही मां लक्ष्मी का आशीर्वाद प्राप्त नहीं होता। अपने स्वार्थ के लिए भूलकर भी दूसरों को मानसिक या शारीरिक तौर पर हानि न पहुंचाएं। गरुड़ पुराण में कहा गया है कि ऐसा करने वालों को जीवन में कभी सुख नहीं मिलता। धन छिन जाता है। प्रतिष्ठा पर दाग लगता है। गरुड़ पुराण में बताया है कि श्मशान घाट पर चिता को अग्नि देने के बाद उससे दूर हो जाना चाहिए। क्योंकि मुर्दे के शरीर में जलते समय विषैले तत्व धुएं के साथ वातावरण घुल जाते हैं। ये वायरस आपको नुकसान पहुंचा सकते हैं। सांस लेने की तकलीफ हो सकती है। किसी के साथ विश्वासघात करना गरुड़ पुराण के अनुसार पाप की श्रेणी में आता है। कहते हैं ऐसा करने वाला नर्क भोगता है। गरुड़ पुराण के अनुसार धनवान होकर भी हमेशा गरीबी या आर्थिक तौर पर कंजूसी का दिखावा करना अच्छी आदत नहीं मानी गई है। ऐसा करने वालों से मां लक्ष्मी रूठ जाती हैं और दरिद्रता का वास होता है। गरुड़ पुराण के अनुसार धनवान होकर भी हमेशा गरीबी या आर्थिक तौर पर कंजूसी का दिखावा करना अच्छी आदत नहीं मानी गई है। ऐसा करने वालों से मां लक्ष्मी रूठ जाती हैं और दरिद्रता का वास होता है। गरुड़ पुराण के अनुसार बासी मांस खाना जहर के समान माना गया है। पुराने मांस में या मांस के सूख जाने पर इसमें खतरनाक बैक्टारिया पनप जाते हैं। इसके सेवन से आपकी उम्र घटती है।

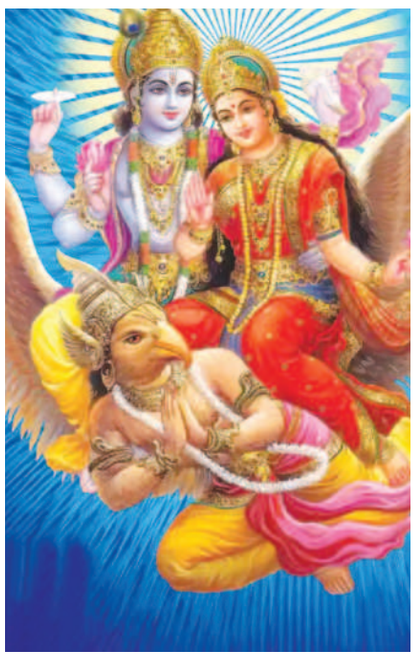

नीलम धारण करने से पहले जान लें इसके प्रभाव, राजा से रंक और रंक से राजा बना सकता है यह रत्न, किसे पहनना चाहिए?

ज्योतिष शास्त्र के अनुसार, अगर किसी व्यक्ति की कुंडली में कोई ग्रह कमजोर है तो मजबूत करने के लिए रत्नों का सहारा लिया जाता है। हर एक ग्रह के लिए अलग रत्न है। इन्हीं में से एक है नीलम। नीलम रत्न को बहुत तेजी से काम करने वाला रत्न माना गया हैं। यह अपना असर बहुत तेजी से दिखाता है। इसे भाग्योदय का रत्न भी माना गया है। कहा जाता है इसे पहनने से शनि देव की कृपा बनी रहती है और शनि ग्रह के दुष्परिणाम दूर होते हैं। कुछ राशियों पर इसका असर बहुत जल्दी होता है और जीवन में अपार सफलता मिलती है।

नीलम रत्न का स्वभाव

बात की जाए नीलम रत्न की तो इसे शनि ग्रह का रत्न माना गया है। नीलम रत्न को धारण करने पर अगर इसका शुभ प्रभाव जातक पर पड़ने लगता है तो व्यक्ति रंक से राजा बन सकता है। उसकी सारी परेशानियां धीरे-धीरे खत्म हो जाती हैं और वह दिन ब दिन सफलता की सीढ़ियां चढ़ने लगता है। जिन लोगों की कुंडली में शनि अशुभ होते हैं, उन्हें शनि का रत्न नीलम पहनने की सलाह दी जाती है।

नीलम का असर

1 नीलम रत्न का प्रभाव बहुत ही तेजी से देखने को मिलता है। अगर यह रत्न आपके लिए अनुकूल नही हैं तो आपको कई तरह की तकलीफें हो सकती हैं।

2 नीलम अनुकूल नहीं है तो बुरे और डरावने सपने आने शुरू हो जाते हैं और लोगों को कई परेशानियों का सामना करना पड़ सकता है।

3 ये रत्न पहनते ही सबसे पहले उसे राहत मिलनी शुरू हो जाती है, जो स्वास्थ्य संबंधी

परेशानियों से जूझ रहा हो

सफेद चीजें जिनका हाथ से गिरना माना जाता है अशुभ

5 अगर नीलम पहनने पर दुर्घटनाएं और शारीरिक कष्ट बढ़ने लगे तो यह रत्न आपके लिए बिल्कुल भी शुभ नहीं है। आपको इसे तुरन्त निकाल देना चाहिए।

किन राशि वालों को नीलम पहनना चाहिए?

कहा गया है कि शनिदेव मकर और कुंभ राशि के स्वामी हैं, इसलिए इस राशि के जातकों के लिए नीलम शुभ है। इसके अलावा वृष, मिथुन, कन्या, तुला राशि के लोग भी नीलम रत्न को पहन सकते हैं लेकिन इसे पहनने से पहले ज्योतिषाचार्य से सलाह आपको जरूर लेनी चाहिए। वैसे तो शनि देव न्याय और कर्मों के देवता कहे जाते हैं। ये हमें अपने कर्मों के हिसाब से फल देते हैं, इसलिए नीलम पहनने के बाद हमें अपने कर्मों पर ध्यान देना चाहिए और हिंसा नहीं करनी चाहिए।

औरंगजेब के किरदार में खतरनाक बॉबी देओल

पवन कल्याण और बॉबी देओल की फिल्म 'हरि हर वीरा मल्लू पार्ट-1' का टीजर गुरुवार, को रिलीज कर दिया गया है। टीजर में जहां बॉबी देओल का खूंखार अतवार डराता है, वहीं पवन कल्याण पीड़ितों के मसीहा के किरदार में स्टाइलिश लग रहे हैं। साउथ के सुपरस्टार पवन कल्याण अभिनेता से नेता बन चुके हैं। एक ओर जहां लोकसभा चुनाव 2024 में उनकी पार्टी ने भारतीय जनता पार्टी के साथ गठबंधन किया है, वहीं चुनावी दंगल के बीच उनकी नई फिल्म 'हरि हर वीरा मल्लू पार्ट-1' का टीजर भी रिलीज हो गया है। करीब डेढ़ मिनट के इस ट्रेलर में जहां मुगल सम्राट बने बॉबी देओल की खूंखार झलक देखने को मिलती है, वहीं पवन कल्याण मसीहा बनकर आमजन के लिए लड़ते नजर आते हैं। टीजर देखकर ऐसा भी लगता है कि उन्होंने फिल्म के लिए एक ऐसी स्क्रिप्ट चुनी है, जो उनकी राजनीतिक आकांक्षाओं के अनुरूप है। 'हरि हर वीरा मल्लू पार्ट 1- सोर्ड वर्सेस स्पिरिट' में पवन कल्याण तलवार की धार पर एक्शन करते हुए नजर आ रहे हैं।

टीजर में जहां एक ओर पवन कल्याण ज़ुल्म के खिलाफ आवाज बने हैं, वहीं बॉबी देओल एक बार फिर विलन के रोल में जंच रहे हैं। टीजर के एक सीन में जहां वह कमरे में टहलते हुए दिखते हैं, अनायास ही 'आश्रम' वाले बाबा निराला की याद आ जाती है। टीजर में हैदराबाद है, जहां अत्याचार का साम्राज्य है। ऐसा लगता है कि बॉबी देओल इन दिनों साउथ के डायरेक्टर्स को नेगेटिव रोल में खूब अपील कर रहे हैं। वह इस फिल्म में दुष्ट सम्राट की भूमिका में हैं। जबकि पवन कल्याण तलवारबाजी में माहिर योद्धा के रूप में स्टाइलिश लग रहे हैं।

गांव में लूट, उत्पीड़न और राजशाही की कहानी

'हरि हर वीरा मल्लू पार्ट-1' टीजर में पवन कल्याण ने अपनी फिल्म 'सरदार गब्बर सिंह' की तरह ही गले में लाल रंग लपेट रखा है। इसमें कोई दोराय नहीं है कि यह टीजर फिल्म के लिए उत्साह बढ़ाता है। टीजर में दिखाया गया है कि एक गांव को लूटा जा रहा है और लोगों को राजा द्वारा प्रताड़ित किया जा रहा है। गांव के लोग इतने लंबे समय से पीड़ित हैं कि उन्होंने उम्मीद खो दी है। वॉयसओवर में डायलॉग है, 'जब राजा हमें लूटता है, तो गोलकुंडा नवाब राजा को लूटता है। इसके बाद, मुगल सम्राट द्वारा नवाब को लूटा जाता है।'

'हरि हर वीरा मल्लू पार्ट-1' में निधी अग्रवाल और नोरा फतेही भी

मेगा सूर्या प्रोडक्शन के बैनर तले बनी इस फिल्म के डायरेक्टर कृष जगरलामुडी और ज्योति कृष्णा हैं। फिल्म में पवन कल्याण और बॉबी देओल के साथ निधि अग्रवाल लीड रोल में हैं। जबकि इसमें सुनील, नासर, रघुबाबू, सुब्बाराजू और नोरा फतेही भी नजर आएंगी। फिल्म का म्यूजिक ऑस्कर जीत चुके एमएम कीरावनी ने दिया है।

इसी साल 2024 में रिलीज होगी फिल्म

पहले ऐसी चर्चा थी कि यह फिल्म डिब्बाबंद हो गई है, क्योंकि पवन कल्याण राजनीति पर फोकस कर रहे हैं। हालांकि, पवन कल्याण ने फैंस से वादा किया था कि वह फिल्म रिलीज करेंगे। 'हरि हर वीरा मल्लू' में 17वीं शताब्दी की कहानी है, लिहाजा VFX के कारण निर्माण में देरी हुई है। फिल्म इसी साल रिलीज होगी, लेकिन अभी तारीख की घोषणा नहीं हुई।

'पुष्पा 2' में अल्लू का हुक स्टेप हुआ वायरल

क्या पुष्पा 2 इस बार 2000 करोड़ का कलेक्शन करेगी

फिल्म 'पुष्पा 2' का पहला गना 'पुष्पा पुष्पा' रिलीज किया जा चुका है। यह गाना 6 भाषाओं में रिलीज किया गया है। 'पुष्पा पुष्पा' नाम के गाने का वीडियो अब सोशल मीडिया पर जमकर वायरल हो रहा है। इससे पहले जब साल 2021 में 'पुष्पाः द राइज' का गाना श्रीवल्ली रिलीज हुआ था, तब इस गाने का हुक स्टेप सोशल मीडिया पर इस कदर वायरल हुआ था कि सेलेब्स ने भी अल्लू के हुक स्टेप्स को फॉलो किया था। अब इस फिल्म का सीक्वल 'पुष्पा 2 द रूल' जल्द ही सिनेमाघरों में दस्तक देने वाला है, लेकिन उससे पहले फिल्म के गाने 'पुष्पा पुष्पा' लोगों को बेहद पसंद आ रहा है।

'पुष्पा 2' का पहला गाना 'पुष्पा पुष्पा' 1 मई को जारी किया गया था। अब यह गाना सोशल मीडिया पर जमकर वायरल हो रहा है। इस गाने के व्यूज तेजी से बढ़ रहे हैं। अब तक इस गाने को कुछ ही मिनटों में करोड़ों लोग देख चुके हैं। इस वीडियो को यूट्यूब पर अभीतक 10,400,073 तक व्यूज मिल चुके हैं। यह आंकड़े लगातार बढ़ते ही जा रहे हैं।

पुष्पा द रूल

इस गाने में पुष्पा की ताकत को दर्शाया गया है, जिसका संकेत पिछले सप्ताह जारी 'हैंड ऑफ पुष्पा' टीजर में दिया गया था। इसके जबरदस्त हुक स्टेप ने लोगों के बीच इस गाने के

क्रेज को और भी बढ़ा दिया है। 'पुष्पाः द रूल' का हुक स्टेप काफी इंप्रेसिव है। स्टाइलिश स्टार अल्लू अर्जुन ने एक बार फिर दिखाया है कि क्यों वो देश के हर भाषा और सीमा के पार के लोगों के पसंदीदा स्टार हैं, और लाखों दिलों पर राज कर रहे हैं।

'पुष्पा पुष्पा' गाने के दीवाने हुए फैंस

राष्ट्रीय पुरस्कार विजेता म्यूजिक डायरेक्टर देवी श्री प्रसाद ने इस बार भी 'पुष्पा 2' का दमदार गाना बनाया है। जो लोगों के दिल को छू गया है। यह गाना तेलुगु, तमिल, हिंदी, कन्नड़, मलयालम और बंगाली भाषाओं में रिलीज किया गया है। इस गाने को लेकर लोग लगातार सोशल मीडिया पर अपनी प्रतिक्रिया दे रहे हैं। एक फैन ने लिखा, ''रेडी टू रोर, अर्जुन पुष्पा आ गया है इस साल, फ्लॉवर समझे क्या, पुष्पा स्क्रीनिंग सून।'', एक और फैन ने लिखा, ''डेविड वॉर्नर (क्रिकेटर) भी डांस स्टेप्स तैयार कर रहा है।'', एक और फैन ने लिखा, पुष्पा 2 का इस बार 2000 करोड़ का कलेक्शन करेगी।'', एक और फैन ने लिखा, ''पुष्पा कभी नहीं झुकेगा.. भाई बॉलीवुड खत्म... इसके आगे कुछ नहीं है।''

निर्देशक सुकुमार कि फिल्म 'पुष्पा 2' की शूटिंग का आखिरी चरण फिलहाल चल रहा है। फिल्म में अल्लू अर्जुन के अलावा रश्मिका मंदाना भी अहम भूमिका में नजर आएंगी। पुष्पा 2ः द रूल में सामंथा रुथ प्रभु भी एक कैमियो में नजर आ सकती हैं। इसके साथ ही फिल्म में संजय दत्त की भी विशेष भूमिका होने की संभावना है। यह फिल्म 15 अगस्त, 2024 को रिलीज होने के लिए पूरी तरह से तैयार है।

कई दिनों से लापता हैं 'तारक मेहता' फेम सोढ़ी

प्रोड्यूसर असित मोदी बोले- हमारा पर्सनल बॉन्ड नहीं था पर दुआ करता हूं वो सेफ हों

'तारक मेहता का उल्टा चश्मा' में सोढ़ी का किरदार निभाने वाले एक्टर गुरुचरण सिंह बीते कई दिनों से लापता हैं। 22 अप्रैल को वो दिल्ली से मुंबई के लिए निकले थे जिसके बाद से किसी को

उनकी कोई खबर नहीं मिली। 'तारक मेहता का उल्टा चश्मा' शो के प्रोड्यूसर असित मोदी ने गुरुचरण सिंह के बारे में बात की है। गुरुचरण के लापता होने की खबर सुनकर असित मोदी को हैरानी हुई। असित मोदी ने कहा- ये मेरे लिए बहुत दुखद और शॉकिंग खबर है। गुरुचरण अपने परिवार से बहुत प्यार करते थे। वो अपने पेरेंट्स के प्रति अपनी पूरी जिम्मेदारी निभाते थे। वैसे तो, हमारा कोई पर्सनल बॉन्ड नहीं था, लेकिन जितना मैं जानता हूं वो बहुत धार्मिक व्यक्ति थे। उन्होंने कोविड के दौरान 'तारक मेहता का उल्टा चश्मा' शो छोड़ा था, लेकिन उसके बाद भी हमारे रिश्ते अच्छे रहे। असित ने गुरुचरण सिंह के लिए चिंता जताते हुए कहा- गुरुचरण हमेशा मुझसे मुस्कुराते हुए ही मिला करते थे। उनका गायब होना वाकई हैरानी की बात है। मुझे ये नहीं पता कि ये कैसे हो गया। अभी मामले की जांच हो रही हैं, तो मैं उम्मीद करता हूं कि कोई अच्छी खबर जरूर मिलेगी। मैं भगवान से दुआ करता हूं कि वो सेफ हों और जल्द अपने फोन कॉल उठाने लगें।

शादी करने वाले थे गुरुचरण सिंह

शुरुआती इन्वेस्टिगेशन में पता चला है कि एक्टर जल्द ही शादी करने वाले थे। इतना ही नहीं, वो आर्थिक तंगी से भी जूझ रहे थे। पुलिस ने बताया कि गुरुचरण ने 22 अप्रैल को एटीएम से 7 हजार रुपए निकाले थे, जिसके बाद उनका फोन स्विच ऑफ हो गया था। उनकी लास्ट लोकेशन दिल्ली के पालम स्थित उनके घर से कुछ ही किलोमीटर दूर पाई गई है। इसके अलावा पालम एरिया से ही पुलिस के हाथ कुछ सीसीटीवी फुटेज भी लगे हैं जिसमें एक्टर बैग लिए रोड क्रॉस करते नजर आ रहे हैं। अब पुलिस उनके घर के आस-पास स्थित बाकी सीसीटीवी भी खंगाल रही है, ताकि यह पता चल सके कि उन्होंने दिल्ली एयरपोर्ट तक जाने के लिए कौन सा रूट अपनाया था।

इब्राहिम अली खान ने किया इंस्टाग्राम डेब्यू, 24 घंटे में मिले 6.71 लाख फॉलोअर्स

बॉलीवुड एक्ट्रेस सारा अली खान के भाई और सैफ अली खान के बेटे इब्राहिम अली खान ने हाल ही में इंस्टा पर डेब्यू किया है। एक्टर की पहली इंस्टाग्राम पोस्ट एक ब्रैंड कोलैबोरेटेड फोटोशूट से जुड़ी हुई है। 24 घंटे में एक्टर को 6 लाख 71 हजार लोगों ने फॉलो किया है। खास बात यह है कि इब्राहिम ने इंस्टा डेब्यू करते ही अपनी रूमर्ड गर्लफ्रेंड पलक तिवारी को फॉलो करना भी शुरू कर दिया।

वो कुछ 45 लोगों को फॉलो कर रहे हैं जिसमें एक्ट्रेस पलक तिवारी के अलावा सुहाना खान, आलिया भट्ट, खुशी कपूर और अनन्या पांडे समेत कई सेलेब्स शामिल हैं। इस मौके पर सारा ने भी एक इंस्टा स्टोरी शेयर करते हुए भाई इब्राहिम का सोशल मीडिया पर वेलकम किया है। इसके अलावा इब्राहिम की सौतेली मां करीना कपूर खान, करण जौहर और सेलिब्रिटी हेयरस्टाइलिस्ट आलिम हकीम ने भी इब्राहिम का वेलकम किया। बेटे इब्राहिम का वेलकम करते हुए करीना ने भी उनकी फर्स्ट पोस्ट पर कमेंट किया है। एक्ट्रेस ने लिखा- 'स्वागत है इस लिगेसी में। जल्द ही साथ में शूट करते हैं।'

अंकिता ने ठुकराई करण की स्टूडेंट ऑफ द ईयर 3 !

सलमान खान के रियलिटी शो 'बिग बॉस 17' से अंकिता लोखंडे ने सबसे ज्यादा सुर्खियां बटोरी हैं। अंकिता 'बिग बॉस 17' की विजेता तो नहीं बन पाईं, लेकिन अब उन्हें कई बड़े प्रोजेक्ट्स के ऑफर मिल रहे हैं। बिग बॉस 17 में सफल प्रदर्शन के बाद, अंकिता लोखंडे 'स्वतंत्र वीर सावरकर' में नजर आईं। फिल्म बॉक्स ऑफिस पर कुछ खास कमाल नहीं दिखा पाई। इस बीच खबर आ रही है कि अंकिता लोखंडे ने करण जौहर की वेब सीरीज 'स्टूडेंट ऑफ द ईयर 3' को रिजेक्ट कर दिया है।

अंकिता को ऑफर हुई थी 'स्टूडेंट ऑफ द ईयर 3'

मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक अंकिता लोखंडे को करण जौहर की स्टूडेंट ऑफ द ईयर 3 की पेशकश की गई थी। हालांकि, उन्होंने कथित तौर पर इस प्रस्ताव को अस्वीकार कर दिया है। खबर है कि शनाया कपूर स्टूडेंट ऑफ द ईयर फ्रेंचाइजी की दूसरी किस्त फैंस को खुश करने में ज्यादा कामयाब नहीं हुई थी।

अंकिता ने ठुकराया करण के प्रोजेक्ट का प्रस्ताव

अंकिता के एक करीबी सूत्र ने बताया कि उन्होंने करण जौहर के प्रोजेक्ट का हिस्सा बनने का मौका उन कारणों से ठुकरा दिया, जो उन्हें ही पता हैं। सूत्र ने कहा, "हां, अंकिता को स्टूडेंट ऑफ द ईयर 3 के लिए संपर्क किया गया था। मैं उस भूमिका के बारे में निश्चित नहीं हूं, जो उन्हें ऑफर की गई थी, लेकिन उनसे यह जरूर पूछा गया था कि क्या वह SOTY फ्रेंचाइजी का हिस्सा बन सकती हैं। हालांकि, उन्होंने इस प्रस्ताव को अस्वीकार कर दिया है और उनके फैसले के पीछे का कारण कोई नहीं जानता है।

शनाया कपूर फ्लॉप की कतार से बचना चाहती हैं

(SOTY) की तीसरी किस्त की हेडलाइन होंगी। फैंस एक बार फिर करण के स्टूडेंट्स को देखने के लिए बेताब है। हालांकि,

मचाएंगी धमाल

करण जौहर 'स्टूडेंट ऑफ द ईयर 3' के साथ संजय कपूर और महीप कपूर की बेटी शनाया कपूर को ओटीटी स्पेस में लॉन्च करेंगे। वेब सीरीज कथित तौर पर डिज़्नी+हॉटस्टार पर स्ट्रीम होगी।

हेमा मालिनी-हीमैन की शादी को हुए 44 साल

बॉलीवुड की ड्रीम गर्ल हेमा मालिनी और हीमैन धर्मेंद्र की शादी को आज 44 वर्ष पूरे हो गए हैं। दोनों आज ही के दिन विवाह बंधन में बंधे थे। हेमा मालिनी और धर्मेंद्र ने कई चर्चित फिल्मों में काम किया। ऑन स्क्रीन ही नहीं, ऑफ स्क्रीन भी दोनों की जोड़ी को खूब पसंद किया गया। आज एनिवर्सरी के खास मौके पर बेटी ईशा देओल ने माता-पिता को बड़े खूबसूरत अंदाज में बधाई दी है। ईशा देओल ने अपने सोशल मीडिया अकाउंट से एक पोस्ट साझा किया है। इसमें मां-पापा के लिए प्यारा सा नोट लिखा है।

ईशा देओल ने अपने इंस्टाग्राम अकाउंट से धर्मेंद्र और हेमा मालिनी की एक तस्वीर साझा की है। धर्मेंद्र ग्रीन कलर की शर्ट में नजर आ रहे हैं। वहीं, हेमा मालिनी फ्लॉवर प्रिंट आउटफिट पहने दिख रही हैं। इसके साथ ईशा ने लिखा है, 'मेरे पापा और मम्मी को शादी की सालगिरह की बहुत-बहुत बधाई। आप दोनों की जोड़ी मुझे बेहद पसंद है। मैं आप दोनों को बहुत प्यार करती हूं और बस आपके गले लगना चाहती हूं'।

इनकी लव स्टोरी भी काफी फिल्मी है। दोनों की मुलाकात के.ए अब्बास की फिल्म के प्रीमियर के दौरान हुई थी। हेमा मालिनी ने अपनी बायोग्राफी 'हेमा मालिनी बियोंड द ड्रीम गर्ल' में इस बारे में बताया है। उन्होंने इस मुलाकात का जिक्र करते हुए लिखा कि उन दिनों उनकी एक फिल्म रिलीज होने वाली थी। इसके चलते प्रीमियर के इंटरवल के दौरान उन्हें स्टेज पर बुलाया गया। इस दौरान ही धर्मेंद्र ने उन्हें पहली बार देखा और उन पर अपना दिल हार बैठे। उस वक्त धर्मेंद्र ने हेमा को देखकर पंजाबी में कहा था, 'कुड़ी बड़ी चंगी है।' हालांकि, हेमा ने कुछ प्रतिक्रिया नहीं दी और बस यह सुनकर आगे बढ़ गई थीं।

रिपोर्ट्स के मुताबिक हेमा मालिनी को फिल्म 'प्रतिज्ञा' की शूटिंग के दौरान धर्मेंद्र से प्यार हुआ था। शादीशुदा मर्द के प्यार में पड़ने की वजह से हेमा मालिनी के पिता ने खूब नाराजगी जाहिर की थी। हालांकि, हेमा मालिनी ने परिवार के खिलाफ जाकर हीमैन को अपना हमसफर बनाया। धर्मेंद्र और हेमा ने वर्ष 1980 में शादी रचाई। यह बॉलीवुड में उस समय की सबसे चर्चित शादियों में से एक थी। धर्मेंद्र ने हेमा मालिनी से शादी की थी तो वह पहले से ही प्रकाश कौर संग शादीशुदा थे।

धर्मेंद्र आज भी फिल्मी दुनिया में सक्रिय हैं। बीते वर्ष वह करण जौहर के निर्देशन में बनी फिल्म 'रॉकी और रानी की प्रेम कहानी' में नजर आए। इसमें उनके किसिंग सीन की काफी चर्चा रही। इस साल वे फरवरी में आई शाहिद कपूर-कृति सेनन की फिल्म 'तेरी बातों में ऐसा उलझा जिया' में दिखे। वहीं, हेमा मालिनी अब राजनीति में सक्रिय हैं। वे 2024 के लोकसभा चुनाव में उत्तर प्रदेश की मथुरा लोकसभा सीट से भाजपा प्रत्याशी हैं।

'फाइटर' के बाद 'कृष 4' में फिर साथ काम करेंगे ऋतिक रोशन और सिद्धार्थ आनंद !

ऋतिक रोशन के फैंस कृष फ्रेंचाइजी की चौथी फिल्म 'कृष 4' का बेसब्री से इंतजार कर रहे हैं। दर्शकों के लिए खुशी की बात यह है कि अब धीरे-धीरे इस फिल्म से जुड़ी नई-नई जानकारियां सामने आने लगी है। ताजा अपडेट फिल्म के निर्देशक से जुड़ा है, जिसे जानकर ऋतिक के प्रशंसकों की खुशी दोगुनी हो जाएगी।

सिद्धार्थ आनंद कर सकते हैं डायरेक्ट

मीडिया रिपोर्ट्स के अनुसार, निर्देशक सिद्धार्थ आनंद 'कृष 4' को डायरेक्ट कर सकते हैं। ऋतिक रोशन और सिद्धार्थ आनंद पहले भी साथ में कई बार काम कर चुके हैं। दोनों ने 'बैंग बैंग', 'वॉर' और 'फाइटर' में काम किया था। इनमें से 'वॉर' और 'फाइटर' को दर्शकों ने खूब पसंद किया था। ये फिल्में बॉक्स ऑफिस पर भी कामयाब हुई थी और करोड़ों रुपये छापे थे।

'वॉर 2' की शूटिंग में व्यस्त हैं ऋतिक

इसी साल मार्च के महीने में खबर आई थी कि ऋतिक रोशन 2025 में 'कृष 4' की शूटिंग शुरू करेंगे। वह अपने पिता राकेश रोशन के साथ फिल्म की कहानी पर काम कर रहे हैं। खबर थी कि दोनों ने इसी साल गर्मी के महीनों में पूरा करने की योजना बनाई है। दोनों इस साल के आखिर तक कहानी को अंतिम रुप देना चाहते हैं। बता दें कि ऋतिक रोशन फिलहाल फिल्म 'वॉर 2' की शूटिंग में व्यस्त हैं।

कहानी तैयार करने में लग रहा है वक्त

ऋतिक रोशन को एक बार फिर से सुपरहीरो के किरदार में देखने के लिए फैंस उतावले नजर आ रहे हैं। फिल्म निर्माता चाहते हैं कि 'कृष 4' की कहानी शानदार हो। यही वजह है कि बढ़िया कहानी तैयार करने में काफी वक्त लग रहा है। मालूम हो कि फिल्म का पहला भाग 'कोई मिल गया' साल 2003 में रिलीज हुआ था। इसमें ऋतिक और प्रीति जिंटा ने मुख्य भूमिका निभाई थीं। दूसरे भाग का नाम 'कृष' रखा गया था, जिसे 2006 में रिलीज किया गया था। इसमें प्रीति जिंटा की जगह प्रियंका चोपड़ा मुख्य भूमिका में थीं। फिल्म का तीसरा भाग 'कृष 3' कई साल बाद 2013 में रिलीज हुआ था।

'भोजपुरी सिनेमा को सत्यजीत रे, प्रकाश झा जैसे फिल्म निर्माताओं की जरूरत है' : मनोज तिवारी

मनोज तिवारी सिर्फ अभिनेता ही अच्छे नहीं हैं बल्कि उनकी गायकी के भी लोग दीवाने हैं। भोजपुरी सिनेमा में खूब नाम कमाने के बाद मनोज तिवारी ने राजनीति का रुख किया। अब अभिनेता-भाजपा सांसद मनोज तिवारी का कहना है कि भोजपुरी सिनेमा को बदलते समय के साथ आगे बढ़ने के लिए सत्यजीत रे और प्रकाश झा जैसे फिल्म निर्माताओं की जरूरत है।

मनोज तिवारी का मानना है कि भारी लोकप्रियता के बावजूद भोजपुरी सिनेमा अभी भी राष्ट्रीय स्तर पर नहीं पहुंच पाया है। उन्होंने कहा, "भोजपुरी सिनेमा को आगे ले जाने के लिए हमें कदम उठाने की जरूरत है और इसके लिए हमें प्रकाश झा, सत्यजीत रे साहब जैसे निर्देशकों की भी आवश्यकता है। हमारे पास बहुत सारे दर्शक हैं, लेकिन हम अभी भी उस स्तर तक नहीं पहुंच पाए हैं।

मनोज तिवारी ने आगे कहा, "समय आएगा जब भोजपुरी सिनेमा की भी अपनी पहचान होगी। मिर्जापुर और महारानी जैसी वेब सीरीज की कहानियां हमारे क्षेत्र की हैं। भोजपुरी सिनेमा अभी इस तरह का कंटेंट नहीं उठा रहा है, लेकिन जिस दिन फिल्में ऐसी कहानियों का समर्थन करना शुरू कर देंगी। हम भी दक्षिण फिल्म इंडस्ट्री के साथ प्रतिस्पर्धा करना शुरू कर देंगे।

अपने काम करने के अनुभव को साझा करते हुए मनोज तिवारी ने कहा, "जब मैं फिल्में कर रहा था, तो कई बार ऐसा होता था जब 1.5 करोड़ रुपये के बजट वाली फिल्म बॉक्स ऑफिस पर लगभग 30-35 करोड़ रुपये कमाती थी। मेरी पहली फिल्म (ससुरा बड़ा पैसावाला) ने भी अच्छी कमाई की थी। आज लोग सिनेमाघरों में फिल्म देखने नहीं आ रहे हैं। इसका एक और कारण यह भी हो सकता है कि मालिकों की भी थिएटर बिजनेस में रुचि नहीं है, लेकिन भोजपुरी सिनेमा दुनिया भर में चर्चा का विषय बना हुआ है।

इसके अलावा उन्होंने कहा, "मैंने बतौर हीरो 100 फिल्में की हैं, लेकिन मेरी किसी भी फिल्म का बजट 1.5 करोड़ रुपये से ज्यादा नहीं है। तीन फिल्मों में तीन करोड़ रुपये का मुनाफा

अभिजीत भट्टाचार्य के बयान पर नेहा और मिलिंद का रिएक्शन

सिंगर ने कहा- अब उनके सुर बदल गए हैं, नेहा बोलीं- कोई भी काम छोटा या बड़ा नहीं होता है।

सिंगर अभिजीत भट्टाचार्य अक्सर अपने बयानों को लेकर चर्चा में रहते हैं। एक बार फिर उनका एक वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल हो रहा है। जिसमें वो शादियों में गाने वाले सिंगर्स को झाड़ते हुए नजर आ रहे हैं। अभिजीत के इस वायरल वीडियो पर सिंगर मिलिंद गाबा और नेहा कक्कड़ ने अपना रिएक्शन दिया है। मिलिंद गाबा ने अभिजीत का पुराना वीडियो शेयर करते हुए कहा- अब उनके सुर बदल गए हैं। नेहा बोलीं- कोई भी काम छोटा या बड़ा नहीं होता है।

दरससल, अभिजीत भट्टाचार्य का रियलिटी शो 'सुपरस्टार सिंगर 3' का एक वीडियो वायरल हो रहा है। जिसमें वो यह कहते नजर आ रहे हैं कि जो सिंगर्स शादी ब्याह में गाते हैं, उनकी औकात कम हो जाती है। नेहा कक्कड़ उनकी इस बात से सहमत नहीं हैं। दोनों में जुबानी जंग देखने को मिल रही है।

सिंगर मिलिंद गाबा ने अभिजीत भट्टाचार्य का पुराना वीडियो शेयर करते हुए उनपर निशाना साधा है। उस वीडियो में अभिजीत स्कूल फंक्शन और शादी समारोह में परफार्म करते नजर आ रहे हैं। मिलिंद गाबा ने कहा- अब उनके सुर बदल गए हैं।

वायरल वीडियो में अभिजीत सिंगर सलमान अली को सीख दे रहें हैं कि जो सिंगर शादी में गाते हैं, उनकी औकात कम हो जाती है। अभिजीत भट्टाचार्य ने कहा- मेरी औकात है कि कह देता हूं कि मैं नहीं गाऊंगा। नेहा कक्कड़ ने कहा- शादी में गाना बुरी बात नहीं है, जो फैंस होते हैं, वो आपको पसंद करते हैं, इसलिए बुलाते हैं। मैं यह कहना चाहती हूं कि कोई भी काम छोटा या बड़ा नहीं होता है। भट्टाचार्य ने कहा- एक करोड़ रुपए में गाना और एक करोड़ रुपए को ठुकराना, दोनों में बहुत फर्क है। मैं बस यही सिखा रहा हूं।

'उर्दू के साथ नाइंसाफी हुई है', शीजान खान ने की हीरामंडी की भाषा को लेकर भंसाली की आलोचना

संजय लीला भंसाली की वेब सीरीज 'हीरामंडी' पिछले लंबे वक्त से सुर्खियों में बनी हुई है। इस फिल्म को लेकर जितने उत्साहित खुद भंसाली हैं उससे कहीं ज्यादा एक्साइटमेंट लोगों के बीच देखने को मिल रही है। यह सीरीज 1 मई को 'हीरामंडीः द डायमंड बाजार' नेटफ्लिक्स पर रिलीज हो चुकी है। सीरीज को लेकर सोशल मीडिया पर लोगों की ढेर सारी प्रतिक्रियाएं मिल रही है। अब हाल ही में, टीवी अभिनेता शीजान खान ने सीरीज की आलोचना करते हुए कहा कि 'हीरामंडी' में भाषा के साथ अन्याय किया गया है। आइए जानते हैं कि अभिनेता ने क्या कहा है।

टेलीविजन अभिनेता शीजान खान संजय लीला भंसाली की 'हीरामंडी' से नाखुश हैं। अभिनेता ने सीरीज की कास्टिंग को लेकर फिल्म निर्माता से सवाल किया है और उर्दू भाषा के साथ अन्याय करने के लिए कलाकारों की आलोचना की है।

शीजान ने हाल ही में, अपने इंस्टाग्राम हैंडल पर कहा कि अनुभवी अभिनेत्री फरीदा जलाल को छोड़कर, भंसाली की 'हीरामंडी' की पूरी टीम में से कोई भी व्यक्ति ठीक से उर्दू नहीं बोल पाए हैं। उन्होंने एक इंस्टाग्राम स्टोरी पोस्ट कर निराशा व्यक्त की और लिखा कि वेब सीरीज में किसी का भी उर्दू उच्चारण सही नहीं है।

उन्होंने कहा, फरीदा जलाल जी के अलावा! संजय लीला भंसाली के हीरामंडी में कोई भी 'उर्दू' नहीं बोल सकता था! किसी का नुक्ता, खा, काफ अपनी जगह पर नहीं है!! क्यों भाई क्यों?? उर्दू के साथ इतनी नाइंसाफी। निराश हूं।

बता दें कि संजय लीला भंसाली की मल्टीस्टारर सीरीज 'हीरामंडी' में मनीषा कोइराला, सोनाक्षी सिन्हा, अदिति राव हैदरी, ऋचा चड्ढा, शर्मिन सहगल, शेखर सुमन, अध्ययन सुमन समेत कई मशहूर सितारों ने अपनी अदायगी का जलवा दिखाते नजर आ रहे हैं। करीब 15 साल से संजय लीला भंसाली इस सीरीज को लोगों के बीच लाने के लिए बेकरार थे, जो कि तवायफों की जिंदगी पर आधारित है।

किरण राव की 'लापता लेडीज' की मुरीद हुईं आलिया भट्ट

किरण राव द्वारा निर्देशित 'लापता लेडीज' 1 मार्च, 2024 को नाटकीय रूप से रिलीज हुई। रिलीज होने पर, फिल्म को आलोचकों और दर्शकों से सकारात्मक समीक्षा मिली। मशहूर हस्तियों को भी राव की निर्देशन क्षमता और फिल्म के कलाकारों के शानदार अभिनय से प्यार हो गया। फिल्म 26 अप्रैल को नेटफ्लिक्स पर रिलीज हुई। जैसे-जैसे फिल्म दिल जीत रही है, अभिनेत्री आलिया भट्ट ने पारिवारिक नाटक पर अपने विचार और राय साझा करने के लिए अपने सोशल मीडिया हैंडल का सहारा लिया।

फिल्म देखने के बाद, आलिया ने अपनी इंस्टाग्राम स्टोरीज पर लिखा, 'फिल्मों में बहुत अच्छा समय बिताया। इन लेडीज, प्रतिभा रांटा, नितांशी गोयल, और सज्जन स्पर्श श्रीवास्तव और रवि किशन, वास्तव में मेरे दिल में हैं। इतनी खूबसूरत फिल्म और सभी कलाकारों का क्या शानदार प्रदर्शन! आप सभी को बधाई।'

फिल्म 'लापता लेडीज' बिप्लब गोस्वामी के पुरस्कार विजेता उपन्यास पर आधारित है। किरण राव के निर्देशन में बनी फिल्म में स्पर्श श्रीवास्तव, प्रतिभा रांटा, नितांशी गोयल और रवि किशन मुख्य भूमिकाओं में हैं। यह फिल्म दर्शकों को 2001 के ग्रामीण भारत में वापस ले जाती है। इसकी कहानी दो दुल्हनों के इर्द-गिर्द घूमती है जिनकी ट्रेन यात्रा के दौरान अदला-बदली हो जाती है। उतार-चढ़ाव से भरी यात्रा तब शुरू होती है जब उनके पति असली दुल्हन की तलाश शुरू करते हैं।

आमिर खान प्रोडक्शंस और किंडलिंग प्रोडक्शंस के बैनर तले बनी इस फिल्म से 'धोबी घाट' के बाद किरण राव ने निर्देशन में वापसी की। नाटकीय रिलीज से पहले, फिल्म को 2023 में प्रतिष्ठित टोरंटो इंटरनेशनल फिल्म फेस्टिवल (टीआईएफएफ) में प्रदर्शित किया गया था। इसे फेस्टिवल में मौजूद दर्शकों से स्टैंडिंग ओवेशन मिला।

वर्कफ्रंट की बात करें तो आलिया भट्ट ने अपनी अगली फिल्म 'जिगरा' की शूटिंग पूरी कर ली है। जनवरी में, संजय लीला भंसाली ने सभी प्रशंसकों को आश्चर्यचकित कर दिया जब उन्होंने आलिया भट्ट, रणबीर कपूर और विक्की कौशल के साथ अपनी अगली फिल्म 'लव एंड वॉर' की घोषणा की। यह फिल्म 17 साल बाद भंसाली और कपूर को फिर से जोड़ती है और कौशल के साथ फिल्म निर्माता की यह पहली फिल्म है। फिल्म क्रिसमस 2025 पर सिनेमाघरों में दस्तक देने वाली है।

अब श्रीदेवी के पहले घर में एक रात के लिए ठहर सकेंगे लोग, जल्दी से बना लीजिए अपना प्लान

श्रीदेवी के दुनिया को अलविदा कहने के बाद उनकी बेटी जान्हवी कपूर अपनी मां को खूब याद करती हैं। वह अक्सर अपनी मां से जुड़े पुराने किस्से और उनके साथ बिताए खास पलों को सुनाती रहती हैं। इसी सिलसिले में अब एक बहुत बड़ी खबर सामने आ रही है, जिसे जानकर श्रीदेवी और जान्हवी कपूर के फैंस गदगद हो उठेंगे और अगर आपका सपना किसी सुपरस्टार के घर में ठहरने का है, फिर तो यह आपके ही काम की खबर है।

दरअसल, श्रीदेवी ने बरसों पहले चेन्नई में एक घर खरीदा था। यह उनका पहला घर था, जिसे उन्होंने बोनी कपूर से शादी करने के बाद खरीदा था। जान्हवी के लिए यह घर बेहद खास है। यहां उनका बचपन बीता है। मीडिया रिपोर्ट्स के अनुसार, अब लोग श्रीदेवी के इस घर में किराए पर रह सकते हैं। इसे एयर बीएनबी ने 11 मशहूर प्रॉपर्टी की लिस्ट में शामिल किया है। मालूम हो कि घर के रखरखाव और लीकेज की समस्या के चलते श्रीदेवी और बोनी को घर छोड़ना पड़ा था। हालांकि, श्रीदेवी की मौत के बाद बोनी ने घर की मरम्मत करा दी थी।

श्रीदेवी का हर एक फैन उनके घर में रहना पसंद करेगा, लेकिन इसमें एक पेंच है। केवल कुछ ही एयर बीएनबी यूजर्स इसमें एक रात के लिए ठहर सकते हैं। खास बात यह है कि यहां आने वाले लोगों को जान्हवी कपूर से भी बात करने का मौका मिलेगा। इस घर में श्रीदेवी की बनाई पहली पेंटिंग भी मौजूद है। लोग कोरोना लॉकडाउन के दौरान जान्हवी और खुशी कपूर की बनाई पेंटिंग को भी देख पाएंगे। जान्हवी जूनियर की आने वाली फिल्मों में 'देवरा' का पहला भाग है। इस फिल्म से वह तेलुगु में डेब्यू करने जा रही हैं। इस फिल्म में सुपरस्टार जूनियर एनटीआर मुख्य भूमिका निभा रहे हैं। इसके अलावा वह 'मिस्टर एंड मिसेज माही' में भी नजर आएंगी।

एक्स-बॉयफ्रेंड संग दिखीं सारा अली खान ?

सैफ अली खान और अमृता सिंह लाडली एक्ट्रेस सारा अली खान एक बार फिर से अपनी लव लाइफ को लेकर खबरों में हैं. लंबे वक्त से अटकलें लगाई जा रही हैं कि वह इन दिनों पॉलिटिशियन सुशील कुमार शिंदे के नाती वीर पहाड़िया को डेट कर हैं. अ ब दोनों की स्पेशल वेकेशन की कुछ तस्वीरें सा म ने आई हैं. जिसमें दोनों को एक दूसरे संग मस्ती करते हुए देखा जा सकता है. यह तस्वीर रेडिट पर वायरल हो गई है.वहीं सारा अली खान ने अपने इंस्टाग्राम पर अपनी इन तस्वीरों को शेयर की हैं. तस्वीर में सारा अली खान अपने दोस्तों संग पिज्जा का आनंद लेती हुई दिख रही हैं. हालांकि फ्रेम में वीर पहरिया की मौजूदगी ने ही सुर्खियां बटोरीं. वह जमीन पर लेटकर कर पोज देते हुए देखे गए.

अब इन तस्वीरों के सामने आने के बाद से एक बार फिर से सारा की लव लाइफ को लेकर अटकलें लगनी शुरू हो गई हैं. बता दें कि काफी साल पहले एक मैगजीन के इंटरव्यू में सारा अली खान ने वीर संग रिश्ते को लेकर खुलकर बातें की थी.

इंटरव्यू में सारा ने कहा था कि वह (वीर) इकलौता लड़का है, जिसे मैंने डेट किया है. उनके अलावा मेरी जिंदगी में कोई ब्वॉयफ्रेंड नहीं रहा. साल 2016 में सारा-वीर का रिश्ता काफी चर्चे में था.हालांकि दोनों का रिश्ता जल्द ही टूट गया था. इसके बाद इस साल मार्च में जाह्नवी ने अनंत अंबानी और राधिका मर्चेंट की शादी से पहले के कार्यक्रमों की कुछ तस्वीरें साझा की थीं. तस्वीरों में सारा को वीर के साथ डांस करते देखा गया, जिससे कई लोगों ने अनुमान लगाया कि दोनों के बीच कुछ चल रहा है.दोनों का फिर से पैचअप हो गया है.

शिवांगी जोशी ने ग्रीन ब्रालेट पहन दिखाईं कमसिन अदाएं

शिवांगी जोशी ब्रालेट पहन हिलाया इंटरनेट

टीवी एक्ट्रेस शिवांगी जोशी इन दिनों स्क्रीन से दूर हैं लेकिन वह सोशल मीडिया के जरिए अपने फैंस को एंटरटेन करती रहती हैं। शिवांगी फैंस के बीच अपनी डांस की वीडियो से फैंस को हमेशा खुश कर देती हैं और अपनी शानदार फोटोज से फैंस की तारीफ बटोरती रहती हैं। शिवांगी हर तरह के आउटफिट में अच्छी लगती हैं। एक्ट्रेस अक्सर अपने साड़ी लुक से फैंस के दिलों की घंटियां बजा देती हैं और इस बार शिवांगी जोशी ने अपने वेस्टर्न लुक से लोगों को इंप्रेस किया है। शिवांगी की लेटेस्ट फोटोज इंटरनेट पर बवाल काट रही हैं।

एक्ट्रेस शिवांगी जोशी ने अपने ऑफिशियल इंस्टाग्राम अकाउंट पर कुछ फोटोज शेयर की हैं। इन फोटोज में एक्ट्रेस एक से बढ़कर एक पोज दे रही हैं। हर किसी की नजरें शिवांगी की स्माइल पर अटक गई हैं।

शिवांगी जोशी ने अपना लुक ग्रीन ब्रालेट के साथ प्रिंटेड प्लाजो से पूरा किया है। एक्ट्रेस ने अपना लुक कर्ली बालों के साथ किया है, जिसमें वह काफी सुंदर लगी हैं।

शिवांगी जोशी की ये फोटो क्लोज अप में ली गई है, जिसमें उनके चेहरे की स्माइल देखने लायक है। इस फोटो में शिवांगी ने अपने हाथों को बालों पर रखा है। शिवांगी जोशी इस फोटो में अपना किलर एटीड्यूट दिखा रही है, जिसमें एक्ट्रेस की अदाएं देखने लायक है। शिवांगी के फेशल एक्सप्रेशन ने हर किसी को खुश कर दिया है। फैंस की निगाहें शिवांगी पर अटक गई हैं। शिवांगी जोशी ने इन फोटोज के साथ खास कैप्शन लिखा है। एक्ट्रेस ने लिखा, 'शांति, प्यार और सकारात्मक ऊर्जा।' इसके साथ ही एक्ट्रेस ने ढेर सारे इमोजी लगाए हैं। शिवांगी जोशी की इन फोटोज पर फैंस ने भर-भरकर प्यार लुटाया है। एक्ट्रेस के लिए एक फैन ने लिखा, 'बहुत ही सुंदर।' दूसरे फैन ने ढेर सारी फायर की इमोजी लगाई है।

बता दें कि शिवांगी जोशी आखिरी बार सीरियल बरसातें में नजर आई थीं। ये शो कुछ समय पहले ही बंद हुआ है, लेकिन बीते दिनों ही खबर आई थी कि मेकर्स जल्द ही बरसातें का दूसरा सीजन ला सकते हैं। शिवांगी जोशी का नाम इन दिनों अपने को-एक्टर कुशाल टंडन के साथ जुड़ रहा है। दावा है कि सीरियल बरसातें के दौरान दोनों के बीच नजदीकियां बढ़ीं। अब दोनों गुपचुप तरीके से एक दूसरे को डेट कर रहे हैं। बीते दिनों शिवांगी और कुशाल की एक तस्वीर सामने आई थी, जिसमें दोनों बर्फ की वादियों में काफी करीब दिखे। दावा किया गया कि दोनों बरसातें की शूटिंग के बाद अकेले वेकेशन पर गए थे।

सोना 71,670 रुपए पर आया, चांदी 80,119 रुपए प्रति किलोग्राम बिक रही

नई दिल्ली, 2 मई (एजेंसियां)। सोने की कीमतों में आज यानी 2 मई को मामूली गिरावट देखने को मिली है। इंडिया बुलियन एंड ज्वेलर्स एसोसिएशन के अनुसार 10 ग्राम 24 कैरेट सोना 40 रुपए सस्ता होकर 71,670 रुपए पर आ गया है। वहीं अगर चांदी की बात करें तो इसकी कीमत में हल्की बढ़त देखने को मिली है। आज एक किलो चांदी 69 रुपए महंगी होकर 80,119 रुपए प्रति किलोग्राम में बिक रही है। इससे पहले 1 मई को चांदी 80,050 रुपए प्रति किलोग्राम पर थी।

4 महानगरों और भोपाल में सोने की कीमत

दिल्लीः 10 ग्राम 22 कैरेट सोने की कीमत 66,400 रुपए और 10 ग्राम 24 कैरेट सोने की कीमत 72,420 रुपए है।

मुंबईः 10 ग्राम 22 कैरेट सोने की कीमत 66,250 रुपए और 10 ग्राम 24 कैरेट सोने की कीमत 72,270 रुपए है।

कोलकाताः 10 ग्राम 22 कैरेट गोल्ड की कीमत 66,250 रुपए और 24 कैरेट 10 ग्राम सोने की कीमत 72,270 रुपए है।

चेन्नईः 10 ग्राम 22 कैरेट सोने की कीमत 67,150 रुपए और 10 ग्राम 24 कैरेट सोने की कीमत 73,250 रुपए है।

भोपालः 10 ग्राम 22 कैरेट सोने की कीमत 66,300 रुपए और 10 ग्राम 24 कैरेट सोने की कीमत 72,320 रुपए है।

इस साल सोने-चांदी में दिखी शानदार तेजी

इस साल अब तक सोने के दाम 8,318 रुपए बढ़ चुके हैं। 1 जनवरी को सोना 63,352 रुपए पर था, जो अब 71,670 रुपए प्रति 10 ग्राम पर है। वहीं एक किलो चांदी के दाम 73,395 रुपए से बढ़कर 80,119 रुपए पर पहुंच गए हैं। विघ्नहर्ता गोल्ड के चेयरमैन महेंद्र लुनिया के अनुसार 2030 तक सोने के दाम 1.68 लाख रुपए प्रति 10 ग्राम तक पहुंच सकते हैं। सोने की कीमतों में उछाल के कारणों में भू-राजनीतिक तनाव से लेकर वैश्विक आर्थिक मंदी जैसे फैक्टर्स है।

अडाणी एंटरप्राइजेज का चौथी-तिमाही में मुनाफा 38% घटकर 450 करोड़

कंपनी की आय करीब 1% बढ़ी, प्रति शेयर 1.3 रुपए का लाभांश देगी कंपनी

मुंबई , 2 मई (एजेंसियां)। अडाणी ग्रुप की फ्लैगशिप कंपनी अडाणी एंटरप्राइजेज ने आज यानी गुरुवार (2 मई) को Q4FY24 यानी फाइनेंशियल ईयर 2024 की चौथी तिमाही के नतीजे जारी किए। जनवरी-मार्च तिमाही में कंपनी का कंसॉलिडेटेड नेट प्रॉफिट यानी शुद्ध मुनाफा सालाना आधार (YoY) पर 38% घटकर 450.58 करोड़ रहा।

पिछले साल की समान तिमाही में कंपनी का कंसॉलिडेटेड शुद्ध मुनाफा 722.48 करोड़ रहा था। वहीं पिछली तिमाही (Q3FY24) में यह 1,888.45 करोड़ रहा था। यानी तिमाही आधार (QoQ) पर कंपनी का कंसॉलिडेटेड नेट प्रॉफिट 76.14% घटा है।

कंपनी ने 1.3 रुपए का लाभांश देने का किया ऐलान

रिजल्ट के साथ ही अडाणी एंटरप्राइजेज के बोर्ड ऑफ डायरेक्टर्स ने अपने निवेशकों को प्रति शेयर 1.3 रुपए का डिवेडेंड, यानी लाभांश देने की भी मंजूरी दी है। कंपनियां अपने शेयरधारकों को मुनाफे का कुछ हिस्सा देती हैं, उसे डिविडेंड कहते हैं।

कंपनी का रेवेन्यू 0.81% बढ़कर 29,180 करोड़ रहा

ऑपरेशंस से चौथी तिमाही में कंपनी का कंसॉलिडेटेड रेवेन्यू (आय) सालाना आधार पर 0.81% बढ़कर 29,180.02 करोड़ रुपए रहा। पिछले फाइनेंशियल ईयर की इसी अवधि में ये 28,943.84 करोड़ रुपए रहा था।

पिछली तिमाही (Q3FY24) में कंपनी का कंसॉलिडेटेड रेवेन्यू 25,050.23 करोड़ रहा था। यानी तिमाही आधार (QoQ) पर कंपनी का रेवेन्यू 13.45% घटा है।

पूरे वित्त वर्ष में मुनाफे में 32% की बढ़ोतरी

पूरे वित्त वर्ष में कंपनी के कंसॉलिडेटेड मुनाफे में 32% की बढ़ोतरी दर्ज की गई है। FY24 में कंपनी का कंसॉलिडेटेड मुनाफा 3,240.78 करोड़ रुपए रहा है। पिछले वित्त वर्ष यानी FY23 में अडाणी एंटरप्राइजेज का मुनाफा 2,472.94 करोड़ रुपए रहा था।

अडाणी एंटरप्राइजेज के शेयर ने एक साल में 65% रिटर्न दिया

रिजल्ट आने के बाद कंपनी का शेयर आज 0.84% गिरकर 3,029 रुपए पर बंद हुआ। इसके साथ ही कंपनी का मार्केट कैप भी 3.46 लाख करोड़ रुपए हो गया है।बीते एक महीने में कंपनी का शेयर करीब 6% से ज्यादा घटा है। वहीं पिछले छह महीने में इसका शेयर 35% बढ़ा है। पिछले एक साल में इसने निवेशकों को 65% रिटर्न दिया।

1988 में अडाणी एंटरप्राइजेज की स्थापना हुई थी

अडाणी एंटरप्राइजेज लिमिटेड अडाणी ग्रुप की कंपनियों का एक हिस्सा है। 1988 में गौतम अडाणी ने एंटरप्राजेज की स्थापना की थी। कंपनी के चेयरमैन गौतम अडाणी, मैनेजिंग डायरेक्टर राजेश अडाणी और CEO विनय प्रकाश हैं।

कंपनी एनर्जी और इंफ्रास्ट्रक्चर प्रोजेक्ट्स पर काम करती है। अडाणी एंटरप्राइजेज देश का सबसे बड़ बिजनेस इनक्यूबेटर है। यह कंपनी एनर्जी एंड यूटिलिटी, ट्रांसपोर्टेशन एंड लॉजिस्टिक्स, कंज्यूमर गुड्स और प्राइमरी इंडस्ट्री के क्षेत्र में काम करती है।

यात्री वाहनों की बिक्री 3.38 लाख के पार

मारुति ने बेचीं 1.37 लाख से अधिक गाड़ियां

नई दिल्ली, 2 मई (एजेंसियां)। मारुति के वरिष्ठ कार्यपालक अधिकारी (विपणन एवं बिक्री) पार्थो बनर्जी ने कहा, अभी देश में चुनाव चल रहे हैं और आदर्श आचार संहिता लागू है। चुनाव के दौरान बाजार थोड़ा सुस्त है। एक बार चुनाव खत्म हो जाएं तो मुझे लगता है कि हम एक अलग बाजार देखेंगे। देश में यात्री वाहनों की थोक बिक्री अप्रैल, 2024 में सालाना आधार पर मामूली 1.17 फीसदी बढ़कर 3,38,341 इकाई पहुंच गई। एक साल पहले की समान अवधि में कुल 3,32,468 यात्री वाहन बिके थे। उच्च तुलनात्मक आधार प्रभाव और आम चुनावों के कारण गाड़ियों की मांग लगभग स्थिर रही है। इस दौरान मारुति सुजुकी इंडिया, ह्यूंडई और टाटा मोटर्स की घरेलू थोक बिक्री में मामूली बढ़ोतरी दर्ज की गई है। आंकड़ों के मुताबिक, मारुति सुजुकी ने अप्रैल में 1,37,952 यात्री वाहन बेचे। यह आंकड़ा अप्रैल, 2023 के 1,37,320 इकाई से ज्यादा है। ह्यूंडई मोटर इंडिया के यात्री वाहनों की बिक्री एक फीसदी बढ़कर 50,201 इकाई पहुंच गई। टाटा मोटर्स के यात्री वाहनों की बिक्री 2 फीसदी बढ़कर 47,883 इकाई पहुंच गई।

चुनाव की वजह से सुस्ती

मारुति के वरिष्ठ कार्यपालक अधिकारी (विपणन एवं बिक्री) पार्थो बनर्जी ने कहा, अभी देश में चुनाव चल रहे हैं और आदर्श आचार संहिता लागू है। चुनाव के दौरान बाजार थोड़ा सुस्त है। एक बार चुनाव खत्म हो जाएं तो मुझे लगता है कि हम एक अलग बाजार देखेंगे। ह्यूंडई के सीईओ तरुण गर्ग ने कहा, सामान्य मानसून का अनुमान विशेष रूप से ग्रामीण बिक्री के नजरिये से अच्छा है।

दोपहिया वाहनों की बिक्री में भी बढ़ोतरी

दोपहिया और वाणिज्यिक वाहनों की बिक्री में भी अप्रैल के दौरान बढ़ोतरी देखने को मिली।

टीवीएस मोटर कंपनी की घरेलू बिक्री 29 फीसदी बढ़कर 3,01,449 इकाई पहुंच गई।

रॉयल एनफील्ड की बिक्री 9 फीसदी बढ़कर 75,038 इकाई पहुंच गई। अप्रैल, 2023 में यह आंकड़ा 68,881 इकाई था। वीसी कमर्शियल व्हीकल्स लि. के वाणिज्यिक वाहनों की कुल बिक्री 18.1 फीसदी की गिरावट के साथ 5,377 इकाई रह गई।

विनिर्माण क्षेत्र की वृद्धि में अप्रैल में साढ़े तीन साल में दूसरा सबसे तेज सुधार

नई दिल्ली, 2 मई (एजेंसियां)। भारत के विनिर्माण क्षेत्र की गतिविधि अप्रैल में धीमी रही, लेकिन फिर भी परिचालन स्थितियों में साढ़े तीन साल में दूसरा सबसे तेज सुधार दर्ज किया गया जिसे बढ़ती मांग का समर्थन मिला। मौसमी रूप से समायोजित 'एचएसबीसी इंडिया विनिर्माण क्रय प्रबंधक सूचकांक' (पीएमआई) अप्रैल में घटकर 58.8 हो गया जो मार्च में 59.1 था। पीएमआई के तहत 50 से ऊपर सूचकांक होने का मतलब उत्पादन गतिविधियों में विस्तार है जबकि 50 से नीचे का आंकड़ा गिरावट को दर्शाता है। एचएसबीसी के मुख्य भारत अर्थशास्त्री प्रांजुल भंडारी ने कहा कि मजबूत मांग की स्थिति के कारण उत्पादन में और वृद्धि हुई, हालांकि मार्च की तुलना में यह वृद्धि थोड़ी धीमी रही।

रिपोर्ट में कहा गया कि भारतीय विनिर्माताओं ने अप्रैल में घरेलू और बाहरी ग्राहकों से अपने माल की मजबूत मांग की सूचना दी। कुल नए ठेके में तेजी से वृद्धि हुई है और विस्तार की गति 2021 की शुरुआत के बाद से दूसरी सबसे मजबूत रही। इसके अलावा, अप्रैल में नए निर्यात ठेकों में उल्लेखनीय वृद्धि हुई। यद्यपि कुल बिक्री की तुलना में यह वृद्धि धीमी रही, जिससे पता चलता है कि घरेलू बाजार वृद्धि का मुख्य चालक बना रहा। सामग्री और श्रम लागत में वृद्धि की खबरों के बीच भारतीय विनिर्माताओं ने अप्रैल में अपने विक्रय मूल्यों में वृद्धि की।

भंडारी ने कहा, ''कीमत की बात करें तो कच्चे माल और श्रम की उच्च लागत के कारण कच्चे माल की लागत में मामूली वृद्धि हुई है, लेकिन मुद्रास्फीति ऐतिहासिक औसत से नीचे बनी हुई है।'' उन्होंने कहा कि हालांकि, कंपनियों ने उत्पादन शुल्क बढ़ाकर इस वृद्धि का बोझ उपभोक्ताओं पर डाल दिया, क्योंकि मांग मजबूत बनी रही जिसके परिणामस्वरूप मुनाफे में सुधार हुआ। एचएसबीसी इंडिया ने विनिर्माण पीएमआई को एसएंडपी ग्लोबल ने करीब 400 कंपनियों के एक समूह में क्रय प्रबंधकों को भेजे गए सवालों के जवाबों के आधार पर तैयार किया है।

अधूरे केवाईसी वाले 1.3 करोड़ म्यूचुअल फंड खातों पर रोक; 1 अप्रैल से बंद किए जा रहे ऐसे म्यूचुअल फंड फोलियो

नई दिल्ली, 2 मई (एजेंसियां)। अधूरे केवाईसी के कारण लगभग 1.3 करोड़ म्यूचुअल खातों पर बाजार नियामक सेबी ने रोक लगा दी है। इन खाताधारकों ने केवाईसी के रूप में गैर-आधिकारिक वैध दस्तावेज जमा किए हैं। केवाईसी पंजीकरण संस्थाओं (केआरए) के अनुसार, इस साल एक अप्रैल से ऐसे खातों से निकासी फ्रीज कर दी गई है, जिनमें केवाईसी नहीं हैं या अधूरे हैं। कई ग्राहकों ने केवाईसी के नाम पर बिजली बिल या बैंक खाते जैसे दस्तावेज जमा कराए हैं। हालांकि, इन दस्तावेजों को अब केवाईसी के रूप में नहीं माना जा रहा है। म्यूचुअल फंड में पैन और आधार का लिंक होना जरूरी है।

7.9 करोड़ के पास वैध केवाईसी

11 करोड़ निवेशकों में से लगभग 7.9 करोड़ के पास वैध केवाईसी है। 1.6 करोड़ निवेशकों के केवाईसी पंजीकृत श्रेणी में हैं, जिनकी निवेश तक सीमित पहुंच है। कुल खातों में से 12 फीसदी ग्राहक डीमैट म्यूचुअल फंड खातों का संचालन नहीं कर पा रहे हैं।

संयुक्त म्यूचुअल फंड खातों के लिए नॉमिनी वैकल्पिक

सेबी ने कारोबार सुगमता को बढ़ावा देने के लिए संयुक्त म्यूचुअल फंड खातों के लिए नॉमिनी के नियम को वैकल्पिक बना दिया है। साथ ही, फंड हाउस को अब जिंस और विदेशी निवेश की निगरानी के लिए एक ही फंड मैनेजर रखने की मंजूरी मिल गई है। मौजूदा व्यक्तिगत म्यूचुअल फंड धारकों के लिए नॉमिनी की आखिरी तारीख 30 जून, 2024 है।

एडलवाइस को 29 करोड़ और टाटा मोटर्स को 25 करोड़ का कर नोटिस

नई दिल्ली, 2 मई (एजेंसियां)। एडलवाइस फाइनेंशियल सर्विसेस को 28.78 करोड़ रुपये का आयकर और टाटा मोटर्स को 25 करोड़ रुपये का जीएसटी नोटिस मिला है। टाटा मोटर्स ने एक बयान में कहा, कम भुगतान के कारण उसे जुर्माने और ब्याज के साथ दिल्ली प्राधिकरण से नोटिस मिला है। कंपनी नोटिस के खिलाफ अपील दायर करेगी।

एडलवाइस फाइनेंशियल सर्विसेस ने कहा, उसकी सब्सिडियरी ईकैप इक्विटीज को आयकर विभाग से आकलन वर्ष 2022-23 के लिए नोटिस मिला है। कंपनी नोटिस की समीक्षा कर रही है।

यस बैंक को 6.87 लाख का नोटिस

यस बैंक को मणिपुर और पंजाब जीएसटी विभाग से 6.87 लाख रुपये का नोटिस मिला है। इसमें जुर्माना भी शामिल है। यह नोटिस इनपुट टैक्स क्रेडिट से संबंधित है। बैंक ने बुधवार को कहा, वह इसकी समीक्षा कर रहा है और इसके खिलाफ अपील दायर करेगा।

मनपसंद और तीन अधिकारियों पर 68 लाख जुर्माना

सेबी ने मनपसंद बेवरेजेज और इसके तीन अधिकारियों पर शेयर बाजार में तीन साल तक कारोबार करने पर प्रतिबंध लगा दिया है। साथ ही, कंपनी के वित्तीय आंकड़ों में हेराफेरी करने पर 68 लाख का जुर्माना लगाया है। इस रकम को 45 दिनों में भरना होगा। कंपनी के अलावा तीन लोगों में चेयरमैन धीरेंद्र सिंह, अभिषेक सिंह और परेश ठक्कर हैं। कंपनी के दो पूर्व स्वतंत्र निदेशकों पर भी दो-दो लाख रुपये का दंड लगा है।

गोदरेज इंडस्ट्रीज का शेयर 7% फिसला:सेंसेक्स 128 अंक बढ़कर 74,611 पर बंद, निफ्टी भी 43 अंक चढ़ा

मुंबई, 2 मई (एजेंसियां)। शेयर बाजार में आज यानी 2 मई को बढ़त देखने को मिली है। सेंसेक्स 128 अंक की बढ़त के साथ 74,611 के स्तर पर बंद हुआ। वहीं निफ्टी में भी 43 अंक की तेजी रही। ये 22,648 के स्तर पर बंद हुआ।

सेंसेक्स के 30 शेयरों में से 18 में बढ़त और 12 में गिरावट देखने को मिली है। आज पावर, मेटल और ऑटो शेयर्स में ज्यादा बढ़त देखने को मिली है। वहीं गोदरेज इंडस्ट्रीज के शेयर में 7.14% की गिरावट रही है।

गोदरेज ग्रुप के बंटवारे के बाद कंपनी के 3 शेयर्स में गिरावट

गोदरेज ग्रुप के बंटवारे के बाद आज इसके शेयर्स में गिरावट देखने को मिली है। गोदरेज ग्रुप की 5 लिस्टेड कंपनियां हैं। यानी, बॉम्बे और नेशनल स्टॉक एक्सचेंज पर इसके शेयर हैं। इसमें गोदरेज इंडस्ट्रीज, गोदरेज कंज्यूमर प्रोडक्ट्स लिमिटेड , गोदरेज प्रॉपर्टीज लिमिटेड , गोदरेज एग्रोवेट लिमिटेड और एस्टेक

लाइफसाइंसेज लिमिटेड शामिल है।

गोदरेज इंडस्ट्रीज के शेयर में आज 7.14% और गोदरेज प्रॉपर्टीज के शेयर में 4.10% की गिरावट रही। हालांकि, गोदरेज एग्रोवेट लिमिटेड के शेयर में 3.41% और गोदरेज कंज्यूमर प्रोडक्ट्स लिमिटेड के शेयर में 1.32% की बढ़त रही।

8 मई को ओपन होगा आधार हाउसिंग फाइनेंस का इनीशियल पब्लिक ऑफर

आधार हाउसिंग फाइनेंस का इनीशियल पब्लिक ऑफर अगले हफ्ते 8 मई को बोली के लिए खुलेगा। ब्लैकस्टोन ग्रुप के निवेश वाली इस कंपनी ने इनीशियल पब्लिक ऑफर से करीब 3,000 करोड़ रुपए जुटाने की योजना बनाई है। आधार हाउसिंग के IPO के लिए 10 मई तक बोली लगा सकेंगे। कंपनी ने इस इश्यू का प्राइस बैंड 300-315 तय किया है। रिटेल निवेशक मिनिमम एक लॉट यानी 47 शेयरों के लिए बिडिंग कर सकते हैं। यदि आप इनीशियल पब्लिक ऑफर के अपर प्राइज बैंड 315 के हिसाब से 1 लॉट के लिए अप्लाय करते हैं, तो इसके लिए 14,805 इन्वेस्ट करने होंगे।

मंगलवार को बाजार में रही थी गिरावट

इससे पहले 30 अप्रैल को शेयर बाजार में गिरावट देखने को मिली थी। निफ्टी 38 अंक की गिरावट के साथ 22,604 के स्तर पर बंद हुआ था। हालांकि बंद होने से पहले आज कारोबार के दौरान निफ्टी ने 22,783 का ऑल टाइम हाई बनाया था। वहीं सेंसेक्स में भी 188 अंक की तेजी रही, ये 74,482 के स्तर पर बंद हुआ था। 1 मई को मजदूर दिवस पर शेयर बाजार बंद था।

दैनिक पंचांग

ग्रह गोचर

श्री कालयुक्त संवत्सर-विक्रम संवत-**2081**
शक संवत- **1946** सूर्य -उत्तरायणे - ऋतु -ग्रीष्म
महावीर निर्वाण संवत -**2550**,हिजरी सन् -**1444**
कलियुग अवधि-**432000** सूर्योदय - 05-52 सूर्यास्त. - 18- 33
भोग्य कलि वर्ष-**426875**
कलियुग संवत् -**5125** वर्ष,
कल्पारंभ संवत् -**1972949125**
सृष्टि ग्रहारंभ संवत्-**1955885125**
दिशाशूल .. पश्चिम - दही खाकर घर से निकले
तिथि- दशमी **23-24** तक उपरान्त एकादशी
मास - वैशाख कृष्ण पक्ष, शुक्रवार **03 May**
नक्षत्र - शतभिषा **00-05** तक उप पूर्वभाद्रपद
योग - ब्रह्म **14- 18** तक उप ऐन्द्र
करण- वणिज **12-41** तक उप विष्टि
विशेष:- व्रत -त्योहार - भद्रा काल - **12-41** से

ग्रह स्थिति			लग्नारंभ समय	
सूर्य-	मेष	में	मेष	04-48 बजे
चंद्र-	चंद्र	में	वृष	06-33 बजे
मंगल	मीन	में	मिथुन	08-34 बजे
बुध-	मीन	पें	कर्क	10-46 बजे
गुरु-	मेष	में	सिंह	12-58 बजे
शुक्र-	मेष	में	कन्या	15-04 बजे
शनि-	कुंभ	में	तुला	17-10 बजे
राहु-	मीन	में	वृश्चिक	19-20 बजे
केतु-	कन्या	में	धनु	21- 38 बजे
			मकर	23-40 बजे
			कुंभ	01-30 बजे
			मीन	03-08 बजे

विशेष:- राशिफल ग्रहों के गोचर के आधार पर लिखा गया है।सूक्ष्म फलादेश क लिए जन्म पत्रिका की सूक्ष्म स्थिति जानने के लिए जन्म कुण्डली दिखाना चाहिए ।

राहुकाल 10:37 से 12:13 तक

पं महेशचन्द्र शर्मा मो.9247132654,8309517693

दिन का चौघड़िया		रात का चौघड़िया	
चंचल.	05:53 - 07:26 शुभ	रोग	18:33 - 20:00 अशुभ
लाभ.	07:26 - 09:02 शुभ	काल	20:00 - 21:24 अशुभ
अमृत	09:02 - 10:37 शुभ	लाभ	21:24 - 22:49 शुभ
काल.	10:37 - 12:13 अशुभ	उत्पात	22:49 - 24:13 अशुभ
शुभ.	12:13 - 13:49 शुभ	शुभ	24:13 - 01:37 शुभ
रोग	13:49 - 15:24 अशुभ	अमृत	01:37 - 03:01 शुभ
उत्पात	15:24 - 17:00 अशुभ	चंचल	03:01 - 04:26 शुभ
चंचल	17:00 - 18:33 शुभ	रोग	04:26 - 05:53 अशुभ

आपका राशिफल

मेष चू,चे, चो, ला, ली, लू , ले, लो, अ,

अगर आपने व्यावसायिक साझेदारी को तोड़ने का फैसला कर लिया है , तो आप एक विनम्र और यथार्थवादी तरीके से ऐसा करे । आपको इस शीत युद्ध के अंत के लिए बहुत प्रभावी ढंग से और आसानी से संवाद स्थापित करना होगा और हो सके तो आपको ही पहल करनी होगी ताकि बर्फ कुछ पिघले । आपका ध्यान हर किसी चीज़ पर बहुत अच्छी तरह से केंद्रित है।

वृष ई, उ, ए, जो, वा, वी, वू, वे, वो,

आप ऐसे लोगों को खोजने की कोशिश करें जो आप के लिए कुछ उपयोगी जानकारी की आपूर्ति कर सकते हैं। आप कुछ बड़ा सोच रहे हो और इस जोखिम को लेने के लिए यह सही समय है। महत्वहीन मुद्दों के हल के लिए अपने समय की बचत करें। जितनी चादर हो उतने ही पैर फैलाये अर्थात आमदनी के हिसाब से धन का व्यय करे !

मिथुन का, की, कू, घ, ड, छ, के, को, ह,

आपको अपने काम से प्यार है और आप अच्छा कार्य कर रहे हैं। हालांकि, विपरीत ग्रह आपके कार्यस्थल में अस्थायी गड़बड़ी का कारण बन सकते है। इन क्षणिक भावनाओं के आधार पर किसी भी आवेगी निर्णय लेने से बचे । आप अपने कार्यस्थल पर अपने गुस्से को काबू रखे और विचलित करने वाली स्थितियों को दरकिनार करे अन्यथा आप एक ऐसी नौकरी को त्याग सकते है जिसको आप बेहद प्यार करते है ।

कर्क ही, हू ,हे , हो, डा , डी, डू, डे, डो,

आप अपने कार्यो को करते हुए धैर्य रखते है , पर आज आप में अधिकार की भावना रहेगी । आपको ये एहसास करने की जरूरत है की चीजे अपनी गति से आगे चलेंगी और ज्यादा पाने की चाह आपको पीछे की और धकेल सकती है । आपमें हमेशा धैर्य की भावना रही है और हमेशा से निर्धारित मार्ग की तरफ आप अग्रसर रहे है।

सिंह मा, मी ,मू ,मे, मो, टा, टी ,टू ,टे,

अपना बेहतर प्रयास डाले । आपने दुसरो का समर्थन किया है परन्तु वे अपने बारे में अच्छा नहीं सोचते न जानते और आपके प्रयासों की सराहना करना वे भूल गए । आप ऐसे लोगों के बारे में चिंता न करे और अपने प्रयास जारी रखे ! अपनी कार्य के प्रति अपनी भावनाओ को लगाये न की उन लोगो के लिए जो आपको महत्व नहीं देते ।

कन्या टो, पा, पी, पू ,ष, ण, ठ, पे ,पो,

आज के दिन हालाँकि आप अपनी नौकरी और कार्य क्षेत्र से काफी संतुष्ट है परन्तु क्रोध के कारण आप अपना आपा खो सकते है और किसी सहकर्मी से आप विवाद में फँस सकते है। इन घटनाओ की वहज से कोई लापरवाही भरा निर्णय न ले जो की आपके लिए अच्छा न हो । आपको अपने क्रोध पर नियंत्रण रखना होगा अन्यथा आप इन घटनाओ की वहज से ऐसी नौकरी छोड़ सकते है जिससे आप काफी संतुष्ठ है ।

तुला रा, री, रू ,रे ,रो , ता, ती, तू ,ते,

आज पेशेवर मामलों में, आपको एक प्रभावशाली व्यक्ति से समर्थन मिल सकता है। उस व्यक्ति के साथ काम करते हुए, अपने काम के माध्यम से उसे प्रभावित करने के लिए कोई भी कसर न छोड़े। आप एक पदोन्नति या वेतन वृद्धि को प्राप्त करने के लिए सीढ़ी चढ़ रहे हैं। दूसरों से इसके बारे में बात करने से बचें। बस अपने काम पर ध्यान केंद्रित करे । आपका काम ही आपके बारे में बोलेगा ।

वृश्चिक तो,ना,नी, ने,नू, नो, या, यी ,यू,

आपकी करियर से सम्भंधित योजना बिगड़ रही है। आप एक बात पर अपना दिमाग एकाग्रचित नहीं कर पा रहे है । आप सोच सोच कर समय को बर्बाद कर रहे हैं। आप किसी भी अनुभवी पेशेवर या एक कैरियर सलाहकार से सलाह ले सकते हैं। एक कैरियर सलाहकार के मार्गदर्शन से आप को एक मार्ग मिल सकता है । आज आप अपने करियर के बारे में एक दिशा में सोच सकते है ।

धनु ये, यो,भा, भी, भू धा ,फा, ढा, भे

कुछ दिनों से आपके कार्य क्षेत्र में चीज़े आपके अनुसार नहीं चल रही थी परन्तु अब कुछ सुधार आने की उम्मीद है । आपको ये याद रखना होगा की कार्य क्षेत्र के मित्रो के साथ मैत्रीपूर्ण व्यवहार रखने से आप शांति से काम में सामंजस्य स्थापित कर सकते हैं । अगर आप थोड़ी सी नरमी दिखाए तो कार्य क्षेत्र के मित्रो के साथ आप शांत माहौल का मजा ले सकते है ।

मकर भो, जा, जी, खो, खू, खे, खो, गा, गी

आप अच्छे स्वभाव के व्यक्ति हैं और सामाजिक कार्यों में भी भाग लेते रहे है । आज आपके इन गुणों की बहुत सराहना की जाएगी और उनके लिए पुरस्कार भी दिया जाएगा । आपको अपने आत्मविश्वास को बढ़ावा देने के लिए अदभुत सलाह भी मिल सकती है और आप वो सब पा सकते है जो अपने बलबूते पर पाना इतना आसान नहीं था ।

कुंभ गू, गे ,गो, सा, सी, सू, से, सो, दा,

आज आपका वित्त और धन अस्थिर रह सकते हैं और आप अपने आप को नुकसान की स्थिति में पा सकते हैं , पर आप ज्यादा चिंता न करे , क्योंकि यह एक छोटा नुकसान हो सकता है। सतर्क रहे । आपका परिवार हमेशा आपके साथ है और आपके बचाव में खड़ा है । आप बहुत जल्दी इस घाटे को पूर्ण करने में सक्षम है।

मीन दी, दू,थ, झ, ञ, दे, दो, चा,ची

इस बात के काफी मजबूती से संकेत मिल रहे है की आप को अपनी नौकरी की वजह से विदेश जाना पड़ सकता है । जिन विद्यार्थियों ने वीसा के लिए आवेदन किया हुआ है उनका काम आज पूर्ण होने के आसार बन रहे है । आपका कार्य स्थान का परिवर्तन ऐसी जगह हो सकता है जिससे आप अनजान हो । आपको इस अवसर का लाभ उठाना है ।

पं महेशचन्द्र शर्मा 9247132654, 8309517693

मोदी जी भ्रष्टाचार की सबसे बड़ी स्कीम लाए

प्रियंका गांधी ने चिरमिरी में कहा–अब कोविड सर्टिफिकेट से पीएम की फोटो गायब हो गई

कोरबा, 2 मई (एजेंसियां)। कांग्रेस की राष्ट्रीय महासचिव प्रियंका गांधी ने प्रधानमंत्री मोदी पर जमकर निशाना साधा। उन्होंने कहा कि, मोदी जी खुद को बड़ा ईमानदार बताते हैं, लेकिन इस देश में भ्रष्टाचार की सबसे बड़ी स्कीम लेकर आए। यह स्कीम थी, जो चंदा देगा, उसका नाम गुप्त रहेगा। इसके तहत अपने बड़े-बड़े मित्रों से चंदा लिया। पहले उनके ऊपर छापा मारा, फिर चंदा लेकर जांच बंद कर दी। उन्होंने गुजरात में पुल गिरने की घटना का उदाहरण भी दिया।

प्रियंका गुरुवार को कोरबा लोकसभा के चिरमिरी में जनसभा को संबोधित कर रही थीं। उन्होंने कोविड वैक्सीन 'कोवीशील्ड' को लेकर आई रिपोर्ट का भी जिक्र किया। कहा कि, टीका लगवाकर कुछ लोग मर गए, कुछ बीमार हो गए। पहले सर्टिफिकेट मिलता था, तो उसमें मोदी जी की फोटो होती थी, लेकिन अब लगवाओगे तो नहीं मिलेगी।

प्रियंका के भाषण की खास बातें

मोदी जी की सरकार में गरीबों के साथ अन्याय हुआ, खरबपतियों और उद्योगपतियों के साथ नहीं हुआ। बड़े-बड़े भ्रष्ट नेताओं को अपने पार्टी में डाल रखा है। जो दूसरी पार्टियों के नेता थे। पहले उन पर दबाव डाला, जांच शुरू की। जब उनकी पार्टी में आ गए तो वह दूध के धुले हो गए।

मोदी जी ने देश की संपत्ति को अपने मित्रों को सौंप दिया। भूपेश बघेल जी ने छत्तीसगढ़िया स्वाभिमान की बात की। उन्होंने इसके लिए काम किया, लेकिन कुछ पार्टियों और भाजपा को ये बाद पसंद नहीं आया।

आज जो देश में राजनीति है, वो किसानों, श्रमिकों, गरीबों के विरोधी राजनीति चल रही है।

आपकी कई बातें हैं, आपकी दिक्कतें हैं, लेकिन उनकी बातें नहीं हो रही हैं। आपके मंचों पर बड़ी-बड़ी बातें होती हैं, जी-20 की बातें होती हैं, लेकिन आपके संघर्षों की बातें नहीं होती हैं।

महिलाओं पर अत्याचार हो रहा है, महिलाएं जलाई जा रही हैं, उनका शोषण हो रहा है, जो कर रहा है, सरकार उसे बचाने में लगी है। जो पहले जवाबदेही होती थी, इंदिरा जी, राजीव जी अपने संसदीय क्षेत्र में जाते थे, तो लोग डांट देते थे। कहते थे बैठो चाय पिओ, लेकिन वोट तभी मिलेगा जब सड़क बनेगी। प्रधानमंत्री को भी डांट देते थे, लेकिन अब ऐसा नहीं है। यूपी सरकार पर भी निशाना साधा। प्रियंका का यह दूसरा छत्तीसगढ़ दौरा था।

प्रियंका का यह दूसरा छत्तीसगढ़ दौरा था। इससे पहले दूसरे चरण के प्रचार के लिए उन्होंने राजनांदगांव और कांकेर में चुनाव प्रचार किया था। छत्तीसगढ़ की 11 लोकसभा सीटों में से केवल 2 बस्तर और कोरबा ही कांग्रेस के पास है, बाकी 9 सीटों पर बीजेपी ने जीत हासिल की थी। बीजेपी से इस बार पार्टी की कद्दावर नेत्री सरोज पांडेय को मैदान में है। वहीं कांग्रेस ने फिर से सांसद ज्योत्सना महंत पर ही भरोसा जताया है। ऐसे में यह सीट बहुत महत्वपूर्ण मानी जा रही है।

छत्तीसगढ़ में 2-3 डिग्री बढ़ेगा अधिकतम तापमान

11 जिलों में टेंपरेचर 40 के पार, अगले 48 घंटे में बस्तर संभाग में लू का अलर्ट

रायपुर, 2 मई (एजेंसियां)। छत्तीसगढ़ में अधिकतम तापमान में लगातार बढ़ोतरी हो रही है। मौसम विभाग के मुताबिक, अगले 4 दिन में अधिकतम तापमान 2 से 3 डिग्री बढ़ेगा। बुधवार को प्रदेश में सबसे ज्यादा अधिकतम तापमान 43.9 डिग्री रायगढ़ में दर्ज किया गया। वहीं, सबसे कम न्यूनतम तापमान 19.7 डिग्री नारायणपुर में रिकॉर्ड किया गया है। प्रदेश में अगले 48 घंटों में बस्तर संभाग के सभी जिलों में उष्ण रात्रि होने से सुकमा और बीजापुर में में लू चलेगी। वहीं, प्रदेश के के 11 जिलों का तापमान 40 डिग्री से ऊपर है।

रायपुर में बुधवार को दिन का तापमान 42.2 डिग्री रिकॉर्ड किया गया। मई शुरू होते ही रायपुर में भीषण गर्मी पड़ने लगी है। मौसम भी पूरी तरह शुष्क हो गया है। वहीं, समुद्र से आने वाली नमी कम हो गई है। आज राजधानी में मौसम साफ रहेगा। दिन का अधिकतम तापमान 42 डिग्री और रात का पारा 27 डिग्री के आसपास रहने की संभावना है।

नारायणपुर में मारे गए नक्सलियों पर था 63 लाख रिवॉर्ड

25 लाख इनामी समेत 8-8 लाख के 3 माओवादी शामिल, 4 महीने में 91 ढेर

जगदलपुर, 2 मई (एजेंसियां)। छत्तीसगढ़ के बस्तर में नक्सलियों के टीसीओसी में अब फोर्स माओवादियों पर हावी हो गई है। छत्तीसगढ़-महाराष्ट्र बॉर्डर पर नारायणपुर जिले के टेकामेटा मुठभेड़ में पुलिस ने जिन 10 नक्सलियों पर ढेर किए उन पर कुल 63 लाख का इनाम था। इनमें एक एसजडसीएम, 2 डीवीसीएम, एक एसीएम कैडर का नक्सली था।

इनमें सबसे ज्यादा एसजडसीएम (स्टेट जोनल कमेटी मेंबर) जोगन्ना पर 25 लाख रुपए का इनाम था। साथ ही इस पर कुल 196 मामले भी अलग-अलग थानों में दर्ज थे। इसके अलावा डीवीसीएम मल्लेश और विनय पर 8-8 लाख रुपए का इनाम था। मल्लेश पर कुल 43 मामले दर्ज थे, जबकि विनय पर 8 केस थे। इस मुठभेड़ में एसीएम रैंक की संगीता डोगे भी मारी गई है। ये 5 लाख रुपए की इनामी थी।

मारे गए 8 नक्सलियों की शिनाख्त, 2 के नाम पर संशय

नक्सलियों के पास से एके-47 जैसे हथियार बरामद

मारे गए नक्सलियों के पास से एक एके-47, एक इंसास, एक 303 राइफल, 1 315 राइफल, 12 बोर की एक बंदूक, 4 भरमार बंदूक और भारी मात्रा में विस्फोटक बरामद हुआ है। इसके अलावा विस्फोटक सामग्री, आईईडी, प्रेशर कुकर, कॉर्डेक्स तार, कंप्यूटर, प्रिंटर, जेसीबी मशीन, दैनिक घरेलू सामान, नक्सल साहित्य, सोलर प्लेट, बर्तन समेत अन्य सामान बरामद किया गया है।

साल 2024 पुलिस के लिए सबसे सफल साल माना जा जा रहा है। बस्तर के अंदरूनी इलाकों में सुरक्षा बलों के दर्जनों कैंप भी खुले हैं, तो वहीं एनकाउंटर में फोर्स पिछले 4 महीने में कुल 91 नक्सलियों को ढेर कर चुकी है। इनमें कांकेर में हुई मुठभेड़ में सबसे ज्यादा 29 नक्सली मारे गए हैं, जिन पर 1 करोड़ 78 लाख रुपए का इनाम था।

छत्तीसगढ़-महाराष्ट्र सीमा पर मंगलवार (30 अप्रैल) को पुलिस और नक्सलियों के बीच हुई मुठभेड़ में 10 नक्सली मारे गए हैं। मौके से एके-47, इंसास राइफल समेत भारी मात्रा में सामान भी बरामद किया गया है।

उड़ता हुआ गिरा फैक्ट्री के मोटर का पहिया

कई घर क्षतिग्रस्त, एक युवती घायल, नाराज लोगों ने फैक्ट्री के बाहर किया सड़क जाम

जामताड़ा, 2 मई (एजेंसियां)। झारखंड से सटे पश्चिम बंगाल की सीमा में एक फैक्ट्री के मोटर का पहिया उड़ता हुआ गांव में गिरा है। घटना में एक बच्ची घायल हुए है, कई घर क्षतिग्रस्त हुए है, लोग आसमान से उल्कापिंड गिरने की आशंका से घरों से बाहर निकल कर शोर मचाने लगे। इलाके में अफरातफरी मच गई।

गुरुवार को अचानक आसमान से तेज आवाज के साथ लोहे के पहिये का टुकड़ा गिरने लगा। किसी की छत में छेद हो गया तो कहीं जमीन पर बड़ा गड्ढा हो गया, लोहे के पहिये से एक बच्ची घायल हुई है। घटना से घबराए लोग सड़कों पर निकल आए और उल्कापिंड समझकर चिल्लाने लगे। हालाँकि अंत में लोगों को पता चलता है कि एक स्थानीय फैक्ट्री की मोटर का पहिया घूमते समय टूट गया और फैक्ट्री की छत तोड़ कर तेज गति से बाहर उड़ कर कई टुकड़ो में पाँच स्थानों पर गिरा। यह हादसा आसनसोल से सटे जमुरिया इलाके के इकरा शिल्पतालुक में हुआ है। यहां ग्रेट ईस्टर्न रोलिंग मिल नाम की फैक्ट्री है। फैक्ट्री के आरपीएम मोटर का पहिया खुल जाने से यह हादसा हुआ। इकरा गांव के बाउरी पारा के अमर बाद्यकर के आंगन में लोहे का बड़ा सा टुकड़ा गिरने से उनकी 18 वर्षीय बेटी झूलन गंभीर रूप से घायल हो गई। उसे तुरंत अकालपुर उप स्वास्थ्य केंद्र ले जाया गया। पड़ोसी अनिल बाद्यकर के घर की छत पर लोहे का एक बड़ा टुकड़ा गिर गया, वह लोहा छत से होकर आंगन में गिर गया। इसके परिणामस्वरूप आंगन में एक बड़ा छेद हो जाता है। स्थानीय बेनाली मौजा के जादूडांगा, राजारामडांगा में भी फैक्ट्री के कुछ हिस्से गिरे। बबुई माजी का घर क्षतिग्रस्त हो गया। घटना से नाराज लोगों ने फैक्ट्री के सामने सड़क जाम कर प्रदर्शन किया। पुलिस मौके पर पहुंची।

राधिका खेड़ा ने X पर लिखा-लड़की हूं, लड़ रही हूं

भूपेश बघेल पर भी उठाए सवाल, प्रियंका के लिए कहा-श्रीराम के ननिहाल में स्वागत है

रायपुर, 2 मई (एजेंसियां)। छत्तीसगढ़ कांग्रेस दफ्तर में स्थानीय नेताओं की बदसलूकी से नाराज पार्टी की नेशनल मीडिया कोऑर्डिनेटर राधिका खेड़ा ने आज नया पोस्ट किया है। उन्होंने सोशल मीडिया प्लेफॉर्म X पर पोस्ट करते हुए लिखा- 'दुशील' को लेकर 'कका' का मोह एक लड़की की इज्जत से बढ़कर है लेकिन, लड़की हूं, 'लड़ रही हूं' 'मर्यादा पुरुषोत्तम' प्रभु श्री राम जी के ननिहाल में दीदी का स्वागत है। अब इस मामले को लेकर स्थानीय बीजेपी नेता सोशल मीडिया पर लिख रहे हैं कि 'जो 'दुशील' है वही सुशील है, जो 'कका' है, वह भूपेश बघेल हैं'। क्योंकि प्रदेश में बघेल को लोग कका के नाम से भी जानते हैं।

दरअसल, ये मामला मंगलवार को सामने आया था। राधिका ने X पर एक पोस्ट किया था। जिसमें उन्होंने लिखा था- 'मेरी 40 साल की उम्र में मेरे साथ ऐसा कभी नहीं हुआ। मेरी इतनी बेइज्जती कभी नहीं हुई। मैं जब उससे बात करती हूं, वो मुझ पर चिल्लाता है।' रायपुर स्थित कांग्रेस के राजीव भवन में ये बात पार्टी की नेशनल मीडिया कोऑर्डिनेटर राधिका खेड़ा ने रोते-बिलखते हुए कही।

कांग्रेस पार्टी के सूत्रों ने बताया कि जब राधिका खेड़ा के साथ प्रदेश कांग्रेस के नेताओं ने बदसलूकी की तो, इसका वीडियो भी उन्होंने बना लिया। विवाद रुका नहीं और खेड़ा दफ्तर छोड़कर जाने को मजबूर हुईं।

राधिका खेड़ा वीडियो में यह कहती हुई भी दिख रही हैं कि मैं पार्टी से इस्तीफा दे रही हूं, कांग्रेस पार्टी छोड़ रही हैं। इसके बाद वे रायपुर से दिल्ली लौट गईं। अब चर्चा है कि राधिका कांग्रेस पार्टी से इस्तीफा देकर भारतीय जनता पार्टी जॉइन कर सकती हैं। हालांकि इसे लेकर कांग्रेस या राधिका की ओर से कुछ भी स्पष्ट नहीं किया गया है। विवाद के तूल पकड़ने के बाद कांग्रेस मीडिया सेल के चेयरमैन पवन खेड़ा ने भी रायपुर में प्रेस कॉन्फ्रेंस की। उन्होंने कहा कि राधिका खेड़ा हमारी काबिल सहयोगी हैं। उनके साथ क्या हुआ, इसकी जांच होकर रहेगी। किसने उनके मन को दुखाया है, यह हम आपस में सुलझा लेंगे। प्रदेश कांग्रेस कमेटी के अध्यक्ष दीपक बैज ने कहा कि, ये कोई बड़ा मामला नहीं है। दोनों एक ही डिपार्टमेंट देखते हैं। कुछ बातों को लेकर दोनों में तू-तू, मैं-मैं हो गई। इससे पहले भी दोनों के बीच छोटे-छोटे विवाद होते रहते थे। हम दोनों से बातचीत कर उन्हें समझाएंगे। ऐसी स्थिति नहीं बननी चाहिए। राधिका ने बुधवार दोपहर सोशल मीडिया प्लेटफार्म 'X' के अपने अकाउंट पर लिखा है 'नारी तू अबला नहीं, स्वयं शक्ति पहचान। अपने हक को लड़ स्वयं, तब होगा उत्थान। क्यों नारी लाचार है, लुटती क्यों है लाज। क्या पुरुषत्व विहीन ही, हुई धरा ये आज।' इससे पहले मंगलवार को ही सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म X के अपने अकाउंट पर राधिका ने इस विवाद के फौरन बाद एक पोस्ट शेयर किया। जिसमें उन्होंने लिखा- कौशल्या माता के मायके में बेटी सुरक्षित नहीं है। पुरुषवादी मानसिकता से ग्रसित लोग आज भी बेटियों को पैरों तले कुचलना चाह रहे हैं। इसके बाद उन्होंने लिखा- करूंगी खुलासा।

रायपुर पश्चिम से बीजेपी के विधायक और पूर्व मंत्री राजेश मूणत ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म X पर लिखा- महिला विरोधी कांग्रेस का चेहरा फिर बेनकाब हुआ है। कांग्रेस की राष्ट्रीय प्रवक्ता राधिका खेड़ा छत्तीसगढ़ कांग्रेस दफ्तर के हुए दुर्व्यवहार से आहत हैं, वह रो रही हैं। मानो कह रही हैं 'लड़की हूं, लड़ सकती हूं'।

मूणत ने आगे लिखा- चलो कांग्रेस के भीतर प्रियंका गांधी के नारे को किसी ने तो चरितार्थ किया। डरो मत राधिका बहन, कांग्रेस में व्याप्त घृणा के भाव से डटकर मुकाबला करो।

जिला पंचायत सदस्य कैलाश नायक का भाजपा में प्रवेश

रायगढ़ में भूपेश बघेल संग पूर्व विधायक के भाई ने खाए बोरे-बासी, 1 घंटे बाद छोड़ी कांग्रेस

रायगढ़, 2 मई (एजेंसियां)। रायगढ़ जिले के पूर्व कांग्रेस विधायक प्रकाश नायक के छोटे भाई और जिला पंचायत सदस्य कैलाश नायक ने कांग्रेस की प्राथमिक सदस्यता से इस्तीफा दे दिया है। कैलाश नायक ने कोरबा जिले में रायगढ़ विधायक और वित्तमंत्री ओपी चौधरी के सामने अपने साथियों के साथ भारतीय जनता पार्टी जॉइन कर ली है। इससे पहले बुधवार को शक्राजीत ने भूपेश बघेल के साथ बोरे-बासी खाया और 1 घंटे बाद कांग्रेस से इस्तीफा दे दिया। उन्होंने अपने इस्तीफे में लिखा कि मैं कैलाश डॉ. शक्राजीत नायक जिला पंचायत सदस्य के रूप में सरिया क्षेत्र का बीते 4 सालों से प्रतिनिधित्व कर रहा हूं। मेरे राजनीतिक जीवन में साथ देने और संवारने के लिए कांग्रेस पार्टी, नेतृत्व और बड़े भाई प्रकाश नायक सहित मेरे सभी साथियों का आभार व्यक्त करता हूं। मैं आज कांग्रेस पार्टी के प्राथमिक सदस्यता से इस्तीफा दे रहा हूं। कैलाश नायक के भाजपा प्रवेश पर मंत्री ओपी चौधरी ने बधाई दी है। उन्होंने अपने सोशल मीडिया अकाउंट के माध्यम से इसकी जानकारी दी और कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की नीति-रीति से प्रभावित होकर रायगढ़ के जनप्रतिनिधियों ने भाजपा का दामन थामा है।

कांग्रेस के जिला पंचायत सदस्य कैलाश नायक, रायगढ़ के पूर्व विधायक के प्रतिनिधि हुकुम चंद अग्रवाल सहित कैलाश अग्रवाल ने मोदी के नेतृत्व पर विश्वास जताते हुए भाजपा प्रवेश किया।

भाजपा बोली- एससी-एसटी-ओबीसी का हक छीनना चाहती है कांग्रेस

विधायक धरमलाल ने कांग्रेस के घोषणापत्र को बताया धोखा कहा– जाति–धर्म के आधार पर किया तुष्टिकरण

बिलासपुर, 2 मई (एजेंसियां)। बिलासपुर में विधायक धरमलाल कौशिक और प्रदेश भाजपा के महामंत्री संजय श्रीवास्तव ने कहा कि कांग्रेस के घोषणा पत्र में धर्म-जाति के आधार पर तुष्टिकरण किया गया है। सरकारी ठेकों में अल्पसंख्यकों को प्राथमिकता देने की बात कहकर कांग्रेस ने ये साफ कर दिया है कि वो आदिवासी, अनुसूचित जाति, ओबीसी सहित सामान्य वर्ग के सभी हक छीन लेना चाहती है। धरमलाल कौशिक ने कांग्रेस के मुस्लिम हितैषी होने का आरोप लगाया। उन्होंने कहा कि भाजपा के रहते कोई भी राजनीतिक पार्टी संविधान को न तो बदल सकती है और न ही संशोधित कर सकती है। ये काम कांग्रेस करती रही है, लेकिन अब ऐसा नहीं होगा। भाजपा कार्यालय में मीडिया से बातचीत करते हुए कांग्रेस के आरक्षण वाले मुद्दे और घोषणा पत्र पर पलटवार करते हुए धरमलाल कौशिक और संजय श्रीवास्तव ने कहा कि कांग्रेस अल्पसंख्यक विशेषकर मुसलमानों को आरक्षण देने की योजना बना रही है। उन्होंने कहा कि राहुल गांधी बयान दे रहे हैं कि आर्थिक, सामाजिक, जातिगत जनगणना करेंगे। कांग्रेस का राष्ट्रीय और प्रदेश नेतृत्व ये बताए कि जाति जनगणना पर रोक लगाने का काम पंडित जवाहरलाल नेहरू के समय कांग्रेस की सरकारों ने ही किया है। कांग्रेस को स्पष्ट करना चाहिए कि इंदिरा गांधी और राजीव गांधी के कार्यकाल में भी जातिगत जनगणना नहीं हुई थी। अब राहुल गांधी अगर जाति जनगणना की बात कर रहे हैं, तो कांग्रेस के द्वारा जाति जनगणना पर जो रोक लगाई गई थी, क्या वह गलत थी? उन्होंने कहा कि कांग्रेस के घोषणा पत्र में लिखी कई आपत्तिजनक बातों में एक और आपत्तिजनक बात सामने आ रही है। उसमें लिखा है - 'हम यह सुनिश्चित करेंगे कि अल्पसंख्यकों को शिक्षा, स्वास्थ्य देखभाल, सार्वजनिक रोजगार, सार्वजनिक कार्य अनुबंध, कौशल विकास, खेल और सांस्कृतिक गतिविधियों में बिना किसी भेदभाव के अवसरों का उचित हिस्सा मिले।' उन्होंने सवाल किया कि कांग्रेस ये कैसे सुनिश्चित करेगी कि अल्पसंख्यक मुस्लिमों को 'सार्वजनिक कार्य अनुबंध' में उचित हिस्सा मिले?

क्या तकनीकी और वित्तीय बोली के साथ धार्मिक कोटा भी होगा? क्या मुस्लिमों के पक्ष में योग्य बोलीदाताओं, जो कि अन्य धर्मों से रहेंगे, उनकी अनदेखी की जाएगी? क्या सार्वजनिक अनुबंध हासिल करने के लिए हिंदुओं को अल्पसंख्यकों के अधीन बनना होगा, भले ही वे स्वयं ऐसा करने में सक्षम हों? क्या कांग्रेस यह कहकर 'टेंडर घोटाला' की नींव नहीं रख रही है। विधायक धरमलाल कौशिक ने कहा कि कांग्रेस के नेता चाहे जितने खोखले दावे कर लें कि हमारा मकसद वह नहीं है, पर कांग्रेस का घोषणापत्र और उसके नेता लगातार जिस भाषा में चीख-चीखकर आदिवासियों, दलितों, पिछड़ा वर्ग के बजाय अल्पसंख्यकों के हितों की चिंता जता रहे हैं, जिस प्रकार एससी/एसटी/ओबीसी का हक मारकर अल्पसंख्यकों देने की बात कर रहे हैं, उसे देश और छत्तीसगढ़ की जनता बहुत अच्छी तरह से समझ रही है, क्योंकि प्रधानमंत्री रहते हुए मनमोहन सिंह ने साफ शब्दों में कहा था कि देश के संसाधनों पर पहला हक अल्पसंख्यकों, उनमें भी मुसलमानों का है।

भाजपा प्रत्याशी संजय सेठ ने किया नामांकन

मोरहाबादी में जुटे हजारों समर्थक, उत्तराखंड के सीएम पुष्कर सिंह धामी के साथ रोड शो, कहा – रिकॉर्ड मतों से जिताएं

रांची, 2 मई (एजेंसियां)। रांची लोकसभा सीट से भाजपा के उम्मीदवार संजय सेठ ने नामांकन दाखिल किया। समाहरणालय में उनके साथ उत्तराखंड के सीएम पुष्कर सिंह धामी, अमर बाउरी, आजसू सुप्रीमो सुदेश महतो और जदयू के खीरू महतो मौजूद रहे।

नामांकन दाखिल करने से पहले मोरहाबादी में भव्य सभा का आयोजन किया गया। इस सभा में विभिन्न विधानसभा क्षेत्र से हजारों की संख्या में समर्थक मौजूद रहे।

नामांकन सभा के मंच को उत्तराखंड के सीएम पुष्कर सिंह धामी ने साझा किया। इस दौरान भाजपा के उम्मीदवार संजय सेठ के समर्थन के लिए आजसू सुप्रीमो सुदेश महतो और जदयू के खीरू महतो सहित पार्टी के कई बड़े नेता मौजूद रहे। इस दौरान लोगों से पार्टी के उम्मीदवार के पक्ष में मतदान करने की अपील की।

नामांकन सभा को संबोधित करते हुए पुष्कर सिंह धामी ने कहा कि आप सबको जोहार करता हूं। निर्वतमान और भावी सांसद संजय सेठ के लिए आप यहां मौजूद हैं। मुझे नहीं लग रहा कि यह चुनावी सभा है। ऐसा लग रहा है जैसे महामेला लगा है। आप भावी सांसद के समर्थन के लिए पहुंचे हुए हैं। हजारों लोगों का आना जारी है। आपका जो उत्साह है वो 25 मई तक बरकरार रहना चाहिए। मैं आपकी इस उपस्थिति को अभिनंदन करता हूं। मैं धरती आबा की इस पावन भूमि को नमन करता हूं। आपसे इस लोकसभा के प्रत्याशी संजय सेठ के लिए समर्थन मांगने आया हूं। आपकी इस ऊर्जा को देखकर पिछले दो घंटे की उपस्थिति में मैंने भरोसा कर लिया कि भावी सांसद को पिछले चुनाव में जो वोट मिला उससे अधिक वोट मिलेंगे। उन्होंने कहा कि झारखंड वन संपदा, खनीज संपदा, आदिवासी स्वाभिमान के लिए इसकी प्रसिद्धी रही है। यहां से अंग्रेजों के खिलाफ जिसने आवाज उठाई वह आदिवासी भाई ही थे। आजादी के बाद जिसने 70 साल शासन चलाया उसने आदिवासी पर ध्यान नहीं दिया। लेकिन भाजपा और मोदी जी हैं जो हर वर्ग के लिए सोचते हैं।

उत्तराखंड और झारखंड दोनों एक साथ बने। लेकिन इन दोनों राज्यों के दुर्गम क्षेत्रों में विकास नहीं पहुंचा था। लेकिन भाजपा ने हर उस जगह विकास पहुंचाया जहां संभव नहीं था। उन्होंने कहा कि हमें गर्व है कि आदिवासी समुदाय की द्रौपदी मुर्मू राष्ट्रपति बनीं। ऐसा मोदी जी के समय में ही संभव हो सका। आदिवासी वनवासी के लिए भाजपा-एनडीए ही सोच सकता है। अपने संबोधन में पुष्कर सिंह धामी ने कहा आदिवासी समाज और वंचित समाज को ध्यान में रख कर केंद्र सरकार योजनाएं बन रही हैं। 2014 से पहले ऐसा नहीं था। तब कुछ लोगों को ध्यान में रख कर योजनाएं बनती थी। आज ऐसा नहीं है।

आज देश मजबूत हाथों में है मजबूर हाथों में नहीं। संबोधन के दौरान उन्होंने कहा कि जब मैं आज यहां आया तो पता किया कि संजय सेठ के मुकाबले के लिए कौन है। पता चला कि कांग्रेस काल में हुए कोयला घोटाला में जिनके हाथ काले हुए थे उसी परिवार का उम्मीदवार रांची लोकसभा सीट से भाजपा प्रत्याशी संजय सेठ के सामने खड़ा है।

झुकना आदिवासियों के डीएनए में नहीं

अन्याय के खिलाफ लड़ते रहेंगे, कल्पना सोरेन का भाजपा पर हमला

रांची, 2 मई (एजेंसियां)। झारखंड के पूर्व सीएम हेमंत सोरेन की पत्नी कल्पना सोरेन ने अपने पति की गिरफ्तारी पर भारतीय जनता पार्टी और केंद्रीय एजेंसियों पर निशाना साधा है। उनका कहना है कि उनके पति के गिरफ्तार होने के बाद जेएमएम और उनके परिवार को गहरा आघात लगा है। उन्होंने कहा कि झुकना हम आदिवासियों के डीएनए में नहीं है और हेमंत सोरेने अब और भी ज्यादा मजबूत होकर उभरेंगे। जेएमएम नेता ने कहा कि हमें न्यायपालिका पर पूरा भरोसा है और अब हम हेमंत के जमानत पर बाहर आकर लोकसभा चुनाव के लिए प्रचार करने का इंतजार कर रहे हैं। कल्पना ने कहा कि उनके पति को भाजपा ने षडयंत्र रचकर जाल में फंसाया और विपक्ष को दबाने के लिए अपनी पूरी ताकत झोंक दी है। कल्पना ने ने सवाल पूछा कि जिस तरह से गरीबों, आदिवासियों और दलितों के लिए काम करने वाले विपक्ष के नेताओं को गिरफ्तार करवाया जा रहा है, उससे संविधान की रक्षा कैसे होगी? उन्होंने कहा कि भाजपा का काम सिर्फ झूठ बोलना है और इस बार झारखंड की जनता का केंद्र सरकार के खिलाफ गुस्सा साफ तौर पर देखने को मिल रहा है। उन्होंने दावा किया कि इस बार राज्य के संसाधनों को लूटने वाली भाजपा को जनता द्वारा राज्य से बाहर कर दिया जाएगा। अपने पति की गिरफ्तारी पर कल्पना सोरेन ने कहा कि आखिर किस वजह से प्रवर्तन निदेशालय द्वारा विपक्ष द्वारा शासित राज्यों में कार्रवाई की जा रही है। परिवार में कथित विवाद और सीता सोरेन के पार्टी छोड़ने पर कल्पना ने कहा कि उनके परिवार में पूरी एकता है और जेएमएम से अलग होने का फैसला सीता सोरेन का ही था। 48 वर्षीय जेएमएम नेता ने कहा कि उन्हें राजनीति कभी भी पसंद नहीं रही, लेकिन परिस्थितियों ने उन्हें इसमें धकेल दिया।

ब्राउन शुगर बरामद

36 पुड़िया ब्राउन शुगर के साथ तीन गिरफ्तार, पूर्व में भी जा चुके है जेल

जमशेदपुर (पूर्वी सिंहभूम), 2 मई (एजेंसियां)। लोकसभा चुनाव को लेकर पुलिस द्वारा नशे के खिलाफ चलाए जा रहे हैं अभियान में लगातार सफलता मिल रही है। एक बार फिर पुलिस ने सिदगोड़ा थाना क्षेत्र से 36 पुड़िया ब्राउन शुगर के साथ तीन लोगों को गिरफ्तार किया है। बुधवार को डीएसपी मुख्यालय 1 भोला प्रसाद ने मामले का खुलासा करते हुए बताया कि भुइयांडीह हरिजन बस्ती और ग्वालाबस्ती पार्क के पास छापेमारी के दौरान तीन लोगों को गिरफ्तार किया गया जिसमे अमित कुमार चौधरी, मल्ला रेड्डी अभिषेक और रितेश जायसवाल शामिल थे जबकि उसका साथी सुमित मुखी मौके से फरार हो गया। डीएसपी ने बताया कि गिरफ्तार आरोपियों के पास से ब्राउन शुगर बरामद किया गया जबकि फरार हुए सुमित के घर तलाशी के दौरान नकद बरामद किया गया। वहीं पुलिस ने आरोपियों के पास से 31 हजार रुपए नकद भी बरामद किए है। पुलिस जांच कर रही है कि ब्राउन शुगर किससे और कहां से लेकर आते थे। गिरफ्तार अभियुक्त पूर्व में भी जेल आ चुके हैं फिलहाल पुलिस गिरफ्तार सभी से आवश्यक पूछताछ के बाद न्यायिक हिरासत में भेज दिया है।

अमेरिका में फिलिस्तीन समर्थक छात्र आंदोलन, 1300 गिरफ्तार

पुलिस हेलिकॉप्टर्स से निगरानी कर रही स्टूडेंट्स मास्क-हेलमेट पहनकर धरनों पर डटे

तेल अवीव, 2 मई (एजेंसियां)। अमेरिका में पुलिस की सख्ती के बावजूद फिलिस्तीन के समर्थन में छात्र आंदोलन जारी है। अमेरिकी मीडिया हाउस न्यूयॉर्क टाइम्स के मुताबिक अब तक 30 यूनिवर्सिटीज से 1300 से ज्यादा छात्र गिरफ्तार हो चुके हैं। बुधवार को यूनिवर्सिटी ऑफ कैलिफोर्निया, लॉस एंजिल्स ने आदेश दिया है कि प्रदर्शनकारी छात्र या तो कैंपस छोड़ दें या गिरफ्तारी के लिए तैयार रहें।

हालांकि, छात्र चश्मे, मास्क और हेलमेट पहनकर अपनी जगहों पर डटे हैं। पुलिस की गाड़ियों और बैरिकेडिंग ने यूनिवर्सटी कैंपस को घेरा हुआ है। आसमान में पुलिस के हेलिकॉप्टर गश्त कर रहे हैं। देर रात प्रदर्शनकारियों और पुलिसकर्मियों के बीच हिंसक झड़प भी हुई। इस दौरान कई सौ छात्र गिरफ्तार हुए।

कतर के मीडिया हाउस अलजजीरा के मुताबिक बुधवार देर रात यूसीएलए के कैंपस में फिलिस्तीन समर्थक छात्रों का एक गुट इजराइल समर्थक छात्रों से भिड़ गया। रिपोर्ट्स के मुताबिक इजराइल समर्थक लोहे के रॉड और पेपर स्प्रे लेकर उस इलाके में

आ गए जहां फिलिस्तीन समर्थक छात्र मौजूद थे। उन्होंने फिलिस्तीन समर्थक छात्रों पर हमला किया। एना नाम की एक छात्र ने दावा किया कि पुलिस चुपचाप खड़ी झड़प देखती रही। काफी समय तक कुछ नहीं किया गया। अमेरिका के विदेश मंत्री एंटनी ब्लिंकन ने इजराइल-हमास जंग शुरू होने के बाद 7 बार मिडिल ईस्ट का दौरा किया है। अपने 7वें दौरे के आखिरी दिन बुधवार (1 मई) को ब्लिंकन ने हमास से मांग की है कि वे सीजफायर डील को स्वीकार करें।

तेल अवीव में इजराइली राष्ट्रपति हेर्जोग से मुलाकात के दौरान ब्लिंकन ने कहा, 'हम जल्द से जल्द सीजफायर के लिए प्रतिबद्ध हैं, ताकि सभी इजराइली बंधक घर लौट सकें। हमास इसमें रुकावट पैदा कर रहा है। उन्होंने कहा, 'हमने प्रस्ताव दिया है, इसे स्वीकार करने का समय अभी है।'

प्रस्ताव में क्या है?

अमेरिकी मीडिया हाउस न्यूयॉर्क टाइम्स के मुताबिक इजराइल-हमास जंग रुकवाने को लेकर प्रस्तावित सीजफायर डील में शुरुआत में 33 इजराइली बंधकों को छोड़ने की मांग की है। इसके बदले में इजराइल अपनी जेलों में कैद फिलिस्तीनी कैदियों को रिहा करेगा। साथ ही, इजराइल गाजा में भी अपने हमलों को रोकेगा। हमास के प्रवक्ता ओसामा हमदान ने बुधवार रात लेबनान के टीवी चैनल को दिए इंटरव्यू में इस डील को स्वीकार नहीं करने की बात कही थी। हालांकि, बाद में हमास के प्रेस ऑफिस ने एक बयान जारी कर कहा कि इस डील को लेकर उनका रुख नकारात्मक है, वो फिर भी उस पर बातचीत करने को तैयार हैं। हमास के मुताबिक जंग में अब तक 34 हजार लोगों की मौत हुई है। इसे लेकर अमेरिका की यूनिवर्सिटीज में कई हफ्तों से प्रदर्शन हो रहे हैं। छात्रों की मांग है कि गाजा में छिड़ी लड़ाई में अमेरिका अपने दोस्त इजराइल का साथ न दे। बाइडेन की इजराइल पॉलिसी से अमेरिका में साल के अंत में होने वाले राष्ट्रपति चुनाव पर असर पड़ सकता है। वो यंग वोटर्स खो सकते हैं।

हिंद-प्रशांत में तैनात होगा चीन का काल

ड्रैगन से मुकाबले के लिए अमेरिका तैनात करेगा 300 एफ-35 फाइटर जेट

वाशिंगटन/जापान/बीजिंग, 2 मई (एजेंसियां)। चीन से मुकाबले के लिए अमेरिका ने हिंद-प्रशांत क्षेत्र में बड़ी महत्वाकांक्षी योजना तैयार की है। इसके तहत अगले एक दशक में इस इलाके में 300 से ज्यादा अत्याधुनिक एडवांस एफ-35 लड़ाकू विमानों की तैनाती होने वाली है। इन सभी विमानों को अमेरिका खुद तैनात नहीं करने जा रहा है, बल्कि वह इन्हें इस इलाके में अपने सहयोगियों को सौंपने जा रहा है। इनमें अमेरिका के साथ ही ऑस्ट्रेलिया, जापान, दक्षिण कोरिया और सिंगापुर शामिल हैं। चीन की बढ़ती आक्रामक गतिविधियों को देखते हुए इंडो-पैसिफिक में एफ-35 फाइटर जेट्स की मांग तेजी से बढ़ी है। अमेरिकी विदेश विभाग ने लॉकहीड मार्टिन को 2020 में सिंगापुर क लिए 12 एफ-35बी शॉर्ट टेक ऑफ और वर्टिकल लैंडिंग विमानों की बिक्री की मंजूरी दी थी। अमेरिकी कंपनी लॉकहीड मार्टिन इन विमानों का निर्माण करती है। इनमें से पहले चार विमानों को 2026 तक सौंप दिया जाना है। सिंगापुर अपने वायु सेना के बेड़े में अगली पीढ़ी के विमानों को शामिल कर रहा है, जिसके लिए एफ-35 का अधिग्रहण किया जाना है। सिंगापुर

के पास अभी एफ-16 लड़ाकू विमान हैं, जिन्हें 2030 के दशक के मध्य तक बाहर किए जाने की योजना है।

लॉकहीड की आधिकारिक विज्ञप्ति के अनुसार, 2035 तक 300 से ज्यादा एफ-35 विमान इंडो-पैसिफिक क्षेत्र में होंगे। इन विमानों की सुचारू आपूर्ति के साथ ही कार्यकुशलता, रखरखाव और मरम्मत के लिए भी कंपनी ने योजना बनाई है। कंपनी के तीन फाइलन असेंबली और चेक आउट सुविधाओं में से एक को जापान के नागोया में स्थापित किया गया है। इसके अलावा उत्तरी एशिया क्षेत्रीय रखरखाव, मरम्मत, ओवरहाल और अपग्रेड का केंद्र भी नागोया में ही है, जिसे 2020 में पूरा किया गया। यहां पर जापाना एयर सेल्फ डिफेंस फोर्स और अमेरिकी वायु सेना के विमानों को सुविधा दी जाएगी। कंपनी की विज्ञप्ति में कहा गया है कि हमारे मंच हिंद-प्रशांत क्षेत्र में स्थिरता और सुरक्षा बनाए रखने के लिए संबंध मिशन का समर्थन करना जारी रखते हैं।

यूरेशियन टाइम्स ने लॉकहीड मार्टिन के एफ-35 अंतरराष्ट्रीय व्यापार के निदेशक स्टीव ओवर के हवाले से बताया है कि आज की दुनिया में कोई भी अकेले जंग में नहीं जा रहा है, इसलिए यह गठबंधन क्षमता के निर्माण के बारे में है। एफ-35 की खूबी यह है कि यह लड़ाकू विमान केवल संयुक्त राज्य अमेरिका नहीं, बल्कि इंडो-पैसिफिक के देशों जैसे जापान, ऑस्ट्रेलिया और दक्षिण कोरिया के साथ ही यूरोपीय देशों के पास भी है। अपनी इस खूबी के चलते एफ-35 को भविष्य में होने वाले संघर्ष में महत्वपूर्ण बढ़त हासिल होने वाली है। यह निश्चित रूप से भविष्य की दुनिया है, जहां कई देशों से बनी गठबंधन सेना में टारगेट का डेटा हासिल करने के लिए पॉयलट को किसी भी एफ-35 नेटवर्क में प्लग किया जा सकता है। ऐसा होने के लिए अमेरिकी जहाज या किसी देश विशेष का जहाज होना जरूरी नहीं है। संचालन की यह खूबी सभी ग्राहकों के लिए एफ-35 की पहचान बन रही है। यही वजह है कि एफ-35 इंडो-पैसिफिक में मित्र देशों की साझेदारी को मजबूत करता है। इन सबसे अलग चीन भी एक प्रमुख वजह है, जिसके चलते अमेरिका के ऊपर हिंद-प्रशांत क्षेत्र में अपने हवाई ताकत को बढ़ाने का दबाव है। ये भी ध्यान देना जरूरी है कि चीन ने हाल के वर्षों में कई अत्याधुनिक विमानों को अपनी वायु सेना में शामिल किया है। अटकलें लगाई जा रही हैं कि चीन के पास जल्द ही दुनिया की सबसे बड़ी वायु सेना हो सकती है। एक्सपर्ट के अनुसार, चीन हर साल लगभग 100 जे-20 फाइटर जेट बना रहा है, जबकि लॉकहीड मार्टिन प्रतिवर्ष 135 एफ-35 का उत्पादन कर रहा है।

अमेरिकी पुलिस का दावा- गोल्डी बराड़ जिंदा है

वॉशिंगटन, 2 मई (एजेंसियां)। पंजाबी सिंगर सिद्धू मूसेवाला हत्याकांड के मुख्य आरोपी गैंगस्टर सतिवंदर सिंह उर्फ गोल्डी बराड़ की मौत के दावे को अमेरिका की पुलिस ने झूठ बताया है। कैलिफोर्निया की पुलिस के मुताबिक बुधवार को वहां के फ्रेसनो इलाके में गोलीबारी की घटना जरूर हुई थी। इसमें दो लोग घायल भी हुए थे, जिनमें से एक ने अस्पताल में दम तोड़ दिया। हालांकि, ये शख्स गोल्डी बराड़ नहीं था। मरने वाले शख्स की पहचान 37 साल के जेवियर गलाडनी के तौर पर हुई है, जबकि कल दिन भर चली खबरों में दावा किया जा रहा था कि अमेरिका में गोलियां मारकर गोल्डी बराड़ की हत्या कर दी गई है। फ्रेसनो पुलिस डिपार्टमेंट के लेफ्टिनेंट विलियम जे. डूली ने कहा, 'हमारे पास दुनिया भर से गोल्डी बराड़ को लेकर इंक्वायरी आ रही है।

पूर्व पीएम इमरान की पत्नी की याचिका पर फैसला सुरक्षित

घर से अदियाला जेल में मांगा था स्थानांतरण

इस्लामाबाद, 2 मई (एजेंसियां)। पाकिस्तान की एक शीर्ष अदालत ने पूर्व प्रधानमंत्री इमरान खान की पत्नी बुशरा बीबी की स्थानांतरण वाली याचिका पर दोनों पक्षों की दलीलें सुनने के बाद गुरुवार को अपना फैसला सुरक्षित रख लिया है। बुशरा ने खुद को अदियाला जेल में स्थानांतरित करने की याचिका लगाई थी, जहां पर उनके पति और पूर्व प्रधानमंत्री खान बंद हैं।

बता दें कि पाकिस्तान तहरीक-ए-इंसाफ (पीटीआई) के 71 वर्षीय संस्थापक इमरान खान कई मामलों में दोषी ठहराए जाने के बाद रावलपिंडी की अदियाला जेल में बंद हैं। जबकि, उनकी 49 वर्षीय पत्नी बुशरा बीबी इस्लामाबाद में खान के घर बानी गाला में कैद हैं। फरवरी में, 'गैर-इस्लामिक निकाह' मामले में जोड़े को सजा सुनाए जाने के बाद बानी गाला को उप-जेल में तब्दील कर दिया गया था।

मीडिया रिपोर्ट के अनुसार, बुशरा के वकील उस्मान गुल ने अदालत में कहा कि आवास को उप-जेल घोषित करने की प्रक्रिया कुछ ही घंटों में पूरी हो गई। अदियाला जेल अधीक्षक ने सूचित किया था कि वे बुशरा बीबी को नहीं रख सकते, क्योंकि जेल में पहले से ही भीड़भाड़ थी। उन्होंने कहा कि यह पहले ही तय हो चुका था कि बुशरा को बानी गाला में स्थानांतरित किया जाना है।

मीडिया रिपोर्ट के अनुसार, न्यायमूर्ति ने घर को उप-जेल घोषित करने पर कई सवाल उठाए। न्यायमूर्ति ने राज्य के वकील से पूछा, क्या आपको नहीं लगता कि यह पहले से ही तय था कि बुशरा बीबी को (घर) स्थानांतरित किया जाना है? बुशरा को घर भेजने के बाद कितनी महिलाओं को अदियाला जेल लाया गया है। सवाल किया कि बुशरा के बाद जेल में लाई गईं 141 महिलाओं के पास क्या कम अधिकार थे। आप अन्य महिलाओं को भी घर क्यों नहीं भेजते। जिस पर सरकार के वकील ने जवाब दिया कि बुशरा को जेल में खतरे के कारण बानी गाला में स्थानांतरित कर दिया गया था।

जिसके बाद न्यायमूर्ति ने सवाल किया कि किसी कैदी की संपत्ति को उसकी सहमति के बिना उप-जेल में कैसे तब्दील किया जा सकता है। साथ ही कहा कि अगर बुशरा को स्वेच्छा से अपने घर तक ही सीमित रखा जाए तो उन्हें बहुत खुशी होगी।

6 फरवरी को शीर्ष अदालत में बुशरा ने दी चुनौती

बता दें कि बुशरा बीबी ने 14 साल की सजा काटने के लिए उन्हें बानी गाला में कैद करने के अधिकारियों के फैसले को 6 फरवरी को शीर्ष अदालत में चुनौती दी थी। याचिका में खान की पत्नी ने कहा कि पार्टी के अन्य राजनीतिक कार्यकर्ताओं की तरह ही वह भी अदियाला जेल में अपनी सजा काटने के लिए तैयार हैं। संभावित सुरक्षा मुद्दों के कारण उन्हें बानी गाला स्थित उप-जेल परिसर में अकेले कैद रखा गया है, जिससे वह असुरक्षित महसूस करती हैं।

ऑस्ट्रेलिया ने भारतीय जासूसों को देश से निकाला

रक्षा विभाग की जानकारी चुराने की कोशिश में थे साजिश के पीछे आरएडब्ल्यू अधिकारियों का हाथ

कैनबरा, 2 मई (एजेंसियां)। ऑस्ट्रेलिया ने 2 भारतीय जासूसों को देश से निकाला था। ऑस्ट्रेलियन मीडिया 'द ऑस्ट्रेलियन' और 'द सिडनी मॉर्निंग हेराल्ड' ने अपनी रिपोर्ट्स में इस बात का दावा किया है। रिपोर्ट्स में कहा गया है कि साल 2020 में भारतीय जासूसों ने ऑस्ट्रेलिया के डिफेंस प्रोजेक्ट्स और एयरपोर्ट के सुरक्षा व्यवस्था से जुड़ी खुफिया जानकारी चुराने की कोशिश की थी। इस साजिश के पीछे भारत की खुफिया एजेंसी रिसर्च एंड एनालिसिस विंग (आरएडब्ल्यू) के अधिकारियों का हाथ था। मामले का खुलासा होने के बाद भारतीय जासूसों को गिरफ्तार कर देश से निकाल दिया गया था। हालांकि इस बात की जानकारी अब सामने आई है। ऑस्ट्रेलियाई सरकार में सीनियर मंत्री जिम चार्लमर्स ने कहा है कि हम इस मामले में नहीं पड़ना चाहते हैं। हमारी भारत के साथ

अच्छी दोस्ती है। पिछले कुछ सालों में दोनों देशों के कोशिशों से हमारे रिश्ते बेहतर हुए हैं। मीडिया रिपोर्ट्स पर भारत की तरफ से कोई प्रतिक्रिया नहीं आई है। एबीसी न्यूज ने ऑस्ट्रेलियाई सुरक्षा एजेंसियों और हाई-लेवल अधिकारियों के हवाले से रिपोर्ट को तैयार किया है। इस रिपोर्ट में कहा गया है कि 2020 में जासूसों के ग्रुप ने ऑस्ट्रेलिया के एयरपोर्ट और डिफेंस प्रोजेक्ट्स से जुड़ी खुफिया जानकारी चोरी करने की कोशिश की थी। इसमें व्यापारिक संबंधों से जुड़े खुफिया दस्तावेज भी थे, लेकिन चोरी से पहले उन्हें पकड़ लिया गया। रिपोर्ट में बताया गया है कि 2021 की एनुअल थ्रेट रिपोर्ट में ऑस्ट्रेलियन सिक्योरिटी इंटेलिजेंस आर्गनाइजेशन के डायरेक्टर जनरल माइक बर्गेस ने भी इस बात की संकेत दिए थे।

चीन में बारिश से हाईवे ढहा, 34 की मौत

18 मीटर सड़क ढही, 30 से ज्यादा घायल 500 सुरक्षाकर्मी रेस्क्यू ऑपरेशन में जुटे

बीजिंग, 2 मई (एजेंसियां)। साउथ चीन के गुआंग्डोंग प्रांत में बुधवार (1 मई) को तेज बारिश के कारण नेशनल हाईवे एस12 का एक हिस्सा ढह गया। इस हादसे में 34 लोगों की मौत हो गई और 30 से ज्यादा लोग घायल हैं। हादसा मीझोउ पहाड़ी के पास रात दो बजे हुआ, जिसमें सड़क का एक लेन 18 मीटर तक नीचे ढह गया। साउथ चाइना मॉर्निंग पोस्ट के मुताबिक हाईवे ढहने से 20 गाड़ियां नीचे गिर गईं, इनमें 54 से ज्यादा लोग सवार थे। घटना की जानकारी मिलने पर 500 राहत कर्मियों ने बचाव कार्य संभाला। चीन सरकार ने मामले में जांच के आदेश दिए हैं। हादसे के बाद हाईवे को बंद कर दिया गया। ये हाईवे गुआंग्डोंग को फुजियान प्रांत से जोड़ता है। चीन में मजदूर दिवस पर चार दिन की छुट्टी होने और साथ ही देश के ज्यादातर

हाईवे टोल फ्री हैं। इस कारण ज्यादा गाड़ियां हादसे की चपेट में आ गई। चीन की सरकारी न्यूज एजेंसी शिन्हुआ के मुताबिक गुआंग्डोंग में 27 अप्रैल को दोपहर में तूफान आया था।

इस दौरान यहां 20.6 मीटर प्रति सेकेंड की रफ्तार की अधिकतम हवा दर्ज की गई थी। इसके बाद तेज बारिश हुई थी। ऐसा माना जा रहा कि इसी करण हाईवे ढह गया। इस तूफान के कारण 5 लोगों की मौत हो गई थी और 33 से ज्यादा लोग घायल हो गए थे।

नॉर्थ कोरिया के तानाशाह चलाते हैं 'प्लेजर स्क्वॉड'

स्कूलों से चुनी जाती हैं 25 कुंवारी लड़कियां, इनका काम- किम जोंग और उनके साथियों को खुश रखना

प्योंगयांग, 2 मई (एजेंसियां)। नॉर्थ कोरिया के तानाशाह किम जोंग अपना मन बहलाने के लिए प्लेजर स्क्वॉड नाम का ग्रुप चलाते हैं। इस ग्रुप का काम तानाशाह किम जोंग उन और उसके सहयोगियों का एंटरटेनमेंट करना होता है। हाल ही नॉर्थ कोरिया से भागी महिला योनमी पार्क ने ब्रिटिश मीडिया डेली स्टार को दिए इंटरव्यू में इस स्क्वॉड का खुलासा किया है। योनमी ने बताया है कि तानाशाह किम जोंग के प्लेजर स्क्वॉड के लिए हर साल 25 कुंवारी लड़कियों का चयन होता है। इन महिलाओं को लुक्स और सरकार के प्रति निष्ठा के आधार पर चुना जाता है। पार्क ने बताया कि उन्हें भी दो बार इस स्क्वॉड के लिए चुना गया था, लेकिन फैमिली स्टेटस के कारण वे इस ग्रुप में शामिल नहीं हो पाई। किम की इस स्क्वॉड को चुनने के लिए सरकारी अधिकारी देशभर की स्कूलों के क्लासरूम और याड्र्स में घूमते हैं। वे ऐसा

इसलिए करते है ताकि उनसे कोई सुंदर लड़की छूट न जाएं। एक बार जब उन्हें महिलाएं मिल जाती है तो वे लड़की के फैमिली बैकग्राउंड चेक करते हैं। वे ऐसी लड़कियों को इस स्क्वॉड में शामिल नहीं करते हैं, जिनके परिवार का कोई नॉर्थ कोरिया से भाग गया हो, या जिसके साउथ कोरिया में रिश्तेदार हैं। योनमी ने बताया कि पहले स्टेज में लड़कियों को चुनने के बाद उनका मेडिकल चेकअप किया जाता है। अगर लड़कियों के शरीर पर दब्बे, तिल जैसी खामियां होती हैं तो उन्हें रिजेक्ट कर दिया जाता है। इतनी चेकिंग के बाद सिर्फ कुछ चुनिंदा लड़कियां बचती हैं, जिन्हें राजधानी प्योंगयांग भेजा जाता है। एक बार अगर इस स्क्वॉड के लिए किसी लड़की को चुन लिया जाता है, तो उनका मकसद सिर्फ तानाशाह और उनके अधिकारियों को खुश करना होता है। रिपोर्ट के मुताबिक दिवंगत पूर्व कोरियाई तानाशाह किम जोंग इल का मानना था कि कुंवारी लड़कियों के साथ संबंध बनाने से व्यक्ति ज्यादा सालों तक जीता है। 2011 में 70 वर्ष की उम्र में किम जोंग इल की हार्ट अटैक से मौत हो गई। इस स्क्वॉड को भी बनाने का आइडिया किम जोंग इल का था। उन्होंने इस स्क्वॉड को 1970 में शुरू किया था। किम जोंग इल का मानना था कि अगर वे कुछ सुंदर लड़कियों को उनके पिता के साथ रखेंगे तो उन्हें बहुत अच्छा लगेगा। इसलिए उन्होंने नॉर्थ कोरिया की कई लड़कियों को चुना और किम सुंग के रिसॉर्ट में रखा। किम सुंग अपने बेटे से इतने खुश हुए कि उन्होंने उसे अपना उत्तराधिकारी घोषित कर दिया।

प्रवासियों की बात करते-करते चीन से भारत-जापान की तुलना करने लगे राष्ट्रपति बाइडन

दे दिया अटपटा बयान

वॉशिंगटन, 2 मई (एजेंसियां)। अमेरिका के राष्ट्रपति जो बाइडन अपने बयानों के कारण अक्सर काफी सुर्खियों में रहते हैं। अब एक बार फिर उन्होंने कुछ ऐसा बोल दिया, जिससे विवाद बढ़ सकता है। दरअसल, प्रवासियों का जिक्र करते हुए बाइडन ने भारत-जापान की तुलना चीन से कर दी। उन्होंने कहा कि चीन, भारत और जापान में जेनोफोबिया यानी प्रवासियों के प्रति डर है, इसलिए इन देशों का आर्थिक विकास नहीं हो पा रहा है। साथ ही उन्होंने तर्क दिया कि प्रवासन संयुक्त राज्य अमेरिका की अर्थव्यवस्था के लिए अच्छा है। गौरतलब है, अमेरिका में इस साल राष्ट्रपति पद के लिए चुनाव होने हैं। ऐसे में राष्ट्रपति बाइडन और पूर्व राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के बीच कड़ा मुकाबला है। दोनों नेता एक दूसरे से आगे निकलने के लिए एक दूसरे पर वार-पलटवार करते रहते हैं। इस बीच, राष्ट्रपति चुनाव के लिए फंड जुटाने वाले एक कार्यक्रम में बाइडन ने कहा, 'हमारी अर्थव्यवस्था क्यों बढ़ रही है इसका एक कारण आप और कई अन्य लोग हैं।' उन्होंने कहा कि हम इसलिए आगे बढ़ रहे हैं क्योंकि हम प्रवासियों का स्वागत करते हैं। अमेरिकी राष्ट्रपति ने कहा, 'चीन आर्थिक रूप से इतनी बुरी तरह क्यों पिछड़ रहा है। जापान को क्यों समस्या हो रही है, रूस और भारत को क्यों हैं, क्योंकि वे जेनोफोबिक हैं। वे प्रवासियों को नहीं चाहते हैं। अप्रवासी ही हमें मजबूत बनाते हैं।' बाइडन का बयान अंतर्राष्ट्रीय मुद्रा कोष (आईएमएफ) के पिछले महीने के पूर्वानुमान को लेकर आया है। दरअसल, आईएमएफ का कहना था कि प्रत्येक देश साल 2023 की तुलना में 2024 में अपनी वृद्धि में गिरावट देखेगा।

संयुक्त राष्ट्र सदस्यता देने की फिलीस्तीन की मांग का भारत ने किया समर्थन

अमेरिका ने किया था विरोध

वॉशिंगटन, 2 मई (एजेंसियां)। संयुक्त राष्ट्र में भारत की स्थायी प्रतिनिधि रुचिरा कंबोज ने एक बार फिर इजरायल-फिलीस्तीन विवाद पर भारत का रुख साफ किया और कहा कि 'दो राष्ट्र सिद्धांत ही दोनों देशों के बीच विवाद का समाधान कर सकता है। रुचिरा कंबोज ने कहा कि भारत, दो राष्ट्र सिद्धांत का समर्थन करने के लिए प्रतिबद्ध है। तभी फिलीस्तीन के लोग सुरक्षित सीमाओं के साथ आजादी से रह सकेंगे। साथ ही इजरायल की सुरक्षा चिंताओं का भी समाधान हो सकेगा।' भारत ने संयुक्त राष्ट्र की सदस्यता के लिए फिलीस्तीन की मांग का समर्थन किया है। बता दें कि पिछले महीने अमेरिका ने फिलीस्तीन की इस मांग का विरोध किया था। रुचिरा कंबोज ने कहा कि 'हमें उम्मीद है कि संयुक्त राष्ट्र में फिलीस्तीन की सदस्यता पर उचित समय पर पुनर्विचार किया जाएगा और संयुक्त राष्ट्र का सदस्य बनने के फिलीस्तीन के प्रयास को समर्थन मिलेगा।' गौरतलब है कि साल 1974 में फिलीस्तीन मुक्ति संगठन को फिलीस्तीन के लोगों के एकमात्र और वैध प्रतिनिधि के रूप में मान्यता देने वाला भारत पहला गैर अरब देश था। साल 1988 में भारत ने फिलीस्तीन को अलग देश की मान्यता दी थी। बुधवार को संयुक्त राष्ट्र महासभा की बैठक को संबोधित करते हुए रुचिरा कंबोज ने कहा कि 'भारत के नेतृत्व ने बार-बार इस बात पर जोर दिया है कि इजरायल और फिलीस्तीन के बीच सीधी और सार्थक बातचीत होनी चाहिए और दोनों देशों में दो राष्ट्र के सिद्धांत से ही शांति आ सकती है।' भारत ने इस दिशा में दोनों देशों से सीधी शांति वार्ता फिर से शुरू करने की अपील की।

इजरायल हमास के बीच जारी युद्ध पर भारत ने कहा कि इस संघर्ष के कारण बड़े पैमाने पर नागरिकों, खासकर महिलाओं और बच्चों की जान गई है और गंभीर मानवीय संकट पैदा हो गया है, जो बिल्कुल अस्वीकार्य है। कंबोज ने इजरायल पर 7 अक्तूबर को हुए हमले की भी कड़ी निंदा की और कहा कि वह आतंकी हमला चौंकाने वाला था और इसकी कड़ी निंदा होनी चाहिए। भारत का रुख आतंकवाद के सभी रूपों के साथ समझौता न करने वाला रहा है।

क्या कोविड-19 महामारी और बच्चों में मोटापे से सीधा संबंध?

डब्ल्यूएचओ की रिपोर्ट में सामने आए चौंकाने वाले तथ्य

वाशिंगटन, 2 मई (एजेंसियां)। यूरोपीय क्षेत्र में विश्व स्वास्थ्य संगठन (डब्ल्यूएचओ) कार्यालय ने अपनी एक नई रिपोर्ट में कोविड-19 महामारी और 7 से 9 वर्ष की आयु के बच्चों में मोटापे की बढ़ती दर के बीच संबंध की पुष्टि की है।

यूएन विशेषज्ञों के अनुसार, बच्चों ने फोन, लैपटॉप या अन्य उपकरणों की स्क्रीन पर कहीं अधिक समय बिताया, उनके शारीरिक रूप से सक्रिय होने में कमी आई और वजन जरूरत से ज़्यादा बढ़ने के मामलों में उछाल आया। यूएन स्वास्थ्य एजेंसी के इस सर्वेक्षण के लिए यूरोपीय क्षेत्र में स्थित 53 सदस्यों में से 17 देशों में 2021 से 2023 के दौरान राय जानने का प्रयास किया गया। 50 हज़ार से अधिक बच्चों ने इस सर्वेक्षण में हिस्सा लिया।

डब्ल्यूएचओ के अध्ययन के अनुसार वैश्विक महामारी के दौरान निम्न रुझान देखे गए हैं:

36 प्रतिशत बच्चों के लिए टेलिविजन देखने, ऑनलाइन गेम खेलने या सप्ताह के दौरान सोशल मीडिया का इस्तेमाल करने के समय में वृद्धि हुई। 34 प्रतिशत बच्चों ने सप्ताहांत में मनोरंजन के लिए अपना स्क्रीन टाइम बढ़ाया। 28 प्रतिशत बच्चों द्वारा घर से बाहर जाकर बिताए गए समय में गिरावट आई, और 23 फ़ीसदी बच्चों के लिए सप्ताहांत में इसमें कमी देखी गई। परिवारों ने बताया कि घर में तैयार भोजन को खाने, परिवार के रूप में एक साथ बैठकर खाने और बच्चों के साथ खाना पकाने में भी स्थिति बेहतर हुई है। 42 प्रतिशत बच्चों ने बताया कि वे पहले से कम खुश हैं और उनके कल्याण पर असर हुआ है। हर पांच में से एक बच्चा अक्सर दुखी रहने का अनुभव महसूस करता है। हर चार में से एक बच्चा स्वयं को अकेला समझ रहा है।

डब्ल्यूएचओ यूरोपीय कार्यालय में पोषण, शारीरिक सक्रियता व मोटापे पर क्षेत्रीय सलाहकार डॉक्टर क्रेमलिन विक्रमासिंघे ने बताया कि कुछ देशों में सकारात्मक बदलाव आए हैं, जैसे कि परिवार एक साथ मिलकर खाना खा रहा है। मगर, ऐसे भी देश हैं जहां हालात चिंताजनक है।

अशोक गहलोत बोले, पीएम मोदी ने किए ऐसा काम

जिसके बाद कांग्रेस का घोषणा पत्र हो गया पॉपुलर

जयपुर, 2 मई (एजेंसियां)। कांग्रेस के दिग्गज नेता अशोक गहलोत ने कहा कांग्रेस का घोषणा पत्र आजकल धड़ाधड़ डाउनलोड होने लगा है।

देश में लोकसभा चुनाव 2024 के लिए प्रचार जारी है। राजस्थान में तो 25 लोकसभा सीट के लिए वोटिंग हो गई है। पर बाकी देश में अभी लोकसभा चुनाव की वोटिंग के 5 चरण बाकी है। राजस्थान कांग्रेस के नेता दूसरे राज्य में जाकर चुनाव प्रचार कर रहे हैं। आज गुरुवार को मीडिया से बातचीत में राजस्थान के पूर्व मुख्यमंत्री अशोक गहलोत ने कहा, जनता सच्चाई के साथ होती है। कांग्रेस के जो मुद्दे हैं वे जनता के मुद्दे हैं। महंगाई, बेरोजगारी, गरीब-अमीर के बीच की खाई का मुद्दा कांग्रेस का भी है और जनता का भी है। जब प्रधानमंत्री से कांग्रेस के घोषणा पत्र की आलोचना होने लगी तो ज्यादा से ज्यादा लोग घोषणा पत्र को

डाउनलोड करने लगे। उससे घोषणा पत्र और लोकप्रिय हो गया।

क्रेडिबिलिटी डाउन हो गई है

जयपुर में मीडिया से वार्ता करते हुए अशोक गहलोत ने कहा भाजपा और पीएम मोदी पर निशाना साधा। इनकी क्रेडिबिलिटी इतनी डाउन हो गई है कि जनता को लगता है कि 400 पार की बात इसलिए कर रहे हैं कि उनको संविधान बदलना है। अंबेडकर के संविधान को बदलने की जरूरत नहीं है।

खुद के नहीं कांग्रेस के मैनिफेस्टो पर बोल रहे हैं पीएम मोदी

पीएम मोदी को आड़े हाथों लेते हुए अशोक गहलोत ने कहा, पीएम मोदी से उम्मीद नहीं कर सकते कि वो ऐसे बयान देशवासियों को देंगे।

इसका कोई तुक नहीं है। कांग्रेस मैनिफेस्टो का क्या संबंध है मुस्लिम लीग से? उसमें जो गारंटी दी गई है उस पर बहस शुरू कर दी। पहली बार देख रहा हूं कि पीएम मोदी खुद के मैनिफेस्टो की जगह कांग्रेस के मैनिफेस्टो पर बोल रहे हैं।

राजस्थान में डबल डिजिट में सीटें जीतेगी कांग्रेस

अशोक गहलोत ने कहा कांग्रेस राजस्थान में डबल डिजिट में जीत सकती है। राजस्थान में 22 जगह मैं खुद गया हूं। कांग्रेस राजस्थान में डबल डिजिट में सीटें जीतेगी।

जनता क्या फैसला लेगी पता ही नहीं चलेगा

अशोक गहलोत ने कहा जनता का कॉमनसेंस शानदार है। जनता ऐसा झटका देती है, मालूम नहीं पड़ता है। हमें तो अनुभव है। इंदिरा गांधी चुनाव हार गई थीं, जिसने पाकिस्तान के दो टुकड़े किए थे। इंडिया शाइनिंग के नारे के बावजूद वाजपेयी चुनाव हार गए थे।

जोधपुर कांग्रेस प्रत्याशी करण सिंह के खिलाफ केस दर्ज, थाने के बाहर दिया था धरना

जोधपुर, 2 मई (एजेंसियां)। थानाधिकारी रामेश्वर दयाल ने बताया कि करण सिंह उचियारड़ा समेत 16 लोगों ने जिला मजिस्ट्रेट के आदेश की पालना नहीं की। इसके साथ ही स्वीकृति के बिना सार्वजनिक स्थल पर धरना दे दिया था। इस पर उचियारड़ा के खिलाफ बिना अनुमति धरना देने, सरकारी निर्देशों और सार्वजनिक मार्ग बाधित करने, आचार संहिता का उल्लंघन करने की धाराओं में मामला दर्ज किया गया है।

थानाधिकारी ने बताया कि करण सिंह उचियारड़ा, कांग्रेस ब्लॉक अध्यक्ष इलमदीन, फलोदी विधानसभा क्षेत्र से कांग्रेस प्रत्याशी रहे प्रकाश छंगाणी, नगर परिषद उपसभापति सलीम नागौरी, कुम्भ सिंह पातावत, लोहावट पूर्व विधायक किशनाराम विश्नोई, फलोदी प्रधान उमरदीन, एडवोकेट प्रवीण सिंह,श्रीगोपाल व्यास, महेश व्यास, इस्लाम खान, जुनेजो की ढाणी सरपंच इनायत अली, मेहबूब

खान, एडवोकेट गोरधन जयपाल, किरण मेघवाल, प्रवीण सिंह मदेरणा के खिलाफ मामला दर्ज किया गया है। पुलिस के अनुसार फलोदी जिला मजिस्ट्रेट के क्षेत्राधिकार में दो महीने के लिए धारा 144 लागू की गई है। 28 अप्रैल को दोपहर 12 बजे सूचना मिली कि फलोदी कस्बे के जोधपुर चौराहे पर कांग्रेस प्रत्याशी करण सिंह उचियारड़ा के नेतृत्व में करीब 100 लोगों ने इकट्ठा होकर फलोदी सर्किल ऑफिसर (CO) आयुष वशिष्ठ के कार्यालय और थाने का घेराव किया था। सूचना के बाद पुलिस जोधपुर चौराहे पर पहुंची। उनसे समझाइश की गई, लेकिन वे नहीं मानें। सभी लोगों ने प्रदर्शन करते हुए जोधपुर से फलोदी जाने वाले मुख्य मार्ग को बाधित कर दिया और नारेबाजी की। एक बार फिर इनसे समझाइश की गई, लेकिन वे नहीं मानें। यहां से सभी सीओ ऑफिस पहुंचे और सड़क पर खड़े होकर जमकर नारेबाजी की। यहां उचियारड़ा समेत अन्य लोगों से पुलिस ने तीसरी बार समझाइश की, लेकिन करीब 2.30 बजे प्रदर्शनकारी यहां से रवाना होकर फलोदी थाने के सामने पहुंचे और टैंट लगाकर धरने पर बैठ गए। यहां भी एसडीएम सुनील पंवार और अन्य अधिकारियों ने समझाइश की, इसके बाद में धरना समाप्त किया।

दरअसल, 26 अप्रैल को वोटिंग के दिन फलोदी विधानसभा क्षेत्र के बैंगटी कलां गांव के मतदान केंद्र पर भाजपा और कांग्रेस कार्यकर्ताओं के बीच कहासुनी के बाद पथराव हो गया था। इसके बाद पुलिस ने 3 कांग्रेस कार्यकर्ताओं को गिरफ्तार कर लिया। 28 अप्रैल रविवार को कांग्रेस कार्यकर्ताओं ने डीएसपी कार्यालय पर प्रदर्शन किया। कांग्रेस कार्यकर्ताओं की मांग थी कि उनके द्वारा दी गई रिपोर्ट पर मामला दर्ज किया जाए, बेवजह मारपीट करने वाले सिपाही को सस्पेंड किया जाए और भाजपा कार्यकर्ता द्वारा दर्ज करवाए गए मुकदमे की निष्पक्ष जांच की जाएगी। दो वार्ता विफल होने के बाद तीसरी वार्ता में तीन मांगों पर सहमति बनी थी। जिसके बाद धरना स्थगित कर दिया था। कांग्रेस प्रत्याशी करण सिंह उचियारड़ा ने धरने पर कहा था कि निष्पक्ष कार्रवाई नहीं हुई तो फिर से धरने पर बैठेंगे।

शिव विधायक व बाड़मेर लोकसभा प्रत्याशी रविन्द्र सिंह भाटी को लेकर उठी मांग

अजमेर, 2 मई (एजेंसियां)। सर्व समाज ने जय राजपूताना संघ के नेतृत्व में शिव विधायक व बाड़मेर लोकसभा प्रत्याशी रविन्द्र सिंह भाटी को विशेष सुरक्षा देने के लिए मुख्यमंत्री के नाम उपखण्ड अधिकारी को ज्ञापन सौंपा। संघ के तहसील संयोजक सुरेन्द्र सिंह भारला ने बताया कि हाल ही में शिव विधायक रविन्द्र सिंह भाटी को सोशल मीडिया पर जान से मारने की धमकी दी गई । इस प्रकार खुलेआम एक विधायक को धमकी मिलना बहुत गंभीर बात है।

खुलेआम सोशल मीडिया पर धमकी देना अपराध की श्रेणी में आता है। धमकी देने वाले व्यक्ति का नाम पूर्व में भी कई संगीन अपराधों से जुड़ा है। उन्होंने मुख्यमंत्री से धमकी देने वाले व्यक्ति पर कानूनी कार्रवाई करने के लिए पुलिस विभाग को निर्देशित करने व भाटी और उनके परिवार को उच्च श्रेणी की सुरक्षा प्रदान करने की मांग की है।

ज्ञापन देने में हमीर सिंह, मागू सिंह राजपूत सभा समिति अध्यक्ष उदय सिंह तोलामल सचिव सुमेर सिंह, भागीरथ सिंह, मदन सिंह, प्रहलाद सिंह, प्रताप सिंह, लक्ष्मण दाधीच, भवर सिंह, जयपाल सिंह जिला सयोजक दीपेन्द्र सिंह नलू शक्ति सिंह,सुरेन्द्र सिंह भारला देवेंद्र सिंह बरूण, पुखराज राव,राम सिंह राजपुरोहित, मोहित प्रजापत,आशिक खान, प्रियाशु आकाश यादव आदि मौजूद रहे।

9 जिलों में आज बारिश को लेकर अलर्ट जारी

फिर भी पड़ेगी झुलसा देने वाली गर्मी

जयपुर, 2 मई (एजेंसियां)। प्रदेश के कई शहरों में तापमान कम रहने से हल्की ठंडक रही। मौसम विशेषज्ञों की मानें तो 3 मई को एक वेस्टर्न डिस्टर्बेंस एक्टिव होगा, जिसका असर आज रात से उत्तर-पश्चिमी जिलों में देखने को मिल सकता है। यहां हल्की धूलभरी हवा चलने के साथ आसमान में देर रात बादल छा सकते हैं।

इन शहरों में हो सकती है बारिश

मौसम केन्द्र जयपुर ने 3 मई को राजस्थान के कई जिलों में आंधी चलने के साथ कहीं-कहीं बादल छाने और हल्की बारिश या बूंदाबांदी होने की संभावना जताई है। ये अलर्ट झुंझुनूं, सीकर के अलावा जैसलमेर, हनुमानगढ़, चूरू, बीकानेर, गंगानगर, जोधपुर और नागौर जिलों के लिए जारी किया है।

मई में झुलसाने वाली गर्मी पड़ेगी

मौसम केंद्र जयपुर के अनुसार इस साल मई में झुलसाने वाली गर्मी पड़ेगी। माह के पहले सप्ताह में चार तारीख तक पश्चिमी विक्षोभ का असर होने से शेखावाटी सहित प्रदेश के ज्यादातर इलाकों में तेज रफ्तार अंधड़-बारिश की संभावना रहेगी। 10 मई के बाद धूप के असर में जबरदस्त तेजी के साथ दिन के पारे में बढ़ोतरी का दौर शुरू हो जाएगा।

धौलपुर में भरभरा कर ढही निर्माणाधीन मकान की छत

दो मजदूरों की दर्दनाक मौत, छह बुरी तरह घायल

धौलपुर, 2 मई (एजेंसियां)। बाड़ी शहर के संत नगर सड़क मार्ग पर स्थित नीरज कुमार के मकान का निर्माण चल रहा था। मकान के तीसरे फ्लोर पर करीब 20 मजदूर आरसीसी छत डालने का काम कर रहे थे। रात्रि करीब 12 बजे काम करते समय मकान की छत भरभरा कर ढह गई। छत के ऊपर काम कर रहे मजदूर भी नीचे गिरकर मलबे में दब गए। आधी रात को घटना से मौके पर चीख पुकार मच गई।

घटना की सूचना कोतवाली थाना पुलिस को दी गई। पुलिस एवं उपखंड प्रशासन के आला अधिकारी भी मौके पर पहुंच गए। जिसके बाद मलबे के अंदर फंसे लोगों को करीब 2 घंटे की मशक्कत के बाद रेस्क्यू किया

गया। दुर्घटना में 35 वर्षीय लखन पुत्र रामचरण लोधा निवासी मूसलपुर एवं 32 वर्षीय भोला पुत्र सोहनलाल की मौत हो गई। दुर्घटना में कृपालपुत्र रामजीलाल एवं बृजमोहन पुत्र कन्हैया लाल कोली समेत आधा दर्जन से अधिक मजदूर घायल हो गए। घायलों को बाड़ी अस्पताल में भर्ती कराया गया, लेकिन गंभीर स्थिति होने पर चिकित्सकों ने प्राथमिक उपचार देकर जिला अस्पताल रेफर कर दिया गया।

जिला अस्पताल में दो मजदूरों का उपचार किया जा रहा है। अन्य मजदूरों की बेहद नाजुक स्थिति होने की वजह से चिकित्सकों ने हायर सेंटर रेफर कर दिया है। दोनों मृतक लखन एवं भोला के शव पुलिस ने जिला अस्पताल के शवगृह में रखवा दिए हैं। जिनका परिजनों की मौजूदगी में पोस्टमार्टम कराया जाएगा। हादसे को लेकर उपखंड अधिकारी राधेश्याम मीणा ने बताया निर्माणाधीन मकान की छत ढहने से हादसा हुआ है। दो मजदूरों की मौत हो चुकी है, करीब आधा दर्जन घायल हैं। हादसे के कारणों की पुलिस एवं प्रशासन द्वारा जांच की जा रही है।

ग्राम विकास अधिकारी 15 हजार रुपये रिश्वत लेते रंगे हाथों धरा गया

एसआईयू जयपुर ने की कार्रवाई

दौसा, 2 मई (एजेंसियां)। भ्रष्टाचार निरोधक ब्यूरो के अतिरिक्त महानिदेशक पुलिस हेमन्त प्रियदर्शी (अतिरिक्त चार्ज महानिदेशक) ने बताया कि एसीबी की एसआईयू जयपुर इकाई को परिवादी द्वारा शिकायत दी गई कि स्कूल में कमरों एवं नालों के निर्माण कार्य के बिलों का भुगतान करने की एवज में नितेश शर्मा द्वारा बतौर कमीशन 32 हजार 500 रूपये रिश्वत राशि की मांग कर लगातार परेशान किया जा रहा है, जिस पर परिवादी ने शिकायत की तो परिवादी की शिकायत पर एसीबी ने सत्यापन करवाते हुए कार्रवाई शुरू की।

उधर एसीबी जयपुर के उप महानिरीक्षक पुलिस मुख्यालय रणधीर सिंह के सुपरवीजन में एसीबी की एसआईयू जयपुर इकाई के अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक संदीप सारस्वत के नेतृत्व में शिकायत का सत्यापन किया। जिसके बाद पुलिस निरीक्षक सज्जन कुमार की टीम ने दौसा में इस कार्रवाई को अंजाम दिया और आरोपी को रंगे हाथों दबोच लिया। बता दें कि एसीबी की अतिरिक्त महानिदेशक स्मिता श्रीवास्तव के निर्देशन में आरोपी से पूछताछ तथा आवास एवं अन्य ठिकानों की तलाशी जारी है।

मुख्यमंत्री के गृह जिले में भूमाफियाओं की दबंगई

भरतपुर, 2 मई (एजेंसियां)। राजस्थान सरकार महिलाओं को सुरक्षा प्रदान करने का दावा करती हो, लेकिन सीएम के गृह जिले में महिला अपने आप को असुरक्षित महसूस कर रही है। इसका जीता जागता उदाहरण है रूपवास पुलिस थाना क्षेत्र में भू-माफियाओं द्वारा एक महिला की जमीन पर जबरन कब्जा करने के लिए बेरहमी से पिटाई करना।

भू-माफियाओं द्वारा महिला की पिटाई का वीडियो सोशल मीडिया पर जमकर वायरल हो रहा है। इतना ही नहीं बल्कि भू-माफियाओं द्वारा महिला के घर को जेसीबी से तोड़ दिया गया है। जब पीड़िता के द्वारा संबंधित पुलिस थाने में आरोपियों के खिलाफ मामला दर्ज करवाना चाह तो पुलिस ने फटकार के भगा दिया। स्थानीय पुलिस की फटकार के बाद पीड़िता जिला पुलिस अधीक्षक के पास पहुंची, लेकिन वहां भी सिर्फ आश्वासन के अलावा कुछ नहीं मिला।

पीड़िता के पति कप्तान सिंह ने बताया कि 14 अप्रैल के दिन मेरे भाई की तबीयत खराब थी और हम लोग भरतपुर गए हुए थे। इसी का फायदा उठाकर पीछे से भू माफियाओं द्वारा जमीन पर कब्जा करने के उद्देश्य से मकान को तोड़ दिया।

जब इसका विरोध पत्नी ने किया तो भू माफियाओं के द्वारा पत्नी की जमकर पिटाई की। जब इसकी जानकारी हमें लगी तो हम मौके पर पहुंचे। घायल पत्नी को रूपवास पुलिस थाना क्षेत्र में आरोपियों के खिलाफ मामला दर्ज करवाने के लिए लेकर गए। स्थानीय पुलिस के द्वारा झूठा मामला बताते हुए फटकार के भगा दिया। अगले दिन जिला पुलिस अधीक्षक के पास गए, लेकिन वहां भी आश्वासन मिला दो सप्ताह से अधिक समय बीत जाने के बाद भी कोई मामला दर्ज नहीं हुआ है।

तीन लाख रुपये की रिश्वत लेते आरएएस अधिकारी पकड़े गए

एसीबी ने देर रात की कार्रवाई

अलवर, 2 मई (एजेंसियां)। भ्रष्टाचार निरोधक ब्यूरो ने देर रात को अलवर में बड़ी कार्रवाई को अंजाम देते हुए जिला आबकारी अधिकारी सुरेश अहीर को तीन लाख रुपए की रिश्वत लेते हुए रंगे हाथ गिरफ्तार किया है। आबकारी अधिकारी ने लाइसेंस सुधा शराब की दुकान के गोदाम की लोकेशन पास करने की एवज में 6 लाख रुपए व 20 हजार रूपये की रिश्वत मांगी थी।

एसीबी जयपुर के उप महानिदेशक पुलिस रणवीर सिंह के सुपरविजन में एसीबी अलवर द्वितीय इकाई के उपाधीक्षक पुलिस रामेश्वर लाल के नेतृत्व में इस पूरी कार्रवाई को अंजाम दिया

गया। एसीबी की टीम जिला आबकारी अधिकारी के आवास व ऑफिस सहित अन्य ठिकानों पर तलाशी कर रही है। जिला आबकारी अधिकारी के पिता की 15 दिन पहले मौत हुई। जिसके चलते वो लंबे समय की छुट्टी पर रहे और छुट्टी से लौट के बाद रिश्वत की राशि लेने के लिए पहुंच गए।

बेटी की शादी के 9 दिन पहले आभूषण-नकदी समेत सारा सामान जलकर राख

जली भेड़-बकरी, मच गई चीख-पुकार

सवाई माधोपुर, 2 मई (एजेंसियां)। यहां हिंगोटिया ग्राम पंचायत के कटेला मालियों की ढाणी में एक किसान परिवार पर बड़ी विपदा आ पड़ी। इस दौरान एक छप्परपोश में लगी आग ने ना केवल घर में रखी नकदी बल्कि बेटी की शादी के लिए रखे आभूषण भी खाक हो गए। हादसे में एक भैंस व भेड़-बकरी भी जिंदा जल गई। आग लगने की जानकारी मिलने पर मौके पर ग्रामीणों की खासी भीड़ जमा हो गई। ग्रामीणों ने जैसे तैसे कर आग पर काबू पाया। तब तक सब कुछ जल कर राख हो गया। पीड़ित की सूचना पर राजस्व विभाग के गिरदावर व पटवारी ने मौका रिपोर्ट तैयार की है। साथ ही सदर थाना पुलिस ने भी घटना स्थल का मौका मुआयना किया है।

आग लगने की घटना को लेकर परिवार की महिलाएं संभले नहीं संभल रही थी। इस दौरान उनका रो-रोकर बुरा हाल रहा। हालांकि ग्रामीणों ने परिवार को खूब ढाढ़स बंधाया। पीड़ित परिवार का कहना था कि आगामी 10 मई को उनकी बेटी की शादी है जिसके खर्च के लिए नकदी व आभूषणों का इंतजाम किया था। अब परिवार के सामने शादी के खर्च को लेकर आर्थिक संकट खड़ा हो गया है। ऐसे में बेटी की शादी को लेकर संजोए अरमानों पर भी पानी फिर गया है। ग्रामीणों के अनुसार कटेला मालियों की ढाणी में दोपहर में बिजली के शॉर्ट सर्किट के चलते पप्पू सैनी, कमू सैनी व रामस्वरूप सैनी के छप्परपोश में आग लग गई। जिसमें परिवार के पालन पोषण के लिए पाली गई भेड़-बकरी व एक भैंस जिंदा जल गई। इसके अलावा संदूक में रखे साढ़े पांच लाख रुपए कीमत के आभूषण व 3 लाख की नकदी व अन्य घरेलू सामान भी स्वाह हो गए।

पुरानी रंजिश को लेकर युवक को रास्ते में घेरकर मारी गोली

अजीत ठाकुर गैंग के बताए जा रहे बदमाश

धौलपुर, 2 मई (एजेंसियां)। घायल 21 वर्षीय अभिषेक पुत्र राम लखन निवासी भुम्मा का नगला पड़ोसी गांव अतरसुमा में किसी काम से गया था। लौटते वक्त रास्ते में पहले से ही घात लगाए बैठे अजित ठाकुर गैंग के चार बदमाशों ने बाइक सवार युवक पर फायरिंग कर दी। युवक के पैर में गोली लगने से जमीन पर गिर गया। बदमाश फायरिंग कर दहशत फैलाते हुए मौके से फरार हो गए। इधर, गोली की आवाज सुनकर आसपास के ग्रामीण मौके पर पहुंच गए। जिन्होंने घटना से घायल के परिजनों को अवगत कराया। परिजन और ग्रामीणों ने घायल युवक को बसेड़ी सरकारी अस्पताल में भर्ती कराया, लेकिन पैर में गंभीर जख्म होने की वजह से चिकित्सकों ने प्राथमिक उपचार देकर जिला अस्पताल रेफर कर दिया। जिला अस्पताल के इमरजेंसी में घायल का उपचार किया जा रहा है।

इमरजेंसी प्रभारी डॉक्टर सूर्यकांत ने बताया युवक के पैर में गंभीर जख्म है। चिकित्सकों की देख रेख में उपचार किया जा रहा है। उधर घटना को लेकर बसेड़ी पुलिस थाने के एएसआई फतेह सिंह ने बताया पुरानी दुश्मनी को लेकर युवक पर फायरिंग की है।

ज्यादा पैसे कमाने की चाह में मजदूर बन गया बाइक चोर

पुलिस ने आरोपी से 19 बाइक की जब्त

अजमेर, 2 मई (एजेंसियां)। अजमेर की क्लॉक टावर थाना पुलिस ने वाहन चोरी के मामले में शातिर चोर को गिरफ्तार किया है। पुलिस की गिरफ्त में आया बाइक चोर मजदूरी का काम करता था, मजदूरी कम मिलने के कारण उसने बाइक चोरी करना शुरू कर दिया। वहीं पुलिस ने आरोपी से चुराई गई 19 मोटरसाइकिल बरामद की है।

आरोपी ने अजमेर व जयपुर के कई स्थानों से बाइक चोरी की वारदातों को अंजाम देना कबूल किया है। पुलिस आरोपी को कोर्ट में पेश कर अग्रिम अनुसंधान में जुटी है। मामले का खुलासा करते

हुए सिटी एडिशनल एसपी दुर्ग सिंह राजपुरोहित ने बताया कि क्लॉक टावर थाने 29 अप्रैल 2024 को चंद्रवरदाई निवासी मुकेश की ओर से मुकदमा दर्ज करवाया गया। पीड़ित ने शिकायत में बताया कि थाना क्षेत्र से उसकी बाइक चोरी हो गई। पीड़ित की शिकायत पर मुकदमा दर्ज कर टीम का गठन किया गया और कार्रवाई के निर्देश दिए गए थे।

थानाधिकारी दिनेश चौधरी के नेतृत्व में टीम के द्वारा घटनास्थल का निरीक्षण कर आसपास के सीसीटीवी खंगाले गए। इस दौरान टीम को मुखबिर से सूचना मिली इसके बाद टीम ने कार्रवाई करते हुए जिला जयपुर निवासी अनिल कुमार वर्मा (24) पुत्र छीतरमल को गिरफ्तार किया। जिसने चोरी की वारदात करना कबूल किया। आरोपी से करीब 19 मोटरसाइकिल बरामद की गई है। आरोपी चोरी की बाइक को बेचने की फिराक में था, जिसे पुलिस ने दबोच लिया। पूछताछ में सामने आया कि आरोपी अजमेर में रहकर मजदूरी करता था।

एचसी ने 'दिशा' एनकाउंटर पर वीएस सिरपुरकर पैनल की रिपोर्ट को अगले आदेश तक निलंबित कर दिया

हैदराबाद, 2 मई (स्वतंत्र वार्ता)। तेलंगाना उच्च न्यायालय के न्यायमूर्ति बोलम विजयसेन रेड्डी की एकल पीठ ने बुधवार को वीएस सिरपुरकर आयोग द्वारा प्रस्तुत 28 जनवरी, 2022 की जांच रिपोर्ट को निलंबित कर दिया, जिसे "दिशा" के बलात्कार-हत्या की जांच के लिए सुप्रीम कोर्ट द्वारा गठित किया गया था।

न्यायाधीश ने तत्कालीन तहसीलदार जरावत पांडु और शादनगर पुलिस स्टेशन के तत्कालीन स्टेशन हाउस अधिकारी ए श्रीधर द्वारा दायर रिट याचिकाओं के बाद रिपोर्ट को निलंबित कर दिया। पुलिस अधिकारियों द्वारा दायर रिट के एक अन्य बैच पर, उन्होंने सरकार को जुलाई में सुनवाई की अगली तारीख तक उनके खिलाफ कोई भी कठोर कदम नहीं उठाने का निर्देश दिया। शादनगर पुलिस द्वारा "दिशा" के बलात्कार-हत्या के संबंध में एक अपराध (संख्या 784/2019) दर्ज किया गया था, जिसमें चार आरोपियों मोहम्मद अरीफ, जोलू नवीन, जोलू शिवा और चिंताकुंटा चेन्नाकेशवुलु को पुलिस टीम ने मार गिराया था। आरोपी के साथ अपराध स्थल पर गया। आरोपी की 6 दिसंबर, 2019 को चट्टनपल्ली के बाहरी इलाके में मौत हो गई।

आयोग ने फैसला सुनाया कि सभी दस पुलिस अधिकारी जो आरोपियों के साथ अपराध स्थल पर गए थे, जहां चारों आरोपियों को मार गिराया गया था, उन पर धारा 302 आईपीसी (धारा 34 आईपीसी), 201 धारा 302 आईपीसी के तहत अपराध के लिए मुकदमा चलाया जाना चाहिए। एवं 34 आई.पी.सी. न्यायमूर्ति रेड्डी ने पुलिस अधिकारियों और तहसीलदार द्वारा दायर रिट पर सुनवाई की, जिसमें आयोग द्वारा दर्ज किए गए विशिष्ट निष्कर्षों को रद्द करने/अलग करने का निर्देश देने की मांग की गई थी, जिसमें कहा गया था कि इसकी रिपोर्ट किसी भी सबूत पर आधारित नहीं है और रिकॉर्ड पर उपलब्ध सबूतों के विपरीत है।

याचिकाकर्ताओं की ओर से वरिष्ठ वकील एच वेणुगोपाल, एन. हेमेंद्रनाथ रेड्डी और बी रचना रेड्डी ने बहस की। दोनों पक्षों की दलीलें सुनने के बाद कोर्ट ने सरकार को निर्देश दिया कि सुनवाई की अगली तारीख तक आयोग की 28 जनवरी 2022 की रिपोर्ट को ध्यान में रखते हुए याचिकाकर्ताओं के खिलाफ कोई दंडात्मक कार्रवाई न की जाए. इसने याचिकाओं को जुलाई 2024 तक के लिए पोस्ट कर दिया।

"दिशा" के कथित बलात्कार-हत्या मामले और मुठभेड़ की सीबीआई जांच की मांग को लेकर कई जनहित याचिकाएं अदालत की सीजे पीठ के समक्ष लंबित हैं। जनहित याचिकाएं सिविल लिबर्टीज कमेटी, तेलंगाना के अध्यक्ष, उस्मानिया विश्वविद्यालय और अन्य विश्वविद्यालयों के सेवानिवृत्त प्रोफेसरों और व्याख्याताओं, अधिवक्ताओं और महिला अधिकार और जन संगठन द्वारा दायर की गई थीं। जिन पुलिस अधिकारियों को बुधवार को एचसी से राहत मिली, उन्हें भी जनहित याचिकाओं में पक्षकार बनाया गया, जिन पर "अंतिम सुनवाई" के लिए सीजे बेंच द्वारा सुनवाई की जानी है।

भद्राचलम में 46.5 डिग्री सेल्सियस पर पहुंचा तापमान

कोठागुडेम, 2 मई (स्वतंत्र वार्ता)। जिले के मंदिर शहर भद्राचलम में तापमान 46.5 डिग्री सेल्सियस पर पहुंच गया, जबकि पिछले 24 घंटों में 13 मंडलों में 45 डिग्री सेल्सियस से ऊपर तापमान दर्ज किया गया।

अश्वपुरम मंडल में दिन का अधिकतम तापमान 46.1 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया, जबकि सुजाता नगर और पलोंचा मंडल में 46 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया। चुंचुपल्ली, मनुगुर, डुम्मुगुडेम, पिनापाका, जूलुरपाड, चेरला, लक्ष्मीदेवीपल्ली, कोत्तागुडेम और चंद्रगोंडा मंडल में 45 डिग्री सेल्सियस से ऊपर तापमान दर्ज किया गया। अन्य मंडलों में अधिकतम तापमान 44 से 41 डिग्री सेल्सियस के बीच रहा।

डाक मतपत्र से मतदान प्रक्रिया पूरी सावधानी से कराई जाए : रोनाल्ड रॉस

हैदराबाद, 2 मई (स्वतंत्र वार्ता)। जिला चुनाव अधिकारी, जीएचएमसी आयुक्त रोनाल्ड रॉस ने संबंधित अधिकारियों को सतर्कता के साथ डाक मतपत्र मतदान कर्तव्यों का संचालन करने की सलाह दी है।

इस महीने की तीन तारीख से शुरू होने वाले डाक मतपत्र मतदान की पृष्ठभूमि में गुरुवार को जीएचएमसी मुख्यालय के मीटिंग हॉल में प्रशिक्षण कक्षाएं आयोजित की गईं और मतदाता सुविधा केंद्र में मतदान कराने के लिए नियुक्त टीमों को पूर्व-व्यवस्थाओं, डाक मतपत्र प्रक्रिया से संबंधित पहलुओं, बरती जाने वाली सावधानियों आदि परक्षजागरूकता दी गई। इस मौके पर डीईओ रोनाल्ड रॉस ने कहा कि डाक मतपत्र के संबंध में संबंधित पदाधिकारी काफी सावधानी से मतदान कराएं। गलतियों की कोई गुंजाइश नहीं होनी चाहिए। डाक मतपत्र प्रक्रिया को विस्तार से समझाया गया है। वोट देने आये मतदाताओं का पहचान पत्र एक बार फिर जांचने की सलाह दी गयी है। उन्होंने कहा कि मतदाता सुविधा केंद्र में मतदान के लिए आवश्यक व्यवस्था सुचारू रूप से करना चाहिए उम्मीदवारों को मतदाता सुविधा केंद्रों पर प्रचार नहीं करना चाहिए।

जिले में सुचारू एवं शांतिपूर्ण संसदीय चुनाव के लिए सब कुछ तैयार है : जिला निर्वाचन अधिकारी

हैदराबाद, 2 मई (स्वतंत्र वार्ता)। जिला चुनाव अधिकारी, जीएचएमसी आयुक्त रोनाल्ड रॉस ने कहा कि जिले में संसदीय चुनावों के सुचारू और शांतिपूर्ण संचालन के लिए सब कुछ तैयार किया गया है। भारत निर्वाचन आयोग के वरिष्ठ उप मुख्य कार्यकारी अधिकारी नीतीश व्यास ने नई दिल्ली से जिला निर्वाचन अधिकारियों, चुनाव सामान्य, पुलिस व्यय निरीक्षकों, रिटर्निंग अधिकारियों और राज्य सीईओ अधिकारियों के साथ तेलंगाना राज्य में संसदीय चुनाव की तैयारियों की समीक्षा की और व्यवस्थाओं की समीक्षा की।

इस अवसर पर हैदराबाद जिला चुनाव अधिकारी, जीएचएमसी आयुक्त रोनाल्ड रॉस ने कहा कि मतदाता सूचना पर्चियां हर घर में वितरित की जा रही हैं और घर-घर मतदान के लिए सभी व्यवस्थाएं की गई हैं, इसी तरह शामियाने (टेंट), पीने का पानी, रोशनी, पंखे उपलब्ध कराए गए हैं। उन्होंने कहा कि मतदान केंद्रों पर मतदाताओं को धूप से बचाने के लिए मतदान सहायक बूथ बनाया जायेगा। जिला निर्वाचन अधिकारी रोनाल्ड रॉस ने बताया कि डाक मतपत्र सुविधा केंद्र, मतदान अधिकारियों का रेंडमाइजेशन, पूरक बैलेट यूनिट, रेंडमाइजेशन की

प्रक्रिया पूरी की जाएगी, गृह मतदान में भाग लेने वाले मतदान अधिकारियों, मतदान अधिकारियों और कर्मचारियों का दूसरे चरण का प्रशिक्षण पूरा हो चुका है। हैदराबाद के पुलिस कमिश्नर श्रीनिवास रेड्डी ने कहा कि मतदान केंद्र में सुरक्षा का ध्यान रखा गया है. इस अवसर पर, सिकंदराबाद हैदराबाद चुनाव पर्यवेक्षकों ने कहा कि वे चुनाव नियमों के अनुसार सभी उपाय करेंगे, और एसएसटी और एफएसटी टीमों ने उन लोगों के लिए बड़े पैमाने पर निरीक्षण किया है जिनके पास जब्त नकदी के सबूत हैं।

डीईओ ने कहा कि जिला शिकायत समिति दिन-प्रतिदिन जांच कर लोगों को बिना किसी परेशानी के पैसा जारी कर रही है। उन्होंने कहा कि मतदान प्रतिशत बढ़ाने के लिए व्यापक स्वीप कार्यक्रम चलाये गये हैं। सिकंदराबाद, हैदराबाद संसदीय सामान्य पुलिस और व्यय निरीक्षकों ने संसदीय चुनाव के लिए निर्वाचन क्षेत्र में की गई व्यवस्थाओं के बारे में बताते हुए संतुष्टि व्यक्त की। हैदराबाद सिकंदराबाद संसदीय चुनाव रिटर्निंग अधिकारियों ने भी व्यवस्थाओं के बारे में बताया। इस वीडियो कॉन्फ्रेंस में सिकंदराबाद हैदराबाद संसदीय क्षेत्र के पर्यवेक्षक डॉ. सरोज कुमार, श्रीविद्या, पुलिस पर्यवेक्षक शशांक आनंद, सिकंदराबाद, हैदराबाद व्यय पर्यवेक्षक अमित शुक्ला, सेंथिल कुमार, सिकंदराबाद छावनी मधुकर नाइक और अन्य ने भाग लिया।

जागरूकता रैली निकाली गई

वारंगल, 2 मई (स्वतंत्र वार्ता)। जिला निर्वाचन अधिकारी एवं कलेक्टर के निर्देशानुसार आज अतिरिक्त जिला चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी डॉ.टी. लश्कर सिंगाराम शहरी स्वास्थ्य केन्द्र पर चिकित्सकों एवं स्टाफ के साथ मदनमोहन राव और डिप्टी डीएम एवं एचओ डॉ. याकूब पाशा के संरक्षण में स्वीप जागरूकता रैली शुरू की गई।

यह रैली सम्मय्या नगर होते हुए 100 फीट रोड जंक्शन तक निकाली गई। इस मौके पर उन्होंने कहा कि 13 मई को होने वाले लोकसभा चुनाव में वोट देने वाले हर व्यक्ति को अपने मताधिकार का प्रयोग जरूर करना चाहिए। बाद में, 100 फीट रोड जंक्शन पर मनावा हरम का आयोजन किया गया और मतदाता शपथ ली गई। इस कार्यक्रम में जिला मास मीडिया अधिकारी अशोक रेड्डी, सीएचओ टी. माधव रेड्डी, स्वास्थ्य पर्यवेक्षक बाबू, स्वास्थ्य सहायक श्रीनिवास, रविंदर, एएनएम, आशा और कर्मचारियों ने भाग लिया।

पेयजल संकट से जूझ रहे हैं मंचेरियलवासी

> *42 डिग्री सेल्सियस के आसपास शहर का तापमान*
> *7.59 टीएमसी तक पहुंच गया जलस्तर*

मंचेरियल, 2 मई (स्वतंत्र वार्ता)। हाजीपुर मंडल के गुडीपेट गांव में श्रीपादसागर येल्लमपल्ली सिंचाई परियोजना (एसवाईपी) के एक कुएं में जल स्तर कम होने के कारण जिले में भीषण गर्मी की स्थिति के कारण शहर के लोग पेयजल संकट से जूझ रहे हैं। जिले का अधिकतम तापमान 42 डिग्री सेल्सियस के आसपास चल रहा है। परिणामस्वरूप, मध्यम सिंचाई परियोजना का जल स्तर काफी गिर गया। एसवाईपी में जल स्तर 20.18 टीएमसी की भंडारण क्षमता के मुकाबले 7.59 टीएमसी तक पहुंच गया। अधिकतम तापमान लगातार बढ़ने के बावजूद यह स्तर मृत भंडारण के करीब है, जिससे जनता चिंतित है।

मंचेरियल नगर पालिका के लिए बने कुएं में जल स्तर में गिरावट के कारण, अब जिला मुख्यालय के घरों में पीने के पानी

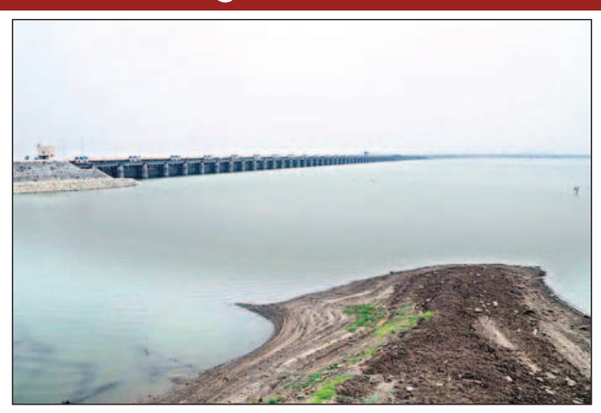

की आपूर्ति एक घंटे के बजाय 30 मिनट के लिए की जाती है, जो एक महीने पहले मानक था।

राजीव नगर के निवासी के श्रीनिवास ने आरोप लगाया कि गर्मियों में जरूरतों की तुलना में नगर निकाय द्वारा आपूर्ति की जाने वाली पानी की मात्रा पर्याप्त नहीं है। लोगों के पास पानी से तालमेल बिठाने का कोई विकल्प नहीं बचा है। उनमें से कुछ भारी मात्रा में बोरवेल और पैकेज्ड पानी पर निर्भर हैं। उन्होंने कहा कि पीने के पानी की आपूर्ति नियमित अंतराल पर बाधित होती है। नगर आयुक्त ए मारुति प्रसाद ने बताया कि शहर के सभी घरों में पीने के पानी की निर्बाध आपूर्ति सुनिश्चित करने के लिए कदम उठाए जा रहे हैं। उन्होंने कहा कि पीने के पानी की समस्याओं को दूर करने के लिए नगर पालिका को स्वीकृत 23.57 लाख रुपये का उपयोग खराब पंपों की मरम्मत, नए पंप खरीदने और पाइपलाइनों में लीकेज को हल करने के लिए किया जा रहा है।

अधिकारियों ने कहा कि वे जरूरत पड़ने पर आने वाले दिनों में संकट से प्रभावित कॉलोनियों में पीने का पानी उपलब्ध कराने के लिए टैंकर किराए पर लेने की योजना बना रहे हैं। शहर के 27,152 घरों को प्रतिदिन 17 मिलियन लीटर पानी उपलब्ध कराया जाता है। शहर में नगर पालिका द्वारा संचालित 13,200 नल कनेक्शन और मिशन भागीरथ योजना से संबंधित 5,150 कनेक्शन हैं।

वित्त वर्ष 25 की आशाजनक शुरूआत

एनएमडीसी ने 50 एमटी का रखा लक्ष्य

हैदराबाद, 2 मई (स्वतंत्र वार्ता)। राष्ट्रीय खनन कंपनी, एनएमडीसी ने वित्त वर्ष 25 के पहले महीने में लौह अयस्क का 3.48 मिलियन टन का उत्पादन किया और 3.53 मिलियन टन बिक्री की। वित्त वर्ष 24 में रिकार्ड 45 एमटी वॉल्यूम की पृष्ठभूमि में एनएमडीसी का मजबूत प्रदर्शन जारी रहा। जहां उत्पादन पिछले वर्ष की इसी अवधि के अनुरूप था, कंपनी ने अप्रैल 2023 की तुलना में बिक्री में लगभग 3 प्रतिशत की वृद्धि हासिल की।

एनएमडीसी के किरंदुल और दोणिमलै लौह अयस्क खनन परिसरों ने क्रमश: 13.59 एलटी और 11.33 एलटी उत्पादन के साथ अप्रैल माह का अबतक का सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन किया। पिछले वित्त वर्ष की इसी अवधि की तुलना में किरंदुल में उत्पादन में 7 प्रतिशत और दोणिमलै में 12 प्रतिशत की वृद्धि हुई। कंपनी के बचेली कॉम्प्लेक्स ने अप्रैल 2024 में 14.86 एलटी प्रेषण किया, जो कि अप्रैल 2023 से 12 प्रतिशत अधिक है और स्थापना के बाद से इसका अप्रैल माह में अबतक का सबसे अधिक प्रेषण है। अध्यक्ष एवं प्रबंध निदेशक (अतिरिक्त प्रभार) अमिताभ मुखर्जी ने देश की लौह और इस्पात की मांग को पूरा करने के लिए एनएमडीसी की क्षमता में विश्वास व्यक्त किया। उन्होंने कहा, हम भारत के लौह अयस्क उत्पादन और मांग के विकास गति के अनुरूप वित्त वर्ष 25 में हमारे वॉल्यूम में 10 प्रतिशत की वृद्धि को लक्षित कर रहे हैं। हमारे सभी खनन परिसरों ने एक आशाजनक शुरूआत की है और नई खनन प्रौद्योगिकी के साथ सामंजस्य स्थापित करने, उद्योग की चुनौतियों का सामना करने, और 50 एमटी की उपलब्धि हासिल करने के लिए तैयार हैं।

उपचुनाव आयुक्त नितेश कुमार ने अधिकारियों को शांतिपूर्ण माहौल में संसदीय चुनाव कराने का निर्देश दिया

निर्मल, 2 मई (स्वतंत्र वार्ता)। गुरुवार को उन्होंने दिल्ली स्थित केंद्रीय चुनाव मुख्यालय से वीडियो कॉन्फ्रेंस के जरिए तेलंगाना जिलों के कलेक्टरों और एसपी के साथ चुनाव कराने को लेकर बैठक की। इस मौके पर बोलते हुए उप चुनाव आयुक्त ने आदेश दिया कि संसदीय चुनाव शांतिपूर्ण माहौल में कराया जाये। उन्होंने सुझाव दिया कि चुनाव कराने में किसी भी प्रकार की खामी न हो, इसके लिए व्यवस्थाएं पूरी की जाएं। जिलेवार चुनाव व्यवस्थाओं की समीक्षा की गई। अधिकारियों से ईवीएम के रैंडमाइजेशन, मतदाता पहचान पत्रों के वितरण, मतदान केंद्रों में बुनियादी सुविधाओं के प्रावधान, वेबकास्टिंग, समस्याग्रस्त मतदान केंद्रों, पुलिस की तैनाती आदि के बारे में जानकारी मांगी गई। उन्होंने

कहा कि हर दो घंटे पर सटीक मतदान प्रतिशत का विवरण भेजा जाए। वे मतदान केंद्रों पर 100 फीसदी वेबकास्टिंग चाहते हैं। वे मतदान कर्तव्यों में भाग लेने वाले कर्मियों के लिए प्रशिक्षण और जागरूकता कार्यक्रम आयोजित करना चाहते हैं। मतदान प्रतिशत बढ़ाने के लिए व्यापक स्वीप कार्यक्रम संचालित किये जाए। बाद में कलक्ट्रेट के वीडियो कॉन्फ्रेंस हॉल से जिला निर्वाचन अधिकारी कलक्टर आशीष सांगवान ने बताया कि जिले में संसदीय चुनाव कराने के लिए सभी तैयारियां पूरी कर ली गई हैं। उन्होंने कहा कि शत-प्रतिशत मतदान केंद्रों पर वेबकास्टिंग की व्यवस्था की जा रही है और चुनाव कर्मियों के लिए जागरूकता एवं प्रशिक्षण कार्यक्रम का दूसरा चरण शुरू कर दिया गया है। उन्होंने बताया कि जिले में पुलिस विभाग के समन्वय से शांतिपूर्ण माहौल में चुनाव संपन्न कराया जायेगा।

बाद में जिले की एसपी जानकी शर्मिला ने कहा कि हम जिले में चुनाव कराने के लिए कड़ी सुरक्षा मुहैया करा रहे हैं। उन्होंने कहा कि 48 समस्याग्रस्त मतदान केंद्रों की पहचान की गई है और अतिरिक्त पुलिस उपस्थिति की व्यवस्था की जाएगी। उन्होंने बताया कि शांतिपूर्ण माहौल में चुनाव कराने के लिए सभी उपाय किये जा रहे हैं। इस कार्यक्रम में अपर समाहर्ता किशोर कुमार, डीआरओ भुजंग राव, अधिकारी, कर्मचारी व अन्य लोग शामिल हुए।

पुलिस ने संगठित खच्चर खाता गिरोह का भंडाफोड़ किया, एक को गिरफ्तार किया

हैदराबाद, 2 मई (स्वतंत्र वार्ता)। तेलंगाना राज्य साइबर सुरक्षा ब्यूरो ने निर्मल पुलिस के साथ मिलकर एक संगठित खच्चर खाता गिरोह का भंडाफोड़ किया और एक प्रमुख संदिग्ध को गिरफ्तार किया जो साइबर धोखाधड़ी में बैंक खातों का उपयोग करने में शामिल था। निर्मल जिले के भैंसा टाउन के रहने वाले प्रणय शिंदे (26) नामक व्यक्ति के पास से दो मोबाइल फोन, तीन बैंक पासबुक, 43 चेकबुक, 30 एटीएम कार्ड और 8 सिम कार्ड मिले, जिन्हें पुलिस ने जब्त कर लिया।

पुलिस के मुताबिक, शुरूआती जांच से पता चला है कि प्रणय शिंदे ने अपने सहयोगियों के साथ मिलकर विभिन्न बैंकों में कई बैंक खाते खोले। आरोपियों ने भैंसा मंडल के विभिन्न गांवों के निवासियों से संपर्क किया और उनसे उनकी साख का उपयोग करके बैंक खाते खोलने का अनुरोध किया। एक बार खाते खुलने के बाद, वे पासबुक, चेक बुक, डेबिट कार्ड और अन्य चीजें अपने कब्जे में ले लेते थे। उक्त बैंक खातों से जुड़े एसएमएस अलर्ट नंबर आरोपी द्वारा उपलब्ध कराए गए थे। पुलिस ने कहा कि प्रणय शिंदे की संलिप्तता ऑनलाइन क्रिकेट सट्टेबाजी तक फैली हुई है। वह शुरूआत में टेलीग्राम ऐप के माध्यम से एक अज्ञात व्यक्ति से जुड़ा और ग्राहकों को क्रिकेट सट्टेबाजी ऐप्स का प्रचार और संदर्भ देकर कमीशन कमाना शुरू कर दिया। इसके बाद, उसने ऑनलाइन धोखाधड़ी के लिए आवश्यक बैंक खातों की आपूर्ति शुरू कर दी। इसके अतिरिक्त, उन्होंने कई ग्रामीणों को विभिन्न बैंकों में कई खाते खोलने के लिए राजी किया।

भगवान परशुराम जन्मउत्सव के सन्दर्भ में सर्व ब्राह्मण परिषद् की बैठक बेगम बाजार में आयोजित की गयी, जिसमें परामर्शदाता रामदेव नागला, विशाल शर्मा, लड्डू ओझा, सुधीर सिंह सहित बडी संख्या में समाज के लोग उपस्थित थे।

प्रथम पृष्ठ का शेष भाग...

बेल के लिए ...

पीठ ने कहा कि वे मामले को शुक्रवार को सुनवाई के लिए सूचीबद्ध करेंगे, बशर्ते सभी आवश्यक दस्तावेज गुरुवार को जमा कर दिए जाएं। सिसोदिया की जमानत याचिका फरवरी से लंबित है। हाल ही में दोनों मामलों में उनकी न्यायिक हिरासत भी बढ़ा दी गई थी। इससे पहले, ईडी ने दलील दी थी कि सिसोदिया और अन्य आरोपी मामले की सुनवाई में देरी कर रहे हैं।

एक अन्य आरोपी बेनॉय बाबू को दी गई जमानत का हवाला देते हुए, सिसोदिया के वकील मोहित माथुर ने जमानत के लिए दलील देते हुए कहा था कि वह अब प्रभावशाली पद पर नहीं हैं। सिसोदिया ने जमानत के लिए सुप्रीम कोर्ट के ट्रिपल टेस्ट को पूरा किया है और त्वरित सुनवाई का आग्रह किया। माथुर ने आगे कहा था कि सुप्रीम कोर्ट के दिशानिर्देशों के अनुसार, सभी जरूरी शर्तों को पूरा करने और स्वतंत्रता के किसी भी दुरूपयोग की अनुपस्थिति को देखते हुए, जमानत के लिए सिसोदिया की पात्रता स्थापित की गई है।

पाकिस्तान चाहता है ...

ये लोग कर्नाटक में यह प्रयोग कर चुके हैं। कर्नाटक में रातों-रात सभी मुस्लिमों को ओबीसी घोषित कर उन्हें 5 प्रतिशत आरक्षण दे दिया। ये लोग ऐसा पूरे देश में करना चाहते हैं, लेकिन यह भाजपा की गारंटी है कि जब तक भाजपा है, जब तक मोदी है, एससी, एसटी, ओबीसी और सामान्य वर्ग के गरीब लोगों को जो आरक्षण मिला है, वह कोई नहीं छीन सकता। धर्म के आधार पर इस आरक्षण को छूने की किसी को परमिशन नहीं दी जाएगी।

7 मई को 25 सीटों पर होगी वोटिंग

आगामी 7 मई को तीसरे फेज में गुजरात की 26 में से 25 लोकसभा सीटों पर वोटिंग होनी है। इसका कारण यह है कि गुजरात की सूरत लोकसभा सीट निर्विरोध भाजपा के खाते में आ चुकी है। यहां से भाजपा के मुकेश दलाल के निर्विरोध चुन लिया गया है।

सभी सीटों पर है भाजपा का कब्जा

2014 और 2019 के लोकसभा चुनावों में भाजपा ने गुजरात की सभी 26 सीटों पर जीत हासिल की थी। इस चुनाव में भी पार्टी क्लीन स्वीप के टार्गेट के साथ आगे बढ़ रही है। राज्य में कांग्रेस 24 सीटों पर लड़ रही है। इनमें सूरत की सीट शामिल थी। कांग्रेस से गठबंधन के तहत आप ने दो सीटों भरूच और भावनगर में अपने कैंडिडेट उतारे हैं।

पीएम ने कल कहा था, शाहजादे का कहना है मोदी फिर आए तो देश में आग लग जाएगी

बुधवार को पीएम मोदी ने बनासकांठा के डीसा और साबरकांठा के हिम्मतनगर में जनसभा को संबोधित करते हुए राम मंदिर, तीन तलाक और आरक्षण के मुद्दे पर कांग्रेस पर जमकर हमला बोला। हिम्मतनगर में उन्होंने कहा, कांग्रेस के शहजादे कहते हैं कि मोदी तीसरी बार देश में आए तो देश में आग लग जाएगी, लेकिन सच में कांग्रेस के सपने इस आग में राख हो गए हैं।

दो चरण के ...

उन्होंने कहा कि यहां पर वाहन चोरी का कुटीर उद्योग चलता था, आज भाजपा के शासन में वाहन बनाने का फैक्ट्रियां लग रही हैं। यहां के बेरोजगार युवा चेन स्नेचिंग कर रहे थे, आज यूपी में मेडिकल डिवाइस बन रही है। 2010 और 2012 में बरेली में भीषण दंगे हुए, लेकिन, कांग्रेस और सपा वाले बरेली वालों के साथ नहीं थे। 2017 में आपने भाजपा की सरकार बनाई और भाजपा ने योगी आदित्यनाथ को मुख्यमंत्री बनाया। इतने कम समय के अंदर सीएम योगी ने यूपी को दंगामुक्त कर दिया।

उन्होंने कहा कि सपा मुखिया अखिलेश यादव, कांग्रेस नेता राहुल गांधी और प्रियंका गांधी को राम मंदिर के लिए निमंत्रण भेजा गया, लेकिन, इनमें से कोई नहीं गया। इनको डर था कि वहां जाएंगे तो वोट बैंक खिसक जाएगा। ये लोग हमेशा तुष्टीकरण की राजनीति करते हैं। मोदी सरकार ने बीते दस सालों में देश के गरीबों को आगे बढ़ाने का काम किया। 80 करोड़ गरीबों को प्रति व्यक्ति, प्रति माह मुफ्त राशन दिया जा रहा है। 12 करोड़ गरीब माताओं के लिए शौचालय बनाकर उनके सम्मान की रक्षा की जा रही हैं। चार करोड़ गरीबों को पक्का घर बनाकर दिया तो दस करोड़ महिलाओं को उज्ज्वला गैस कनेक्शन दिया गया।

उन्होंने लोगों से वोट देने की अपील करते हुए कहा कि यह चुनाव देश के अर्थतंत्र को दुनिया का तीसरा सबसे बड़ा अर्थतंत्र बनाने का चुनाव है। यह चुनाव 3 करोड़ लखपति दीदी बनाने का चुनाव है। यह चुनाव नक्सलवाद समाप्त करने का चुनाव है।

सुप्रीम कोर्ट बार ..

बता दें कि अब एससीबीए के पदाधिकारियों अध्यक्ष, सचिव और कोषाध्यक्ष में कोषाध्यक्ष पद महिलाओं के लिए आरक्षित रहेगा। सुप्रीम कोर्ट बार एसोसिएशन में सीनियर एडवोकेट्स के लिए बनी सीनियर कार्यकारिणी के छह सदस्यों में से दो और सामान्य कार्यकारिणी के नौ सदस्यों में से तीन सदस्य के पद महिलाओं के लिए आरक्षित होंगे।

कोर्ट ने कहा कि उम्मीदवारों की योग्यता और शर्तों में आवश्यक बदलाव व सुधार की बाबत आठ प्रस्ताव आए लेकिन वो नाकाम हो गए। इनके अलावा एसोसिएशन का सदस्य बनने के लिए फीस और चुनाव लड़ने के लिए उम्मीदवार की जमानत राशि को लेकर भी लाए गए प्रस्ताव 30 अप्रैल को आयोजित स्पेशल जनरल बॉडी मीटिंग में गिर गए। ऐसे में कोर्ट ने महसूस किया कि नियम, योग्यता, शर्तों और फीस को लेकर निर्णय लेने को जरूरत है। क्योंकि इन चीजों को दशकों तक लटकाए नहीं रखा जा सकता। समय रहते सुधार और बदलाव जरूरी हैं।

कोर्ट ने कहा कि एससीबीए इस बाबत अपनी वेबसाइट या अन्य तरीकों से सदस्यों से 19 जुलाई तक सुझाव मंगाए। यानी सुझाव 19 जुलाई तक भेजे जा सकते हैं। इसके बाद आम वकीलों से मिलने वाले ये सुझाव बार एसोसिएशन डिजिटल या प्रिंटेड फॉर्मेट में संकलित कर कोर्ट को दें। यानी उन सुझावों के आधार पर अभी सुधारों और बदलाव का सिलसिला जारी रहेगा।

स्वतंत्र वार्ता
Email :
svaarttha2006@gmail.com
svaarttha@rediffmail.com
svaarttha2006@yahoo.com
Epaper :
epaper.swatantravaartha.com
For Advertisement :
swadds1@gmail.com

चेन्नई की प्लेऑफ उम्मीदें कम हुई

गायकवाड बने टॉप स्कोरर, पर्पल कैप अब भी बुमराह के पास

मुंबई, 2 मई (एजेंसियां)। इंडियन प्रीमियर लीग में 49 मैच खत्म हो चुके हैं। पंजाब किंग्स ने चेन्नई सुपर किंग्स को 7 विकेट से हराया। इस नतीजे से पंजाब 7वें नंबर पर पहुंच गई, दूसरी ओर चेन्नई चौथे नंबर पर बरकरार है।

चेन्नई की मुश्किलें बढ़ीं

चेपॉक स्टेडियम में चेन्नई ने पहले बैटिंग करते हुए 20 ओवर में 7 विकेट पर 162 रन बनाए। पंजाब ने 17.5 ओवर में 3 ही विकेट के नुकसान पर टारगेट हासिल कर लिया।

चेन्नई के अब 10 मैचों में 5 जीत और 5 ही हार से 10 पॉइंट्स हैं। टीम चौथे नंबर पर कायम है, लेकिन टीम को प्लेऑफ में जगह पक्की करने के लिए आखिरी चारों मैच जीतने ही होंगे। एक भी मैच हारने पर उन्हें बाकी टीमों के नतीजों पर निर्भर रहना होगा।

पंजाब ने लगातार दूसरी जीत दर्ज की, टीम के 10 मैचों में 4 जीत और 6 हार से 8 पॉइंट्स हैं। टीम 8वें से 7वें नंबर पर पहुंच गई। उन्हें क्वालिफाई करने के लिए आखिरी चारों मैच जीतने के साथ बाकी टीमों के नतीजों पर भी निर्भर रहना है। 17वें सीजन में आज राजस्थान रॉयल्स का सामना सनराइजर्स हैदराबाद से होगा। राजस्थान के 9 मैचों में 8 जीत और एक हार से 16 पॉइंट्स हैं। टीम आज का मैच जीतकर 18 पॉइंट्स के साथ क्वालिफाई कर जाएगी, वह इस सीजन क्वालिफाई होने वाली पहली टीम भी बन सकती है। हारने पर भी टीम पहले नंबर पर ही रहेगी।

सनराइजर्स हैदराबाद के 9 मैचों में 5 जीत और 4 हार से 10 पॉइंट्स हैं। टीम ने पिछले लगातार 2 मैच गंवाए हैं और टीम 5वें नंबर पर है। आज का मैच जीतकर टीम 12 पॉइंट्स के साथ टॉप-4 में आ जाएगी। हारने पर टीम 10 पॉइंट्स के साथ पांचवें नंबर पर ही रहेगी।

गायकवाड के पास पहुंची ऑरेंज कैप

सीएसके के कप्तान ऋतुराज गायकवाड ने लगातार तीसरे मैच में 50 प्लस स्कोर बनाया। उन्होंने 48 बॉल पर 62 रन बनाए। इसी के साथ वह 17वें सीजन में 500 से ज्यादा रन बनाने वाले दूसरे प्लेयर बने और उनके पास ऑरेंज कैप भी पहुंच गई। उनके दूसरे नंबर पर मौजूद विराट कोहली से 9 रन ज्यादा हो गए। विराट के 500 और गायकवाड के 509 रन हैं।

पर्पल कैप अब भी बुमराह के पास

मुंबई इंडियंस के जसप्रीत बुमराह के पास पर्पल कैप है, उनके नाम 10 मैचों में 14 विकेट हैं। सीएसके के मुस्तफिजुर रहमान और पीबीकेएस के हर्षल पटेल के भी 14-14 विकेट हैं।

बाउंड्री के बादशाह भी हैं गायकवाड

सीएसके के ऋतुराज गायकवाड ने टूर्नामेंट में सबसे ज्यादा चौके लगाए हैं, उनके नाम 10 मैचों में 53 चौके हैं। आरसीबी के विराट कोहली 46 चौकों के साथ दूसरे नंबर पर हैं।

क्लासन हैं सिक्सर किंग

एसआरएच के हेनरिक क्लासन और अभिषेक शर्मा सिक्स हिटर में टॉप-2 पोजिशन पर हैं। क्लासन के 28 और अभिषेक के 27 छक्के हैं। सीएसके के शिवम दुबे 26 सिक्स लगाकर तीसरे नंबर पर हैं।

पर्पल कैप लीडरबोर्ड

प्लेयर	टीम	मैच	विकेट	बेस्ट
जसप्रीत बुमराह	MI	10	14	5/21
मुस्तफिजुर रहमान	CSK	9	14	4/29
हर्षल पटेल	PBKS	10	14	3/15
मथीश पथिराना	CSK	6	13	4/28
टी नटराजन	SRH	7	13	4/19

टॉप-5 बाउंड्री मास्टर्स

प्लेयर	टीम	मैच	बाउंड्री
ऋतुराज गायकवाड	CSK	10	53
विराट कोहली	RCB	10	46
फिल सॉल्ट	KKR	9	44
साई सुदर्शन	GT	10	43
सुनील नरेन	KKR	9	40

अपनी उम्र कम करके आईपीएल 2024 खेल रहा है ये भारतीय खिलाड़ी?

रोहित शर्मा ने खोल दी पोल

मुंबई, 2 मई (एजेंसियां)। आईपीएल 2024 में मुंबई इंडियंस का प्रदर्शन बेहद खराब रहा है. ये टीम प्लेऑफ की रेस से लगभग बाहर हो चुकी है. लखनऊ के खिलाफ भी मुंबई को 4 विकेट से हार मिली. हालांकि इस हार के बाद रोहित शर्मा का एक ऐसा वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल हो रहा है जिसे फैंस काफी इंजॉय कर रहे हैं.

आईपीएल 2024 में मुंबई इंडियंस का प्रदर्शन कुछ खास नहीं रहा. ये टीम अब प्लेऑफ की रेस से लगभग बाहर हो गई है. लखनऊ के खिलाफ भी इस टीम को 4 विकेट से हार मिली. हालांकि इस मैच के बाद रोहित शर्मा एक अलग ही मूड में नजर आए. रोहित शर्मा का एक वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल हो रहा है जिसमें वो लखनऊ सुपरजायंट्स के लेग स्पिनर अमित मिश्रा से बातचीत करते नजर आ रहे हैं. रोहित ने अमित मिश्रा से उम्र पूछी और इसके बाद उन्होने उसे सही मानने से इनकार कर दिया.

रोहित ने क्या कहा?

रोहित शर्मा ने अमित मिश्रा की उम्र का मजाक बनाया. दरअसल

रोहित ने मिश्रा से उनकी उम्र पूछी और उन्होंने जवाब दिया 40. इसके बाद रोहित ने कहा, 'काहे का 40, आप मुझसे सिर्फ 3 ही साल बड़े हो? अरे यार. जब मैं लंगोट पहनता था तब आपने डेब्यू कर लिया था.' रोहित ने मिश्रा की उम्र सही मानने से इनकार कर दिया. बता दें ये सब मजाक-मजाक में चल रहा था.

मिश्रा खेले हैं एक मैच

अमित मिश्रा आईपीएल के सबसे कामयाब गेंदबाजों में से एक हैं. अमित मिश्रा 162 मैचों में 174 विकेट ले चुके हैं. उनका इकॉनमी रेट भी सिर्फ 7.38 रन प्रति ओवर है. मिसरा ने एक बार मैच में पांच विकेट और 4 बार मैच में 4 विकेट लेने का कारनामा किया है. अमित मिश्रा ने तीन बार हैट्रिक भी ली है जो कि आईपीएल रिकॉर्ड है.

इस सीजन में मिश्रा एक ही मैच खेले हैं और उन्होंने एक विकेट अपने नाम किया है. ये मिश्रा का आखिरी सीजन हो सकता है इसके बाद वो आईपीएल से संन्यास ले सकते हैं.

रोहित शर्मा की बात करें तो उन्होंने आईपीएल 2024 में शुरुआत तो अच्छी की थी लेकिन पिछले कुछ मुकाबलों में उनका बल्ला मानो रन बनाना भूल गया है. मुंबई इंडियंस का भी बुरा हाल है. ये टीम 10 में से 7 मैच गंवा चुकी है.

चैंपियंस ट्रॉफी 2025 : भारत सभी मैच लाहौर में खेल सकता है

टीम की सिक्योरिटी के कारण सुझाव, तीन वेन्यू पर हो सकता है टूर्नामेंट

लाहौर, 2 मई (एजेंसियां)। आसीसी चैंपियंस ट्रॉफी 2025 के लिए पाकिस्तान क्रिकेट बोर्ड टीम इंडिया के सभी मैच लाहौर में करवाने की योजना तैयार कर रहा है।

क्रिकइंफो के मुताबिक पीसीबी चैंपियंस ट्रॉफी के सभी मैच तीन शहरों (कराची, लाहौर और रावलपिंडी) में करा सकता है। इसमें से भारत के सभी मैच लाहौर में हो सकते हैं, ताकि टीम की सिक्योरिटी का मैनेजमेंट सही तरीके से हो सके। इसका एक और कारण यह है कि लाहौर भारत के वाघा बॉर्डर से नजदीक है।

पीसीबी के सूत्रों के मुताबिक आईसीसी महाप्रबंधक वसीम खान ने भी हाल ही में लाहौर का दौरा किया था, जहां उन्होंने पीसीबी के अधिकारियों के साथ चैंपियंस ट्रॉफी के इंतजामों को

लेकर चर्चा की थी और यह सुझाव दिया था कि भारतीय टीम को कम ट्रैवल कराया जाए।

मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक, पीसीबी ने टूर्नामेंट के वेन्यू का ड्राफ्ट आईसीसी को सौंप दिया है। टूर्नामेंट के आयोजन अगले साल फरवरी-मार्च में होना है। वनडे वर्ल्ड कप 1996 के बाद यह पहला मौका है जब पाकिस्तान को किसी आईसीसी इवेंट की मेजबानी दी गई है।

पीसीबी अध्यक्ष मोहसिन नकवी ने लाहौर में एक प्रेस कॉन्फ्रेंस में कहा, हमने चैंपियंस ट्रॉफी के लिए पाकिस्तान में होने वाले मैचों का शेड्यूल भेज दिया है। आईसीसी की सिक्योरिटी टीम आई थी और हमारी बहुत अच्छी मीटिंग हुई। हम लगातार आईसीसी के संपर्क में बने हुए हैं। हम इस बात की पूरी कोशिश कर रहे हैं कि हम अच्छा टूर्नामेंट होस्ट करें।

पिछले महीने एक मीडिया रिपोर्ट में दावा किया गया था कि इसे एशिया कप की तरह 'हाइब्रिड मॉडल' पर करा सकता है। आईसीसी के कार्यकारी बोर्ड के एक सूत्र ने पीटीआई से कहा था, 'यदि भारत सरकार टीम इंडिया को पाकिस्तान भेजना नहीं चाहती तो, आईसीसी वहां के बोर्ड पर दबाव नहीं बना सकती है। उसे विकल्प तलाशना होगा।

भारत के कहने पर एशिया कप के मैच श्रीलंका में हुए थे

पिछले साल भी एशिया कप की मेजबानी पाकिस्तान को मिली थी। तब भी भारत के वहां नहीं जाने पर यह टूर्नामेंट 'हाइब्रिड मॉडल' पर हुआ था। भारत के मुकाबले श्रीलंका में कराए गए थे। कोलंबो में हुए फाइनल मुकाबले में भारतीय टीम ने श्रीलंका को 10 विकेट से हराकर चैंपियनशिप जीती थी।

थॉमस कप में इंडोनेशिया से हारा भारत

एचएस प्रणय ही जीत सके मुकाबला, बाकी को मिली हार; ग्रुप सी में दूसरे स्थान पर रहा

चेंगदू, 2 मई (एजेंसियां)। चीन के चेंगदू में खेले जा रहे थॉमस कप बैडमिंटन टूर्नामेंट में भारत को इंडोनेशिया से 1-4 से हार का सामना करना पड़ा। इसके साथ ही इंडोनेशिया ग्रुप सी में टॉप पर है।

वहीं भारत दूसरे स्थान पर है। दोनों ही टीमें पहले ही क्वार्टर फाइनल में पहुंच गई हैं। दूसरी ओर, भारतीय विमेंस टीम उबर कप के क्वार्टर फाइनल में जापान से हार का सामना करना पड़ा।

थॉमस कप पुरुष टीमों के बीच होने वाला मल्टीनेशनल बैडमिंटन टूर्नामेंट है। महिलाओं के इस टूर्नामेंट को उबर कप कहा जाता है। इन टूर्नामेंट में दो टीमों के एक मुकाबले में तीन सिंगल्स और 2 डबल्स मैच खेले जाते हैं इंडोनेशिया के खिलाफ ग्रुप सी के आखिरी मुकाबले में भारत के एचएस प्रणय ही अपना मैच जीत सके। बाकी दो सिंगल्स और दो

डबल्स में भारत को हार का सामना करना पड़ा।

पहले मैच में प्रणय ने जीत दिलाई

मेंस के सिंगल्स में भारत के नंबर एक खिलाड़ी एचएस प्रणय ने शुरुआती मैच में पहला गेम गंवाने के बाद वापसी करते हुए एंथनी गिंटिंग को 13-21, 21-12, 21-12 से हराकर टीम को 1-0 से आगे कर दिया।

सात्विकसाईंराज और चिराग पहला गेम जीतने के बाद मैच गंवाया

दूसरा मैच डबल्स का खेला गया। दुनिया की तीसरे नंबर की जोड़ी सात्विकसाईराज रंकीरेड्डी और चिराग शेट्टी को मुहम्मद शोहिबुल फिकरी और बागस मौलाना से हार का सामना करना पड़ा।

सात्विकसाईराज और चिराग की जोड़ी ने पहला गेम 24-22 से अपने पक्ष में कर लिया। वहीं उसके बाद वह इस लय को बरकरार नहीं रख पाए और इंडोनेशियाई ने जोड़ी ने वापसी करते हुए दूसरा और तीसरा गेम 24-22, 21-19 से जीत कर स्कोर 1-1 की बराबर कर लिया।

लक्ष्य ऑल इंग्लैंड चैंपियनशिप जोनाथन क्रिस्टी से हारे

तीसरा मैच सिंगल्स का हुआ। इसमें भारत के लक्ष्य सेन को ऑल इंग्लैंड चैंपियनशिप के मेंस सिंगल्स के विजेता जोनाथन क्रिस्टी से हार का सामना करना पड़ा। पहला गेम सेन 18-21 से हार गए। उसके बाद उन्होंने वापसी करते हुए दूसरा गेम 21-16 से अपने पक्ष में कर लिया। फिर आखिरी और निर्णायक तीसरे गेम में लक्ष्य को 17-21 से हार का सामना करना पड़ा।

चौथे मैच में भी मिली हार

चौथा मैच डबल्स का खेला गया। इस मैच में भारत के ध्रुव कपिला और साई प्रतीक को लियो रोली कार्नांडो और डेनियल मार्थिन ने सीधे गेम में 22-20, 21-11 से हराकर इंडोनेशिया को 3-1 की विजयी बढ़त दिलाई।

दुबे और पंड्या को प्लेइंग इलेवन में साथ होना चाहिए

इरफान बोले -दोनों ऑलराउंडर भारतीय टीम को बॉलिंग डेप्थ देंगे

मुंबई, 2 मई (एजेंसियां)। टी-20 वर्ल्ड कप के लिए भारतीय टीम की घोषणा हो चुकी है। इरफान पठान का मानना है कि टीम की प्लेइंग इलेवन में हार्दिक पंड्या के साथ ही शिवम दुबे को भी बतौर ऑलराउंडर शामिल किया जाना चाहिए। वहीं, रवींद्र जडेजा दुबे-पंड्या के बाद नंबर-8 पर बल्लेबाजी करें। इससे टीम इंडिया को बॉलिंग में डेप्थ और बैटिंग में मदद मिलेगी। पूर्व भारतीय खिलाड़ी मोहम्मद कैफ का मानना है कि शिवम दुबे बल्लेबाजी करने के लिए हार्दिक पंड्या के ऊपर आए। मोहम्मद कैफ का मानना है कि शिवम दुबे को नंबर-6 पर बल्लेबाजी करनी चाहिए। कैफ बोले, रोहित-यशस्वी ओवन करें, कोहली-सूर्या नंबर 3 और नंबर 4 पर आए।

भारतीय महिला हॉकी टीम में बड़ा बदलाव, सविता पूनिया की जगह सलीमा टेटे बनीं कप्तान

नई दिल्ली, 2 मई (एजेंसियां)। भारतीय महिला हॉकी टीम में बड़ा बदलाव हुआ है। मिडफील्डर सलीमा टेटे को अनुभवी गोलकीपर सविता पूनिया की जगह इस महीने के आखिर में होने वाले एफआईएच प्रो लीग के बेल्जियम और इंग्लैंड चरण के लिए भारत की 24 सदस्यीय महिला हॉकी टीम का कप्तान चुना गया है। वहीं, नवनीत कौर को उपकप्तान बनाया गया है।

सलीमा ने हॉकी इंडिया द्वारा जारी विज्ञप्ति में कहा- मुझे खुशी है कि टीम की कप्तानी दी गई है। यह बड़ी जिम्मेदारी है और मैं इसे लेकर उत्साहित हूं। हमारे पास मजबूत टीम है जिसमें अनुभवी और युवा खिलाड़ी हैं।

उन्होंने कहा, 'एफआईएच प्रो लीग के आगामी बेल्जियम और इंग्लैंड चरण में हम अपना सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन करेंगे। हमें अपनी कमजोरियों से पार पाना है।' सविता ओलंपिक क्वालिफायर और उसके

बाद प्रो लीग मैचों में भारत की कप्तान रही थीं। बेल्जियम में मैच 22 से 26 मई तक और इंग्लैंड में एक से नौ जून तक होंगे। भारत का सामना पहले चरण में दो बार अर्जेंटीना और बेल्जियम से होगा। लंदन चरण में टीम ब्रिटेन और जर्मनी से खेलेगी। भारत इस समय प्रो लीग तालिका में छठे स्थान पर है। सलीमा को हाल ही में हॉकी इंडिया सालाना पुरस्कारों में बलबीर सिंह सीनियर वर्ष की सर्वश्रेष्ठ महिला खिलाड़ी का पुरस्कार मिला था।

भारतीय महिला टीम :

गोलकीपर : सविता पूनिया, बिछू देवी खारीबाम।

डिफेंडर : निक्की प्रधान, उदिता, इशिका चौधरी, मोनिका, ज्योति छत्री, महिमा चौधरी।

मिडफील्डर : सलीमा टेटे (कप्तान), वैष्णवी विट्ठल फाल्के, नवनीत कौर, नेहा, ज्योति, बलजीत कौर, मनीषा चौहान, लालरेम्सियामी।

फॉरवर्ड : मुमताज खान, संगीता कुमारी, दीपिका, शर्मिला देवी, प्रीति दुबे, वंदना कटारिया, सुनेलिता टोप्पो, दीपिका सोरेंग।

टी-20 वर्ल्ड कप के लिए तीन देशों की टीम घोषित

कनाडा-ओमान में 11 भारतीय; नेपाल में संदीप लामिछाने को जगह नहीं

नई दिल्ली, 2 मई (एजेंसियां)। टी-20 वर्ल्ड के लिए कनाडा, नेपाल और ओमान ने भी अपनी टीमों की घोषणा कर दी है। नेपाल ने अपनी टीम में पूर्व कप्तान संदीप लामिछाने को जगह नहीं दी है। कनाडा और ओमान ने पाकिस्तानी मूल के खिलाड़ी को अपना कप्तान बनाया है। दोनों टीमों में 11 भारतीय खिलाड़ी शामिल हैं। ओमान ने 4 और कनाडा ने 7 भारतीय मूल के खिलाड़ियों को टीम में जगह दी है।

रोहित पौडेल नेपाल के कप्तान

टी-20 वर्ल्ड कप में दूसरी बार क्वालिफाई करने वाली नेपाल की टीम में संदीप लामिछाने को जगह नहीं दी गई है। नेपाल ने रोहित पौडेल को टीम का कप्तान नियुक्त किया है। टीम में आतिशी बल्लेबाज दीपेंद्र सिंह ऐरी भी हैं। उन्होंने हाल ही टी-20 अंतरराष्ट्रीय मैच में एक ओवर में छह छक्के जड़े थे। 34 गेंदों पर टी-20 शतक ठोकने वाले कुशल मल्ला भी टीम का हिस्सा हैं।

संदीप लामिछाने पर सितंबर 2022 में रेप का केस हुआ था। निचली अदालत ने उन्हें पुलिस हिरासत में रखकर पूछताछ करने के लिए कहा, लेकिन सुप्रीम कोर्ट ने हिरासत में रखने के फैसले को पलट दिया। सुनवाई के दौरान लामिछाने जमानत लेकर नेपाल के लिए क्रिकेट खेलते रहे।

आखिर में जनवरी 2024 में काठमांडू जिला न्यायालय ने लामिछाने को आठ साल की जेल की सजा सुनाई। उन पर 3 लाख नेपाली रुपए का जुर्माना लगाया गया और पीड़ित को 2 लाख रुपए का मुआवजा देने को कहा गया।

नेपाल क्रिकेट एसोसिएशन ने तुरंत स्पिनर को किसी भी घरेलू और अंतरराष्ट्रीय मैच में भाग लेने से बैन

कर दिया। फरवरी में, लेग स्पिनर ने ऊपरी अदालत में अपील की और याचिका पर सुनवाई होने तक हिरासत से बाहर रहने का उनका अनुरोध स्वीकार कर लिया गया।

नेपाल टीम

रोहित पौडेल (कप्तान), आसिफ शेख, अनिल कुमार साह, कुशल भुर्टेल, कुशल मल्ला, दीपेंद्र सिंह ऐरी, ललित राजबंशी, करण केसी, गुलशन झा, सोमपाल कामी, प्रतीस जीसी, संदीप जोरा, अविनाश बोहरा, सागर ढकाल, कमल सिंह ऐरी।

ओमान ने वर्ल्ड कप के लिए नया कप्तान नियुक्त किया

टी-20 वर्ल्ड कप में तीसरी बार खेलने वाली ओमान टीम ने टूर्नामेंट के लिए नया कप्तान नियुक्त किया है। ओमान ने पाकिस्तानी मूल के आकिब इलियास को जीशान मकसूद की जगह टीम की कमान सौंपी है। हालांकि, पूर्व कप्तान जीशान मकसूद टीम में जगह बनाने में सफल हुए हैं। वहीं टीम में चार भारतीय मूल के खिलाड़ी भी शामिल किए गए हैं। जिसमें कश्यप प्रजापति, प्रतीक अठावले, अयान खान और शोएब खान शामिल हैं। ओमान वर्ल्ड कप में अपने अभियान का आगाज 2 जून को बारबाडोस में नामीबिया के खिलाफ करेगा और उसे ग्रुप B में गत चैंपियन इंग्लैंड, ऑस्ट्रेलिया और स्कॉटलैंड के साथ रखा गया है।

ओमान टीम

आकिब इलियास (कप्तान), जीशान मकसूद, अयान खान, कश्यप प्रजापति, शोएब खान, मोहम्मद नदीम, प्रतीक अठावले, नसीम खुशी, खालिद कैल, मेहरान खान, बिलाल खान, कलीमुल्लाह, फैयाज बट, शकील अहमद, रफीउल्लाह।

कनाडा में सात भारतीय मूल के खिलाड़ी

पहली बार टी-20 वर्ल्ड कप के लिए क्वलिफाई करने वाली कनाडा टीम ने 15 सदस्यीय टीम की घोषणा कर दी है। टीम में पाकिस्तानी मूल के ऑलराउंडर साद जफर को कप्तानी सौंपी गई है। वहीं इस टीम में 7 भारतीय मूल के खिलाड़ियों को जगह दी गई है। इनमें दिलप्रीत बाजवा, हर्ष ठाकेर, कंवरपाल ताथगुर, नवनीत धालीवाल, परगट सिंह, रविंदरपाल सिंह, और श्रेयस मोव्वा शामिल हैं।

कनाडा टीम

साद जफर (कप्तान), एरोन जॉनसन, दिलन हेइलिगर, दिलप्रीत बाजवा, हर्ष ठाकेर, जेरेमी गॉर्डन, जुनैद सिद्दीकी, कलीम सना, कंवरपाल ताथगुर, नवनीत धालीवाल, निकोलस किर्टन, परगट सिंह, रविंदरपाल सिंह, रेयानखान पठान, श्रेयस मोव्वा।

14 करोड़ के खिलाड़ी को लगी चोट, 2 करोड़ का बॉलर बाहर

नई दिल्ली, 2 मई (एजेंसियां)। अपने खिताब का बचाव करने उतरी चेन्नई सुपर किंग्स के लिए ये सीजन अभी तक खास अच्छा नहीं रहा है और टीम को अपने घर चेपॉक तक में हार का सामना करना पड़ रहा है. नए कप्तान ऋतुराज गायकवाड़ के नेतृत्व में टीम को 10 मैचों में सिर्फ 5 ही जीत मिली हैं.

डिफेंडिंग चैंपियन चेन्नई सुपर किंग्स को आईपीएल 2024 में पांचवीं हार का सामना करना पड़ा है और उसके लिए प्लेऑफ में जगह बनाना अभी भी आसान नहीं हुआ है. एक तरफ टीम अपने घर में ही हार रही है और उस पर टीम अपने कई खिलाड़ियों को लेकर परेशानी में पड़ गई है.

ऋतुराज गायकवाड़ की टीम को अपने ही घर में पंजाब किंग्स से हार का सामना करना पड़ा. पंजाब ने इस मैच में चेन्नई को उसके ही स्पिन वाले जाल में फंसाकर 6 विकेट से हराया. लेकिन हार से पहले ही चेन्नई को इस मैच में अपने स्टार तेज गेंदबाज की चोट ने परेशानी में डाल दिया.

टीम के पहले ओवर में ही दीपक चाहर चोटिल हो गए. चाहर को दूसरी बॉल के बाद ही ओवर छोड़ना पड़ा, क्योंकि उनके पैर में दर्द होने लगा था, जिससे साफ लगा कि उनकी हैमस्ट्रिंग की चोट फिर से उबर आई. वो फिर मैदान में नहीं लौटे. 14 करोड़ की कीमत वाले चाहर इस सीजन में कितने मैच और खेल पाएंगे, कहना मुश्किल है.

अगर बीजेपी को 400 सीटें मिली तो आरक्षण रद्द कर देगी : रेवंत रेड्डी

आसिफाबाद, 2 मई (स्वतंत्र वार्ता)। गुरुवार को सीएम रेवंत रेड्डी ने आसिफाबाद जनसभा में हिस्सा लिया। लोकसभा चुनाव अभियान के तहत कुमरम भीम आसिफाबाद जिले में एक खुली बैठक का आयोजन किया। इस मौके पर बीजेपी पर कई आरोप लगाए गए। उन्होंने कहा कि कांग्रेस ने आदिवासी बच्चियों को आदिलाबाद की समस्याओं को गली से लेकर दिल्ली तक आवाज उठाने का मौका दिया है।

आसिफाबाद सभा में सीएम रेवंत ने कहा कि अगर बीजेपी को 400 सीटें मिलेंगी तो आरक्षण रद्द कर दिया जाएगा। उन्होंने कहा कि आरक्षण पर सवाल उठाने पर उनके खिलाफ मुकदमा दर्ज किया गया है। उन्होंने कहा कि वह ऐसे मामलों से डरने वाले नहीं हैं क्योंकि वे दिल्ली पुलिस भेजकर उन्हें गिरफ्तार कराने की कोशिश कर रहे हैं। उन्होंने अतीत को याद करते हुए कहा कि उनके खिलाफ 200 सौ मामले दर्ज किए गए थे और उन्हें चंचलगुडा और चारलापल्ली जेल भेजा गया था। हालांकि, सीएम रेवंत रेड्डी ने आसिफाबाद में जनजतारा सार्वजनिक बैठक में जनता से कहा कि वह कहीं भी पीछे नहीं हटे हैं।

उन्होंने कहा कि अगर कांग्रेस आप इस क्षेत्र से सोयम बापुराव को जिताते हैं, तो भाजपा नेतृत्व ने इस क्षेत्र का कोई भला नहीं करेगी। उन्होंने इस क्षेत्र पर ध्यान नहीं देने के लिए राज्य में बीआरएस और केंद्र में भाजपा की आलोचना की। उन्होंने आरोप लगाया कि बीजेपी ने सोयम बापुराव को धोखा दिया और इस बार उन्हें टिकट भी नहीं दिया। उन्होंने कहा कि कांग्रेस ने पहली बार आदिवासी बेटी अत्राम सुगुना को मौका दिया है। सीएम रेवंत ने कहा कि अथराम सुगुना के शिक्षक के रूप में उन्हें बच्चों से उतना ही प्यार है जितना उन्होंने उनके भविष्य के लिए सोचा है और अगर उन्हें सांसद के रूप में मौका दिया गया तो वे उसी प्यार से निर्वाचन क्षेत्र का विकास करेंगे। उस दिन इंदिरम्मा ने कहा था कि अगर घर में रहने वाले किसी गरीब आदिवासी बच्चे को विधायक बनने का मौका दिया जाए तो वह विधानसभा में लड़ेंगे। उन्होंने कहा कि आदिलाबाद से मेरा विशेष लगाव है। सीएम रेवंत ने कहा कि इस क्षेत्र में पुल और स्कूल बनाने की जिम्मेदारी उनकी है। उन्होंने कहा कि केंद्र व राज्य सरकार ने इस क्षेत्र में बंद पड़े सीसीआई पर ध्यान नहीं दिया। उन्होंने कहा कि बीजेपी ने 2021 से जनसंख्या की गणना नहीं की है। भाजपा पर आठ राज्यों में कांग्रेस सरकारों को गिराने और आरक्षण खत्म करने की साजिश रचने का आरोप लगाया।

तेलंगाना कांग्रेस एक्स एडमिन पर केस

हैदराबाद साइबर अपराध पुलिस ने दर्ज किया मामला

हैदराबाद, 2 मई (स्वतंत्र वार्ता)। हैदराबाद साइबर अपराध पुलिस ने कथित तौर पर गलत सूचना फैलाने के आरोप में तेलंगाना कांग्रेस पार्टी 'एक्स' (पूर्व में ट्विटर) खाते के प्रशासकों के खिलाफ मामला दर्ज किया। पुलिस को दी गई शिकायत में, भाजपा के राज्य महासचिव जी प्रेमेंदर रेड्डी ने आरोप लगाया कि कांग्रेस पार्टी के नेताओं ने मुस्लिम और एससी/एसटी आरक्षण पर केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह के बयानों के संबंध में उनके एक वीडियो में छेड़छाड़ की है। शिकायत के आधार पर पुलिस आईपीसी की धारा 469, 505 (1)(सी) के तहत मामला दर्ज कर जांच कर रही है।

केसीआर पर चुनाव आयोग के प्रतिबंध की निंदा

केटीआर ने उठाया सवाल, कहा-यह कैसी कार्रवाई?

हैदराबाद, 2 मई (स्वतंत्र वार्ता)। बीआरएस ने चुनाव आयोग द्वारा उसके अध्यक्ष के.चंद्रशेखर राव को बुधवार शाम से 48 घंटे के लिए चुनाव प्रचार करने से रोकने पर कड़ी प्रतिक्रिया व्यक्त की और चुनाव आयोग से पूछा कि उसने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और मुख्यमंत्री ए रेवंत रेड्डी के खिलाफ कोई कार्रवाई क्यों नहीं की? बीआरएस के कार्यकारी अध्यक्ष के टी रामा राव ने चुनाव आयोग की कार्रवाई पर सवाल उठाया और पूछा कि यह किस तरह का न्याय है? उन्होंने कहा कि क्या चुनाव आयोग को पीएम मोदी की 'भड़काऊ' टिप्पणी नजर नहीं आ रही है?

बीआरएस नेता ने एक्स पर लिखा, हजारों नागरिकों की शिकायतों के बावजूद मोदी के खिलाफ कोई कार्रवाई नहीं। बीआरएस नेता ने यह भी पूछा कि क्या रेवंत रेड्डी के 'अपमानजनक शब्द' चुनाव आयोग को उपदेश की तरह लगते हैं। उन्होंने इसे पीएम और सीएम की साजिश करार देते हुए पोस्ट किया कि तेलंगाना के बेईमान घटिया सीएम रेवंत के खिलाफ कोई कार्रवाई नहीं। उन्होंने पूछा कि केसीआर की बस यात्रा से बीजेपी और कांग्रेस इतनी क्यों बौखला गईं? उन्होंने कहा कि तेलंगाना के लोग आपके अहंकार और दुरूपयोग का करारा जवाब देंगे। रामा राव ने एक अन्य पोस्ट में कहा कि आप उन पर अस्थायी रूप से प्रतिबंध लगा सकते हैं, आप उस सच्चाई को नहीं मार सकते जो वह चाहते हैं कि तेलंगाना को पता चले। याद रखें, कड़वे सच बोलने के कारण आपसे डरने वाले केवल वही लोग हैं जो झूठ में जी रहे हैं।

क्रिप्टो धोखाधड़ी मामले में सीबीआई ने की छापेमारी

हैदराबाद, 2 मई (स्वतंत्र वार्ता)। केंद्रीय जांच ब्यूरो (सीबीआई) ने ऐप-आधारित धोखाधड़ी वाली निवेश योजनाओं की चल रही जांच में भारत के 10 राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों में 30 स्थानों को कवर करते हुए बड़े पैमाने पर देशव्यापी तलाशी अभियान चलाया है। तलाशी के दौरान, सीबीआई ने मोबाइल फोन, कंप्यूटर हार्ड ड्राइव, सिम कार्ड, एटीएम/डेबिट कार्ड, ईमेल खाते और विभिन्न आपत्तिजनक दस्तावेजों सहित महत्वपूर्ण डिजिटल साक्ष्य जब्त किए। सीबीआई ने दो निजी कंपनियों और उनके निदेशकों के खिलाफ इस आरोप में मामला दर्ज किया था कि आरोपी कथित तौर पर एचपीजेड टोकन ऐप से जुड़ी एक धोखाधड़ी निवेश योजना में शामिल थे।

इस योजना में कथित तौर पर जनता को गैर-मौजूद क्रिप्टो-मुद्रा खनन मशीन किराये में निवेश करने के लिए गुमराह करना शामिल था। एचपीजेड एक ऐप-आधारित टोकन है जो उपयोगकर्ताओं को बिटकॉइन और अन्य क्रिप्टोकरेंसी के लिए खनन मशीनों में निवेश करके बड़े लाभ का वादा करता है। जालसाजों ने कथित तौर पर एक कार्यप्रणाली का इस्तेमाल किया जो पीड़ितों को बिटकॉइन खनन में उनके निवेश पर भारी रिटर्न के बहाने एचपीजेड टोकन ऐप में निवेश करने के लिए लुभाता था। जांच से पता चला है कि आरोपियों से संबंधित लगभग 150 बैंक खातों का इस्तेमाल निवेशकों से धन इकट्ठा करने के लिए किया गया था। सीबीआई ने कहा कि इन फंडों का इस्तेमाल शुरू में विश्वास बनाने के लिए भुगतान के लिए किया जाता था, फिर अवैध रूप से भारत से बाहर स्थानांतरित किया जाता था, अक्सर क्रिप्टोकरेंसी में परिवर्तित किया जाता था या हवाला लेनदेन के माध्यम से स्थानांतरित किया जाता था।

केसीआर की बस यात्राओं से डरी हुई है कांग्रेस और बीजेपी : हरीश राव

सिद्दीपेट, 2 मई (स्वतंत्र वार्ता)। पूर्व मंत्री टी हरीश राव ने कहा कि भारत के चुनाव आयोग ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को चुनाव प्रचार से नहीं रोका, हालांकि उनके भाषणों ने सांप्रदायिक नफरत पैदा की। राव ने कहा कि चुनाव आयोग ने मुख्यमंत्री ए रेवंत रेड्डी के खिलाफ कार्रवाई नहीं की, हालांकि उन्होंने अपने भाषणों के दौरान राज्य में जातियों के बीच मतभेद पैदा करने का प्रयास किया।

पूर्व मंत्री ने कहा कि रेवंत ने के.चंद्रशेखर राव के खिलाफ ईसीआई से शिकायत की थी क्योंकि राव किसानों के हित के लिए आवाज उठा रहे थे। बुधवार रात सिद्दीपेट विधानसभा क्षेत्र के चिन्ना कोदुर में एक चुनावी रैली को संबोधित करते हुए उन्होंने कहा कि कांग्रेस और भाजपा दोनों पवित्र हैं, क्योंकि राव की बस यात्राओं को शानदार प्रतिक्रिया मिली। हरीश ने कहा कि केसीआर को चुनाव प्रचार से रोकना दोनों राष्ट्रीय पार्टियों के लिए ज्यादा फायदेमंद नहीं होगा, क्योंकि वह तेलंगाना के लोगों के दिलों में हैं। उन्होंने कहा कि ये पार्टियां राव को लोगों के दिलों से नहीं मिटा सकतीं।

37 लाख की अवैध शराब जब्त, 3 गिरफ्तार

साइबराबाद पुलिस ने की कार्रवाई

हैदराबाद, 2 मई (स्वतंत्र वार्ता)। साइबराबाद स्पेशल ऑपरेशंस टीम ने अवैध रूप से शराब ले जा रहे 3 लोगों को गिरफ्तार कर 37 लाख की अवैध शराब जब्त किया है। बुधवार को अलग-अलग जगहों पर टीम ने कार्रवाई की। गुप्त सूचना के आधार पर कार्रवाई करते हुए पुलिस ने बाचुपल्ली और पेटबशीराबाद में अलग-अलग लोगों को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने करीब 4513 लीटर शराब जब्त की। एक अलग मामले में केपीएचबी में पुलिस ने 2 लोगों को पकड़ा जो उचित दस्तावेजों के बिना पैसे ले जा रहे थे और उनसे 1.24 लाख रुपये जब्त किए गए।

भाजपा तीसरी बार जीती तो लोकतंत्र खतरे में : उत्तम

हैदराबाद, 2 मई (स्वतंत्र वार्ता)। नागरिक आपूर्ति और सिंचाई मंत्री एन उत्तम कुमार रेड्डी ने चेतावनी दी कि अगर नरेंद्र मोदी प्रधानमंत्री के रूप में तीसरी बार जीते तो भारत में लोकतंत्र खतरे में पड़ सकता है।

मंत्री ने गुरुवार को नलगोंडा में कई बैठकों को संबोधित करते हुए ये टिप्पणियां कीं। संगारेड्डी की अपनी हालिया यात्रा के दौरान पीएम मोदी के भाषण का जिक्र करते हुए उत्तम कुमार रेड्डी ने कहा कि मोदी यह स्पष्ट रूप से निर्दिष्ट करने में विफल रहे कि अगर भाजपा सत्ता में आती है तो वह संविधान में बदलाव नहीं करेगी। उन्होंने कहा कि भाजपा और आरएसएस ने अक्सर संकेत दिया है कि वे आरक्षण प्रणाली के खिलाफ हैं, उन्होंने कहा कि हमेशा एक खतरा था कि अगर भाजपा फिर से सत्ता में आई तो वह आरक्षण प्रणाली को खत्म कर देगी। डॉ.बी आर अंबेडकर द्वारा तैयार किया गया संविधान सिर्फ एक किताब नहीं है, बल्कि यह लोकतंत्र की आत्मा है, जिस पर मोदी ने पिछले दस वर्षों में कई विवादास्पद कानून लाकर कई बार हमला किया है। इनमें तीन विवादास्पद कृषि कानून भी शामिल थे, जिन्हें उन्होंने किसानों के भारी आंदोलन के बाद वापस ले लिया। भाजपा सरकार संविधान के कवर पेज को भले ही न बदले, लेकिन वे आरक्षण को खत्म करने के आरएसएस के एजेंडे को लागू करने के लिए चरण-दर-चरण प्रावधानों को बदलना चाहते हैं। मंत्री ने प्रधानमंत्री पर कांग्रेस पर एससी, एसटी और बीसी से आरक्षण छीनकर मुसलमानों को देने का आरोप लगाकर लोगों को गुमराह करने का आरोप लगाया।

उन्होंने मोदी को चुनौती दी कि वे इतिहास में एक भी ऐसा उदाहरण साबित करें जहां एक समुदाय का आरक्षण कोटा हटाकर मुसलमानों सहित दूसरे समुदाय को दिया गया हो। उत्तम कुमार रेड्डी ने आरोप लगाया कि मोदी कांग्रेस नेता राहुल गांधी के देश भर में जाति जनगणना कराने और प्रत्येक समुदाय को संसाधनों और अवसरों में उसका उचित हिस्सा देने के वादे से डरते हैं।

लूटपाट करने वाले गिरोह के चार कुख्यात लुटेरे गिरफ्तार

> एमएमटीएस ट्रेन में सीआरपीएफ के सब इंस्पेक्टर से की थी लूटपाट

हैदराबाद, 2 मई (स्वतंत्र वार्ता)। काचीगुडा रेलवे पुलिस ने आरपीएफ टीम के साथ मिलकर एक लूट करने वाले गिरोह के चार कुख्यात लोगों को गिरफ्तार किया है। आरोपियों ने 27 अप्रैल को याकूतपुरा और उप्पुगुडा रेलवे स्टेशनों के बीच एमएमटीएस ट्रेन में यात्रा कर रहे सीआरपीएफ एसआई से सोने की चेन, दो फोन, एक स्मार्ट घड़ी और 700 रुपये की नकदी लूटी थी। आज आर. येलप्पा, पुलिस निरीक्षक, आरपीएस काचीगुडा, जीआरपी और आरपीएफ स्टाफ के साथ मलकपेट रेलवे स्टेशन परिसर में चेकिंग कर रहे थे, तो उन्होंने 4 लोगों को संदिग्ध तरीके से घूमते हुए देखा और पुलिस को देखकर, उन्होंने वहां से भागने की कोशिश की। जीआरओ और आरपीएफ टीम ने उन चार व्यक्तियों को पकड़ा, उनकी गहन तलाशी ली और उनके पास से दो चाकू, टूटी हुई सोने की चेन, एक फोन, स्मार्ट घड़ी बरामद की। पूछताछ करने पर वे कोई संतोषजनक उत्तर नहीं दे पाए। इंस्पेक्टर आरपीएस काचीगुडा ने उन्हें गिरफ्तार कर लिया। आरोपी व्यक्ति हैदराबाद शहर और राचकोंडा पुलिस कमिश्नरेट में आपराधिक मामलों में शामिल हैं। आरोपियों में मोहम्मद इब्राहिम उर्फ इब्राहिम पठान, मोहम्मद तौहीद, मोहम्मद अनसुद्दीन, मोहम्मद मुकीम शामिल हैं। पुलिस का कहना है कि अब तक एकत्र किए गए साक्ष्यों से पता चला है कि सभी आरोपी एक ही इलाके के रहने वाले हैं, कोई काम नहीं करते और आसानी से कमाई करना चाहते हैं। सभी ने मिलकर एक गिरोह बना लिया। बीती 26 अप्रैल की रात को सभी आरोपी याकुतपुरा रेलवे स्टेशन पर गए। एमएमटीएस ट्रेन प्लेटफॉर्म पर आई तो आरोपी व्यक्ति ट्रेन में चढ़ गए। आरोपियों ने सीआरपीएफ सब-इंस्पेक्टर ट्रेन में अकेला बैठा पाया। आरोपी उसके पास पहुंचे और चाकू की नोक पर नकदी, फोन, सोने के आभूषण देने को कहा, जब पीड़ित ने देने से इनकार कर दिया तो आरोपी अनस ने पीड़ित के दाहिने हाथ पर चोट पहुंचाई और आरोपियों ने उनसे सोने की चेन, दो मोबाइल फोन आदि छीन लिया। गिरफ्तार आरोपियों को न्यायिक हिरासत के लिए न्यायालय के समक्ष पेश किया जा रहा है। मामले की जांच आईआरपी आर. येलप्पा, काचीगुडा आरपीएस द्वारा शेख सलीमा, एसआरपी, सिकंदराबाद के मार्गदर्शन और एस.एन. जावेद, डीएसआरपी (यू) सिकंदराबाद की निगरानी में की जा रही है। एडीजी रेलवे और सड़क सुरक्षा महेश भागवत ने टीम वर्क की सराहना करते हुए उन्हें पुरस्कार देने की घोषणा की है।

महिला बनकर डेटिंग ऐप पर पैसे ऐंठने वाला ठग गिरफ्तार

हैदराबाद, 2 मई (स्वतंत्र वार्ता)। साइबराबाद पुलिस ने एक ऐसे व्यक्ति को गिरफ्तार किया है जो खुद को महिला बताकर लोगों से दोस्ती कर उनसे भारी रकम वसूलता था। गिरफ्तार शख्स दिलसुखनगर का रहने वाला मेगाराय दिनेश है, जिसने खुद को महिला बताकर डेटिंग ऐप 'क्वैकक्वैक' के जरिए एक शख्स से दोस्ती की। कुछ हफ्तों तक चैट करने के बाद दिनेश ने कुछ जरूरी काम के बहाने पीड़ित से 4.09 लाख रुपये ले लिए।

पुलिस ने बताया कि संदिग्ध ने डेटिंग ऐप्स पर कई अकाउंट बनाए थे और लोगों से कई लाख रुपये की ठगी की थी। संदिग्ध ने ज्यादातर क्वैक-क्वैक, टिंडर, बम्बल, क्यूपिड और इंडियन डेटिंग एप्लिकेशन का इस्तेमाल किया। साइबर पुलिस ने बताया कि पीड़ितों से पैसे इकट्ठा करने के बाद, संदिग्ध ने इसे ऑनलाइन सट्टेबाजी अनुप्रयोगों पर खर्च कर दिया। उसे पहले दो अलग-अलग आपराधिक मामलों में गिरफ्तार किया गया था। पुलिस ने लोगों को डेटिंग एप्लिकेशन का उपयोग करते समय सावधान रहने और इंटरनेट पर व्यक्तिगत विवरण साझा नहीं करने की सलाह दी।

देशी पिस्तौल रखने के आरोप में एक गिरफ्तार

हैदराबाद, 2 मई (स्वतंत्र वार्ता)। साइबराबाद पुलिस ने गुरुवार को एक ऐसे व्यक्ति को गिरफ्तार किया जो देशी पिस्तौल रखता था और बेचने की योजना बना रहा था। पुलिस के मुताबिक, जीडिमेटला निवासी वामशी कुमार गौड़ नाम के शख्स ने मध्य प्रदेश के विशाल यादव से 50,000 रुपये में हथियार खरीदा था। डीसीपी एसओटी, डी श्रीनिवास ने कहा कि वामशी कुमार फेसबुक के माध्यम से विशाल के संपर्क में आया और बाद में उन्होंने अपने मोबाइल फोन नंबर साझा किए। कुछ दिनों बाद, विशाल वारंगल आया और पिस्तौल वामशी को सौंप दी। गुप्त सूचना पर पुलिस ने वामशी को पकड़ लिया और तीन गोलियों के साथ देशी हथियार भी जब्त कर लिया। फरार विशाल की गिरफ्तारी के प्रयास जारी हैं।

पूर्व मंत्री इंद्रकरण ने सीएम रेवंत से मुलाकात की

हैदराबाद, 2 मई (स्वतंत्र वार्ता)। पूर्व मंत्री अलोला इंद्रकरण रेड्डी ने गुरुवार को यहां मुख्यमंत्री रेवंत रेड्डी से उनके आवास पर शिष्टाचार भेंट की। एआईसीसी तेलंगाना प्रभारी दीपादास मुंशी, कांग्रेस विधायक कोमाटिरेड्डी राजगोपाल रेड्डी, सरकारी सलाहकार वेम नरेंद्र रेड्डी, तेलंगाना राज्य योजना बोर्ड के उपाध्यक्ष जी चिन्ना रेड्डी और अन्य कांग्रेस नेता मौजूद थे। इंद्रकरण रेड्डी बुधवार को कांग्रेस में शामिल हुए, बीआरएस के टिकट पर निर्मल विधानसभा क्षेत्र से जीतने के बाद 2018 से 2023 तक बीआरएस शासन के दौरान वन मंत्री थे। उन्होंने 2014 से 2018 के बीच बंदोबस्ती, कानून और आवास मंत्री के रूप में भी कार्य किया।

सिकंदराबाद स्टेशन से 2 लाख, 30 हजार रुपये के साथ एक गिरफ्तार

हैदराबाद, 2 मई (स्वतंत्र वार्ता)। रेलवे पुलिस सिकंदराबाद और आरपीएफ सिकंदराबाद ने सिकंदराबाद रेलवे स्टेशन से एक व्यक्ति को 2 लाख 30 हजार रुपये के साथ गिरफ्तार किया है। आज रेलवे पुलिस सिकंदराबाद और आरपीएफ, सिकंदराबाद की टीम आम एमपी चुनावों के मद्देनजर जांच कर रहे थे। संदेह के आधार पर पुलिस टीम ने एक व्यक्ति को पकड़ा। गिरफ्तार आरोपी सीताराम राव, आरके नगर, मलकाजगिरी, हैदराबाद का रहने वाला है। आरोपी को पुलिस ने सिकंदराबाद रेलवे स्टेशन के प्लेटफार्म नंबर दो से एक नोटों से भरे बैग के साथ गिरफ्तार किया है। गहन जांच के बाद उसके बैग में 2,30,000 रुपये नकदी पाई गई। आगे पूछताछ करने पर पता चला कि वह एपी के मंगलगिरी में भूमि पंजीकरण के लिए इंटरसिटी एक्सप्रेस ट्रेन से नकदी ले जा रहा था, लेकिन उसने नकदी के बारे में कोई वैध दस्तावेज नहीं दिखाए और नकदी के कब्जे के बारे में भी संतोषजनक जवाब नहीं दिया। जब्त की गई संपत्ति को रिटर्निंग ऑफिसर, सनतनगर-62, सिकंदराबाद संसदीय क्षेत्र, हैदराबाद के माध्यम से (डीजीसी) जिला शिकायत समिति, हैदराबाद को सौंप दिया जा रहा है।

टीएसपीएससी, राज्य सरकार को नोटिस

ट्रांसजेंडर आरक्षण का मामला

हैदराबाद, 2 मई (स्वतंत्र वार्ता)। तेलंगाना उच्च न्यायालय के न्यायमूर्ति के पुल्ला कार्तिक ने बुधवार को 2022 में समूह IV अधिसूचना के लिए ट्रांसजेंडर आरक्षण की वैधता से संबंधित एक मामले में तेलंगाना राज्य लोक सेवा आयोग (टीएसपीएससी), राज्य सरकार और अन्य को नोटिस जारी किया।

देवथ श्रीनु, देवथ तनुश्री और दो अन्य ने अधिसूचना में ट्रांसजेंडरों के लिए आरक्षण प्रदान न करने में टीएसपीएससी की कार्रवाई को चुनौती देते हुए तीन रिट याचिकाएं दायर कीं। याचिकाकर्ताओं की वकील सागरिका कोनेरू ने सुप्रीम कोर्ट 9 के फैसले पर भरोसा करते हुए कि महिलाओं के अलावा ट्रांसजेंडर व्यक्तियों के लिए एक अलग श्रेणी प्रदान की जानी चाहिए, टीएसपीएससी को सभी याचिकाकर्ताओं के लिए उक्त अधिसूचना के तहत पद आरक्षित करने के निर्देश देने की मांग की। अब इस मामले में 10 जून को सुनवाई होगी।

ब्रिटिश उपउच्चायुक्त ने टीएसआरटीसी एमडी से की मुलाकात

पर्यावरण-अनुकूल सार्वजनिक परिवहन पर चर्चा

हैदराबाद, 2 मई (स्वतंत्र वार्ता)। ब्रिटिश उप उच्चायुक्त गैरेत विन ओवेन ने तेलंगाना राज्य सड़क परिवहन निगम (टीएसआरटीसी) के एमडी वीसी सज्जनार और वरिष्ठ अधिकारियों से मुलाकात की। यह बैठक गुरुवार को हैदराबाद के बस भवन में आयोजित की गई। इस बैठक में टीएसआरटीसी में इलेक्ट्रिक बसों के उपयोग, तकनीकी सहायता, कौशल उन्नयन और प्रशिक्षण पर मुख्य रूप से चर्चा की गई।

सबसे पहले आरटीसी अधिकारियों ने पावर प्वाइंट प्रेजेंटेशन के माध्यम से वर्तमान में उपलब्ध इलेक्ट्रिक बसों और भविष्य में उपयोग की जाने वाली इलेक्ट्रिक बसों के बारे में बताया। गैरेथ विन ओवेन ने पर्यावरण-अनुकूल इलेक्ट्रिक बसों का उपयोग करने के लिए टीएसआरटीसी को बधाई दी। उन्होंने कहा कि शून्य उत्सर्जन वाहन (जेडईवी) पायलट प्रोजेक्ट के तहत उन्होंने आरटीसी अधिकारियों के साथ बैठक की। यह बताया गया कि पिछले साल गोवा में आयोजित जी-20 बैठकों में यूके, यूएस और भारत के साथ हुए समझौते के अनुसार जेडईवी के वित्तपोषण तंत्र को मजबूत किया जा रहा है। बताया गया कि इलेक्ट्रिक बसों के प्रबंधन पर कार्यशाला आयोजित करके आरटीसी कर्मचारियों को सशक्त बनाया जाएगा। कंपनी के एमडी वीसी सज्जनर ने कहा कि प्रदूषण मुक्त यात्रा अनुभव प्रदान करने के लिए टीएसआरटीसी में इलेक्ट्रिक बसें शुरू की जा रही हैं। उन्होंने कहा कि यह बैठक संगठन में इलेक्ट्रिक बसों की व्यवस्था को और अधिक फैलाने में उपयोगी होगी। इस बैठक में ब्रिटिश उच्चायुक्त के वरिष्ठ सलाहकार जावेद मल्ला, तेलंगाना सरकार के ऑटोमोटिव और ईवी सेक्टर के निदेशक गोपाल कृष्ण, टीएसआरटीसी सीओवीओ डॉ. रविंदर, संयुक्त निदेशक अपूर्व राव, आईपीएस, डब्ल्यूआरआई भारत के प्रतिनिधि चैतन्य कनुरी, कैलिफोर्निया डेविस विश्वविद्यालय से अनन्या बनर्जी और अन्य ने भाग लिया।

Printed and published by Dr. Gireesh Sanghi on behalf of AGA Publications Ltd., at 396, Lower Tankbund, Hyderabad-500080 Editor: *Dhirendra Pratap Singh *responsible for selection of news under the PRB Act. Postal Licence H/SD/380/21-22, Phone:27644999. Fax:27642512, RNI No.69340/98, Regd.:No.AP/HIN/00196/01/1/97/TC.